

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

No 40 प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

2 नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 20, 1984 (आश्विन 28, 1906)
2 NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 20, 1984 (ASVINA 28, 1906)

भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

डी-1100011, दिनांक 11 सितम्बर 1984
2013/2/84-प्रशा-11-अध्यक्ष, संघ लोक
नियंत्रक (तं सं०) श्री एस० पी० बन्सल
दिल्ली में 11-9-1984 से 10-3-1985
तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले
(तं सं०) (गुप "क" सं० 1100-50-1600)
आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. नियंत्रक (तं सं०) के रूप में श्री एस० पी० बन्सल
की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इससे उनको नियमित
नियुक्ति अथवा बरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

एस० पी० जैन
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

(बीजलेख) को अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) के
पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-
40-1000-द० रो०-40-1200/- रूप के वेतनमान में
29 अगस्त, 1984 के (पूर्वोक्त) से अगले आदेशों तक अस्थायी
तौर पर पदोन्नति की जाती है।

बी० के० हुवे
निदेशक
पुलिस र संचार

महानिदेशालय के० रि० प०

नई दिल्ली-110003,

सं० डी० एक-22/82-स्था०-
कमांडेंट (सलेक्शन ग्रेड) 52 बटा० के०।
दिनांक 27-8-84 (पूर्वोक्त) से बाण
चौकसी अधिकारी (संयुक्त निदेशक) के प
पर सौंपी जाती है।

दिनांक 26 सितम्बर

सं० ओ० दो-1949/81-स्था०-राष्ट्रपति श्री पी० एन०
मागो, जो कि विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय नई दिल्ली

गृह मंत्रालय
समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)
नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1984
सं० ए-12012/1/84-प्रशा-11-संयुक्त नि० तालय
(पुलिस बेतार) के श्री आर० के० कोटनिस, तकनीकी अधीक्षक
1-286GI/84 (24341)

में अधिकारी है, को डेपुटेशन अवधि 3 माह दिनांक 28-9-84 से या नियमित स्थापन तक, जो भी पहले हो, संयुक्त सहायक निदेशक (विधि) के पद पर महानिदेशालय के ० रि० पु० बल में सहर्ष बढ़ाने की अनुमति दी है ।

दिनांक 27 सितम्बर 1984

सं० ओ० दो०-1039/72-स्था०—श्री पी० जे० एस० वालिया, उपअधीक्षक 28वीं बटा० जो वर्तमान में सिक्किम सरकार के साथ डेपुटेशन पर है, को के० रि० पु० बल में सहायक कमांडेंट के पद पर 1200-1700/- वेतनमान में दिनांक 21-7-1984 (अपराह्न) से प्रोफार्मा पदोन्नति करते हैं, अर्थात् उस दिन से जिस दिन से कोई एक सोनियर अधिकारी पैनल में से सहायक कमांडेंट पद पर पदोन्नतिपरान्त के० रि० पु० बल में कार्यभार ग्रहण किया ।

2. यह भारत सरकार यु० ओ० नोट संख्या 9244/जे० एस० पी०/84 दिनांक 12-9-84 द्वारा अनुमोदन होने पर जारी किया जाता है ।

एम० पी० जयमोला
सहायक निदेशक (स्था०)

महा निदेशालय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 सितम्बर 1984

सं० ई-305/7/84-रासगा—महानिदेशक राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, श्री विष्णु भगवान, सहायक निदेशक लेखा, लेखा निदेशालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, को लेखा निदेशक (राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड विंग) में उमा पद पर प्रतिनियुक्ति पर नये आदेशों तक नियुक्त करते हैं ।

2. श्री विष्णु भगवान ने 25-8-84 (पूर्वाह्न) को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

के० दादा भाई
महानिरीक्षक

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा) मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० क्र० प्रशासन एक/ले० अ० प्रमो०/919—महालेखाकार (लेखा) मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित अत्यायो अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000-२० रो०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाये गये कार्यक्रम भार ग्रहण करने के दिनांक से आगामी आदेश तक पदोन्नत किया है ।

क्र०	नाम	स्यायो क्रमांक	कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक तथा आर्बेटन
------	-----	----------------	---

1.	श्री उदयबोर सिंह	01/1431	28-7-84 (पूर्वाह्न)
----	------------------	---------	---------------------

[प्राधिकार :—महालेखाकार (लेखा) के आदेश दिनांक 30-5-84]

एस० के० पोद्दार
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परोक्षा) राजस्थान

जयपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1984

विशेष

सं० प्रशासन—1 (लेखा प०)/18-10—महालेखाकार (लेखा परोक्षा) राजस्थान जयपुर निम्नलिखित सहायक लेखा परोक्षा अधिकारियों (ग्रुप “बी” राजपत्रित) के पदों पर, जिसका वेतनमान 840-40-1000-२० रो०-40-1200 है, प्रत्येक के सम्मुख निविष्ट तिथियों से आगामी आदेशों तक के लिये सहर्ष पदोन्नत करते हैं :—

सर्वश्री—

1. भगवतो लाल अग्रवाल	24-8-84
2. जीवन रूप माथुर	24-8-84
3. प्रेम राज लोरिया	24-8-84
4. सोहन लाल बूचरा	24-8-84
5. बाबू लाल शर्मा	24-8-84
6. शून चन्द्र पाटनी	24-8-84
7. मोती सिंह मोरदिया	24-8-84
8. प्रकाश नारायण माथुर	24-8-84

सं० प्रशासन—1 (ले० प०)/18-10—महालेखाकार (लेखा परोक्षा) राजस्थान जयपुर निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखा परोक्षा अधिकारियों (ग्रुप—“बी” राजपत्रित) के पदों पर, जिसका वेतनमान 650-30-740-35-880-२० रो०-40-1040 है, प्रत्येक के सम्मुख निविष्ट तिथियों से आगामी आदेशों तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करते हैं :—

सर्वश्री—

1. राम चरन सिंह	27-6-84
2. केशव सिंह रावत	27-6-84
3. सुरेश चन्द्र मिश्र	2-7-84
4. राजेश्वर शर्मा	2-7-84
5. रमेश चन्द्र सक्सेना	16-7-84
6. ब्रिशन लाल	25-8-84
7. सोहन लाल	25-8-84
8. होरालाल पालोवाल	25-8-84 (अपराह्न)
9. महेश चन्द्र शर्मा	27-8-84
10. राम हरी शर्मा	27-8-84
11. छोटे लाल मिश्रा	27-8-84
12. जोगेन्द्र सेन मेहता	27-8-84

अस्मिता मुखोपाध्याय
उप महालेखाकार/प्रशासन

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1984

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1188/77-प्रशा० (राज०)—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में आयात-निर्यात

के नियंत्रक, श्री एस० के० वेकटेश्वरन को 7 जून, 1984 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी गई है।

सं० 10/6/74-प्रशासन (राज०)—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र) नई दिल्ली में श्री के० सी० जैन नियंत्रक, आयात-निर्यात 31 जुलाई, 1984 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एम० एल० जयन्त
उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं० 2(48) ई० एस० टी० 1/84/5215—वस्त्र आयुक्त के प्रादेशिक कार्यालय, बम्बई के श्री एच० एच० म्हात्रे, सहायक निदेशक श्रेणी-II सेवानिवृत्ति की आयु पूरी करते हुए दिनांक 31-8-1984 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गए।

आर० के० कुलकर्णी
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं० ए-19018(615)/82 प्रशा० (राज०)—श्री बी० के० पण्डिता ने उनके मूल विभाग महाप्रबन्ध, आडिबैंस फैक्टरी, खमरिया में वर्क्स मैनेजर के रूप में, वापस हो जाने पर दिनांक 10-9-84 (अपराह्न) से विभाग आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में, उप निदेशक (धातुगर्भ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 27 सितम्बर 1984

सं०-12(360)/62-प्रशा० (राज०) खण्ड-2—राष्ट्रपति, श्री सी० राधाकृष्ण निदेशक, ग्रेड-2 (विद्युत) को, निवर्तन आयु के हो जाने पर, दिनांक 31-8-84 (अपराह्न) से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो जाने की अनुमति देते हैं।

एन० के० पुरायायस्थ
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 सितम्बर 1984

सं० ए-17011/60/73 ए-6—उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र)

तथा स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III ग्रुप "ए" वस्त्र शाखा) श्री आर० एन० कौल सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 अगस्त, 1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा निवृत्त हो गये।

राजवीर सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं० 6(119)/63-एस-एक—श्री एस० सी० उष्विन, कार्यक्रम, निष्पादक, आकाशवाणी, धारवाड़ दिनांक 31-7-1984 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० 4(13) 84-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री बी० एस० एस० बोरकर को 16-7-1984 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी बम्बई में, अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीशचन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं० ए० 19012/6/84-भण्डार-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जोगिन्दर सिंह को सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, करनाल में 14 अगस्त, 1984 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

आर० सी० गुलाटी
उप सहायक निदेशक (भण्डार)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 24 सितम्बर 1984

सं० डी०पी०एन०/41/16/83-प्रशा०/25494—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी श्री जी० बी० जी० राव को इसी निदेशालय में दिनांक 25-4-1984 (अपराह्न) से 15-6-1984 (पूर्वाह्न) तक रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री

के० सी० एस० पिल्ले स० म० अ० के० स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

पी० गोपालन
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद - 500 762, दिनांक 20 अगस्त 1984

आदेश

सं० ना ई स०/का प्र० 5/2606/463/1098—जब कि यह आरोपित किया गया कि :

“अनुच्छेद 1—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में यूरेनियम आक्साइड संयंत्र में कारीगर “ख” के रूप में कार्यरत (निलंबन में) श्री टी० सी० माइकेल मुख्यालय से दिनांक 20-8-83 से अप्राधिकृत कार्य से अनुपस्थित रह रहे थे तथा इस प्रकार उन्होंने केन्द्रीय नागरिक सेवा (आवरण) नियम, 1964 के नियम 3(i) (ii) तथा 3(1) (iii) के अनुसार कदाचरण का कार्य किया;

अनुच्छेद II—यूरेनियम आ० संयंत्र में कारीगर “ख” (निलंबन में) श्री टी० सी० माइकेल गृह-निर्माण-अग्रिम की प्रथम किश्त लेने की तारीख से 18 माह के अन्दर गृह का निर्माण-कार्य पूर्ण न कर सके जैसा कि गृह-निर्माण-अग्रिम के अनुमोदन तथा उनके द्वारा निष्पादित बन्धक-पत्र के निबन्धनों में अनुबंधित था तथा इस प्रकार उन्होंने केन्द्रीय नागरिक सेवा (आवरण) नियम, 1964 के नियम 3(1) (iii) के अनुसार कार्य किया; ”

और जबकि उक्त श्री माइकेल को उनके विरुद्ध आरोपों तथा प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना ज्ञापन सं० ना० ई० स०/का प्र० 5/2606/463/112, दिनांक 30-1-84 के द्वारा दी गई;

और जबकि उक्त श्री माइकेल ने आरोप पत्र प्राप्त नहीं किया तथा उनके सभी ज्ञात पतों पर प्रेषित पत्र डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिए गए, “व्यक्ति खला गया है, प्रेषक को लौटाया जाता है”;

और जबकि उनके आवासीय पते, “द्वारा एफ० क्यू० टाइटस रोज बाजार स्ट्रीट, कूनूर-2”, को प्रेषित किए गए ज्ञापन को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, “पत्र लेने से इनकार किया, अतः प्रेषक को लौटाया जाता है”;

और जब कि यह विचार किया गया कि आरोपों की जांच करवायी जाए तथा तदनुसार आदेश सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/463/423, दिनांक 10-3-84 के द्वारा एक जांच अधिकारी की नियुक्त की गई”;

और जबकि जांच अधिकारी ने अपनी रपट (प्रति संलग्न है) यह कहते हुए कि एक-पक्षीय जांच की गई तथा उन्होंने आरोपों के दोनों अनुच्छेदों को सिद्ध हुआ मानते हुए, दिनांक 25-7-84 को प्रस्तुत कर दी;

और जबकि जांच रपट सह मामले के अभिलेखों का सावधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी आरोपों को सिद्ध

हुआ मानते हैं तथा इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री माइकेल सेवा में रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जाना चाहिए;

अतः अब, केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, आवरण व अपील) नियम, 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) के अनुच्छेद (ख) को परमाणु उर्जा विभाग के आदेश सं० 2/2/82-सतर्कता, दिनांक 9-5-1983 के साथ सहयोजित कर उनमें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री टी० सी० माइकेल को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

जे० बी० आर० प्रसाद रावु
उप मुख्य कार्यपालक (प्रशा०)

अनुलग्नक : यद्योपरि

श्री टी० सी० माइकेल,
निवास सं० 40-45,
मौलाअली,
हैदराबाद-500 040

श्री टी० सी० माइकेल
निवास सं० 12-7-272/3,
मेट्टुगुडा,
हैदराबाद-500 017

श्री टी० सी० माइकेल
निवास सं० 44-45,
मौलाअली,
हैदराबाद-500 040

श्री टी० सी० माइकेल,
दूसरा एफ० क्यू० टाइटस
रोज बाजार स्ट्रीट,
कूनूर-2

हैदराबाद 500 762, दिनांक 22 सितम्बर 1984

सं० का० प्र० भ०/0704/2239—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० का प्र० भ०/0704/2038, दिनांक 22-8-1984 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री सु० रा० प्रभाकरन की सहायक लेखा अधिकारी के रूप में रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन मान में तदर्थ आधार पर नियुक्ति दिनांक 22-11-1984 पर्यन्त या आगामी आवेदों पर्यन्त—जो भी पूर्व-घटित हो, बढ़ाई जाती है।

जी० जी० कुलकर्णी
प्रबन्धक, कामिक व प्रशासन

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 16 सितम्बर 1984

सं० प० ख० प्र०-51/21/82-पेंशन—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के श्री जे० जी० सोलंकी, स्थायी फोरमैन (खनन) एवं स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी “एस० बी” ने निवर्तन की आयु पर पहुंच कर 31 अगस्त, 1984 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

स० य० गोखले
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 25 सितम्बर 1984

सं० 05012/भ-1/स्था० पदो/3817—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, श्री पन्नाथील पन्नाथन नाम्बिआर;

भारी पानी परियोजना (के० का०) के स्थायी सहायक लेखाकार को इसी कार्यालय में पूर्वाह्न 17 मई, 1984 से 27 जुलाई, 1984 (अप०) तक के लिए श्री ए० एम० वैद्य, सहायक लेखा अधिकारी, स्थानापन्न, लेखा अधिकारी II नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप से, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/अ 1/स्था० पदो०/3818—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान-कार्यकारी, श्री अच्युत मुकुन्द वैद्य, स्थायी सहायक लेखा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (के० का०) को, इसी कार्यालय में, श्री बी० के० पोतवार, वेतन तथा लेखा अधिकारी, जो छुट्टी पर है, के स्थान पर पूर्वाह्न 17 मई, 1984 से 27 जुलाई, 1984 (अप०) तक के लिए अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न वेतन तथा लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 सितम्बर 1984

सं० 05012/आर०-3/ओ० पी०/3876—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, बी० पी० शर्मा, भारी पानी परियोजना (कोटा) के सहायक लेखा अधिकारी को इसी परियोजना में 21 अप्रैल, 1984 (पूर्वाह्न) से 28 जुलाई, 1984 (अपराह्न) तक के लिए श्री डी० एस० इसरानी, लेखा अधिकारी जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/आर०-3/ओ० पी०/3877—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, श्री एस० एम० मिश्रा, भारी पानी परियोजना (कोटा) के सहायक लेखाकार को इसी परियोजना में श्री बी० पी० शर्मा, सहायक लेखा अधिकारी जो लेखा अधिकारी-II पदोन्नत हो गए हैं के स्थान पर 21 अप्रैल, 1984 (पूर्वाह्न) से 19 जून, 1984 (अपराह्न) तक के लिए अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं० ए० 32013 7/84 ई०-II—राष्ट्रपति ने श्री अशोक कुमार सहदेव वरिष्ठ तकनीकी सहायक को दिनांक 26-9-1984 (पूर्वाह्न) से 25-3-1985 (अपराह्न) तक अथवा वैज्ञानिक अधिकारी की रिक्ति नियमित आधार पर भरे जाने की तारीख

तक इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

ओ० पी० अग्रवाल
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं० 1/40/84-स्था०-विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के अधीक्षक, श्री एस० बी० निकालजे को 8 अगस्त, 1984 के पूर्वाह्न से और अगामी आवेशों तक स्थानापन्न रूप से पुणे शाखा में सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र० का० ठक्कर
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

कोचीन आयकर का कार्यालय

कोचिन-682016, दिनांक 18 सितम्बर 1984

आदेश

सं० 2/84-85—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचिन आयकर आयुक्त में एतद्वारा निदेश देता हूँ कि निम्नलिखित अनुसूची के कोलम 2 में दिए निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) के रैंज का सृजन कोलम 4 में सूचित तारीख से किया जाएगा जिसके मुख्यालय कोलम 3 में उल्लिखित हैं।

क्र० सं०	नि० स० आयुक्त (निर्धारण) का नाम	मुख्यालय	तारीख
1	2	3	4
1.	तृशूर निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण)	तृशूर	1-10-84
2.	एरणाकुलम निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण)	एरणाकुलम	1-10-84

एम० जे० मात्तन
कोचिन आयकर आयुक्त

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अक्टूबर 1984

सं० जी० आई० आर० सो०-74/एक वी०—प्रतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि मय सभी निर्माण है तथा जो मौजा लहरतारा और मौजा फुलवारिया, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कालयाय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 मार्च, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० सिल्का ग्लास बक्स (प्रा०) लि०,
(परिसमापन) द्वारा
परिसमापक श्री गोविन्द दास प्रधान,
वाराणसी।

(अन्तरक)

(2) दि वाराणसी उप निवेशक आलास एवं
निर्माण सहकारी समिति लि०
वाराणसी द्वारा
सचिव, श्री रमेश लाल श्रोवास्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्न-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित मौजा लहरतारा और मौजा फुलवारिया, परगना देहात अमानत वाराणसी पैमाईशी 3.26 एकड़ मय सभी निर्माण और 26 बली क्वार्टर्स और पक्की चहारदोवारी और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडोड फार्म 37-जी सं० 13240 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 8 मार्च, 1984 को किया जा चुका है (37-जी फार्म के अनुसार)।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-9-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष बाईं टी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 सितम्बर 1984

सं० जी० आई० आर० वी०-73/एक्वी०-—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मौजा शिवपुरा, देहात अमानत
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री शिवभूत,
2. श्री मधू
3. श्री असगर अली
4. श्री राजेश प्रताप सिंह
5. श्री अरविन्द नारायण सिंह

(अन्तरक)

- (2) दि वाराणसी उपनिवेशन आवास एवं
निर्माण सहकारी समिति लि०,
वाराणसी द्वारा सचिव,
श्री रोशन लाल श्रीवास्तव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयोगों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि पैमाईशी एक एकड़ चवालिस डिसमिल, स्थित मौजा
शिवपुरा देहात अमानत, वाराणसी, जिसका पंजीकरण
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 15
जनवरी, 1984 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-9-1984

सोहर 2

प्रकृति आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अशोक कुमार तिवारी।

(अन्तरक)

(2) श्री सरबोदर सिंह सहगल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्देश सं० एस०- 24/एवी० -अतः मुझे, ए० प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक किता प्लॉट है तथा जो मोहल्ला
हाथीपुर कोरियाना, लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इससे
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लखीमपुर-खीरी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्-
तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी कटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

एक किता प्लॉट रकबई 7873 वर्ग फीट स्थित मोहल्ला
हाथीपुर कोरियाना लखीमपुर-खीरी, जिसका पंजीकरण
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लखीमपुर, जिला खीरी के कार्यालय में
दिनांक 25 जनवरी, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लखनऊ

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-9-1984

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एड.-----

(1) श्री गणसाद ग्रहमद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स खन्ना स्टोल वर्क्स,
बरेली द्वारा पार्टनर,
श्री विजय नारायण खन्ना ।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० अई० आर सं० के०-135/एकवी०—

अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दोमंजिला मकान है तथा जो ग्रहाता डिप्टी, खैरउद्दीन बरेली में स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नेह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-286 GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दोमंजिला मकान स्थित ग्रहाता डिप्टी खैरउद्दीन बरेली, कुल क्षेत्रफल 377.5 वर्ग गज, जिसका पुंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरेली के कार्यालय में जनवरी, 1984 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) 1. श्रीमती सुनिता ईश्वर दास।
2. श्री ईश्वर नारायण दास।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री हाजा मोहम्मद शमीम

(अन्तरिनी)

- (3) बिक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एच०-52/एक्वी०---

यस: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और सं० जिसको दो मंजिला मकान नं० 108/174 है तथा जो तालाब गंगनो शुक्ल, न्यू माडल हाऊस, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारोख 20 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिस्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः:---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला नं० 108/174, मय भूमि पैमाईशी 1710 वर्ग फीट स्थित तालाब गंगनो शुक्ल, न्यू माडल हाऊस, लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 20 जनवरी, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-9-1984

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री अशोक कुमार तिवारी।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती हरिन्द्र मोहनी सहगल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आर० पी० एच०-51/एचवी०--

प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० एक किता प्लाट है तथा जो मोहल्ला-हाथोपुर
कोरियाना, लखीमपुर-खोरो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधीकारी
के कार्यालय, लखीमपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिनियम द्वारा 25 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पक्के यह विपदाग
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 'र
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट रकबई 5911 वर्ग फीट स्थित मोहल्ला-
हाथोपुर, कोरियाना, लखीमपुर-खोरो, जिसका पंजीकरण
रजिस्ट्रार अधीकारी, लखीमपुर जिला-खोरो के कार्यालय में
दिनांक 25 जनवरी, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० 23/37 ईई०/अर्जन—

अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 16 और 17 6 तल पर है जो 11 एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउण्ड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज, लखनऊ भारतीय आयकर अधिनियम, के अधीन, तारीख 11 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—

(1) मै० हलवासिया प्रापटीज (प्रा०) लि०,
हलवासिया कोट,
हजरत गंज,
लखनऊ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा देवी अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 16 और 17, 6 तल पर, कामर्स हाउस पैमाईशो 550 वर्ग फीट स्थित 11 एम जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउण्ड, लखनऊ।

करारनामा जो कि जी० आई० आर० नं० 23/37 ईई०/84/अर्जन में सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा दिनांक 11 जनवरी, 1984 को पंजीकृत किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-9-1984

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० नं० 22/37 ईई०/अर्जन—

अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 8 और 15, 5 तल पर है तथा
11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड, लखनऊ में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन क्षेत्र, लखनऊ
में भारतीय आयकर अधिनियम, के अधीन, तारीख 11
जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उससे बचने में सावधानी
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधानी
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) मी० हलवासिया प्रार्टीज (प्रा०) लि०,
हलवासिया कोट,
हजरत गंज,
लखनऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी प्रसाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 8 और 15, 5 तल पर कामर्स हाऊस में
पैमाईशी 550 वर्ग फिट स्थित 11 एम० जी० मार्ग, हबीब-
उल्ला कम्पाउण्ड, हजरत गंज, लखनऊ में करारनामा जो कि
जी० आई० आर० नं० 22/37 ईई०/अर्जन में सक्षम प्राधिकारी,
लखनऊ द्वारा दिनांक 11 जनवरी, 1984 को पंजीकृत किया
गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन संपत्ति

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2469—अतः, मुझे,
मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० मकान संपत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्री-
कर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मान सिंह, दरियाब कुमारी पुत्र एवं कंवर
पत्नी श्री महावीर सिंह,
लोको शेड के पास,
रातानाड़ा,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री चैनमल पुत्र
श्री भैरव मुराणा,
63, ऐली फील्ड रोड
स्ट्रीट, मद्रास— 63।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान संपत्ति स्थित हेमजी का कटला, जोधपुर जो
उप-पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 250 दिनांक 25 जन,
1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रथम भाग, टी एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन / 2470--अतः,

मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा ले लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मान सिंह,
कुमारी सुनिता,
श्रीमती दरियाव कंवर
पुत्र, पुत्री एवं पत्नी
श्री महावीर सिंह जी,
लोको गेड के पास,
राताताड़ा,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गौतम चन्द पुत्र
श्री चैन मन,
63, ऐलीफेंटा गेट स्ट्रीट,
मद्रास-63।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित हेमजी का कटला, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 251 दिनांक 25 जनवरी, 1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एच. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/2471—अतः,
मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री मान सिंह,
कुमारी सुनिता एवं
श्रीमती दिरियाव कंवर
पुत्र, पुत्री एवं पत्नी
श्री महावीर सिंह जी,
निवासी—लोको शेड के पाम,
रातानाड़ा,
जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बदत कंवर पत्नी
श्री चैनमल, 63,
ऐलीफेंटा गेट स्ट्रीट,
मद्रास-63 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित हेमजी का कटला, जोधपुर में जो
उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 252 दिनांक 25
जनवरी, पर पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-9-1984

माहूर :

प्रथम भाग, टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 नितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2472--अतः, मुझे,
मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मान सिंह,
कुमारी सुनिता एवं
श्रीमती दरियाव कंवर,
पुत्र, पुत्री एवं पत्नी
श्री महावीर सिंह,
लोको रोड के पास,
रातानाड़ा,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हस्ती मल पुत्र
श्री चैन मल 63,
एलीफेंटा गेट स्ट्रीट,
मद्रास-63।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करत हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित हेमजी का कटड़ा, जोधपुर जो उप-
पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 253 दिनांक 25 जनवरी,
1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 13-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2473—अतः मुझे,
मोहन सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मान सिंह,
कुमारी सुनिता,
श्रीमती बरिया कुमारी
पुत्र, पुत्री एवं पत्नी,
श्री महावीर सिंह जी,
लोको गौड के पास,
रातानाड़ा,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री लूपकरण पुत्र
श्री चैत मल,
63, एलीफैंटा गेट स्ट्रीट,
मद्रास-63।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित हेमजी का कटला, जोधपुर जो उप
पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 254 दिनांक 25 जनवरी,
1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर-
णित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984
मोहर :

प्रकाशनाई टी. एन. ए.-----

भायकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
जोधपुर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2474-अतः मुझे,

मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मान सिंह,
कुमारी सुनिता एवं
श्रीमती दरियाव कुमारी,
पुत्र, पुत्री, एवं पत्नी
श्री महावीर सिंह जी,
निवासी लोकोपार्थ के पास,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता पत्नी
श्री लुपकरण,
निवासी 83, एनीफैंट गेट स्ट्रीट,
मद्रास-63।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकाल सम्पत्ति हेमजी का कटला, जोधपुर का भाग जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 255 दिनांक 25 जनवरी, 1984 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2475—अतः मुझे,
मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 72 है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19 जनवरी,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तोरण दास पुत्र
श्री बन्धू मल,
निवासो गोविन्द मार्ग,
आदर्श नगर,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश अग्रवाल पुत्र
श्री माधव बिहारो गर्ग,
707, जट कुएं का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 72 का चौथाई भाग स्थित तनेजा ब्लॉक,
आदर्श नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं०
191 दिनांक 19 जनवरी, 1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/2477—अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 225 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सती पंजाबी पत्नी
डा० एस० के० पाठक,
सी-139, तिलक नगर,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मै० कानूनगो स्टील्स प्रा० लि०,
सेकण्ड फेज इण्डस्ट्रीयल एरिया,
बासनी जोधपुर ज़रिए
डायरेक्टर श्री रिखबचन्द पुत्र
श्री फूल चन्द कानूनगो,
प्लॉट नं० 325,
सेक्टर-ए-4,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 325, सेक्टर ए सेक्शन 4 मसूरिया, जोधपुर जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० सं० 769/81 दिनांक 7 जनवरी, 1984 परपंजीबद्ध विक्रय पत्र में और और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन /2478—अतः मुझे,
मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 115 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख
16 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लाड कंवर पत्नी
श्री चौधमल जी भोसवाल,
निवासी डागा बाजार,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हंसा कुमारी पत्नी
श्री नरेश कुमार भट्ट,
बगतावर मल जी का बाग,
लक्ष्मी निवास,
जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं० 115 स्थित जोधपुर,
जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 19/770
दिनांक 16 जनवरी, 1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984
मोहर :

इसका नाम: डॉ. एन. एस. ———

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2479—अतः मुझे,
मोहन सिंह

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25 जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सूरज राज पुत्र
श्री सम्पत राज सिंघवी
मुख्तयार आम श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र
श्री बुधमल जी जैन,
निवासी जाटावास जोधपुर हाल
निवासी उड़ीसा।

(अन्तरक)

(2) श्री भोपाल चन्द भण्डारी पुत्र
श्री इन्दर चन्द जी जैन,
निवासी 117 व्यास कालोनी,
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाहोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
सम्बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यादेशाक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 164 स्थित ए सेक्शन 4 मसूरिया जोधपुर
जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 263 दिनांक 25
जनवरी, 1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन, रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/2480—अतः सुभे,
मोहन सिंह

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण है कि किसी बाब की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने के सूचना को
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) श्री सूरज राम पुत्र
श्री सम्पत राज जो सिधवी मुक्तयार आम
श्री नरेन्द्र कुमार जैन,
पुत्र श्री बुधमल जी
निवासी जाटावास,
जोधपुर हाल, उड़ीसा।

(अन्तरक)

(2) श्री भोपाल चन्द भण्डारी पुत्र
श्री इन्दर चन्द भण्डारी,
निवासी 117, व्यास कालोनी,
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 164, भाग ए सेक्शन 4
मसूरिया, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं०
277 दिनांक 27 जनवरी, 1984 पर पंजाबद्व विप्रेय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप. भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन /2481-अनः मुझे,
मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण
'अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 29 जून 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
28 6G1/84

(1) श्री लक्ष्मण गोयल पुत्र

श्री हुकमी चन्द,
121-बी, शास्त्री नगर,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री भैस राम पुत्र

श्री रावत राम चौधरी,
122-बी, शास्त्री नगर,
जोधपुर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं० 122 बी, शास्त्री नगर,
जोधपुर का भाग जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 223
दिनांक 20 जनवरी, 1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रकट बाई.टी.एल.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मितम्बर 1984

निदेश सं० राज०/पडा० आ० अर्जन/2482--अनः मुक्तः
मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 122 है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रार-अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रार-करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख
25 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनः--

(1) श्री लक्ष्मण गोयल पुत्र
श्री हुकम चन्द,
121-बा, शास्त्री नगर,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सैहरान पुत्र
श्री रायत राम,
निवासी 122-बा,
शास्त्री नगर,
जोधपुर।

(अन्तरितो)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सकान सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं० 122 का भाग, शास्त्री
नगर, जोधपुर जो उप पंजोयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 248
दिनांक 25 जनवरी, 1984 पर पंजोबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

साधन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मिनम्बर 1984

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/2484--अनः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रार के अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, तारीख
18 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उक्त अधिनियम में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धूमन चन्द पुत
श्री सप्तन राय श्रीमवाल,
नम्बाकू बाजार,
मलेजा टेन्ट हाऊस,
मोता चौक,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पानी बाई बेरा
श्री भवर लाल एवं
श्री धर्मचन्द,
श्री अभयराज पुतान
श्री भवर लाल श्रीमवाल,
मोता चौक,
जोधपुर।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कर्मवाहिरा शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित जालिम निवासी, जोधपुर जो उक्त
पञ्चायक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 212 दिनांक 18 जनवरी,
1984 पर पञ्चायत विनियम में और विनियम से विवर-
णित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रकृत्य भाई.टी.एन.एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/2485/ ---अतः मुझे,
मोहन सिंह

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेक करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जौधपुर में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18
जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पुनम चन्द पुत्र श्री सम्पतराज ओसवाल, तम्बाकू
बाजार, सलेचा ट्रेड हाउस, मोती चौक, जौधपुर।
(अन्तरक)

2. श्री साधर चन्द पुत्र श्री भंवर लाल, जौधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावर की
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित जालिम निवास, जौधपुर जो उप
पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 211 दिनांक 18, जनवरी
1984 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रमाण नम्बर डी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन गेंज, उधयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० रज/सहा० आ० अर्जन/2485---अतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उधयपुर में स्थित है (और इससे उपायद्व अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उधयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राप्ता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री भगवती लाल पुत्र श्री बरदीचन्द जी महाजन निवासी भूवापा तह०, गिरवा जि० उधयपुर।

(अन्तरक)

1. (1) श्री तुलसीराम पुत्र उदेराम कुमार निवासी नान्देड़ा तहसील नाथद्वारा।

(2) श्री शिन्धारी लाल पुत्र प्रताप जी रंगर निवासी चेटक, सर्कल, उधयपुर।

(3) श्रीमती हुल्लास बाई पत्नी श्री गणेशलाल जी महाजन, सिंगटवाडीया की सहरी, उधयपुर।

(4) श्री हरिश्चन्द्र पुत्र मोहनलाल मंडोवरा नि० भूवाणा, उधयपुर।

(5) श्री राजाराम पुत्र कन्हैयालाल उपाध्याय नि० मोही तह० नाथद्वारा।

(6) श्री गणपतलाल अटवाल निवासी पुर्ली तहसील गिरवा।

(7) श्री पारचन्द पुत्र श्री छगनलाल महाजन नि० सिन्दु तहसील मावली।

(8) श्रीमती रुसना कुंवर पत्नी श्री ऊंकारसिंह निवासी गूडला तह० नाथद्वारा।

(9) श्रीमती पदम कुंवर पत्नी श्री नाथसिंह नि० पीला तह० पलासिया।

(10) श्री शंकरलाल पुत्र परतपजी सुधार नि० फतहपुरा, उधयपुर।

(11) श्री मोगीलाल पुत्र श्री जगन्नाथ जी सुधार निवासी फतहपुरा, उधयपुर।

(12) श्री जगन्नाथ पुत्र उदेनलाल जी सुधार निवासी फतहपुरा उधयपुर।

(13) श्रीमती रोजन देवी पत्नी श्री अम्बालाल जी कच्छारा निवासी फतहपुरा, उधयपुर।

(14) श्री रामसिंह पुत्र श्री हीरासिंह राजपूत निवासी हाथीपाल, उधयपुर।

(15) श्रीमती प्रभा देवी पत्नी श्री मोहित कुमार जी सनाढ्या निवासी कलशमार्ग, उधयपुर।

(16) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकरलाल निवासी सिन्दु तहसील मावली।

(17) श्रीमती भंजु देवी पत्नी मदन लाल निवासी सिन्दु तहसील मावली।

(18) श्रीमती प्रेम देवी पत्नी श्री मानुम सिंह जी चौधरी निवासी उधयपुर चौधरियों की गली, उधयपुर।

(19) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री छगनलाल महाजन निवासी सिन्दु तहसील मावली।

(20) श्री मधन लाल पुत्र श्री छगनलाल निवासी सिन्दु तहसील मावली।

(21) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री जतन सिंह जी दोशी।

(22) श्रीमती अम्मा देवी पत्नी श्री गेहरीलाल लखोवत निवासी चिरवा।

(23) श्रीमती तारा देवी पत्नी चून्नी लाल जी सुधार निवासी भूवापा तह० गिरवा।

(24) श्रीमती रेमा देवी पत्नी नाना जी जगी निवासी भूवापा तह० गिरवा।

(25) श्रीमती बाई जन्दीया पत्नी श्री नालचन्द जी शर्मा निवासी उधयपुर।

(26) श्री उदयलाल श्री रतन लाल पुत्र श्री भूरी लाल जी सुधार निवासी फतहपुरा।

(27) श्री अमृतलाल पुत्र श्री हेमराज जी फाहमप निवासी भूवापा तह० गिरवा।

(28) श्री रोजन लाल पुत्र कानूलाल जी महाजन निवासी भूवापा।

(29) श्री बसन्तीलाल पुत्र श्री मिठालाल जी सांखला निवासी भूवापा, तह० गिरवा।

(30) श्री मीठालाल पुत्र श्री मोहनलाल जी हरकत नि० उधयपुर।

(31) श्री मदनलाल पुत्र श्री नाथूलाल जी निवासी घासा तह० मावली जि० उधयपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम भू-पट्टा में स्थित छपि भूमि जो उप पंजिका, जदपुर द्वारा क्रम संख्या 136 दिनांक 18 जनवरी, 1984 पर पंजिका विवरण पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त राज्य (निरीक्षण)
अर्जुन राज, अजपुर

तारीख: 14 सितम्बर 1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बम्बई

बम्बई दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० जी अई- 3/37-जी 2437/84-85--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 33, आफ प्राइवेट स्किम जगदुशा नगर, रिफन रेंज, गोपीनगर रोड, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिष्टि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्जित:—

(1) भारत करसन्धान ठेकर,

और 5 अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेशचंद्र रामराव दोधन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि दिये सं० एस० 1928/78 और जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-3, बम्बई-1.

दिनांक: 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-3/37-जी/2431/84-85---अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट ऑफ लैंड एम० नं० 91, एम०
नं० 1 (पार्ट), सी० टी० एम० नं० 286, विलेज देवतार
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधित नहीं किया गया है :--

(ब) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः 1--

(1) जयधवजी नरणी

(अन्तरक)

(2) वी० आर० शर्मा, आर० दाय० परणीवनीकन,

वी० राममूर्ति, वी० एन० आसोदिना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकि विलेख सं० एम० 2870/80 और जो
अपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1.

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 मितम्बर 84

निर्देश सं अई-3/37-जी, 2435/84-85---अतः मुझे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सैन्ड बेअरिंग एच नं० 3 (पार्ट), सी०
टी० एम० नं० 366 (पार्ट), और सी० टी० एम० नं०
288 और विलेज देवतार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 11-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस
के कमी करने या वसूल करने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) ई० एच० काथावाला एण्ड क०
(अन्तरक)
- (2) बी० आर० शर्मा, आर० घाय० पारशिवनीकर,
बी० राममूर्ति, बी० एन० असोदिया ।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेज सं० एस० 2884/80 और
जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 3, बम्बई-1.

दिनांक : 14-9-1984
मोहर :

प्रकाश भाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती वेजबाई. हिरजी गाला,
और 7 अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) वी० आर० शर्मा,
और 3 अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 सितम्बर 94

निर्देश सं० आई-3/37-जी/2432/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्री लैंड एट विलेज 91, हिस्सा नं०
1 (पार्ट) और सी० टी० एस० नं० 290, विलेज देवनार,
गोमठड़ी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-286GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं एस० आर० राजस्द्वार,
बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

ए प्रसाद)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई-1

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 सितम्बर 84

निर्देश सं० आई-3/37-जी/2439/84-85 अतः मुझे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3, बेअरिंग सर्वे नं० 35, (पार्ट)
हिस्सा नं० 1 और सर्वे नं० 100, विलेज गोवंडी देवनार,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्ग-
तः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स आशियन मिल्सर्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स वैभव इण्डस्ट्रियल

कम्प्राइसेस को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स ह्यूम्लस इंजीनियरिंग वर्क्स

प्राइवेट लिमिटेड,

और 45 अन्य।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकि विलेख सं० आर० 3465/72 और जो
ऊपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1.

दिनांक : 14-9-1984

मोहर ।

प्रश्न. बाई. टी. एन. एन. -----

नायकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 84

निर्देश सं० आई-3/37-जी/2476/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाध,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रूम नं० 111/16, सी० टी० एस० नं०, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जाँस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मणिकन टोकरशी शिंदपूडा

(अन्तरक)

(2) किशनलाल लालारामजी कुरडिगा

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी कटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकि विलेख सं० 1805/81 और जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 15-9-1984

मोहर :

प्रकाश माई, टी. एन. एस.-----

(1) सारोभाई मुल्ला जिवाजी

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) नारायण दत्तात्रय भोसले

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 84

निर्देश सं० अई-3/37-जी/2433/84-85—अतः मूमे,
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सैन्ड एट चेंबूर सब डिस्ट्रिक्ट, बांग्रा, सर्वे
नं० 58, हिस्सा नं० 6, (पार्टे), चेंबूर, बम्बई

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिगों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जसाकि विलेख सं० एस० 1430/76 और
जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1.

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-3/37/जी/2441/84-85:—अतः मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेन्ड एट विलेज, बोर्ला, एस० नं० 40,
एच० नं० 3, (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 366 (पार्ट)
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
11-1-1984)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
भावित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बच-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कुमारी धनजी पद्मशी।

(अन्तरक)

2. श्री बी० आर० शर्मा,
आर० वाय० पारशीवानीकर,
बी० राममूर्ती,
बी० एन० असोविया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बंधोड़स्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेज सं० एस० 2912/80 और
जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज 3 बम्बई-1

दिनांक 14-9-1984

मोहर :

इसमें आई. टी. एन. एड. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-3/37-जी/2436/84-85:—अतः मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी/37/410, आर० सी० सी० कालनी,
चेंबूर, 3 केन्ट लेन्ड अट विलेज बोर्ला, एस० नं० 40, हिस्सानं०
3 (पार्ट), सी० टी० ए० नं० 366 (पार्ट), चेंबूर, बम्बई
74 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 11-1-2984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भु-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्णल:—

1. श्री कुंवरजी खिमजी।

(अन्तरक)

2. श्री बी० आर० शर्मा,
[आर० वाय० परशिवनीकर,
बी० राममूर्ति,
बी० एन० असोदिया,

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के बिना
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाफे :-—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 2869/80 और
जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1983 क.
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 14-9-1984]]

मोहर:

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-3/37-जी/2440/84-85:—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट बैअरिंग एस० नं० 91, एच० नं० 1 और सी. टी० एस० नं० 285, विलेज देवनार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-1-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वर्धन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ठाकरशी हिरजी।

(अन्तरक)

2. श्री श्री० आर० शर्मा,
आर० वाय० पारसीवानीकर,
बी० राममूर्ति,
बी० एन० असोदिया।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 2883/80 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई-1

दिनांक 14-9-1984
मोहर: :

प्रमुख आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-3/37-जी/2420/84-85:—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या लेन्ड रेंजिंग एस० न० 40, एच०
नं० 3 (पार्ट), और सी० टी० एस० नं० 366 (पार्ट),
अट विलेज बोर्ला, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 11-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राघवजी मरशी ।

(अन्तरक)

2. श्री वी० आर० शर्मा,
आर० वाय० पारशीवानीकर,
वी० राममूर्ति,
बी० एन० आसोविया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 2885/80 और
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984 को रजि
किया गया है ।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई 1

दिनांक : 14-9-1984

मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-3/37जी/2438/84-85:—अतः मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या लैन्ड रेजिस्ट्रार एस० नं० सी० टी० एस०
291 एस० नं० 1 (पार्टे), विलेज देवनार में स्थित है और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

1. श्री खिमजी हिरजी।

(अन्तरक)

2. श्री बी० आर० शर्मा,
आर० वाय० परशीवनीकर,
बी० राममूर्ति,
बी० एन० आसोदिया।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस 239/81 और
जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई-1

दिनांक 14-9-1984

मोहुर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

ब्राह्म सरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37-जी/2444/84-85:—अतः मुझे ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रापटी अट तिरवाज, गांधी नगर, प्लॉटस नं० 109 और और बेअरिंग सर्वे नं० 7 (पार्ट) और सी० टी० एस० नं० 8 और 9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी शरदा त्रिबंक्त भावे ।

(अन्तरक)

2. डा० होशियारचन्द धारीवाल,
डॉ० किशन गुण्डेराव नारायण खेडकर,
लक्ष्मण एम० भोले ।

(अन्तरिती)

3. श्री सी० बी० शर्मा

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाकी है—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 762/79 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 14-9-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

सं० आई-3/37-जी/2453/84-85:—अतः मुझे, ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 55, एफ० टी० पी० एस०
नं० 1, सी० टी० एस० नं० 308, जयजवान लेन, आफ
वफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
2-1-1984)

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नलिनी एस० राणे ।

(अन्तरक)

2. श्री डी० एम० खाखर एण्ड अवर्स ।

(अन्तरिती)

3. श्री डी० एम० खाखर एण्ड अवर्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख [सं० 2215/82, और जो
उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को रजिस्टर्ड
विधा गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक 15-9-1984
मोहर :

प्रकृति भाग III, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

सं० अई-3/3/7-जी-2512/83-84:—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/2 शेअर इन लेन्ड इन विल्हेज बालनाय
मलाड के बाजू में तालुका बोरीलवी, सर्वे० नं० 8, हिस्सा
नं० 1/8 और सी० टी० एस० नं० 85 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दारीख 13-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अंकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रेमण्ड दम्भी ।

(अन्तरक)

2. श्री डेनियल डिंसोजा ।

(अन्तरिती)

3. श्री 15 माहूत

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2020/1981 और जो
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक 15-9-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आदर्श टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साइट प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 सितम्बर, 1984

सं० अई-1/37 ईई/510/83-84:—अतः मुझे, ए०
सहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 10, जो ग्राउण्ड फ्लोअर,
तुलसियानी बिल्डर्स, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 2-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. तुलसियानी बिल्डर्स एण्ड टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)

2. (1) श्री दिपक मदनमोहन सेटिया,
2. श्री सुभाष सिताराम भारोरा,
3. श्रीमती मधु विकास कुकर,
4. कुमारी निशा सुभाष भारोरा, और
5. कुमारी निना नरीमनमोहन कुकर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भूत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभसाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिसर नं० 10, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, तुलसियानी
बिल्डर्स, प्लॉट नं० 212, ब्लॉक 111, नंकरे रेक्लमेशन
स्कीम, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1-37ईई/1128/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-9-1984
मोहर

प्रकट बाई. टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

सं० अई-1/37ईई/891/83-84:—अतः मुझे, ए०

लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 24 और 25, जो श्री मधु इण्डस्ट्रियल इस्टेट लिमिटेड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वरली, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अनुसूची से हुई किसी भाव की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री नलीन भेडू, मेहता,
शवेरी लाल जी० मेहता,
आफ ज्यूपिटर अफ्रो माफ्लेटीजू;

(अन्तरक)

2. मास्टर शशि ए कालरो।

यू नेचरल गार्डियन श्री ए० एस० कालरो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 24 और 25, जो श्री मधु इण्डस्ट्रियल इस्टेट लिमिटेड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वरली, बम्बई-400013 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1-37ईई/1277/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

सं० आई-1/37ईई/940/83-84:—अतः मुझे; ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो 2री मंजिल, गिरीन
मंजिल, मांझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 10-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्राप्तफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया
गया प्राप्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/बा

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती अवेवा ए० राजनू।

(अन्तरक)

2. श्री कमरुद्दीन आर० विश्राम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201 जो, गिरीन मंजिल, 2री मंजिल, 18/
24, सेंट मेरीज रोड, मांझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1279/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
10-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई।

तारीख : 15-9-1984

मोहूर

प्रकृप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

सं० अई-1/37ईई/942/83-84:—प्रतः मुझे, ए०
लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 203, जो, शिरीन मंजिल,
18/24, सेंट मेरीज रोड, मांझगांव रोड, बम्बई-10
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बम्बई
तारीख 10-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्त व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं
किया गया है :—

1. श्री कमरुद्दीन रहमतुल्ला विश्राम।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मदभाई शेख एम० हजरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/या

फ्लैट नं० 203, जो 2री मंजिल, शिरीन मंजिल, 18/24
सेंट मेरीज रोड, मांझगांव रोड, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/1280/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, बम्बई

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, यी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, हस्ताक्षर है—

तारीख : 12-9-1984

मोहर ३

प्रकृष्ट आर्द्र. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

सं० अई-1/37/ईई71058/83-84:—अतः मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
में अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट न० 1443, जो, बिल्डिंग, 57
एम० आय० जी० आदर्श नगर, वरली, बम्बई-25 में स्थित
है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28 OCT 84

1. श्री भारत जेयलाल दवे।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील सत्यपाल ठाकुर, और
श्री गिरीश सत्यपाल ठाकुर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाविताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट न० 1443, जो, बिल्डिंग 57, एम० आय० जी०
आदर्श नगर, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-1/37/ईई/1254/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 11-1-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1155/83-84—अतः मुझे, ए०

लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 109, जो, बी-बिल्डिंग, को-ऑपरेटिव, हाउसिंग सोसाइटी, 12, मानव मन्दिर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीरे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, और जिवहा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 268-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, तारीख 11-1-1984।

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित अ-वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हृषमुखलाल एम० जोवालिया।

(अन्तरक)

2. श्री श्रेयस कांतिलाल सवेरी, और
श्रीमती प्रेरणा श्रेयस सवेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करत है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 109, जो बी बिल्डिंग, चन्द्रलोक बिल्डिंग, को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० 12, मानव मन्दिर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1283/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-9-1984

मोहूर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1253/83-84—अतः सुधो, ए०

लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 227 जो ए० टू जेड इण्डस्ट्रियल इस्टेट, जो० के० मार्ग बम्बई-13 में स्थित है (और इससे 109 के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

1. श्रीमती पद्मा एच० दासवानो।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हैड्रोलीन प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

जो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 227 जो ए० टू जेड इण्डस्ट्रियल इस्टेट
2री मंजिल लोअर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-1/37ईई/1519/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
30-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 15-9-1984

माहुर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/7ईई/1301/83-8:-अतः मुझे,
ए० सहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, जो, ए वींग, 6 बी मंजिल,
मिना बिल्डिंग, म्हातार पाखण्डी रोड, मासगांव, बम्बई-10
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, तारीख 9-1-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारित्य में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बम्बई :-

1. श्रीमती नसिम ए० बेगम।

(अन्तरक)

2. श्री गुलाम कादर एम० फिल्लेदार, और
श्रीमती खाविजाबाई एम० आय० फिल्लेदार।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो ए वींग, 6 बी मंजिल, मिना बिल्डिंग
म्हातार पाखण्डी रोड मासगांव बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.सं० आई 1-37ईई/1128/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

सं० आई-1/37/ईई/1308/83-84:—अतः मुझे ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7, 1ली मंजिल, दर्या महल
बिल्डिंग नं० 3, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 279 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्रार है, तारीख 11-1-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विशोर जयन्ती लाल शाहा।

(अन्तरक)

2. मुकेश कन्हैया लाल शाहा, और
श्रीमती आय मुकेश शाहा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
सम्पत्ति है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 7, जो, 1 ली मंजिल, दर्या महल बिल्डिंग,
नं० 3, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/3ईई/1285 83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेंज, 1 बम्बई

दिनांक 11-9-1984

मोहर ५

प्रकाश नार्. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

सं० अई-1/37ईई/1437/83-84:—अतः मुझे ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके दृष्टात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस रेवेरींग नं० 541,
जो 5वीं मंजिल, "पंचरत्न" पंचरत्न को आप प्रिमायसेस
लिमिटेड, आपेरा हाउस बम्बई-4 में स्थित है और इससे
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयों में रजिस्ट्री
है, तारीख 11-1-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जेनिथ इलेक्ट्रानिक्स।

(अन्तरक)

2. श्री माणिकलाल आर० दाहिया और
श्री रजनीकांत एम० शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनुसूची

आफिस प्रिमायसेस रेवेरींग नं० 541, जो, 5वीं मंजिल,
"पंचरत्न" पंचरत्न को आप प्रिमायसेस लिमिटेड, आमेरा
हाउस, बम्बई-400004 में स्थित है।

अमुचची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1388/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज -1, बम्बई

तारीख: 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

सं० आई-1/37ईई/1589/83-84:—अतः मुझे ए०

लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, को, बाणगंगाअनुराग
को अप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 9, बाणगंगा रोड,
बम्बई-6 में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
अधीन, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1962
1961 की धारा 269 ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-1-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सिदलिप नटवरलाल शाहा,
श्रीमती पदमादेन शाहा एन०
और प्रमोव एन० शाहा,
नितिन एन० शाहा।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश अमरतलाल शाहा, और
श्रीमती शमिष्ठा जगदीश शाहा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जफ्लैट नं० 101, जो बाणगंगा अनुराग को अप
हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 9, बाणगंगा, रोड बम्बई-6
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-1/37ईई/1572/
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आउट बरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

सं० आई-1/37ईई/1608/83-84:—अतः मुझे ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या गोडाउन दुकान नं० 3, फाउण्ड फ्लोअर
जो, फाउण्डेन चेम्बर्स, 1 सी, नानाभाई लेन, बम्बई-23 में
में स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुचकी में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालयों रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, रिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चम्पसी नोगा।

(अन्तरक)

2. श्री बच्चू राधू पटेल।

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए गए अंतरण।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गोडाउन दुकान नं० 3, फाउण्ड फ्लोअर जो, फाउण्ड
चेम्बर्स, 1सी, नानाभाई लेन, बम्बई-23 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० नई-1/37ईई/1352/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
2-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

तारीख: 15-9-1984

मोहर:

प्रकृष्ट आर्द्र, टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1615/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विपश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 36, जो 3री मंजिल, ए-1 को-
आ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 270, बिडलाग्वर रोड, मलबार
हिल, बम्बई-6, में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 2 जनवरी 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायत्व में कमी करने या उससे बचने में मृषिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-286GI/84

1. डा० नरेन्द्र एम० शर्मा, और डा० (श्रीमती) पियुष
नरेन्द्र शर्मा।

(अन्तरक)

2. श्री चंद्रकांत शांतिलाल।

(अन्तरिणी)

3. श्री चंद्रकांत शांतिलाल।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 36, जो 3री मंजिल, ए-1 को-आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 270, बालकेश्वर रोड, मालाबार
हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम० सं० अई-1/37ईई /1629
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
2-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 12-9-1984

मोहुर

प्रकृष भाई. टी. एम. एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1616/83-84—अतः मुझे ए० लहिरी

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राप नं० 5, जो ग्राउंड फ्लोर, न्यू नवयुग को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ओल्ड हनुमान लेन बम्बई-2 में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री महासुखलाल के० कामदार (एच० यू० एफ०) (अन्तरक)

2. श्री महिपतराय जे० शाह (एच० यू० एफ०)। (अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राप नं० 5, जो ग्राउंड फ्लोर, न्यू नवयुग को-ऑप० रेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बिल्डिंग 10/18, ओल्ड हनुमान लेन, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37ईई/1630/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-3-1984

मोहर:

प्रमाण क्र. टी. एन. एस.-----

भाषकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1629/83-84—अतः सुने,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 9, जो ग्राउंड फ्लोर, "सी" ब्लॉक,
धनराज मिल कंपाउंड, सनमिल लेन, लोअर परेल बम्बई-13
में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 2 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकॉ) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिलव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ने, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री रामनिवास फालोब ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती निर्मला दयालाल झवेरी और

(2) श्री मोहम्मद सासेह अहमद सुब ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करने के लिए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 9, ग्राउंड फ्लोर, "सी" ब्लॉक, धनराज मिल
कंपाउंड, सनमिल लेन, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1635/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-9-1984

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 11 सितम्बर 1984

निर्देश क्र० आई-1/37ईई/1636/83-84--अन: मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० आफि० प्रिमायसेस नं० 2-डी, कोर्ट चेंबर्स न्यू
मरीन लाईन्स बम्बई-20 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार के अधिकारी कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16
के अधीन तारीख 2 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारो देवल के० शहा।

(अन्तरक)

2. श्री रोप आर० शहा, (एज० यू० एफ०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 2-डी, 2री मंजिल, कोर्ट चेंबर्स,
न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1 /37ईई/1639-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 11-9-1984

मोहर :

प्रमाण आर्ट. 20, एन. एन. एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1639/83-84—अतः मुझे
ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० दुकान नं० 3, जो ग्राउंड फ्लोअर, डी-विंग,
बिना बिना अपार्टमेंट आचार्यदेवेंद्रमार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15
में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार के
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 2 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिका में कमी करने या उससे बचने में अविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. मेसर्स बिना बिना इण्डरप्रायसेस।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभाकर हरी वेडे।

(अन्तरिती)

3. मेसर्स बिना बिना इण्डरप्रायसेस।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योक्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, डी-विंग, बिना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य देवेन्द्र मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15
में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37ईई/1642/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 15-9-1984

मोहर :

संक्षेप भावः टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-37ईई/1641/83-84—अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, हैपी हाउस,
सोनापूर लेन, बम्बई-400025 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रार के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधिन तारीख 2 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण है कि किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

1. श्रीमती सुषमा शिरोमनी।

(अन्तरक)

2. श्री जगदिश यू० जोशी, और श्रीमती मयमा जोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नोट नं० 402, जो 4थी मंजिल, हैपी हाउस, सोनापूर
लेन, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/3ईईई/1644/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 2-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1642/83-84—अतः सूचे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 3, जो 10वीं मंजिल
एम्बेसी सेंटर नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और
इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 2 जनवर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
रूप से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
नहीं है; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आफसेट अबाई।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कैलास एम० सावंत और आसोसिएट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 3, 10वीं मंजिल, एम्बेसी सेंटर,
नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37ईई/1645/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई-1

तारीख : 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

जनदेश सं० आई-1/37-ईई/1660/83-84--अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ/303, जो 3री मंजिल बिना
बिना अपार्टमेंट्स आचार्य दोंडे मार्ग सिवरी (प), बम्बई-15
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/
तारीख 5 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बाताविक रूप में कथित नहीं किया गया है, :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. सैसस विना बिना इण्डरप्रायसेस।

(अन्तरक)

2. श्री गोर्धनदास ए० गंगोडिया।

(अन्तरिती)

3. श्री नरेन्द्र जी० नेगांधी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री नरेन्द्र जी० नेगांधी।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एफ०/303, जो 3री मंजिल, बिना बिना अपार्ट-
मेंट्स आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37ईई/1652/83-84
और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रें-1, बम्बई

तारीख 11-9-1984
मोहर :

प्रकृष्य बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/1/37ईई/1661/83-84--अतः मुझे

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302 जो, तीसरी मंजिल, विंग -एफ, विन विना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (ए), बम्बई-15, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान या सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-286GI/84

(1) मेसर्स विना विना इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री हृषमुख एच० गांधी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री हृषमुख एच० गांधी ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

बम्बई

फ्लैट नं० 302, जो, तीसरी मंजिल, विंग -एफ, विना विना अपार्टमेंट-मेंट्स, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1653/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

नोहर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1662/83-84—अतः मुझे,
ए० लहोरी:

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैटनं० 301, जो तीसरी मंजिल बिग-एफ विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-1-1984,

को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यप्युक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक है कि किसी भाव की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए जाह/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर

- (1) मेसर्स विना बिना इण्टरप्रायजेस ।
(अन्तरक)
- (2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।
(अन्तरिती)
- (3) श्री मनु प्रसाद मिस्त्री
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री मनुप्रसाद मिस्त्री
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैटनं० 301, तीसरी मंजिल, बिग-एफ, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1654/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहोरी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रकृष जाई टी. एन. एस. -----

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आवृत्त सूचना

कार्यालय निरीक्षा सहायक आयुक्त आयुक्त

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1663/83-84--अतः सुनें,

ए० सहिरी,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, जो, पहली मंजिल, विंग-एफ, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

3-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत विम्बिनीय उपावृत्त से उक्त बम्बई निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भू या अन्य वास्तवों को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स विना बिना इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया।

(अन्तरिती)

(3) श्री नानूराम शर्मा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री नानूराम शर्मा।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवाएँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, जो, पहली मंजिल विंग-एफ, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1655/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एड. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1668/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 605 जो 6वीं मंजिल विंग-ए विना बिना अपार्टमेंट्स आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई—में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री नितिन एन० वेद ।।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री नितिन एन० वेद ।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 605, जो 6वीं मंजिल, विंग-एफ, बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1658/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1669/83-84 -प्रतः मुझे
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102 जो पहली मंजिल, विंग-
बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य वोडे मार्ग, मार्ग, सिवरी (प)
बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोधनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री भावजी एस वाधेर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) श्री भावजी एस० वाधे

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो, पहली मंजिल, विंग-एफ, बिना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य वोडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में
स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1659/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्रकाश बाई. डी. एन. एफ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निवेश सं० 54/जनवरी/84—यतः, मुझे, प्रेम मालिनी

वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो, पहली मंजिल, विंग-एफ, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया है कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धार में वास्तविक रूप से की जा रही है किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) मेसर्स विना बिना इण्टरप्रायजेस (अन्तरक)
- (2) श्री गोर्धनदास गरोडिया । (अन्तरिती)
- (3) श्री हरीभाई द्वि० पटेल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री हरीभाई द्वि० पटेल । (वह व्यक्ति, जिसके बा में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो, पहली मंजिल, विंग-एफ, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं आई-1/37ईई/1660/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर

हस्ताक्षर: टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1671/83-84—अतः मुझे ए० सहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, जो, 6वीं मंजिल, विंग-एफ, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य बो मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल से, ऐसे दृष्टान्त प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्रायजेस (अन्तरक)
- (2) श्री गोवर्धनदास एस० गरोडिया । (अन्तरिती)
- (3) श्री प्रताप भावजी ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री प्रताप भावजी ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

हस्ताक्षर

फ्लैट नं० 602, जो, 6वीं मंजिल, विंग-एफ, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य बोदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम); बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/आईई/1661/8 -84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-9-1984
मोहर

प्रकृत बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० 1/37ईई/1672/83/84—अतः मुझे,
आर० ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जो 6वीं मंजिल, विंग-
एफ बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम),
बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण
रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 5-1-1984,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) वास्तविक रूप से कोई किसी नाम की जायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के वास्तविक को
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्रायजेस
(अन्तरक)
- (2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया :
(अन्तरिती)
- (3) श्री लल्लुदास एम० ठक्कर ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)
- (4) श्री वल्लभदास एम० ठक्कर ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो, 6वीं मंजिल, विंग-एफ बिना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-137/ईई/1662/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 1-9-1984

मोहूर

मकसद बाबू, डी.एन.एस.

भाषण अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1673/83-84—प्रतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, जो, 5वीं मंजिल, विंग-एफ
बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दौदे मार्ग, सिवरी (प०), बम्बई-
15 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और करारनामा
आयुक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
5-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वापस से कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तिकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

10-28 GI/84

(1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री विजय गोर्धनदास भाटिया ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री विजय जी० भाटिया ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 506, जो, 5वीं मंजिल, विंग-एफ, बिना बिना
अपार्टमेंट्स आचार्य दौदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम) बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/1663/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर

प्रश्न आई.टी.एन.एस. 11-9-1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई०-1/37ईई/1674/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 505, जो, 5वीं मजिल, विंग—(एफ), विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य-दोदे मार्ग, सिवरी (ए), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को बन्धूक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राविक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री लक्ष्मीदास जी नेमाधी ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री लक्ष्मीदास नेमाधी ।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 505, जो, 5वीं मजिल, विंग—एफ, विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य-दोदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1664/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

अन्वय आई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आवक्य सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1676/83-84—अतः मुझे
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, जो, 5वीं मंजिल, विंग-एफ,
विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प),
बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) मेसर्स विना बिना इण्टरप्राइजेस ।
(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।
(अन्तरिती)

(3) श्री शेकर जहिफ्दीन ह्वि० ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री शेख जहिफ्दीन ह्वि० ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन में लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सूचना में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
48 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 504, जो 5वीं मंजिल, विंग एफ, विना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० ईई-1/37/1666/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

दिनांक : 12 सितम्बर 1984
मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1677/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, विंग
विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई
15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स विना बिना इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री गयासुद्दीन बी० शेख ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री गयासुद्दीन बी० शेख

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानते
हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 503 जो, 5वीं मंजिल, विंग-एफ, विना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1677/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर

प्रारूप आदेश टी० एन० एच०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक सचिव

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1678/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, विंग-एफ,
विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प) बम्बई-
15 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स विना बिना इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री किशोर बी० छिछिया

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री किशोर बी० छिछिया ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, विंग-एफ, विना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1599/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1679-83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, विंग एफ,
विना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य होदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-
15 में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्धान में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, (और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेसर्स विना बिना इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री सदाशिव गोपाल शेटी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री सदा शिव गोपाल शेटी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, विंग एफ, विना बिना
अपार्टमेंट्स आचार्य होदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम). बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/160/083-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, बम्बई ।

दिनांक : 12-9-1984

माहर

प्रकृष भाई टाई एन एन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1680/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 306, जो, तीसरी मंजिल, विंग
एफ, बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प),
बम्बई 15 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उच्च बचने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सूचना के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्रायजेस ।
(अन्तरक)
- (2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।
(अन्तरिती)
- (3) श्रीमती सबिया अब्दुल वहिद ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीमती सबिया अब्दुल वहिद ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 306, जो तीसरी मंजिल, विंग एफ, बिना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम) बम्बई-15 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1601/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 12-9-84

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री ग्वान्डलिन ई० हानेवी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आय० एन० कैसर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1683/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5-बी, जो, फिरदौश को० आप०
हार्जिसग सोसायटी, 1, मोतीबाई स्ट्रीट, ग्राउंड फ्लोर, आशीपाड़ा
के बाजूमें, बम्बई-7 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाकिर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5-बी, जो, ग्राउंड फ्लोर फिरदौश को० आपरेटिव
हार्जिसगसोसायटी, 10, मोती बाई स्ट्रीट, आशीपाड़ा के बाजू में
बम्बई-7 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1604/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1684/83-84—अनः मुझे,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ/305, जो, तीसरी मंजिल, विना
विना अपार्टमेंट्स, आचार्य दंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-
15 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्-
दिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) मेसर्स विना विना एण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एम० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री महेण पोपटलाल ठक्कर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री महेण पोपटलाल ठक्कर ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० एफ०/305 जो, तीसरी मंजिल, विना विना अपार्ट-
मेंट्स, आचार्य दंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1605/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

साहंर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सञ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1685/83-84--अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, विंग-एफ,
विना विना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम),
बम्बई-15 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिनका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री- है, तारीख
5-1-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कारण से किसी आय या धन के अन्तरण से
किसी आय की बावत

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सोझा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स विना विना टण्टर प्रायोजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री सुनील किशोर मेहता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री सुनील किशोर मेहता ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 304, जो, तीसरी मंजिल, विंग-एफ, विना विना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/1606/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) मेसर्स विना विना इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती निर्मला लालजी मकवाना ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीमती निर्मला लालजी मकवाना ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1686/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 606, जो, 6वीं मंजिल, विंग-एफ,
विना विना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई
15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और/या
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दाय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 606, जो, 6वीं मंजिल, विंग-एफ, विना विना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1607/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1687/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल, विंग-एफ, विना
बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में क और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री बलबन्त हरीलाल ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री कलबन्त हरीलाल

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल, विंग-एफ, विना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1608/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1688/83-84—अतः
मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 603, जो 6वीं मंजिल, विंग-एफ, बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
भित्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स बिना बिना इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्धनदास एस० गरोडिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री कांतीलाल एच० पटेल ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री कांतीलाल एच० पटेल ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 603, जो 6वीं मंजिल, विंग-एफ, बिना बिना
अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-
15 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1609/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-37ईई/1694/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 2, जो, 4थी मजिल, दयावती अपार्टमेंट,
परेल विल्हेज, बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
5-1-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एतद् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स पदमा डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री नेमचन्द खिमजी गाला, और
श्रीमती निता नेमचन्द गाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, 4थी मजिल, पदमावती अपार्टमेंट, परेल
विल्हेज, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-37ईई/1614/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, बम्बई।

दिनांक : 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1697/83-84--अतः सूजे,

ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको स० ब्लैक नं० 2, जो, 7वीं मंजिल, "शिवम्" तिनबत्ती
को०-ग्राप० सोसायटी लिमिटेड, गरशी रोड, वालकेश्वर,
बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और

जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 10-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में तात्त्विक
नहीं है।

(1) श्री सुरेण गांतीलाल शाह और
श्रीमती नारामती गांतीलाल शाह ।

(अन्तरक)

(2) श्री केशवलाल ठाकरशो गांधी और
श्रीमती जमुमती केशवलाल गांधी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है,

अनुसूची

(क) अन्तरण से पहले किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जो आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्लैटन० 2, जो, 7वीं मंजिल, "शिवम्", तिनबत्ती प्रिमायसेस
को०-ग्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड, हुंगरशी रोड, वालकेश्वर
रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-137ईई/1616/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-9-1984

माहिर :

प्राकृतिक आर्.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1700/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० यूनिट नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, क्रिएटिव इण्डस्ट्रियल सेंटर, प्लॉट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, आफ लोअर परेल डिविजन, बम्बई-II में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-1-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन अन्तरक के अन्तरण से उत्पन्न आय के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था विधान में अन्तरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स यस्मिन कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री आय० अलमेडा।

(अन्तरिणी)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, क्रिएटिव इण्डस्ट्रियल सेंटर प्लॉट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, आफ लोअर परेल डिविजन, बम्बई-II में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-137/ईई/1618/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भांडुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1701/83- 4—अतः सुते,
ए० सहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० गाला नं० 121, जो, पहली मंजिल, "ए-2"
विल्डिंग, शाहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोभर परेल, बम्बई-
13 में स्थित है।

रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
और जिसका करारन नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

12-286 GI/84

(1) श्री धनराज मिल्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शेवरचन्द गुलाबचन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाला नं० 121, जो, पहली मंजिल, "ए-2" विल्डिंग, शाहा
एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोभर परेल, बम्बई-13 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1619/3-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्रारूप आर्डर टी. एम. एस. ---

(1) मैसर्स रवि एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ए. एस. के. इन्वेस्टमेंट कन्सल्टेंट्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सठ० अई-1/37ईई/1702/ 3- 4—अतः मुझे,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 4, जो, राजगिर
चेंम्बर्स, 6वीं मंजिल, ओल्ड कस्टम हाउस के सामने, फोर्ट, बम्बई-
23 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री र, दिनांक 11-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कइने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 48, जो, 6वीं मंजिल, राजगिर चेंम्बर्स,
ओल्ड कस्टम हाउस के सामने, फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है ।
अनुसूची जैसा कि क्र० सठ० अई-1/37ईई/1620/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

माहुर :

प्रकरण 3 भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1703/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, "जी"
बिल्डिंग विना विना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी
(पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
12-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) मेसर्स अशोक कमणियल इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री सादिक अली इब्राहिमजी, निसार सादिक अली
लियाकत सादिक अली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो 4थी मंजिल, "जी" बिल्डिंग, विना
विना अपार्टमेंट्स, आचार्य दोंडे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1453/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-9-1984

मोहर :

प्रमुख भाग-1. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आगत सूचनाएँ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1709/83-84—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो, पहली मंजिल, रजत अपार्टमेंट्स माउंट प्लेनट रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुमन सराफ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा नेवातिया ।

(अन्तरिती)

(3) श्री सुमन सराफ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री सुमन सराफ ।

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो, पहली मंजिल, रजत अपार्टमेंट्स, माउंट प्लेनट रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/डिम्ड-24/83-84—और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1713/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 82, स्कायक्रैपर "ए" भुलाभाई देसाई
रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ताराबाई बी० भायेना ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एल० अग्रवाल, आर० बी० अग्रवाल, जी०
एस० अग्रवाल, टी० एन० अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

(3) श्री ताराबेन बी० भायेना ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 82, जो०, स्कायक्रैपर "ए" भुलाभाई देसाई रोड
बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1825/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर

प्ररूप माह, टी, एन, एर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1714/83-84—प्रतः मुझे,
ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० 2, जो, 14वीं मंजिल, "सुल्ता" को०, आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, विंटर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिष्टी की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिष्टी (अन्तरिष्टियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मद्दिता के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को बिम्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा हो निण।

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजनीकांत मफतलाल शहा ।

(प्रन्तारक)

(2) 1. श्रीमती चन्दनबेन माणेकलाल शहा,
2. श्री नरेशकुमार माणेकलाल शहा, और
3. श्री सुकेश माणेकलाल शहा ।

(अभ्युपगच्छति)

(3) वेंडोर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, 14वीं मंजिल, "सुल्ता" को-ऑपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बिटर रोड, बम्बई-6 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1460/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० सहिरी;

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अजंत रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 15-9-1984

माहुर ३)

प्रारूप जारी टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1725/83-84—अतः सुभे

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस नं० 83, जो. मित्तल कोर्ट
सी, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है (जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
12-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रसिकलाल हिरालाल मेहता एण्ड सन्स
(एच० यू० एफ०)

(अन्तरक)

(2) आरडे सी० आइल प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 83, जो. मित्तल कोर्ट सी. नरीमन
पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1767/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साउथ बरकज

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई-1/37ईई/1733/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं. 23, 4थी मंजिल, "जय महल"
बिल्डिंग, वसंत पूर्णिमा को०—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
ए—रोड, चर्चगेट, बम्बई 12-1-198 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
कार्यालय, बम्बई) और जिसेका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-1-1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एतद् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[क] बम्बई के हुए किसी नाम की वास्तविक
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
स्थित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लिलावती मथुरादास चन्नभुज
(अन्तरक)

(2) श्री वामण माधव आपटे ।
(अन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसेके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) 1. श्रीमती तारामती मनमोहन शहा,
2. श्रीमती कांता वल्लभदास शहा,
3. श्रीमती निर्मला मथुरादास शहा,
4. वासंती मथुरादास शहा,
5. सरोज मनमोहन शहा,
6. श्रीमती चन्द्रिका मनमोहन शहा,
7. उषा मनमोहन शहा,
8. जयन्त मनमोहन शहा,

और 9. नितिन वल्लभदास मोहनलाल ।

(वह व्यक्ति, जिसेके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृष्ठों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 23, जो, 4थी मंजिल, "जय महल", वसंत पूर्णिमा
को०—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ए—रोड, चर्चगेट
बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1771/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/1734/83-84-अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 5,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 3, ओ, 14वीं मंजिल, सी-लार्ड,
अपार्टमेंट "बी", 117, कफ परेड, ब्लॉक नं० 5, चर्चगेट रेक्लमेशन
बम्बई में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 12-1-84

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किण्व भण्डा आदि, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
से अर्थात्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

13-236 GI/84

(1) श्री सुरेश मणिलाल पंथिगर, और
श्री रोहित मणिलाल पंथिगर ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता रोशनलाल अग्रवाल
(अन्तरिती)

(3) श्री एस० एम० पंथिगर, और
श्री आर० एम० पंथिगर ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3, जो, 14वीं मंजिल, सी-लार्ड अपार्टमेंट
117, कफ परेड, ब्लॉक 65, चर्चगेट रेक्लमेशन, बम्बई में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-I/37ईई/1772/83-
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई ।

दिनांक : 12-9-1984

मोहर &

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई० 1/37ईई/1751/83-84—अतः मुझे
ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जय महल को-ऑपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्रार है दिनांक 16-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
क. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सन्तूलाल रावजीभाई पटेल
(अन्तरक)
2. श्री चन्द्रकांत पोपंटालाल पटेल
(अन्तरिती)
3. श्री छगनलाल नरसीभाई पटेल
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो जय महल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, "ए" रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/37ईई/1615/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 15-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-1/37ईई/1765/83-84—अतः मुझे
ए० सहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पार्ट 3 आफ ए फ्लैट जान 2 रो मंजिल,
राम भुवन, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई बम्बई-14 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रिकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
निबन्ध के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में
कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
द्वोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, जिनमें में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स बिल्ड क्वीक।

(अन्तरक)

2. डा० चन्द्र मोहर धरने,

(अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री महादेव शिवराम पाटोल और

श्री विठोबा शिवराम पाटोल

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पार्ट नं० 3, आफ ए फ्लैट आन 2 रो मंजिल, राम भुवन,
प्लॉट नं० 772, तिलक रोड, पारसी कालोनी, दादर,
बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/1703/83-84—
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-1/37ईई/1776/83-84—अतः मुझे
 ए० लहिरी
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० रूप नं० 503, जो अनन्त दिप चेम्बर्स,
 5 वीं मंजिल, 273/277, नरसी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है
 (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका
 करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के
 अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
 दिनांक 3-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स टी० जी० मर्चेन्ट एंड कंपनी
(अन्तरक)
2. मैसर्स श्री कृष्णा एजेन्सीज, ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

रूप नं० 503, जो अनन्त दिप चेम्बर्स, 5 वीं मंजिल,
 273/277, नरसी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-400 009 में स्थित
 है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/37ईई/1704/83-
 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-1984
 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 11-9-1984
 मोहर :

प्रकृष्ट भाई टी. एन. एस. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई०-1/37ईई/1783/83-84—अतः मुझे

ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3(ए) आफ ए प्लैट आन 2 री,
मंजिल, राम भुवन, पारसी, कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
में रजिस्ट्री है दिनांक 25-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स बिल्ड क्वीक ।

(अन्तरक)

2. श्री नितिन सी० धरने ।

(अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री महादेव शिवराम पाटोल, और

श्री विठोबा शिवराम पाटोल ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, (ए) आफ ए प्लैट आन 2 री मंजिल, राम
भुवन, प्लॉट नं० 772, तिलक रोड, पारसी कालोनी, दादर
बम्बई-14 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-1/37ईई/1689/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 25-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मुघियामा

दिनांक : 15-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स बिल्ड क्वोक।

(अन्तरक)

2. श्री संजय सी० धरने।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1784/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० पार्ट नं० 3 (बो), आफ ए फ्लैट आन 2 रो
मंजिल, राम भुवन, पारसो कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 25-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पार्ट नं० 3 (बो) आफ ए फ्लैट आन 2 रो मंजिल, राम
भुवन, प्लॉट नं० 772, तिलक रोड, पारसो कालोनी, दादर,
बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्र० सं० 1/37ईई/1670/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-1/37ईई/1785/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 3(सी), आफ प्लॉट आन 2 रो,
मंजिल, राम भुवन, पारसी कालोनो, दादर, बम्बई-14 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रिकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स बिल्डर धन क

(अन्तरक)

2. श्रीमत्. वसुन्धरा सां० घरने

(अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री महादेव शिवराम पाटील और

श्री विठोबा शिवराम पाटील

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट 3 सी (आफ प्लॉट आन 2 रो मंजिल, राम भुवन,
प्लॉट नं० 772, तिलक रोड, पारसी कालोनो, दादर, बम्बई-14-
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1671/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के द्वारा दिनांक 25-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक: 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/1786/83-84--अन: मुझे,
ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो 2री मंजिल, बी० के०
नाथा को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भुलाभाई
वेसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 25-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती तथागत प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री काश्मिरीलाल बंसल ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अशोक सा० चोकसा,
- (2) श्री निरंजन सा० चोकसा,
- (3) श्री अजित सा० चोकसा, और
- (4) श्री मुकेश सा० चोकसा ।

(अन्तरितों)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

4. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम,
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो 2री मंजिल, बी० के० नाथा को-
ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, 87, भुलाभाई वेसाई रोड,
बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1710/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1788/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी आफिस सं० 205, जो 2री मंजिल, तुलसियानी
चेम्बर्स, बैकबे रेक्लमेशन, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका
आरम्भनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 25-1-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
स्वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14—286 GI/84

1. मैसर्स पूतम एंड सन्स टूर एजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरक)
2. मैसर्स संतोष ट्रेवलस एंड टूर,।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 205, जो 2री मंजिल, तुलसियानी चेम्बर्स,
बैकबे रेक्लमेशन, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1672/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1795/83-84—अतः मुझे,

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो 2 री मंजिल, 'समुद्र सेतू',
51-डी भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और
इसमें उपानुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिस पर आयकर अधिनियम, 1961 की 259 बख
के अधिक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 25-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दायित्व के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोविन्द कालीयनदास दर्यनानी,
(अन्तरक)
2. (1) बालकिशन बी० मणिदार,
(2) लीला देवी, बी० मणिदार
(3) नंदकिशोर बी० मणिदार, और
(4) श्री कमल किशोर बी० मणिदार,
अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो 2 री मंजिल, 'समुद्र सेतू', 51-डी,
भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/1674/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स विनस लेदर मूड्स मैन्यूफैक्चर्स।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हि-फैशन्स

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई०बि/37ईई/1801/83-84—अतः सूझे

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सठ० युनिट नं० 249, जो 2री मंजिल, "बी" बिल्डिंग, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सेनापति बापट मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25वाँ 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 249, जो 2री मंजिल, "बी" बिल्डिंग केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सेनापति बापट मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/37ईई/1441/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25- -1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 1, बम्बई

तारीख 11-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती प्रेमलता आर० अग्रवाल ।

(अन्तरक)

2. श्री पंकज एस० संघवी, ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आईबी/37ईई/1805/83-84—अतः मुझे,

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 51-बी, जो सिमला हाउस को
आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एल० जगमोहनदास
रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित र) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 25-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाशत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त'
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

आफिस नं० 51-बी, जो सिमला हाउस, को-आपरेटिव्ह
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एल० जगमोहनदास रोड,
बम्बई-36 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/1445/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 11-9-1983

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री जगदीश राज बोहरा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आर० एम० एसोसिएट्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1808/83-84—अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5, नव-निलम को-ऑपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
25-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, नव-निलम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/1678/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-1/37ईई/2491/83-84.—अतः सुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 5 वी मंजिल, 'उर्वशी',
निर्माणाधीन, इमारत प्लॉट 914, कपाडवाला चाल, माहीम
प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 9-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकांश :—

1. मैसर्स एवरेस्ट बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती किशोरी शशिकुमार सालकर और
शशिकुमार पांडुरंग, मालकर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो 5 वी मंजिल, 'उर्वशी' निर्माणाधीन
इमारत, प्लॉट 914 कपाडवाला चाल, प्रभादेवी, (माहीम),
बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/37ईई/4040/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984
मोहर:

प्रश्न आई.टी.एस.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

1. श्री किरीट जमनातदास मेहता

(अन्तरक)

2. श्री गणपत तुकाराम वांदोडकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० आई० -1/37ईई/4243/83-84--अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11/ए, जो शितल छाया, प्लॉट नं० 351, टी० पी० एस० 4, एस० के० बोले रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के का कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 16) के अधीन दिनांक 9-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूँबधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में मूँबधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 11/ए, जो शितल छाया, प्लॉट नं० 351, टी० पी० एस० 4, आफ डा० एस० के० बोले रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/37ईई/4063/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 15-9-1984

मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-1/37ईई/50054/83 84—प्रतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट बेअरिंग नं० 53ए, आफ गामदेवी,
इस्टेट, सी० एस० नं० 7-ए/492 आफ मलबार और खेवाला
हिल डिविजन, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 17-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उन्मूलन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पर्योजनाई अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती क हंसगौरी, लक्ष्मी दास पंजावानी
(अन्तरक)
2. श्रीमती कमलेश छोटालाल शाहा, मनोज कुमार
छोटालाल शाहा, गिमिईर छोटा लाल शाहा, और
राहुल छोटालाल शाहा,
(अन्तरिती)
3. (1) महावीर कार्पोरेशन,
(2) ए० टी० पवार,
(3) एफ० जे० बकिल,
(4) डी० जी० पारीख
(5) एम० बी० गांधी,
(6) एम० बी० गांधी
(7) एस० एम० नगानग,
(8) सी० के० शाहा,
(9) ए० सी० शाहा
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यक करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेज सं० नाम 730/82 और जो
ऊपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-84 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 15-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निवेश सं० आई० -1/37ईई/5015/83-84—अनतः मुझे
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन बेअरिंग सी० एस० नं० 1213 आफ
फाई डिविजन इमारत के साथ एंट मोदी बाय ट्रापिकल स्टेट,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री शांताबाई सल्लभदास, विजय सिंह बल्लभदास,
रविन्द्र बल्लभदास

(अन्तरक)

2. निर्मल कुमार माहनलाल मेहता, और
कोगिलाबेन निर्मल कुमार मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नाम नं० 1233/80 और जो
ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15-286 GI/84

दिनांक 15-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. कॉनवर्ड कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री सरोज जाटवाला गुप्ता और अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-3/37/ईई/5888/84-85:—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान अँटविलेज दीनदोशी/चिबोली गोकुल धाम, सर्वे० नं० 34, हिस्सा नं० 2, बोरीवली तालुका, गोरे गांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान अँट गोकुल धाम, सर्वे० नं० 34 हिस्सा नं० 2, (पार्ट), सर्वे० नं० 35, आफ दीनदोशी चिबोली, बोरीवली तालुका, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37/ईई/5888/83 84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-9-1984

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.

1. मैसर्स एस० एन० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री इलाक जॉन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

सं० आई-3/37ईई/5662/84-85:—अतः मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी-203, जो, 2 री मंजिल, सौरभ अपार्टमेंट्स, नाहूर विलेज रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-203, जो, 2री मंजिल, सौरभ अपार्टमेंट्स, नाहूर विलेज रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-3/37ईई/5662/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

तारीख : 15-9-1984

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री देशमुख बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री रवि चन्द अगरवाल और अन्य।

(अन्तर्लिखित)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

सं० आई-3/37/ईई/6244/84-85:—अतः मुझे, ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 207, जो, 2री मंजिल,
अजित पार्क, सोमवार बस्मार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई
64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तर्लिखित
(अन्तर्लिखितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 207, जो, 2 री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार
बस्मार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37/ईई 6244/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-9-1984

माहूर :

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

1. देशमुख बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० वी० वर्गिस।

(अन्तर्निर्दिष्ट)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-3/37ईई/6247/84-85:—अतः मुझे ए०

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 310, जो, 3री मंजिल, अजित
पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64
में स्थित है।) और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है।) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
27-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में लाभ के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें पर्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।)

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूखिया
के लिए; और/या

फ्लैट नं० 310, जो, 3री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार
बाजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई 3/37 ईई/6247/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
मूखिया के लिए;

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 15-9-1984

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एम. -----

(1) मैंसे देशमुख बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमेश एन० अडवानी
और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-3/37ईई/6245/84-85-अतः मुझे, ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 209, जो 2री मंजिल, अजित
पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-84
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा
269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/पास रजिस्ट्री-
कृत किया गया है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(ग), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 209, जो, दूसरी मंजिल, अजित पार्क,
सोमवार बाजार रोड मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37-ईई/6245/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27 जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 15-9-84

मोहर :

प्रकटित आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37/ईई/6246/49/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 9, जो ग्राउण्ड फ्लोर, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयण ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स देशमुख विल्डर्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एस० सालवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो ग्राउण्ड फ्लोर, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37/ईई/6246/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-9-1984.

मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.

1. श्री देशमुख विल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रेखा हेमन्त सातारे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-3/37/ईई/6248/84-85:—अतः सूत्रे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चय करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो 2री मंजिल, अजित
पार्क, सोमवार बजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-84
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार
बजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई 64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37/ईई/6248/83
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 15-9-1984

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री मोरीस डिसोज और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री चन्द्रशेखर कोटायन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-2/37/ईई/5655/84-85:—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० नं० 332, एस० नं० 5ए
(पाटें), सी० टी० एस० नं० 5049/ए और 5049/बी,
कालोना कोले कल्याण, तालुका अन्धेरी, बम्बई में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-1984)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
आयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भु-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एस० नं० 332, एस० नं० 5 ए० (पाटें), सी०
टी० एस० नं० 5049/ए और 5049/बी०, कालोना, कोले
कल्याण, तालुका अन्धेरी बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-3/37/ईई/5655/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 15-9-1984

मोहर :]

प्रारूप आइ. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती यशोदाबाई के० बगतानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती चन्द्रिकाबेन, एस० दवे ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-3/37ईई/5650/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या राजावाडी, को आपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटी, विद्या बिहार (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और
इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
जिसे राजावाडी आपरेटिव अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्रार है, तारीख 27-1-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में द्रिय
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारपर से कमी करने या उससे बढ़ने से सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचना के लिए;

राजावाडी को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, विद्या-बिहार
(पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/5650/83
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-9-1984

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री डा० डा० हल्दावनेकर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एस० जी० कामथ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० आई-3/37/ईई/5657/84-85:—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका संख्या फ्लैट नं० 17, जो 2री मंजिल, जयदिव
को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 16, गोनीवार मार्ग,
घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है। (और इससे उदा-
बद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारों के कार्यालय
में रजिस्ट्रार है, तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे उचित प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जागा चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, जो, 2री मंजिल, जयदिव को-आपरेटिव
हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 16, गोनीवार मार्ग, घाटकोपर
(पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूच: जैसा कि क्र सं० आई-3/37/ईई/5657/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निदेश सं०/आई/-3/37ईई/6249/84-85 अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 42, है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड़, मालाड (पूर्व) बम्बई-64, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स शा अ इन्व्हेस्टमेंट कं०

(अन्तरक)

(2) भाईचंदभाई यू० पटेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 42, जो ग्राउन्ड फ्लोर, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड़, मालाड (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37-ईई/6249 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

दिनांक : 15-9-1984

मोहर :

प्रकाश आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री ओ० बी० परेरा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० जे० फर्नांडीज ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

बम्बई दिनांक 15 सितम्बर, 1984

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

निदेश सं० आई-3/37ईई/5651/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 99, कांजूर प्लाट ओनर्स को०
आप० सोसायटी, भांडूप (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और
इससे उगावट्ट अनुचर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लॉट नं० 99, कांजूर प्लाट ओनर्स को० आपरेटिव सोसायटी
भांडूप (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुचर्चा जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/5651/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 15-9-1984

मोहर ■

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/5893-83-84-अतः मुझे,
ए० प्रसाध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिशानिर्देश करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एल० 2/16, लक्ष्मी रामणा को० आपरेटिव
बांगूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-90 में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) है
और जिसका काराधामा आयकर अधिनियम 1961 की
269घ, ख के अन्तर्गत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में दर्जिस्टर्ड है, तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० आर० पंथास वैद्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकरलाल सिधो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्रि-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एल० 2/16 जो, लक्ष्मी रामणा को० आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी, बांगूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-90
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई/3/37ईई/5893-
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाध

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

दिनांक : 15-9-1984

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एन. - - - -

(1) श्री एम० के० रामसिंघा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जयंतिलाल मांगजी सावल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/6264/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो ग्राउन्ड फ्लोर, मालाड मटराज मार्केट हाउसिंग सोसायटी एस० बी० रोड, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारभारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अन्तर्गत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-1984

कने-सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बात/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 1984—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किया जा सकता है।

स्थितीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 60, जो ग्राउन्ड फ्लोर, मालाड मटराज मार्केट हाउसिंग सोसायटी, एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/6264/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

दिनांक : 15-9-1984

माहूर :

प्रकृत जाह. टी. एन. एच.-----

(1) श्री पी० कोशी वर्गिस ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रदीप इंदूलाल शाहा
और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/15660/84-85--अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 15, जो ग्राउन्ड प्लॉट, प्लॉट
नं० 181, स्वागत बिल्डिंग, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व)
बम्बई-77 में स्थित है (और इससे अपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269ब, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो-उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 15, जो प्लॉट नं० 181, स्वागत बिल्डिंग,
गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्रम सं० 3/37ईई/15660,
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

दिनांक : 15-9-1984

माहर /

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

(1) श्रीमती प्रतिभा दीपक वर्मा,
श्री वी० डी० उदयसिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) श्री के० सी शाहा ।

(अन्तर्गति)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर, 1984

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।निदेश सं० आई-4/37ईई/3599/84-85—अत मुझे,
ए० प्रसाद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22 (6) जो ग्राउन्ड फ्लोर
शिवसागर अपार्टमेंट बिल्डिंग, बिल्डिंग ए/8, पोईसर माठाणा
एम्० वी० रोड, बोरीवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-1-1984(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से
पास लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/याफ्लैट नं० 22 (6) काव जो, ग्राउन्ड फ्लोर, "शिवसागर
अपार्टमेंट", बिल्डिंग, बिल्डिंग ए/8, पोईसर, माठाणा, ए०
वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई 92 में स्थित है।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-437ईई/3599
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
16-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई 1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
17-286 GI/84

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
हार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/7/83-84-अतः मूखे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 2, जो ग्राउण्ड फ्लोर, "ई"
बिल्डिंग, "राज विशोर" बिल्डिंग, विज कांदीवली, माडरीन
स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदीवली (पश्चिम), बम्बई-67
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है)

और जिसका प्रारम्भिक आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, एक इस्तेमाल प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाधित, उक्त
अधिनियम के प्रकीर्ण कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, आई.टी.ए.-----

(1) मेसर्स गिरीगज वस्तुवृत्त आपूर्ति।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश लालजी पटाय,
और पुष्पादेन लालजी पंड्या।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 2, जी ग्राउण्ड फ्लोर, "ई" बिल्डिंग, "राज विशोर"
बिल्डिंग, विजेज कांदीवली, माडरीन स्ट्रीट, एम० जी० रोड,
कांदीवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/7/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हार्जन रेंज-4, बम्बई-1

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

सूचना जारी की गई है

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3515/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, जो ग्राउन्ड फ्लॉर 4थी दर्शन मंजिल, "ज्ञान बिल्डिंग, प्लॉट बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० बी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बरार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बात को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कांतिश्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अंतर्गत अंतर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है:—

(1) मेसर्स मनु बिल्डर्स एन्ड कन्स्ट्रक्टर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री नवनीतलाल ठाकुरदास शाहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो 4थी मंजिल, "ज्ञानदर्शन" बिल्डिंग प्लॉट बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस० बी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3515/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप भाई, टी. एन. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-3/37 ईई/3314/83-84-- अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 44 जो तीसरी मंजिल शिवम्
विल्डिंग ए० वि० रोड फतेहबाग कांदिवली (पश्चिम)
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
13 जनवरी 198

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी
(अन्तरक)

(2) श्री पी० ए० गांधी और
श्रीमती एन० गांधी
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और अन्तरितीयों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराई हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 44 जो तीसरी मंजिल शिवम् विल्डिंग
एस० वि० रोड फतेहबाग कांदिवली (पश्चिम) बम्बई-67
में स्थित है

अनुसूची जैसा की क्रम सं० आई-4/37-ईई/3314/83-84
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13 जनवरी को
रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-83

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

गाउँ पंचायत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/337/83-84-अत : मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० प्लेट 8 जो दूसरी मंजिल निलम अपार्टमेंट,
निर्माणाधीन इमारत कांदिवली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 9 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नन्दा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है किसी आय की यावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) युनिक डेवलपमेंट कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) कमल विशोर मी० राथी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 8, जो दूसरी मंजिल, निलम अपार्टमेंट,
निर्माणाधीन इमारत, कांदिवली में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3374/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
9-1-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
ये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक 11-9-1984

मोहर

प्राख्य आर्. टी. एन. एस.-----

(1) युनिट डिबेलमेंट कापेरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री जयप्रकाश टी० लहोटी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आर्-4/37ईई/3375/83-84--अत मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, निलम अपार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, कांदिवली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका नगरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो दूसरी मंजिल, निलम अपार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, कांदिवली में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आर्-4/37ईई/3375/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 11-9-1984

मोहर

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

(1) युनिवर्सल डिबेलमेंट ऑर्परेशन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) सी० ई० वारीयर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1984

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई-4/37ईई/3376/83-84--अत
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो पहली मंजिल, नीलम
अपार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, कांदिवली में स्थित है
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिणियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ वास्तविकता द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 5, जो पहली मंजिल, नीलम अपार्टमेंट,
निर्माणाधीन इमारत, कांदिवली में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3376/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सूचित :—

दिनांक 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

सं० आई-4/37ईई/3377/83-84:—प्रतः मुझे ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 11, जो, 3री मंजिल, निलम
अपार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, काविवली में स्थित है। और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 1961 धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण का गृह्य है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. युनिक डेलरपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती देसा पी० आर्ज

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 11, जो 3री मंजिल, निलम अपार्टमेंट्स,
निर्माणाधीन इमारत, आदिवासी में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37ईई/3377/83-
84 और उसका सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
9-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 11-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एच.एस. -----

(1) डा० ए० बी० भट्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० एन० शाहा ।

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई-4/37ईई/3317/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके मद्देनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी०/4, जो हम सब को०
ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 72 डी०, शंकर
सेन, कांदिबली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के सम्पत्त बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निगों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित आम्निगों, अर्थात् :—

18—286 [1/84]

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी०/4, जो हम सब को० ओपरेटिव हाउसिंग
लिमिटेड, 72-डी० शंकर सेन, कांदिबली (पश्चिम), बम्बई
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3307/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

रूप आई.टी.एन.एम.

(1) श्रीमती रमादेवी आर० अग्रवाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे० एन० दोशी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महासचिव, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3307/83-84--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका सं० फ्लैट नं० डी/104, है तथा जो, राजकिशोर
एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीखको पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के विन्दु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजन पर अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
अविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन संपत्ति के सम्पत्ति, कथित —

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्थाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी/104, जो राज किशोर, एम० जी० रोड,
कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3307/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री अरुण चिमणलाल संधवी ।

(अन्तरक)

(2) श्री जय कुमार मंगलदास मेहता ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई3303/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203-ए०, है जो, दूसरी
मंजिल, अरविंद बिल्डिंग, कमल अपार्टमेंट्स, शंकर लेन,
कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे
उपायानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति व. अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास
लिखित में लिखा जा सकेगा।

साप्तेकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, अरविंद बिल्डिंग,
कमल अपार्टमेंट्स शंकर लेन कांदिवली (पश्चिम) बम्बई-67
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई3303/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
7-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री लक्ष्मणराय अग्रवाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हेमन्त ब्रजलाल धान्की ।

(अन्तरिता)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/4116/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 412, जो, डी विंग, समृद्धि शॉपिंग
सेंटर, एम० जं० रोड, कांदिवला (पश्चिम), बम्बई-67 से
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

फ्लैट नं० 412, डी विंग, "समृद्धि" शॉपिंग सेंटर,
एम० जं० रोड, कांदिवला (पश्चिम), बम्बई-67 में
स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/4116/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
10-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

-ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 12-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. :-----

(1) कुमारों हेमा के० मंडावेवाला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुरा समितावेन पंकज कुमार,
और पी० एच० सुरा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3319/83-84—अतः सुभे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, हैतधा जो, पहला मंजिल,
दास्ताजी ग्राम, बिल्डिंग नं० 1, प्लॉट बेअरिंग सं० टी० एम०
नं० 1319 और 1321, मथुरादास रोड, कादिवली (पश्चिम)
बम्बई-67 में स्थित है (और इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कथारनामा आयकर
अधिनियम 1961 का धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख
13-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रदि-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रद्धा
के लिए; अर्थात्

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

स्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 17, जो पहली मंजिल, दास्ताजी ग्राम बिल्डिंग
नं० 1, सी० टी० एम० नं० 1319 और 1321, मथुरादास
रोड, कादिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3319/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
13-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स अलंकार कन्सल्टेशन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एसोसिएटेड न्यूमेटिक कार्पोरेशन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3370/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 54, है तथा जो, "सी" विंग,
ग्राउन्ड फ्लोर, बालाजी हँकी इन्डस्ट्रियल स्टेट, सर्वे नं० 19
(पार्ट) और 16 (पार्ट), हनुमाननगर, आकुली विलेज, कांदिवली
(पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकद
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
27-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा
269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/पास रजिस्ट्री-
कृत किया गया है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

माला नं० 54, जो, "सी" विंग, ग्राउन्ड फ्लोर, बालाजी
हँकी इन्डस्ट्रियल स्टेट, सर्वे नं० 19 (पार्ट) और 16 (पार्ट),
हनुमान नगर, आकुली विलेज, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3370/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर ■

प्रत्यक्ष बाई-टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3330/83-84—अतः सुझे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 9, जों ग्राउण्ड फ्लोर, शिव
दर्शन, प्लॉट नं० सी० टी० एस, 366, एस० वी० रोड,
कांदिवली (पश्चिम) बम्बई-67 में स्थित है और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 9-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के पक्षीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) मेसर्स एक्सेल बिल्डर्स ।..

(अन्तरक)

(2) काकूभाई नारायणदास डनाडकट ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 9, ग्राउण्ड फ्लोर, शिव दर्शन, प्लॉट बेअरिंग
सी० टी० एस० नं० 366, एस० वी० पी० रोड, कांदिवली
(प०), बम्बई-67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3330/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
9-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

सोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3513/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो चौथी मंजिल, एस०
"ज्ञान दर्शन" बिल्डिंग, प्लॉट बेअरिंग नं० सो० टी० एस०
328, विलेज मालाड, एस० बी० पी० रोड, कांदिवली (पश्चिम)
बम्बई-67 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित अवधियों से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में मरिधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मरिधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स मंकू बिल्डर्स एन्ड कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुद बेन एस० शाहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त शब्दों की पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो 4थी मंजिल, "ज्ञान दर्शन" बिल्डिंग
प्लॉट नं० सो० टी० एस० 328, विलेज मालाड, एस० बी०
पी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3513/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप भाई: डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3316/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी० 202, जो, दूसरी मंजिल
"राज किशोर" बिल्डिंग, कांदिवली विलेज, माडरीन स्ट्रीट,
एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित
है और इससे उपाय अनुचची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19-286GI/84

(1) श्री प्रवीण चन्द्र देवकरण दास शाहा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयाबेन हीरालाल सेठ, और
श्री हीरालाल भोगीलाल सेठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी० 202, जो, दूसरी मंजिल, "राज किशोर"
बिल्डिंग, कांदिवली विलेज, माडरीन स्ट्रीट, एम० जी० रोड,
कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3316
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
18-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहुर

प्रकृष माह: टी. एम. एस.-----

(1) श्रीमती शारदा बी० पोवार ।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) में अधीन सूचना

(2) श्री कीर्ती डी० बघानी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे —

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निवेद सं० आई-4/37ईई/3315/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी० 101, जो पहली मंजिल
"राज किशोर" बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 1065, कांदिवली
विलेज, माडरीन स्ट्रीट एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम)
बम्बई -67 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
13-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
धन से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी० 101, जो पहली मंजिल, "राज किशोर"
बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 1065, कांदिवली विलेज,
माडरीन स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम)
बम्बई-67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3324/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
13-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रमाण आदेश टी० एन० एस्०-----

(1) श्रीमती प्रज्ञा राम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गुणवंतराय बी० पारेख, और
श्रीमती प्रविणा जी० पारेख ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम ले अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो 2-डी०, पारस नगर, शंकर लेन,
कांदिवली पश्चिम बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3331/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
17-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3331/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 403, जो 2-डी०, पारस नगर,
शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है
(और इससे उपावय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिए में कमी करने या उसके अर्जन में सीमा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बय या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सूचिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित :—

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रत्येक भाग, सी. एम. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाषा अनुवाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3514/83-84—अतः मुझ,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, "ज्ञान
दर्शन" बिल्डिंग, प्लॉट बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 328,
विलेज मालाड, एस० वी० पी० रोड, कांदिवली (पश्चिम),
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उमाबद्ध अनुषङ्गी में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिस्थ (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) मेसर्स मंकू बिल्डर्स एन्ड कन्स्ट्रक्टर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिभा विनोद शाहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में संपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
संबंध में कमी करने या उच्च करने के संबंध
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने से
संबंध के लिए;

प्लॉट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, "ज्ञान दर्शन" बिल्डिंग,
प्लॉट बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाड, एस०
वी० पी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ़ाइल सं० आई-4/37ईई/3513/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, द्वारा बम्बई द्वारा
दिनांक 24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जदिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एच. ----

(1) श्री शांतीलाल अमृतलाल मोदी ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री द्वारकादास कांतीलाल शाहा, और
श्री प्रदीप कांतीलाल शाहा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

भायलिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3334/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-2, जो ग्राउन्ड फ्लोर, भूराभाई
अरोग्य भवन ट्रस्ट, मोदी नगर, आदर्श को० ओपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी, मथुरादास रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दख्तमान प्रतिफल से, ऐसे दख्तमान प्रतिफल का
गुण्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कटिपद नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिवस
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-2, जो ग्राउन्ड फ्लोर, भूराभाई अरोग्य
भवन ट्रस्ट, मोदी नगर, आदर्श को० ओपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी, मथुरादास रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3334/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
2-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रकृष माई.टी.एम.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सित 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3326/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 24, जो, दूसरी मंजिल, शिवम
बिल्डिंग, एस० बी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गुणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) मेसर्स राजलक्ष्मी कन्सल्टेशन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री शाहा बाबाभाई साधवजी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और अन्तरिती।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 24, जो, दूसरी मंजिल, शिवम
बिल्डिंग, एस० बी० रोड, फतेहबाग, तीनकादिवली (पश्चिम), बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3326/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. :-----

(1) एम० एन० कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कल्पनाबेन रजनीकांत शहा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आगत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3339/83-84—अतः सुमे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, पहली मंजिल, "ज्ञान
अमरीत" बिल्डिंग, मोदी रोड, कांदिवली (पश्चिम)
बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन
अर्जन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 20-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्ष्माक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो, पहली मंजिल, "ज्ञान अमरीत"
बिल्डिंग, मोदी रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3339/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-8-1984

माहुर

प्रूप. भाई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई-3/37ईई/3426/83-84—प्रतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, पहली मंजिल, "शेखर नगर" परेरा वाडी, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाज्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत ली शायित्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा न मिले; यदि/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स शेखर डेवेलपमेंट कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण रामचंद्र पुरोहित।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, जो, पहली मंजिल, "शेखर नगर", परेरा वाडी, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/3426/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/3425/83-84--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 307, जो, तीसरी मंजिल, "शेखर नगर", पेरेरा वाड़ी, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-1-1984 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिायों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स शेखर डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिना चेतन लाड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संज्ञाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 307, जो तीसरी मंजिल, "शेखर नगर", पेरेरा वाड़ी, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/3425/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों बर्चात :-

20-286GI84

प्रारूप आई. टी. एम्. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/4048/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, जो दूसरी मंजिल, शांति किशन अपार्टमेंट नं० 1, वामणराव सावंत रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचंद्र नारायण मोडक।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय जे० दोशी, और श्रीमती नयना सी० दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो, दूसरी मंजिल, शांति किशन अपार्टमेंट नं० 1, वामणराव सावंत रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/4048/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर

प्रश्न नम्बर टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई-3/37ईई/3434/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 10, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, शंकर नगर, डब्ल्यू० एस० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से ऐसे दसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भू या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रभावती गोरखनाथ मिश्रा।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार जमुनादास उनाडकट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 10, जो ग्राउन्ड फ्लोर, शंकर नगर, डब्ल्यू० एस० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/3434/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर

प्रकृष्य बाह्य. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स एस० विदी विल्डर्स
प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० आर० शाहा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-4/37ईई/4041/84-85-अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, ग्राउंड फ्लोर, जी० बिल्डिंग, मिस्किवट्टा नगर, छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, जो, ग्राउंड फ्लोर, जी० बिल्डिंग, मिस्किवट्टा नगर, छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम० सं० अई-4/37ईई/4041/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्रत्यु आई.टी.एन.एस. - - -

(1) स्पेस बिस्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री डी० ए० बारनीस और मीस्टर एन० डी० बारनीस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3794/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 61, 62/10, जो छत्रपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण-के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 61/62/10, जो छत्रपति शिवाजी मार्ग दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37ईई/3794/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपादि :—

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-4/37ईई/342/84-85:—अतः मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, बिल्डिंग, बी०, आनन्द नगर, दहिर (पूर्व), में स्थित है। और इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयों में रजिस्ट्री है, तारीख 27-1-84

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स हपी होम हाउसिंग।

(अन्तरक)

2. श्री डी० डी० बारनीस,

और श्रीमती एस० डी० बारनीस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो, बिल्डिंग बी०, ग्राउण्ड फ्लोअर, आनन्द नगर, दहिसर (पूर्व), में स्थित है।

अनुसूची जैस कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/3424/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 14-9-1984

मोहर :

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० आई-4/37/ईई/3798/84-84-अतः मुसे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० एसें-1-ए-2/5, जो, आनन्द
नगर, छत्रपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, रके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-1-1984)
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. स्पेस विल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एस० जे० दुबे और
मास्टर वी० जे० दुबे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० ए०-1-2/5, जो, छत्रपति शिवाजी मार्ग,
आनन्द नगर, दहिसर (पूर्व) में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37/ईई/3798/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
19-1-84) को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 14-9-1984

मोहर ॐ

प्रश्न बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० आई-4/37ईई/3810/83-84:--अतः मुझे ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 2, जो, जी-बिल्डिंग, ग्राउण्ड फ्लोअर, मिस्किवट्टा रोड, छत्रपति शिवाजी रोड, बहिसर (पूर्व), में स्थित है। और इससे उपावय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :—

1. मैसर्स एम० बिर्दी बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन० डी० सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, जी०बिल्डिंग, मिस्किवट्टा नगर, छत्रपति शिवाजी रोड, बहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37ईई/3810/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37-जं/44/84-85—अतः मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 16/324 टी० पी० एस्० III,
सर्वे नं० 25 (पार्ट), बोरीवली बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच गये प्रत्यक्ष के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष निखन में वास्त-
विक रूप से अंतरित की जाया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी धन को बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के प्रत्यक्ष के बाधित में कमी
करने या उसने करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स लक्ष्मी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. सोमनाथ दर्शन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. 1. श्री कृष्ण एम० वेंकटेश्वरा अय्यर

2. श्री वल्लभ बसन्त गंगाराम

3. श्री जावकर श्रीकांत सहदेव

4. श्री पंड्या मारुतकुमार ललितकुमार

21—286 GI/84

5. श्रीमया श्रीनिवास महानाथ
6. श्री गोडबोले दत्तात्रय ज्ञानेश्वर
7. श्री रिसबूड सुरेश गंगाधर
8. श्री शहा चन्द्रकांत पी०
9. श्री पारेखमहेणचन्द्र द्वारकादास
10. श्रीमती देसाई शैलजा शशिकान्त
11. श्री जानी अनन्तकुमार कांतोला
12. श्री देसाई दिनेश सुमन्तराय
13. श्री मंगेशकर जयन्त बसन्तराव
14. श्री बावकर श्रीकृष्ण भाउराव
15. श्री पुरोहित शंकर लाल भागीरथ
16. श्री पिकाडो अलेक्स, और
17. श्री कनुभाई बी० पंड्या

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० ए० 3040/81 और
जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 5-9-1984

मोहर

प्रत्येक आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

सं० आई-4/37/ईई/3574/83-84-अतः मुझे, ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 607, जो, गिरनार अपार्टमेंट,
प्लॉट नं० 62, गोविन्द नगर, आफ मण्डेश्वर रोड, बोरोवली-
वली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1-1-1984 Deemed Registration
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाग्विचल्य में कमी करने या उसमें बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स कमला इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जमनाबाई मी० संघवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जम के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में लिखत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोगम्यकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 607 जो, गिरनार अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 62
गोविन्द नगर, मण्डेश्वर रोड, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई
92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37/ईई/3574/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-84,
Deemed Registration को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक 11-9-1984

मोहर :

प्रारूप भाई टी. एन. एस. -----

1. त्रिमूर्ति कन्स्ट्रक्शनन्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सुलक्ष्मी सुनील बालगी ।

(अन्तरिर्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर, 1984

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० अई-4/37/ईई/3560/83-84—अतः मुझे, ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 22, जो 2री मंजिल, "रोहन
अपार्टमेंट", 4, नवा गांव, मण्डपेश्वर रोड, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
12-9-1984 (deemed registration)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लेट नं० 22, जो, 2री मंजिल, रोहन अपार्टमेंट,
सर्वे नं० 5 (पार्ट), एस० नं० 3, हिस्सा नं० 1, (पार्ट), 4
एस० नं० 3, एस० नं० 2, प्लॉट अट नवा गांव, मण्डपेश्वर
रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई 4/37-ईई/3560/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-84
deemed registration को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद.

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. ----

1. मैसर्स कमला इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शांतीबाई बी० संघवी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रोज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

सं० आई-4/37-ईई/3572/83-84— अतः मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 506, जो, गिरनार अपार्टमेंट्स,
प्लॉट नं० 62, गोविन्द नगर, आफ मण्डपेश्वर रोड, बोरोवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1984 deemed registration

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 506, जो, गिरनार अपार्टमेंट प्लॉट नं० 62,
गोविन्द नगर, आफ मण्डपेश्वर रोड, बोरोवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 4/37-ईई/3572/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-84
deemed registration रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

सं० आई-4/37/ईई/3487/84-85—अतः सुभे, ए०
प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या प्लेट नं० 9, जो प्रतिमा बिल्डिंग, सिद्धी
कालीनी, बोरीवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है। (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालयों में रजिस्ट्रार है, तारीख 17-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वार्षिक रूप से कीथन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आर० के० कन्स्ट्रक्शन क०

(अन्तरक)

2. श्री जतिन एच० पारोख।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 9, जो प्रतिमा बिल्डिंग, सिद्धी कालीनी, बोरी-
वली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37/ईई/3487/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री प्रदीप कोठारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स अमर इण्डस्ट्रिज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-4/37ईई/4092/84-85—अतः मुझे,
० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल शेड नं० 13, जो, जया
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 3री कार्टर रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई
66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है; तारीख 23-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण के द्वारा किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावेस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूने

इण्डस्ट्रियल शेड नं० 13, जो, जया इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
3री कार्टर रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-4/37ईई/4092/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई-1

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/4198/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 12 ए, जो श्री साईवर्गन
प्रिमायसेस को०-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित)
रामबाग, एस० बी० रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंगो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्राय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवन्त सिंह चौधरी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० आर० सुर्वी

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 12 ए०, श्री साईवर्गन प्रिमायसेस को०-
प्रापरेटिव सोसाईटी (नियोजित) रामबाग, एस० बी० रोड,
बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/4198/83-
83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक: 13-9-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सुरेश एस० बच्चवानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जयंत एम० देसाई ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

सं० आई-4/37/ईई/3575/83-84—अतः सुधे, ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट नं० 202, जो, अजंती, दीलत
नगर, रोड नं० 10, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-66
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
21-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूत्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 202, जो अजंती, दीलत नगर, रोड नं०
10, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3-47/ईई/3575/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
21-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 11-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एच. —

1. मैसर्स परम आनंद बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री वी० एम० पटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/287/84-85:—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 6, जो ग्राउण्ड फ्लोअर,
बिल्डिंग, नं० बी०-2, रतन नगर, स्किम, बोरीवली (पूर्व),
बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1969 की धारा 269-क, ख, के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
28-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में साधना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
साधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22-286GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्ष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिव-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, बिल्डिंग, बी-2,
रतन नगर स्किम, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/287/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

माहूर :

प्रकट बाब, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37/ईई/3536/84-85-अन: मुझे, ए
प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 2, जो, ब्रिटिश, नं० बी-
6, ग्राउण्ड फ्लोअर, एम० नं० 222, एच० नं० 1 से 5 एम०
नं० 228, एच० नं० 3 और एस० नं० 229, एच० सं०
385, मा० टो० एस० नं० 1860, रतन नगर, एस० बी०
रोड, बोरोवली (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूच: में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,
ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर्ड है, तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिषियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स परम आनन्द बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।
(अन्तरक)

2. श्री एफ० पिन्टो, और
श्रीमती हेलन पिन्टो।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो, ब्रिटिश बी०-6, ग्राउण्ड फ्लोअर,
एम० नं० 222, एस० नं० 1 से 5, एम० नं० 228,
हिस्सा नं० 3, और एस० नं० 229 एच० नं० 385, मा०
टो० एस० नं० 1860, 1962, 1865, 866, 1969
और 1870, रतन नगर, एस० बी० रोड, बोरोवली (पूर्व),
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाका क्र० सं० आई-4/37-ईई/3536/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-
1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई-1

दिनांक : 12-9-84

माहौर :

प्रकृ. जाई. टी. एन. एस. - - - -

(1) मैसर्स विपक्ष कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री परमेश्वर कुण्ठा भट्ट हसमाने।

(अन्तरिक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई 4/37ईई/3554/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के निम्न कार्यवाहियां करना हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

और जिसका सं० फ्लैट नं० 2बी, मयंक, होली, क्राम रोड, आय० सं० कालनी, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 261 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, दिनांक 13 जनवरी 1984

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्जे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 2 बी, मयंक, होली, क्राम रोड, आय० सं० कालनी, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि सं० अई-4/37-ईई/3554/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13 जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सुक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई-1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-9-84

माहूर :

प्रत्यक्ष भाषा: टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3551/84-85-अतः

मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 जो पहली मंजिल
स्विता अपार्टमेंट, टी० पी० एस० नं० III एफ० पी० नं०
376 बक्षिरा नाका आफ एल० टी० रोड, बोरोवली (पश्चिम)
बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 161 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, दिनांक 24
जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तिनों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मैसर्स ला० विल्ड कन्स्ट्रक्शन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमोदिना आर० मांदेकर ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 01 जो पहली मंजिल, स्विता अपार्टमेंट
टी० पी० एस० III, एफ० पी० नं० 376 बक्षिरा नाका,
आफ एल० टी० रोड, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-83
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37 ईई/3551
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
24-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-84

मोहर :

श्रीरूप बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मादक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-4/37ईई/3481/83-84--अतः मुझे, ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 204 जो, 2 गे मंजिल, अन्कूर
विल्डिंग, मण्डपेश्वर रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में
स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से
वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
का धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, तारीख 16-1-1984

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स गोमालिया अण्ड शाहा आसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमता पूर्णिमा एम० जैन
और सुशील जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्सली

फ्लैट नं० 204, जो, 2 गे मंजिल, अन्कूर विल्डिंग,
मण्डपेश्वर रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचि जैसा कि क्र सं० अई-4/37ईई/3481/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-9-1984

माहिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

1. यस्मिन आसीसियेट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

2. श्री सो० जे० डिशोसा, श्रीर
श्रामतो हेलन डिशोसा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37/ईई/4088/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मक्या फ्लैट नं० 101, जो, 1 लो मंजिल,
बिल्डिंग, नं० 16, साईबाबा नगर, बोरीवला (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख
28-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो, 1 लो मंजिल, बिल्डिंग नं० 16,
साईबाबा नगर, बोरीवला (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/4088/83-84
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
गोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फिब्रुवरी 1984

निवेश सं० अई-4/37ईई/3463/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जी, तीसरी मंजिल, आनन्द
अपाट्रमेंट्स, सिटी सर्वे नं० 302, दत्तपाड़ा रोड, बोरीवली (पूर्व),
बम्बई-66 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-1-1984,
को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय बंगलूर वक्षिण ताल्लुक
के धारा 269 क, ख के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के
पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती सुगोला इंदरचन्द संघवी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यू० मा० गहा, और श्रीमती बिट्टूबेन दिपक
कुमार गहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

नियुक्ती

फ्लैट नं० 303, जी, तीसरी मंजिल, आनन्द अपाट्रमेंट्स,
जमीन बेअरिंग सिटी सर्वे नं० 302, दत्तपाड़ा रोड, बोरीवली
(पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है ।

अनुसूचा :—जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/3463/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मिनम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3598/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 301, जो, बिल्डिंग "ए" तीसरी मंजिल,
सिता महल को—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
कार्टर रोड, नं० 5, बोरोवला (प०), बम्बई-66 में स्थित है (श्रीर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 10-1-1984,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
परामर्शार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक प० शहा, श्रीर
श्री योगेन प० शहा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भावना हिरेण रयासम, श्रीर
श्री हिरेण कुमार रयासम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, बिल्डिंग "ए", तीसरी मंजिल, सिता
महल को—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कार्टर रोड
नं० 5, बोरोवला (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3598/83-84
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष अर्थों की एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई-3459/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 110-सी० ओ०, पहली मंजिल, जय
देवा अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 3, सर्वे नं० 81, एच० नं० 26 (पार्ट),
चंदावरकर रोड, सोडावाला मेन, विलेज बोरीवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-1-1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती सितत एस० यूसुक ।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तलाल गोकुलदास मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 110-सी०, पहली मंजिल जय देवा अपार्टमेंट्स,
प्लॉट नं० 3, सर्वे नं० 81, एच० नं० 26 (पार्ट), चंदावरकर
रोड, सोडावाला मेन, विलेज बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-4/37ईई/3459/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

(अन्तरक)
(2) श्री ललित एम० व्यास और सुनील एम० व्यास
(अन्तरिक)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુસૂચી

फ्लैट नं० 8, जो, दूसरी मंजिल, ए-विंग पंचत्रटी बिल्डिंग,
स्किम एट बोरीबलो (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०स० अई-4/37ई/3537/83-84
और जो मक़म प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

दिनांक : 11-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) सम्मान कन्स्ट्रक्शनन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रभाकर नार्वा अमिन।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3496/83-84—अतः सुमे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो, शेफाली विला, आय० सी०
कालोतो, रोड नं० 3, बोरोवली (प०), बम्बई में स्थित है और
इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
काररनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 16-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण के द्वारा किसी वाय को वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उल्टे करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो, शेफाली विला, आय० सी० कालोतो
रोड नं० 3, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3496/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री शैलेश कुमार जे० मेहता और
श्री हलेश कुमार जे० मेहता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री वामुदेव एस० असरानी ।

(अन्तरिती)

साथ में प्रकट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3600/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, जो रिद्धा अपार्टमेंट, साईबाबा
नगर, बोरोवला (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 10-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
क्षमिता में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो रिद्धा अपार्टमेंट, साईबाबा नगर,
बोरोवला (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3600/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स कमला इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मूलीवाई एस० संघवी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3571/83-84--अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट न० 406, जो, गिरनार अपार्टमेंट्स, आफ
मंडपेश्वर रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 2-1-1984

क्यों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है---

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट न० 406, जो, गिरनार अपार्टमेंट, आफ मंडपेश्वर
बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/3571/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3484/84-85—अतः सुसे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो, गोकर्ण को-प्रॉपरटिव
हाउसिंग सोसाइटी, सिम्पोली रोड, बोरोवली (पश्चिम) बम्बई-
92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 9-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स भूपण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री अणोक हि० फाटक ।

(अन्तरिनी)

(3) अन्तरिनी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो, गोकर्ण को-प्रॉपरटिव हाउसिंग सोसायटी
सिम्पोली रोड, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3, 4/37ईई/3484/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984
को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर ।

प्रारूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3573/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 405, जो, गिरनार अपार्टमेंट, आफ
मंडपेश्वर रोड, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 1-1-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स कमला इण्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री ललितकुमार मुखराज मधवी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 405, जो, गिरनार अपार्टमेंट, आफ मंडपेश्वर
रोड, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3, 4/37ईई/3573/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-1-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई/4/37ईई/3563/84-85---अतः मुझे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 24 (पार्ट), जो, टी० पी० एस०
नं० 2, बिल्डिंग नं० 2, प्रेम नगर, विमूज एक्सर, एस० द्वि०
रोड, बोरोवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचो में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-1-
1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. पटेल पारथाभाई देवाभाई, और
2. पटेल लालजोभाई दालाभाई ।

(अन्तरक)

- (2) देसाई त्रिपितृचन्द्र भगवानजी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 24 (पार्ट), टी० पी० एस० नं० 2, बिल्डिंग नं०
2, प्रेम नगर, विमूज एक्सर, एस० द्वि० रोड, बोरोवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूचो जैसा कि क्र० सं० आई-3, 4/37ईई/3563/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984
को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सहाय प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

साक्षर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3479/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो तीसरी मंजिल, चिखल अपार्टमेंट्स
"बी", 99, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 17-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक अन्तरक के
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तविक से कम करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

24-2 86GI/84

(1) मजियिया कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रितम ठाकुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, तीसरी मंजिल, जो, चिखल अपार्टमेंट्स "बी"
99 एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3479/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकाश जाई, टी. एन. एस. ----

(1) श्री जे० सिंह० बोशी, और श्रीमती एन० जे० बोशी ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(ब) (1) के अधीन सूचना(2) श्री मधुसूदन आर० भट्ट, और
श्रीमती मंचाबेन आर० भट्ट
(अन्तरिती)

भाइल सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3593/83-84—प्रतः मुझे,
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, दूसरी मंजिल, देविबिका को-
आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कार्टर रोड नं० 3,
भिमभाई देसाई कम्पाउंड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-1-84को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।प्रतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, दूसरी मंजिल, देविबिका को-आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कार्टर रोड नं० 3, भिमभाई देसाई
कम्पाउंड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है ।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3593/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

[सक्षम प्राधिकारी]

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-9-1984

मोहुर ४

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3602/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 124/1 से 3, एस०, नं० 15, एच० नं० 1 (पार्ट), 123, 123/1, ओ० पी० नं० 178, टी० पी० एस० III, एफ० पी० नं० 286, विल्हेज एक्सार, बोरीवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-1-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) साईनाथ बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रत्नाकर पाताडे ।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्रीमती एस० एस० कराडकर,

2. श्री ए० आर० कोलगांवकर,

3. एम० एस० मोकाशी,]

4. श्रीमती के० ए० म्हात्रे ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) 1. श्री आर० एस० ठाकुर,

2. श्री एस० एस० ठाकुर,

3. ए० एस० ठाकुर एण्ड फैमिली है ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 15, एच० नं० 1 (पार्ट) ऑफ विल्हेज एक्सार,
सिटी सर्वे नं० 124, 124/1 से 3, 123 और 123/1 ऑफ
सिटी सर्वे नं० एक्सार टग पी० एस० III, एफ० पी० नं० 286,
बोरीवली में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/3602/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3494/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 101, जो, शेफाली विला, आ० सी०
कालोनी रोड नं० 3, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 16-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सन्मान कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एल० सुवर्णा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
अर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
यथा है।

अनुसूची

प्लेट नं० 101, जो, शेफाली विला, आ० सी० कालोनी,
रोड नं० 3, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3494/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक : 12-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3559/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ/16, तीसरी मंजिल, साईबाबा धाम, आफ एस० वि० रोड, बोरीवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269-ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसार जो बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृजित हो लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य भास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स अरुण इण्टरनेशनल ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण रमेश ।

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० एफ०/16, जो, तीसरी मंजिल, साईबाबा धाम, आफ एस० वि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3559/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-9-1984

मोहर ।

प्रकाश जाई टी. एन. एच.-----

(1) ग्रन्थ इण्टरनेशनल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती टेस्ट जेसूस, श्री
श्री लुईस जेसूस ।

(प्रतिरिती)

शास्त्र सञ्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) विक्रेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-4/37ईई/3558/83-84—प्रत मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ०/3, जो, साईबाबा धाम, ग्राउंड
फ्लोअर, आफ एस० ह्वि०, रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92
में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित
है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवनगुडि में धारा
स्ट्रीकृत किया गया है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रति-
फल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० एफ०/3, जो, साईबाबा धाम, ग्राउंड फ्लोअर
आफ एस० ह्वि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-4/37ईई/3558/83-84
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 31 अगस्त 1984

मोहर N

प्रकाश आई. टी. एच. एच. 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3569/83-84—प्रतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 603, जो, राज भवन बिल्डिंग,
6वीं मंजिल, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री, दिनांक 7-1-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा
269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/पास रजिस्ट्री-
कृत किया गया है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की जाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार
में कमी करने या उसने करने में सविधा के लिए;
घर/घा

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

(1) श्रीमती कुटदनबेन एफ० टप्पा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश जे० गांधी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ब्लाक नं० 603, जो, राज भवन बिल्डिंग, 6वीं मंजिल,
एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3569/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

अन्य बात, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-9-1984

मोहर

प्रकाशनाधीन बी. एच. एच. नं. 1-84

(1) मेसर्स विपक कस्ट्रक्शनस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जे० फनीडीस ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/3455/83-84—प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8—“ए”, जो, “मयंक” हाली फ्रास रोड रोड, आय० सी० कालोनी, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-1-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उद्धेय करने में सुविधा के लिए आइ/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, “ए”, “मयंक” हाली फ्रास रोड, आय० सी० कालोनी, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/3455/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनांक : 10-9-1984

मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/4090/83-84--अतः मुझे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 23,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 33, जो, दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन
हमारत-सी० टी० एस० नं० 205, सर्वे नं० 83, हिस्सा नं० 1-
बी, व्हिलेज पोईसर, तालुका-बोरीवली, बम्बई में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
दिनांक 23-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिकल से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निर्माणाधीन
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

25-286GI/84

(1) मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री महेण जयन्तीलाल पटेल, और
2. श्रीमती चन्द्रकला महेण पटेल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपात :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 33, दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन हमारत-सी० टी०
एस० नं० 205, सर्वे नं० 83, हिस्सा नं० 1-बी, व्हिलेज पोईसर
तालुका बोरीवली, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/4090/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकरण: भाई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स दिपक कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रोसिता राय फ्रेस्टो ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० ग्रह-4/37ईई/3453/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 43, जो, प्रेमभानू अपार्टमेंट, प्लॉट
नं० 19-बी, आय० सी० कालोनी क्रॉस रोड, नं० 4, आय० सी०
कालोनी, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (और
इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
कारणवामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 13-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 43, जो, प्रेमभानू अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 19-बी,
आय० सी० कालोनी क्रॉस रोड, नं० 4, आय० सी० कालोनी,
बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है ।
अनुसूची जैसा की क्र० सं० ग्रह-4/37ईई/3453/83-84 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्रा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 10-9-1984

मोहर :

प्रकट नम्बर टी. एन. एन.-----

(1) श्रीमती गायत्री जी० शेणाय ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती विमलानेन बी० सोनी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० 4/37-ईई/3456—अतः मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो, बी-विंग, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 260 के अन्तर्गत बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 21 जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपावे में सूत्रित है लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त सबों और पूर्वा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो, बी-विंग, देवेन्द्र अपार्टमेंट्स, रोका-जिया लेन, एस० वि० पी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई० 4/37-ईई/3456/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-9-1984

मोहर

प्रकृष आइ.टी.एन.एस. -----

(1) मैसर्स सयूयद ग्रंथ ब्रदर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मनवहान पुरुषोत्तम माडिया,
और श्री पुरुषोत्तम माडिया।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/3478/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, लक्ष्मी अपार्टमेंट,
2री मंजिल, रायदे नगर, शिम्पोली रोड, बोरीवली (प),
बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उपावृत्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री,
है तारीख 7 जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5 जो, लक्ष्मी अपार्टमेंट, 2री मंजिल, रायदे
नगर, शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० अई-4/37-ईई/3478/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 12-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं०आई-4/37-ईई/4098/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303 "ए", जो, बिल्डिंग ए,
स्टार गैलक्सी अपार्टमेंट्स, एल०टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम)
बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका कारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 5 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेसर्स स्टार इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री विनायक जे० तराडे और
श्रीमती प्रिती जे० जोशी।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर्स।

(वह व्यक्ति जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षर जानता
है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, ए, जो, स्टार गैलक्सी अपार्टमेंट्स,
बिल्डिंग ए, एल०टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०प०आई-4/37-ईई/4098/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष बाईं टी. एन. एन. -----

(1) श्री हरमुख खेतारी गहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भगवंत जे० मथुरिया, और
श्रीमती मालती भगवंत मथुरिया ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं०अई-4/37-ईई/3449/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 315-डी, जो, 3री मंजिल, शैलेश अपार्टमेंट, विहार को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 170, मंडपेश्वर रोड, बोरीवली), बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका इकरारनामा 'आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 13-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ:

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 315-डी, 3री मंजिल, शैलेश अपार्टमेंट, शैलेश विहार को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 170, मंडपेश्वर रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं०अई 4/37-ईई/3449/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नरेंद्र आर० मामंत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस०एस० नेतकर ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-4/38-ईई/3567/83-84--अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, 4 थी मंजिल, श्री
गणेश अपार्टमेंट, कस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड, बोरीवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। और इस उपाबन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 7 जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नन्वह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो, 4थी मंजिल, श्री गणेश अपार्टमेंट,
कस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं०आई 4/37-ईई/3567/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 जनवरी
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स भूषण कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश जी० पारेख।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(यह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति हैआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं०आई-4/37-ईई/3506/83-84।--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव
टिक्क हाउसिंग सोसाइटी (नियोजित), शिम्पोली रोड,
बोरोवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। और इस उपा-
और जिसका एररनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9 जनवरी 1984।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव टिक्क हाउसिंग
सोसाइटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरोवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है।अनुसूची जैमाकी क्र०सं०आई-4/37-ईई/3506/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9
जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 13-9-1984

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश प्सं० आई-4/37-ईई/3503/83-84 —अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी, शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। और इस उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 9 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
26—286GI/84

(1) मेसर्स भूषण कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम एस० चौधरी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी, शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं०आई-4/37-ईई/3503/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स भूपण वास्तुशिल्प कर्मा.

(अन्तरक)

(2) श्री रामसागर रामबली सिंग।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/3501/83-84 —अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 003, जो, गोकर्ण को-ऑपरे-
टिव्ह हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित), गिम्पोली रोड,
बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। और इस
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और
जिसका काररनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 9 जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दृष्टि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 003, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग
सोसाईटी (नियोजित), गिम्पोली रोड, बोरिवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची ज्ञातका सं०आई-4/37-ईई/3501/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 जनवरी
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 13-9-1984

मोहर

प्रमुख आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं०आई-4/37-ईई/3504/83-84—अतःमुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
23,000/- रु. में अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 303, जो, गोकर्ण
कोआपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित), शिम्पोली
रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।
और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है, तारीख 9 जनवरी,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
गुणित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक या अन्तरिती का अर्थ है अन्तरक के
अधीनस्थ के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में किसी एक या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

जो कि अन्तरक या अन्तरिती का अर्थ है अन्य भास्तिकों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में
विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स भूषण कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वर्षा वि० पाटील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जो, गोकर्ण कोआपरेटिव्ह हाउसिंग
सोसाईटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-4/37-ईई/3504/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 9 जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक : 13-9-1984

माहर

प्ररूप आई. टी. एम्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

गाउँ सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई-4/37-ईई/3505/83-84—अतः सूक्षे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 302, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित, शिम्पोली रोड, बोरीवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स भूषण कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश पी० अत्रे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 302, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37-ईई/3505/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रमुख बाई टी.एन.एस.

(1) मैसर्स भूषण कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव आर० भारगे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं०आई-4/37-ईई/3502/83-84--अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9 जनवरी 1984

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई 4/37-ईई/3502/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष निर्देश, सी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं०आई-4/37-ईई/3500/83-84—अतः
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 101, जो, गोकर्ण को-
ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी (नियोजित), शिम्पोली
रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।
और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9 जनवरी
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए: और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स भूषण कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अर्पणा जी० सावंत।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पाम लिखित में विगृह्य जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 101, जो, गोकर्ण को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी
(नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92
में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र०सं० आई-4/37-ईई/3500/ 83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक : 13-9-84

माहुर :

प्रमाण आदि. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3507/83-84:—अतः मुझे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट नं० 103, जो, गोकर्ण को-आपरेटिव
हाऊसिंग सोसाइटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली
(पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करार
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर्ड है, तारीख 9-1-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. मैसर्स भूपण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भावना एस० विजलानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरित।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में, सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किना जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 103, जो, गोकर्ण को-आपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम);
बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-4/37ईई/3507/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मेरे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकृष माह' टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-4/37ईई-3568/84-85:—अतः मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-201, जो, 2 री मंजिल, बिल्डिंग सी, स्टार गलैक्सी अपार्टमेंट्स, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ङ, ख के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6-1-1984।

का पूर्व उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोतीलाल एच० पटेल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वर्षा डी० पारेख और
श्रीमती हेमा डी० पारेख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहाँ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-201, जो, 2 री मंजिल बिल्डिंग सी, स्टार गलैक्सी अपार्टमेंट्स, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-4/37ईई/3568/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-4/37ईई/4085/83-84:—अतः सुखे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० डी/9, जो, 3री मंजिल, साई
बाबा धाम, आफ एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम),
बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आय-
कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 23-1-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
27-286GI/84

1. मंसर्स अरुण इण्टरनेशनल।

(अन्तरक)

2. श्री जसवन्तराय भाईचन्द पदालिया।

(अन्तरिती)

3. विनेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी/9, जो, 3 री मंजिल, साई बाबा धाम
आफ एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-4/4क/ईई/4085 83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. २२२२२२२२

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-4/37-ईई/3557/84-85-अतः सुष्ठे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 87, जो स्टार गलक्सी अपार्ट
मेंट, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92)
में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6-1-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्टार बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र एम० रावल।

(अन्तरिणी)

3. स्टार बिल्डर्स।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभो
में सम्पत्ति है)

4. स्टार इण्टरप्राइसेस।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7 जो स्टार गलक्सी अपार्टमेंट एल० टी०
रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० आई-4/37ईई/3557/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक 13-9-1984

मोहर

प्रकाशक की सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई३/३७/ईई/३६७१/८४-८५—अतः मुझे
ए० प्रसाद :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 11, जो, "बी" विंग, "मयंक"
प्लॉट नं० 13 और 14, होली ग्रास रोड, आय० सी०
कालोनी, बोरीवली, बम्बई-103 में स्थित है। और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 30-1-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से
वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
शायद से करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीपक कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

2. श्री जोगेश्वर चन्व घाड़वाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना में वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाध में समझ होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो, "बी" विंग, मयंक, प्लॉट नं० 13
और 14, होली ग्रास रोड, आय० सी० कालोनी, बोरीवली
(पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-३/३७/ईई/३६७१ 83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 14-9-1984

मोहर :

दृश्य भाग टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3167/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 7 (निर्माणाधीन इमारत में), फायनल प्लॉट नं० 710, कन्डेस्ट्रल सर्वे नं० 1568 माहिम डिवीजन, जी० वार्ड, स्ट्रीट नं० 765, बम्बई में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित - बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण यह है किता आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्ती हुई द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स गुब्बी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्णा वामन वेदक और श्रीमती सुहासीनी कृष्णा वेदक।

(अन्तरितो)

3. अन्तरितो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 7, जो, 3री मंजिल (निर्माणाधीन इमारत में तथा जो फायनल प्लॉट नं० 710, कन्डेस्ट्रल सर्वे नं० 1568 माहिम डिवीजन "जी" वार्ड स्ट्रीट नं० 765 पर स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-2/37ईई/3167/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण, दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

मोहर

प्रकृष जाई टी, एन एस्-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० आई-2/37ईई/9663/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 308 (टेरेस के साथ),
न्यू इण्डिया इण्डस्ट्री प्रिमायसेस को-ऑप० सोसा लि०,
महाकाली केव्हेज् रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-93
में स्थित है) और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृष्ण लाल खुराना।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र नारनजी ठक्कर एच यू एफ
कर्ता श्री महेन्द्र एन० ठक्कर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 308, (टेरेस के साथ) जो न्यू इण्डिया इण्डस्ट्रियल
प्रिमायसेस को-ऑप [सोसाइटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 33, महा-
काली केव्हेज् रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400093 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/9663/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
25-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

माहूर :

प्रत्यक्ष बार्ड को एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० आई-2/37ईई/9644/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 209 बी०, तेजपाल इण्ड हस्टेट
अन्धेरी कुर्ला रोड, साकोनाका, बम्बई-400072 में स्थित
है। और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-1-1984।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
वायव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. मैसर्स अलकॉन।

(अन्तरक)

2. मैसर्स एम्पायर इण्डस्ट्रिज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

यूनिट नं०, 209 बी०, जो तेजपाल इण्डस्ट्रियल हस्टेट,
अन्धेरी कुर्ला रोड, साकोनाका, बम्बई-400072 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/9644/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 14-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० आई-2/37ईई/9626/83-84—अतः सुनें, (सक्षम
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, तलमाला, बि० नं० 1
भवानीनगर, मरोल-मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-
4000059 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आय-
कर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
2-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० के० श्रीवास्तव

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हुसैन।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स दीपक बिल्डर्स प्रा० लि०

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो तलमाला, बिल्डिंग नं० 1; प्लॉट नं०
12, भवानी नगर, मरोल-मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०),
बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र संख्या आई-2/37ईई/9626/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षम दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/4048/83-84:-अतः मुझे

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिवका मंडया फ्लैट नं० 6, पहली मंजिल, देवमोहन
को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, लि० टी० पी० एस०-6,
सान्ताक्रुज, (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे
उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कररनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 घ,
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई के रजिस्ट्री
है, दिनांक 13-1-1984।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
आश्रित में किसी करने या उससे बचने में भविष्य
में निम्न और/वा

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

28-286 GI/84

1. श्री नारायण दास भाटिया।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार जैचन्द भट्ट।

(अन्तरित)

3. श्रीमती हेमलता तथा

विनोद कुमार भट्ट।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो पहली मंजिल, देवमोहन को-ऑप०
हाऊसिंग सोसाइटी, प्लॉट नं० 71, टी० पी० एस०-6,
सान्ताक्रुज (पश्चिम), बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-2/37ईई/4048/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 14-9-1984

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. ए. ए. ए. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

सं० अई-2/37ईई/2963/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या निर्माणाधीन इमारत में राईट, टायटल
और इन्टरेस्ट 1/2 टक्का, जो, 98-ए०, हिल रोड, बांद्रा,
(पश्चिम), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन, सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 1-1-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
नौर/श

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

1. मास्टर असिम एस० मर्चेन्ट।
(अन्तरक)
2. श्री मोहम्मद शफी उल्लाह।
(अन्तरिती)
3. मैसर्स होटल बांद्रा इण्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।
4. शवान अलो इस्माईल मर्चेन्ट, और 22 अन्य।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरों जानता है कि
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

निर्माणाधीन इमारत में राईट, टायटल और इन्टरेस्ट
1/2 टक्का, जो, 98 ए०, हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम),
बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/2963/83
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्रकटन नं० टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

सं० अई-2/37ईई/2964/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण

वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पदमातृ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० निर्माणाधीन इमारत में 3-1/2 टक्का
राईट, टायटल और इन्टरेस्ट, जो, 98-ए० हिल रोड, बांद्रा
(प०) बम्बई-50 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई रजिस्ट्री है
दिनांक 1-1-1984।

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी सिमा एस० मर्चेन्ट।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद शफी उल्लाह।

(अन्तरितो)

3. मैसर्स होटेल बांद्रा इण्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. श्री शबानअली इस्माईल मर्चेन्ट और 22 अन्य।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरों जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

निर्माणाधीन इमारत में 3-1/2 टक्का राईट टायटल और
इन्टरेस्ट, जो 98-ब हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या-अ.ई-2/37 ईई/2964/33-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एच.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

सं० अई-2/37ईई/2965/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या निर्माणाधीन इमारत में राईट, टायटल और इन्टरैस्ट 2 टक्का, जो, 98 ए०, हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई-50 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की शायित्य में कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकता के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बसकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती डाला रहिम जस्सानी।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद शफा उल्लाह।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स होटल बांद्रा इण्टरनेशनल पायवेट लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री शबानअली इस्माईल मर्चेन्ट, और 22 अन्य L-4 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निर्माणाधीन इमारत में राईट, टायटल और इन्टरैस्ट, 2 टक्का, जो, 98-ए०, हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/2965/83-84 में और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहूर

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/2966/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास;

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
और जिसकी सं० निर्माणाधीन इमारत में 2 टक्का, राईट,
टायटल आर० इन्टरेस्ट, 98-ए, हिल रोड, बांद्रा, (पश्चिम),
बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपान्वृत्त अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-1-1984

से पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में
कमी करने या उचित वर्णन में सुविधा के लिए;
और या/

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन का अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शरीना एस० मर्चेन्ट्स
(अन्तरक)
2. श्री मोहम्मद शफिउल्लाह
(अन्तरिती)
3. मैसर्स होटेल बांद्रा इण्टरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. शबानअली इस्माईल मर्चेन्ट्स, और 22 अन्य
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कायवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि भाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

निर्माणाधीन इमारत, में 2 टक्का राईट, टायटल और
इन्टरेस्ट, जो 98-ए, हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई-50
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/37ईई/2966/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/2967/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० निर्माणाधीन इमारत में राईट, टायटल और
इन्टररेस्ट 2 टक्का, जो 98-ए, हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम)
बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में दिनांक 1-1-1984 को रजिस्ट्री हैको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, डिपॉजिट में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री गुलशन शामसुद्दीन जस्सानी
(अन्तरक)2. श्री मोहम्मद गफ़ी उल्लाह
(अन्तरिती)3. मैसर्स होटेल, बांद्रा इण्टरनेशनल, प्राईवेट लिमिटेड
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. शवानगली इस्माईल मर्चेन्ट्स और 22 अन्य
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

निर्माणाधीन इमारत में 2 टक्का राईट, टायटल और
इन्टररेस्ट, जो 98-ए, हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम), बम्बई-50
में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/37ईई/2967/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

माहुर ॥

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री प्रेमचन्द शाहा

(अन्तरगत)

2. श्री त्रिजेण विजिनदाम गुरीया

(अन्तरितः)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2; बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/3966/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो 3री मंजिल, सी-बिल्डिंग,
नंदन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड 224,
एस० व्ही० एस० रोड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
दिनांक 2-1-1984 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
समर्थता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 16, जो 3 री मंजिल, बिल्डिंग-सी, नंदन
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 224, एस० व्ही०
एस० रोड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई/2/37ईई/3966/83-84
और जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. ए.-----

1. श्री पी० के० गहा (प्रेमचन्द गहा)

(अन्तरक)

2. श्री त्रिजेण विजिनदाम गुगिया,

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/3970/83-84—अनः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-16, नंदनवन को-ऑपरेटिव्ह
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 224, एस० व्ही० एस०, सावरकर
मार्ग, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में दिनांक 2-1-1984 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बुल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-16, नंदनवन को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, 224, एस० व्ही० सावरकर मार्ग, माहीम,
बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/37ईई/3970/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, 2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई/3983/83-84—अतः सुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, 2री मंजिल, रोड मेरी को-
आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, आइस फैक्टरी, लेन,
बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय बम्बई में दिनांक 2-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्विधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मृत्विधा के लिए;

1. श्री केनेथ डीसोझा, और श्रीमती वेदा डीसोझा,
(अन्तरक)

2. डा० लोयोला कोरीया और
श्रीमती येलमा डिसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 203, जो 2री, मंजिल, रोड मेरी कोरीया
को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, आइस फैक्टरी
लेन, बांद्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।”

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई०-2/37ईई/3983/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

29—286GI/84

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/3988/83-84-अतः मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-8, जो, निलम को-आप
हाउसिंग सोसाइटी, लिमिटेड, सितलादेवी टेम्पल, रोड, माहूम,
बम्बई-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
कार्यालय बम्बई में दिनांक 2-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किराई धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जवाहर नारायणदास सपू,

(अन्तरक)

2. श्री रवि कुमार मनसराम खन्ना,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों-में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-8, जो न्यू को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, सितलादेवी टेम्पल, रोड, माहूम, बम्बई-16 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई० 2/37-ईई/3988/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/3998/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० डी-1, विरेन्द्र बयरामजी जिजीभाय
रोड, बांद्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से धणित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक
6-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री बेवॉले फ्रान्सोस फर्नान्डेस

(अन्तरक)

2. (1) इरुहा डामनी/का डिसे/लवा,
- (2) एडगार एन्थोनी, डिसे/लवा
- (3) नाबर्ट एडवॉन डिसे/लवा
- (4) एड/थमंगाडाली/न डिसे/लवा
- (5) इला विल्यम फर्नान्डेस,
- (6) इलेन खिन्नास्तोयन डिसे/लवा, और
- (7) ईस्मे एन्ड अमन्ता

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी-1, "विरेन्द्र" जो बयरामजी जिजीभाय रोड,
बांद्रा, बम्बई-4000 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-2/37ईई/3998/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निवेदन सं० आई०-2/37ईई/400/83-84-अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-7, 3री मंजिल, "गंगाली विहार"
प्लॉट नं० 281 टी० पी० एस०-3, मोगल लेन, माहिम,
बम्बई-400016 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
बम्बई के कार्यालय में दिनांक 6-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रमा नटवरलाल मिस्त्री

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री गिरीशकुमार भाटीया, और
शरदकुमार वासनजी भाटीया

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-7, 3री मंजिल, जो "गंगाली विहार", प्लॉट
नं० 281, टी० पी० एस० 3, मोगल लेन, माहिम बम्बई-400016
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4000/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4006/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 14, जो ग्राउन्ड फ्लोर, एल्लोरा
को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी, 4था रस्ता, खार, बम्बई-52
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 7-1-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतर्हस्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
(जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित हो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त :-

1. डा० प्रेम बी० बिजानी

(अन्तरक)

2. श्रीमती कविता ए० तलरेजा और
श्री अनील ए० तलरेजा

(अन्तरित)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से कि वे व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 14, जो ग्राउन्ड फ्लोर एल्लोरा को-ऑपरेटिव्ह
हाउसिंग सोसायटी 4था रस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37ईई/4006/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई/4009/83-84—अतः सुले

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो 1 ली मंजिल, 'समीर' 180, पेरी, रोड, डा० डिमोटे पार्क के सामने, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में दिनांक 7-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहता था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

1. सुहाइल कन्स्ट्रक्शन,

(अन्तरक)

2. श्री ए० बरेट्टो और श्री विलियम जैक, बरेट्टो,

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो 1 ली मंजिल, 'समीर', 180 पेरी रोड, डा० डिमोटे पार्क, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-2/37ईई/4009/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ?

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13 9 1984

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईईई/4030/83-84—अतः सुशे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, 11वीं मंजिल, शीतल, छाया,
शीतला देवी टेपल रोड, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
अनुसूची के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है दिनांक 9-1-1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच में अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

1. श्रीमती शैला एस० हिगोरानी तथा
कु० के० आर० हिगोरानी

(अन्तरक)

2. श्री अशीलकुमार, मोन्डाश तथा
श्रीमती अर्चना मोन्डाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो ग्यारवीं (11वीं मंजिल, शीतल छाया,
शीतला देवी टेपल रोड, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-2/37ईईई/4030/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

माहिम

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4038/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 104, पहली मंजिल, असित अपार्ट-
मेंट, माइन्टरी, मेरी, रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई रजिस्ट्री है
में दिनांक 12-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती करीमा, के० पेशिमान और
श्री खलेल के० पेशिमान ।

(अन्तरक)

2. श्री अरनाल्ड करीयास और श्रीमती कान्ती करीयास
(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरक्षक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 104, पहली मंजिल, जो असित अपार्टमेंट,
माउन्ट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-4000 50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/37ईई/4038/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती सुनंदा एस० पाटकर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री दौलतराम गुडमुख हिन्दूजा,
श्री लछमन दास दौलतराम हिन्दूजा और
श्री वासुदेव दौलतराम हिन्दूजा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4042/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
296-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का
अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 52, 'सी' बैम्ब, 220/222,
कंडेल रोड, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में दिनांक 12-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
अन्तरण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है :—

30-286GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 52, सी बिल्डिंग 'बैम्ब' जो 220/222
कंडेल रोड, बम्बई-400 016 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4042/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

माहूर ४

प्रकरण भाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984.

निर्देश सं० अई०-2/37ईई/4047/83-84—अतः सुमे,
लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 61, जो, हरी मार्केट, न्यू सिगल
कमर्शियल प्रिमाइसेस को-ऑप० सोसायटी
लिमिटेड, 3 रा रस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में दिनांक
12-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

1. श्री कन्हैयालाल मोहनलाल गियनानी

(अन्तरक)

2. श्री हरीराम हंसामण्ड फतनानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो संक्षेप
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 61, जो हरी मार्केट, न्यू सिगल कमर्शियल
प्रिमाइसेस को-ऑप० सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 20, 3रा
रस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-2/37ईई/4047/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई०-2/37ईई/4072/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, दूसरी मंजिल, 'सी' बिल्डिंग,
चिम्बाई रोड, तांडा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में दिनांक 16-1-1984

उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अब्दुल हुसैन, मुसताज हुसैन,

(अन्तरक)

2. श्रीमती जमना अहमद मोटलेकर

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री विष्णु मोतीराम चिम्बाईकर तथा अन्य

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

साधरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची:

फ्लैट नं० 2, दूसरी मंजिल, जैसा "सी बिल्डिंग" में एम०
नं० सी/269, और सी० एम० नं० सी/270, 48-वें, चिम्बाई
रोड, तांडा बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-2/37ईई/4072/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्रकृष माह टी. एन. एस. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4084/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8/4, जो, 1 ली मंजिल, दिनवजीवन
को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 31, मोरी रोड
माहिम, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारानामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में दिनांक 16-1-1984

ने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
स्तिथिक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को मानते, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अथवा उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

1. श्रीमती, मिरा रूपचंद, मनसुखानी, और
डा० (श्रीमती) गुल डी० दासगुप्ता

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिनू प्रभु बूटानी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8/4, जो 1 ली मंजिल, नवजीवन को-ऑपरेटिव्ह
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 31 मोरी रोड, माहिम, बम्बई-16
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4084/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स संकेत बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री रत्नाकर यशवन्त सोहोनी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4093/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 8, तीसरी मंजिल, (निर्माणाधीन इमारत), एफ.पी. नं० 1262(ए), माहिम, डिवीजन
प्रभादेवी बम्बई-400 025 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

"प्लेट नं० 8, जो तीसरी मंजिल, (निर्माणाधीन इमारत में)
फायनल प्लान नं० 1262(ए), टी० पी० एस० नं० 4, माहिम
डिवीजन, प्रभादेवी बम्बई, 400 025 में स्थित है ।"

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई-2/37ईई/4093/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4112/83-84—प्रतः मुझे;
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—र० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, पहली मंजिल, "गार्डन हाउस", व्होन्सेंट डी पाल को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पहला खार रास्ता, बम्बई-400 052 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के कब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 21-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रामन शर्मा

(अन्तरक)

2. श्री दामोदर जराप्पा शेट्टी और
श्रीमती हेमवती दामोदर शेट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० पहली मंजिल, "गार्डन हाउस", (गैरेज के साथ) जो, व्होन्सेंट डी पाल, को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पहला खार रास्ता, बम्बई-400 052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/37ईई/4112/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक 13-9-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बाजार मूल्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4118/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 5, नव सोनारवाला को० ओप-
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, टर्नर रोड, बान्द्रा, बम्बई-
400050 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
13-1-1984

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
बाद/वा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरुबचन कौर ।

(अन्तरक)

(2) इंटरनेशनल ट्रेडर्स ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 5, जो, नव सोनारवाला को-ओपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 35-36ए०, टर्नर
रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4118/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) कुमारी एम्पेरान्म. डी० सोसा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सोमराज ज्यूवेलर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त* (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/4126/83-84--अतः मुझे;

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैंक्टरी यूनिट नं० 112, पहली मंजिल
अलाइड इंडस्ट्रीयल प्रीमायसेस, माहिम, बम्बई-400016
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुमूकी में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फैंक्टरी यूनिट नं० 112, पहली मंजिल; जो, अलाइड
इंडस्ट्रीयल प्रीमायसेस, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4126/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-9-1984

मोहर: |

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सुन्दर मेधराज अहुजा ।

(अन्तरक)

(2) आर० के० इन्डस्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/4127/83-84—अतः सुभे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 41, हरी मार्केट, चौथी मंजिल चांथा रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब धाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किण्व जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

31=286 GI 84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 41, जो, हरी मार्केट, चौथी मंजिल खार, बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4127/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.ए.-----

(1) मेसर्स जी० एम० बिल्डिंग्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) बिल्फ्रेड जॉन परेरा, और
श्रीमती वाय० परेरा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/4135/93-84/—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8, जो, बिल्डिंग रोड पटेल,
के० सी० होटल के सामने, बेरोनिया रोड, बान्द्रा बम्बई-50
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8, जो, बिल्डिंग रोड पटेल, प्लॉट नं० 12,
के० सी० होटल के सामने, बेरोनिया रोड, बान्द्रा, बम्बई-50
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4135/
93-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
25-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्रकरण आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4147/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० जी-1, तलमाला कलवारी अपार्ट-
मेंट, बान्द्रा कूलरी को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
डा० अम्बेडकर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अलॉयसीअस पैट्रिक डी० वास

2. श्रीमती तुलसा लचमनदास सत्यानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० जी०-1 जो, तलमाला, कलवारी अपार्टमेंट्स,
बान्द्रा कलवारी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
प्लॉट नं० 662, टी० पी० एस०-3, डा० अम्बेडकर रोड,
खार, बम्बई 400 052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4147/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, ब०

तारीख: 13-9-1984

मोहर :

प्रकृष बाई, टी. एम. एल. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/4149/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो 2री मंजिल, मिरा
निवास, सेंट मिरा को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
15वां रास्ता खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिनियम में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेश रामचन्द्र मनशारामानी

(अन्तरक)

2. डॉ० रतन भगवानदास दातवानी,
और श्रीमती कमला रतन दातवानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिवस की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11 जो 2री मंजिल मिरा निवास सेंट
मिरा को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लॉट नं०
609, 15वां रास्ता खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4149/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4151/83-84—अतः सुचे:

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, गोकुल कुंज को-ओप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पहला रास्ता, खार, बम्बई-52
में स्थित है (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तु-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को शायद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० के० अग्रवाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता बी० भवनानी और
श्री भगवान के० भवनानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राह्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, पहली मंजिल जो गोकुल कुंज को-ओप०,
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पहला रास्ता, दान्डा के पास
खार, बम्बई-400 052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4151/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई.

तारीख : 13-9-1984

माहुर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

माउल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/4152/83-84—प्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप नं० 3, प्रतिभा कुंज, 6/7 खार,
बम्बई 400 052 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 28-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जीवितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :—

1. श्रीमती लता शामलाल सुखिजा

(अन्तरक)

2. श्री फिरोज रजबली भाटिया और
श्रीमती आरती एस० आसराणी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्राम्यहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शॉप नं० 3, जो प्रभाकुंज, ललमाला, प्लॉट नं० 6/7,
खार, बम्बई-400 052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-32/37ईई/4152/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4158/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 127-ए जो, जमीन स्ट्रक्चर
के साथ, टी० पी० एम०-111, 29वां रास्ता, बांद्रा
(पश्चिम), बम्बई-51 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1908-1961 की धारा
269क ख के प्रवीन, सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, तारीख 28-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मार्टीना डिकूझ

(अन्तरक)

2. मेमर्स मिरा कम्प्यूटेशन कंपनी

(अन्तरिणी)

3. श्रीमती मार्टीना डिकूझ,

डोनाल्ड डिकूझ और

आर० गोपालकृष्णन्

(यह व्यक्ति, जिसके अविभाग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमव्ययी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 127-ग, जो जमीन स्ट्रक्चर के साथ, टी०
पी० एम० नं० 111, 29वां रास्ता, बांद्रा (पश्चिम),
बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4158/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4161/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, प्लाउशेअर, राउन्डशेअर
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, माहिम, बम्बई-400 016
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1984
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में लीजभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
लीजभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शर्मिला सतीश नायक,

(अन्तरक)

2. श्री प्रभुम्न डी० कौल

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उद्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, तलमाला, ब्लाक-बी, जो प्लाउशेअर राउंड
शेअर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सितलादेवी
टेंपल रोड, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-32/37ईई/4161/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
21-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रमाण नम्बर: टी. एन. एच. - 2-3-84

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/4156/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो 1ली मंजिल सुधा
बिल्डिंग, प्लॉट नं० 605, 15वां रास्ता, खार, बम्बई-52
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32-286G1/84

1. श्री चतुर्नल अन्तरितमल

(अन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम सी० मनवानी और
मनोहर सी० मनवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4 जो, 1ली मंजिल, सुधा बिल्डिंग, प्लॉट
नं० 605, 15वां रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4156/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
28-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रकटित आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री कंवरराम रेवाचंद मुलचंदानी

(अन्तरक)

2. श्री सुंदर मेंबरराज ग्रहुजा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4203/83-84—प्रतः मुझे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 39, जो हरी मार्केट, 4था
रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में तारीख
6-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

यूनिट नं० 39, जो हरी मार्केट 4था रास्ता, खार,
बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4203/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षम दात

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई.

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

युक्त भाई जी एन एच - 2 बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11102/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 401, संजोग अपार्टमेंट्स, पाटील वाडी, वीर सावरकर मार्ग, कडेल रोड, माहिम, बम्बई-400 028 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-1-1984

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जयश्री हसमुख शाह

(अन्तरक)

2. श्री सुमन भिकाभाई गांधी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 401, जो संजोग अपार्टमेंट्स, पाटीलवाडी, वीर सावरकर मार्ग, कडेल रोड, माहिम, बम्बई-400 028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/11102/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/3315/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, तलमाला, "मिन् अपार्टमेंट"
नंवा पाटकर रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-400 056 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में तारीख 13-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के सापेक्ष में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
रगत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स मिन् फुसट्रकण्स कंपनी

(अन्तरक)

2. श्री विनेश नानजी संगोई और
किशोर नानजी संगोई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, तलमाला, "मिन् अपार्टमेंट", नंवा पाटकर
रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई 400 056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/3315/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
13-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984
मोहर

प्रकट नम्बर टी. एन. एच. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/3965/83-84/-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 9, दूसरी मंजिल, मुरली गोपाल,
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 132-मालवीया रोड,
विलेपार्ले (पू०), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपावृत्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख. के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई) तारीख
1-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतराकर्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

1. श्री मुक्ताप्रभा भास्कर मेतन-

(अन्तरक)

2. श्री प्रभाकर आत्माराम परलेकर

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, मुरली गोपाल को-
आप० हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, 132-मालवीया रोड,
विलेपार्ले (पू०), बम्बई 400 057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/3965/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

संहर :

प्रकृष बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3971/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टेरेस, 4थी मंजिल, चन्द्र महल, प्लॉट नं०
सि० टी० एस० नं० 923, विलेपार्ले (पूर्व), डिवीजन,
महन्त रोड, विलेपार्ले, बम्बई-57 में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है तारीख 2-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तिबों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जादवजी रतनशी सातरा

(अन्तरक)

2. (1) श्री रेम्मीभाई छोटालाल शाह,

(2) श्री विनेशकुमार आर० शाह,

(3) श्री विजयकुमार आर० शाह,

(4) श्री रुपिनकुमार आर० शाह,

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"टेरेस, जो 4थी मंजिल, चन्द्र महल, प्लॉट सि० टी०
एस० नं० 923, विलेपार्ले (पूर्व) डिवीजन, सं० नं० एच०/
फायनल प्लॉट नं० 11 से 14, महन्त रोड, विलेपार्ले
(पूर्व), बम्बई-400 057 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/3971/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
2-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :-

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2-बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई०-2/37ईई/3973/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, तीसरी मंजिल, (निर्माणाधीन
इमारत), सब-प्लॉट नं० 12/प्लॉट नं० 3, एस० नं० 70-जुहू
तथा सं० नं० 287-विलेपार्ले (सिटी एस० नं० 196(पार्ट)
विलेपार्ले, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका फरारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1984
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिपादित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मोहसिनभाय मुनिम एण्ड एशोसिएट्स,
(अन्तरक)
2. युसूफ हैदर खोरकीवाला तथा
मोहम्मदी हैदर खोरकीवाला (अ०),
(अन्तरिती)
3. अन्तरक
(वह व्यक्ति जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)
4. अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो तीसरी मंजिल, जो सब-प्लॉट नं० 12/
प्लॉट नं० 3, एस० नं० 70-जुहू तथा एस० नं० 287-
विलेपार्ले एवं सि० टी० एस० नं० 196(पार्ट), जुहू विलेपार्ले
स्किम पर निर्माणाधीन इमारत में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-2/37ईई/3973/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक 14-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स शीतल कन्स्ट्रक्शन कंपनी,

(अन्तरक)

2. डा० (श्रीमती) मधुबेन आय, शेख तथा

डा० (श्री) इंदूलाल मदनलाल शेठ

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/3991/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3, सि० टी० एस० नं० 98,
एवं 108, बामणवाडा, रोड, विलेपार्ले (पू०), बम्बई-400 099
में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जुहू प्लॉट सि० टी० एस० नं० 98 एवं 108,
बामणवाडा, रोड, विले पार्ले, (पू०) बम्बई-400 099 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/3991/83-84
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 14-9-1984

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई/3992/83-84—अतः मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसे सं० दुकान नं० बी-2, प्लॉट सि० डी० एस० नं०
98 तथा 108, वामगवाडा रोड, विजेगल्ले, (पू०),
बम्बई-400 099 में स्थित है (और इन्हीं उदाहरण अनुसूच में
और जो पूर्ण रूप से वर्गीकृत है) और जिसे उत्तरनामा आयकर
अधिनियम, 1961 धारा 269 कब के अधीन सक्षम
प्राधिकार के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिफल के लिए संतुष्टि की गई है और वही यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरणों में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ऋण की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अभाव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ऋण या किसी धन या अन्य मास्तिमों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था, को किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33-236G/84

1. मैसर्स शांतल कन्स्ट्रक्शन्स, कंपनी

(अन्तरक)

2. डा० इंदुलाल नंदलाल शेट तथा

डा० (अ.म.त.) मधुबेन आप० शेट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी-2, जो प्लॉट सि० डी० एस० नं० 98 और
108, वामगवाडा रोड, विजेगल्ले, (पू०), बम्बई-400 099
में स्थित है।

अनुसूच जैसा कि सं० आई०-2/37ईई/3992/83-84
और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई०-2/37ईई/4005/83-84--अंतः मुने,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्य प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 1, तलमाला रत्नज्योत इंडस्ट्रियल
इस्टेट, ईलागांवठाण, विलेपार्ले, (पश्चिम), बम्बई-400 056
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूच में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 ब के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्र है दिनांक 7-1-1984.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को
संपत्ति में कमी करने या उससे बढ़ने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूच
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स प्रगतो कार्पोरेशन,

(अन्तरक)

2. मैसर्स शरोकेरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में उपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 1, जो रत्न ज्योत इंडस्ट्रियल इस्टेट, तलमाला,
प्लॉट सि० टी० एस० नं० 744(पार्ट), ईलागांवठाण,
विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई-400 066 में स्थित है।

अनुसूच: जैसा कि सं० अई०-2/37ईई/4005/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 14-9-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स अस्पा कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

2. श्री आर० रामचन्द्रन,

(अन्तरिता)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई/4014/83-84-अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 102, जो, नंद दिप, 1 ली,
मंजिल, व्हिलेज, चकाला, तरुण भारत को-आपरेटिव्ह
हाउसिंग सोसायटी, रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है
(और इससे उदावद्ध अनुसूच में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्र है दिनांक 7-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ~~मुझे~~ दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० -102, जो, नंद दिप, 1 ली मंजिल, व्हिलेज
चकाला, तरुण भारत को-आप० हाउसिंग सोसायटी रोड,
विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र० सं० आई०-2/37ईई/4014/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984
को रजिस्ट्र किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स अस्पी कन्स्ट्रक्शंस, कंपनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई/4015/83-84-अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो नंद-दिप 1 ली मंजिल, व्हिंलेज, चकाला, तहण भारत को-आप० हाउसिंग सोसायटी रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 7-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से कम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. कुमारी पूर्णिमा बी० मुजगांवकर, उर्फ
पूर्णमा सुधीर सम्बरानीकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुणित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो, नंद-दिप, 1 ली मंजिल, व्हिंलेज चकाला, तहण भारत को-आप० हाउसिंग सोसायटी रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-2/37ईई/4015/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स अस्प्री कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

2. श्रीमती हंसा विनोद गांधी

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4017/83-84—प्रतः मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विद्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, जो नंद-दिप, 2री, मंजिल, व्हिलेज, चकाला, तरुण भारत को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 7-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शरु करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, जो, नंद-दिप, 2 री मंजिल, व्हिलेज चकाला, तरुण भारत को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी रोड, विलेपार्ले, (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/37ईई/4017/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स अस्पी कन्स्ट्रक्शन, कंपनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4018/83-84—अतः सुश्री,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो बंद-विप, 3 री मंजिल,
व्हिजेज, चकला तरुण भारत को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी
रोड, विलेपार्ले, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करा नामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 7-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्धित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती लिली परेरा, और श्री क्रिस्टोफर परेरा,
(अन्तरिजो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताभरती के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, जो बंद-विप, 3 री मंजिल, व्हिजेज
चकला तरुण भारत को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी रोड,
विलेपार्ले, (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-2/37ईई/4018/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-9-1984
मोहर :

प्रकृति भा. टो. एन. ए.स. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4019/83-84—प्रतः मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो नवदिव, 4 थी, मंजिल,
विलेज, अकाला तरुण भारत को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर प्रदीप कन्दुवतन, कंपनी

(अन्तरक)

2. श्री विठ्ठल लक्ष्मण कांबली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिमबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहताकारी के पास
लिखित में किया जा सकता है।

स्वरूपकरणा :—इसमें प्रकृत मुद्रों और पवों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अनुच्छेद में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो नवदिव, 4 थी मंजिल, विलेज,
अकाला तरुण भारत को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी रोड,
विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/37ईई/4019/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज 2, बम्बई

दिनांक 13-9-1984

माहुरः

प्रारूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4021/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2, तलमाला, 'बद्रिधाम', दिक्षीत
रोड, विस्तार, विलेपार्ले, (पू०), बम्बई-59 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
बख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है
दिनांक 7-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि द्वापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती पितादेशी मोहनलाल पारेख तथा
(2) श्रीमती सावरदेवी, राजमूल पारेख
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती यशोदा मंगेश वसईकर तथा
(2) श्री विठ्ठल माणिक महाले
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

गण्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही तर्क होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो तलमाला, बद्रिधाम बिल्डिंग एक०
प्लॉट नं० 105, टी० पी० एस०-5 (ड्राफ्ट), दिक्षीतरोड,
विस्तार विलेपार्ले, (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-2/37ईई/4121/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4044/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, पहिली मंजिल, श्रीनाथ कुटीर,
लाला लाजपतराय रोड, विलेपार्ले, (पश्चिम) बम्बई-400 056
में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई
में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-1-1984

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वृद्धि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए पर, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

34—285GI/84

1. श्री रविन्दकुमार हिरालाल पटनो

(अन्तरक)

2. श्री नरेंद्र कुमार कान्तिलाल शेट तथा

श्रीमती नीताबेन नरेश कुमार शेट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृत्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्ग 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, पहिली मंजिल, जो श्रीनाथ कुटीर, लाला
लाजपतराय रोड, विलेपार्ले, (पश्चिम), बम्बई-400 056 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-2/37ईई/4044/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स कान्तो बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधिका एम० दिवलकर,

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4060/83-84—प्रतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 303, ए-विंग, तीसरी मंजिल,
अमित अपार्टमेंट, दादाभाई क्रास रोड, नं० 3, विलेपार्ले
(पश्चिम), बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 13-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
या स्तरीयक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वारा से करी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में विज्ञापित जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303 जो ए-विंग, तीसरी मंजिल, "अमित
अपार्टमेंट" दादाभाई क्रास रोड, नं० 2, विलेपार्ले (पश्चिम)
बम्बई-400 056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/4060/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4106/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, 2 री मंजिल, अनुपम
अपार्टमेंट, सरोजिनी विस्तारोत रोड, विलेपार्ले (पश्चिम),
बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 20-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमं दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. मैसर्स अशोक कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

2. श्रीमती नयाना पियूष मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो 2 री, मंजिल, अनुपम अपार्टमेंट, में
सरोजिनी विस्तारोत रोड, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई-56 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-2/37ईई/4106/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मैसर्स बिल्डआर्च

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती गंगाबाई काशीराम वामोलकर

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ईई/4133/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, दूसरी मंजिल, श्री साईकुवा प्रार्थना समाज रोड, विलेपार्ले, (पूर्व), बम्बई-400 057 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 24-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय-पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाभे अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9 जो दूसरी मंजिल, श्री साईकुवा एफ० नं० 59, टी० पी० एस० नं० 5, प्रार्थना समाज रोड, विलेपार्ले, (पूर्व) बम्बई-400 057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4133/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एन. ----

(1) मे० आस्वा. इन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मे० महावीर ज्वेलर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई०/4142/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी रकबा दुकान नं० 2 नन्दनदीप, तलमाला, चकाला,
विलेज, तरुण भारत को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी रोड,
विलेज (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका धारकनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन,
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख
27 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच गुंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रकार तथा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, गोनन्ददीप तलमाला चकाला विलेज
तरुण भारत को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी रोड, विले
ज (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-2/37 ईई०/4142/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई/4144/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्या करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और शिपकी सं० शाप नं० 3, जो नन्द-दीप ग्राउंड फ्लोर विलेज
चकाला, तरुण भारत को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी रोड
विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूचा में श्रारपूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कलारदामा
आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क ख के अधीन,
सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख
27 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए; .

(1) मैं अर्पण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुथ ए० करकाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 3, जो नन्द-दीप ग्राउंड फ्लोर, विलेज चकाला
तरुण भारत को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी रोड,
विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई/414 4/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27
जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई/4150/83-84--प्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन स्ट्रक्चर के साथ जो प्लॉट सं० टी०
एस० नं० 843 (1 से 30 तक) और 844 (1 से 4
तक) इला, दादाभाई रोड, विलेपार्ले, (पूर्व) बम्बई में
स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 27 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयुक्त में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) 1. श्री जे० डी० बाप्तीस्ता,
2. श्री एल० डी० बाप्तीस्ता,
3. श्रीमती ई० पी० परेरा,
4. श्रीमती एम० एम० ए० गोमस,
5. श्री डब्ल्यू० एल० बाप्तीस्ता,
6. कुमारी एम० एल० बाप्तीस्ता,

7. श्रीमती एम० एफ० मस्कोटा
8. श्रीमती माला एफ० मस्कोटा,
9. श्रीमती एन० डी० तिवो,
10. श्रीमती एम० डी० फर्नांडीस,
11. श्री सी० पी० बाप्तीस्ता,
12. श्री बी० पी० बाप्तीस्ता,
13. श्री डब्ल्यू० पी० बाप्तीस्ता,
14. श्री एल० एफ० बाप्तीस्ता,
15. श्री एफ० एच० बाप्तीस्ता,
16. श्री एन० एफ० बाप्तीस्ता,
17. श्रीमती एम० जे० गोमस,
18. श्रीमती एल० ए० परेरा,
19. श्रीमती जे० जे० डिवीआ,
20. श्रीमती जे० आर० फर्नांडीस,

और श्रीमती जे० एल० परेरा। (अन्तरक)

(2) श्री मनोज एम० गार्गडिया। (अन्तरिती)

(3) मांडत

(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पञ्चित सप्ताह के अन्दर के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सम्बन्धी बाप्तीस्ता पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति के अधिनियम में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन स्ट्रक्चर के साथ जो प्लॉट सं० टी० एस० नं०
843 (1 से 30 तक) और 844 (1 से 4 तक), इला
विलेज, आफ दादाभाई रोड, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई-2/37 ईई०/4150/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
27 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई/9662/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसका सं० प्लैट नं० 15, चौथी मंजिल, योगायोग को०-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, पी० एम० रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पुराना-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् E—

(1) श्री आत्माराम केशव पळ्लेकर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोती राम नत्थू पवार।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगधारी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 15, जो चौथी मंजिल, योगायोग को०-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, पी० एम० रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37 ईई/9662/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई०/9656/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, 'ए', विंग, दूसरी मंजिल, पंचशूल, माथुरदास वासनजी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मदद का निम्न; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारतीय आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोज्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था छिपाने में मदद के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बाल किशन मेहरा—कती

श्री बाल किशन मेहता

(एच० यू० एफ०) ।

(अन्तरक)

(2) 1. मै० युनिवर्सल कारपोरेशन ।

(3) 2. मै० विनय कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी

(इण्डिया) ।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधभोग में सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, 'ए' विंग, दूसरी मंजिल, 'पंचशूल' माथुरदास वासन जी रोड, अन्धेरी (पूर्व), प्लॉट नं० 75-ए, 75-बी तथा एच० नं० 6, चकाला, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/9656/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० तोबल कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री इस्माईल नूर मोहम्मद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रेंज-2, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई०/9680/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

श्रीर जिंगल सं० फ्लैट नं० 405, जो हबीब पार्क, जोगेश्वरी
रेलवे स्टेशन के सामने, (पश्चिम), बम्बई-102 में स्थित है
(श्रीर जिंगल उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
श्रीर जिंगल करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय
में रजिस्टर्ड है तारीख 5 जनवरी, 1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

फ्लैट नं० 405, जो हबीब पार्क, जोगेश्वरी रेलवे स्टेशन
के सामने (पश्चिम), बम्बई-102 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/9680/
83-84 श्रीर जो सक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5
जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्ति्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-9-1984
मोहर :

रूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० गोयल बिल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयमती शशिकांत शहा

और

श्री शशिकांत एन० शहा ।

(अन्तरितः)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई०/9681/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, सी विंग,
मिनल अपार्टमेंट्स, ओल्ड नागर दास रोड, अन्धेरी (पूर्व),
बम्बई-69 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रार है तारीख 6 जनवरी,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, सी विंग, मिनल
अपार्टमेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69
में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/9681/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6
जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रकृष भाई, ए. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई०/9686/83-84-अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 5, दूसरी मंजिल, ए. विंग, आदित्य अपार्टमेंट्स, ओल्ड नागर दास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रार है तारीख 6 जनवरी, 1984

को पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंधु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्धारित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

(1) मै० गोयल विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रफुल्ल हीरा लाल मागिया

और

श्रीमती जयश्री प्रफुल्ल मागिया ।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो दूसरी मंजिल, ए. विंग, आदित्य अपार्टमेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है ।

अनुसूची जिसका क्रम सं० अई०-2/37 ईई०/9686/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई०/9698/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, ए विंग, मिनल अपार्टमेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कंगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अद्योक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवनीत कुमार वांति लाल शाह, और

श्रीमती रंजन बेन नवनीत कुमार शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, ए विंग, मिनल अपार्टमेंट्स ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/9698/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रकटित आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-ब (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-२, बम्बई

बम्बई, दिनांक १३ सितम्बर १९८४

निर्देश सं० आई०-२/३७ ईई/९७३२/८३-८४-अत.
मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ६, जो पहली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत--प्लॉट नं० एस० ४५, एच० नं० १३, वामणपुरी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-५९ में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, १९६१ की धारा २६९ क ख के अन्तर्गत, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख ९ जनवरी, १९८४

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(१) मै० पारीख दास विल्डर्स :

(अन्तरक)

(२) श्री अरविन्द प्रसाद हुबबान शुक्ला,
और

श्री रविन्द्र नाथ एच० शुक्ला ।

(अन्तरिती)

(३) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ६, जो पहली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत प्लॉट नं० एस० ४५, एच० नं० १३, वामणपुरी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-५९ में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-२/३७ ईई०/९७३२/८३-८४ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ९ जनवरी १९८४ को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-२, बम्बई

तारीख : १३-९-१९८४

मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० ओमेक्स बिल्डर्स एण्ड
कॉन्ट्रैक्टर्स।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेन्द्र कृष्णनाथ नाईक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई/9738/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें हमारे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग बी-1, पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ को० अपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सहार विलेज, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-99 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवम् दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग बी-1, पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ को०-अपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सहार विलेज, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-०/37 ईई०/9738/83-84 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई०/9741/83-84—यतः मुझे,
लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 305 तीसरी मंजिल विल्डिंग
बी-2, विद्यादानी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी सहार
विलेज, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
वादावनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 9 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जितित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

(1) मं० इण्डिया कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलारा पण्टो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 305, जो विल्डिंग नं० बी-2, तीसरी मंजिल
विद्यादानी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, सहार
विलेज, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई०/9741/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9
जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख . 14-9-1984

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) दोपक विल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अमिता अब्बास कपासी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जुन रैंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 13 त्रितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/9805/83-84 ।—यतः

मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लेट नं० 16, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4 भवानी नगर मरोल मारोली रोड, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई 59 में स्थित है (और इसका उपाबद्ध अनुसूची में औ० पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के आदेशन बम्बई में पंजीकृत है तारीख 9 जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरांतरिती) के बीच एक अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की माधत, अथवा किसी करण या लगन बर्तन से सुविधा के लिए; अथवा अथवा के कारण करण के अन्तरक से दायित्व और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

36—286GI/84

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धात्त में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 16 जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4 प्लेट नं० 14, भवानी नगर मरोल मारोली रोड, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जिस ति क्रम सं० आई-2/37 ईई/9805/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)
अर्जुन रैंज-2, बम्बई

तारीख :- 13-9-1984

सोहर :

रूप काई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं अ०ई०-2/37 ईई/9845/83-84-अंतः

मुख्य, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पत्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कुतान नं० 1 प्लॉट नं० 3 पुष्पी गार
को० आरेंटि व हाऊसिंग सोसाइटी लि० पटेल इस्टेट रोड
जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे उदाहरण
अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है) और जिसका ब्यारामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन
सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख
दिनांक 13 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

भारत का राजपत्र, अक्टूबर 20, 1984 (आश्विन 28, 1986)
अधिनियम 1961 के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वर्षाव से कमी करने या अपने अन्तर्गत के विधायक
के लिए अंतरण

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या जो कि आय या धन, क्रिया में
सहित है

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, ब्यारामा :-

(1) श्री मनहर रतिलाल बागडिया

तथा

श्री सुरेश रतिलाल बागडिया

(अन्तः)

(2) श्री चौधरी सुनील कुमार सुन्दरलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं ।

अनुसूची

कुतान नं० 1 जो प्लॉट नं० 3, पुष्पी गार को० आरेंटि व
हाऊसिंग सोसाइटी लि० पटेल इस्टेट रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम)
बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची के प्राधिकार सं० अ०ई०-2/37 ईई०/9845/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13
जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1984

मोहर:

प्रमुख बाई.टी.एन.एस.

(1) गै० प्रोजेक्ट कान्ट्रोलिंग कम्पनीज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शाम राव बाथूरा मानपेकर
तथा

श्री गणेश प्रनाद शामराव मानपेकर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई०-2-37 ईई०/9835/83-84--अंतः

शुभे लक्ष्मण दास,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 तल माला पुष्पेश्वर शेर-ए-
पंजाब, को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी महाशाली रोड
अन्वोरी (पूर्व) बम्बई-60 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारण
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 13 जनवरी, 1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

स्थलीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क के अन्तरक के
अध्याय में कमी का या उससे बचत में सुविधा
की प्राप्ति, और या

फ्लैट नं० 2, जो तल माला पुष्पेश्वर शेर-ए-पंजाब
को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड महाशाली रोड
अन्वोरी (पूर्व) बम्बई-400069 में स्थित है

अनुसूची के अधिनियम सं० आई०-2/37 ईई०/9835/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा बम्बई दिनांक 13
जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या प्रकट जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1984

निवेश सं० आई०-2/37 ईई/9874/83-84--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ़ैट नं० 62, छठी मंजिल, रोकड़िया निवेशन, मोटे मोरा, पारसी पंचायत रोड, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और हज़ारे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारण भा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 13 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(1) मैसर्स रोकड़िया इन्टरप्रायजेस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हीरबाई मेघजी भावला,
और

श्री मणिलाल मेघजी भावला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ़ैट नं० 62, जो छठी मंजिल, रोकड़िया निवेशन, सी० टी० सं० 141 बी, एस नं० 5, हिस्सा नं० 3 एक, मोटे मोरा, पारसी पंचायत रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

अतः मैं इसे क्रम सं० आई०-2/37 ईई 9874/83-84 और तारीख 13 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश नं० आई-2/37 ईई, 9871/83-84---यतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसे सं० फ़ैट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग-बी
(निर्माणधीन इमारत) एस० नं० 49, हिस्सा नं० 1 बी,
सी० टी० एस० नं० 109, बिलेज पालकर पखाड़ी अन्वोरी
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसी उपबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
13 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
रिती (अन्तरितीयों) के बीच एस० अंतरण के लिए तय थाया
पया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य माय्याओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० के० भागले,
श्री एम० एम० गिदे,
श्री श्री० के० कडसोन,
श्री एस० आर० बर्वे,
प्रनोटर्स समग्रुप को-ऑपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नयना डी० पाठारे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हिस्सा-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ़ैट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग-बी
(निर्माणधीन इमारत) प्लॉट पर नं० 49, हिस्सा नं०
1 बी, सा० टी० एस० नं० 109, बिलेज पालकर पखाड़ी, अन्वोरी
(पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई० 2/37 ईई०/9871/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
13 जनवरी, 1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

मेरीख : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) दीपः लिङ्गः प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रियधर रजः

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/9885/83-84-यजः,

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं०
3, भवानी नगर, मरोल मरेशी रोड, अम्बेरी (पूर्व),
बम्बई-53 में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूची में अंतः
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वास्तविक आयुक्त अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में लिस्टेड है तारीख 26 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिति
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग-3,
फ्लैट नं० भवानी नगर मरोल मरेशी रोड, अम्बेरी
(पूर्व), बम्बई-53 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37 ईई/9885/
83-84 को लागू करने वाले अधिनियम, बम्बई द्वारा दिनांक 26
जनवरी, 1984 का अधिनियम किया गया है।

लक्ष्मण दास

सहायक आयुक्त

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

अधिनियम सं. 43, 1961 (1961 का 43)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

नमूना सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13, सितंबर 1984

निर्देश सं. आई-2/37 ईई/9903/83-84-यस,

मुझे, लक्ष्मण एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 103, जो पं.ली मंजिल, बी-विंग, मिनाल अपार्टमेंट्स, ओल्ड नगरवाडा रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इसमें उत्पन्न आय सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका मालिक सक्षम प्राधिकारी, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में पंजीकृत है तारीख 16 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच उस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) गणपत बिल्डर्स प्रा. लि.।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती मणिबेन ईश्वरभाई पटेल
आर

2. श्री शंकरभाई डी. पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 103, जो पं.ली मंजिल, बी-विंग, मिनाल अपार्टमेंट्स, ओल्ड नगरवाडा रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिस कि क्रम सं. आई-2/37 ईई/9903/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण एस

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० गोंयन बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जमना देवी अखिरवंद छांगानी,
और

श्री मुरली एम० छांगानी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेदन सं० आई०-2/37 ईई/9904/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर प्लॉट नं० पनैट नं० 101, जो पहलो मंतिन, सी विंग,
मि० आर्टिस्ट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरो (पूर्व),
बम्बई-69 में स्थित है (और अपने उदात्त आसूचों में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 16
जानवरी, 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

आयुक्ती

पनैट नं० 101, पहलो मंतिन, सी विंग, मि० आर्टि-
स्ट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरो (पूर्व), बम्बई-69 में
स्थित है ।आपुको ज्ञात कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई/9904/
83-84 और जो उक्त प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13
जानवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनीप हिम्मज लाल मोदी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ईई/9905/83-84—अतः

शुभे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो पहली मंजिल, सी विंग,
मिनल अगार्टमेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व),
बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
37-28601/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो पहली मंजिल, सी विंग, मिनल
अगार्टमेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37ईई/9905/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16
जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

(1) मै० गोपाल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमन लाल गंगाराम लाड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई०-2/37ईई०/9906/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,010/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, सी विंग, मिन्तल अपार्टमेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 16 जनवरी, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, सी विंग, मिन्तल अपार्टमेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-69 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37ईई०/9906/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर

प्रश्न बाई. टी. एन. एच.-----

(1) मै० गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37 ईई/990/83-84—अतः

मुसे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल, ए-विंग,
मिनल अपार्टमेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-69
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 ब ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 16 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री भरत केशवलाल पारेख,
कर्ता आफ श्री बा० के० पारेख,
हि० अ० कु० शू
श्री विपिन के० पारेख सी० ए० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल, ए-विंग, मिनल अपार्ट-
मेंट्स, ओल्ड नागरदास रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37 ईई/990/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16
जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप, आई. टी. एन. एस. - - - -

(1) मै० सत्यम विल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री केशव लाल एम० चौहान
तथा

श्रीमती लक्ष्मी के० चौहान।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० आई-2/37ईई/991/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसको सं० गाला नं० 52-ए, सत्यम इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
अद्वारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 28 जनवरी 1984,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

गाला नं० 52-ए, जो सत्यम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी
मंजिल, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37 ईई/9916/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28
जनवरी 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति अर्थात् :—

तारीख : 14-9-1984

मोहुर

प्रकाश बाई.डी.एम्.एस.

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई-2/37 ईई/9926/83-84—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग
बी, (निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट एस० नं० 49, एच०
नं० 1 बी, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर,
पाखाडी, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के
अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 19 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीको) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अधीन है—

(1) श्री जे० के० भांगले,
श्री एम० एस० शिंदे ।
श्री बी० के० कडकल,
श्री एस० आर० बर्वे,
प्रमोटर्स : संयुक्त को-आपरेटिव
हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पी० घरेरकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग बी,
निर्माणाधीन इमारत—प्लॉट नं० एस० नं० 49, हिस्सा
नं० 1बी, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर
पाखाडी, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37 ईई/9926/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा रजिस्टर्ड
किया गया है

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37 ईई/9927/83-84-अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 401, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग बी, प्लॉट एस० नं० 49, एच० नं० 1 बी, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाडी, अन्धेरो (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269-घ के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 19 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० के० भांगले,
श्री एस० एम० शिवे,
श्री बी० के० काडकोल,
श्री एस० आर० बर्वे,
प्रमोटर्स, संयुक्त को-ऑपरेटिव
हाऊसिंग सोसाइटी लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० बी० कदम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 401, जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग बी, (निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट एस० नं० 49, हिस्सा नं० 1-बी, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाडी, अन्धेरो (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37 ईई/9927/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19 जनवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13-9-1984

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/9928/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या प्लैट नं० 404, जो 4थी मंजिल,
बिल्डिंग ए, प्लॉट एस० नं० 49, एच० नं० 1 बी०, सी०
टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी, अन्धेरी
(पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आय-
कर अधिनियम, 1961 के धारा 269 क ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
19-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1 सव श्री जे० के० भांगले,
एस० एस० जिन्डे,
बी० के० कडकोल,
एस० आर० बर्वे, प्रमोटर्स,
समयुक्त को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड।
(अन्तरक)

2. श्री जे० जे० दानाईट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 404, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग ए०,
(निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट एस० नं० 49, हिस्सा नं० 1बी,
सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी, अन्धेरी
(पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई2/37ईई/9928/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 13-9-1984
मोहर 3

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9929/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 304 सी०, जो विल्डिंग सी०, 3री मंजिल, प्लॉट एस० नं० 49, एच० नं० 1, बी०, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, दिनांक 19-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिख में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० के० भांगले,
एस० एम० शिन्दे,
बी० के० कडकोल,
एस० आर० बर्वे,

प्रमोटर्स, समयुक्त को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता एस० शर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दृष्टा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304, जो, विल्डिंग सी०, 3री मंजिल, (निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट एस० नं० 49, हिस्सा नं० (बी०, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम संख्या आई-2/37ईई/9929/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9930/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 20, जो, 2री मंजिल, बिल्डिंग, बी०, प्लॉट नं० एस० नं० 49, एस० नं० 1 बी०, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी, अम्बेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खप्रा के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

38--286 GI/84

1. श्री जे० के० भांगले,
श्री एम० एस० शिन्दे,
श्री वी० के० कडकोल,
श्री एस० आर० बर्वे,

[प्रमोटर्स, समयुक्त को-आप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
(अन्तरक)]

2. श्री एम० डी० गावस्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, बिल्डिंग बी०, (निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट नं० एस० नं० 49, हिस्सा नं० 1 बी०, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी, अम्बेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम संख्या आई-2/37ईई/9930/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एम्. एम्.

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कारण बरकरार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

सं० अई-2/37ईई/9931/83-84:—अतः मुझे लक्ष्मण
दास,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 404, जो, 4थी मंजिल,
बिल्डिंग बी० (निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट नं० एस० नं०
49, एच० नं० 1 बी०, सी० टी० एस० नं० 109, (विलेज
पालकर पाखाड़ी, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है। (और
इससे उपायानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा भाषाकरण अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तु-
विक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
किसी करने या करने वाले के दायित्व के अधीन;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भागियों
को, जिसमें भारतीय भाषाकरण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० जे० भांगले,
श्री एम० एस० शिन्दे,
श्री बी० के० काडकल
एस० आर० बर्वे,
प्रमोटर्स समयुक्त को-आप० हाउसिंग, सोसाईटी,
लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री यू० आर० घाटे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, या भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अथवा के
पास निहित है किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग बी०,
निर्माणाधीन इमारत— प्लॉट नं० एस० नं० 49, हिस्सा नं०
1 बी०, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी,
अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम संख्या अई-2/37ईई/9931/83-
84 और जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रामति भानू आर० नायानी
रायपुर, म० प्र०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री मोहम्मद अरीफ अहमद बेग
तथा श्री रोशन अरीफ बेग।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बईको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

सं० आई-2/37/ईई/10320/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी संख्या प्लैट नं० 304, तीसरी मंजिल, कोहिनूर
अपार्टमेंट, बान्द्रिवली बोलेड, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400102
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक जनवरी, 1984(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्थायी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/याप्लैट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, कोहिनूर, अपार्टमेंट
प्लॉट सि० टी० एस० नं० 184, बान्द्रिवली बोलेड, जोगेश्वरी
(पश्चिम), बम्बई-400102 में स्थित है।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37/ईई/10320/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—दिनांक : 13-9-1984
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10329/83-84:—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको संख्या फ्लैट नं० 104, जो, पहली मंजिल,
बिल्डिंग ए०, प्लॉट एस० नं० 49, एस० नं० 1 बा०, सां.
टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी, अन्धेरी (पूर्व),
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० के० मांगले,
एस० एस० शिन्दे,
बी० के० कडकोल,
एस० आर० बर्वे,
प्रमोटर्स, समयुक्त को-आप हाउसिंग सोसाईटी
लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अंजनी यू० पालेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो, 1 ला० मंजिल, बिल्डिंग-ए०,
निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट एस० नं० 49, एस० नं० 1,
बा० सां० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी,
अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई-2/37ईई/10329/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप बाह्य टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/10330/83-84:—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग
बी०, (निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट एस० नं० 49, एस०
नं० 1 बी० सो० टो० एस० नं० 109, पालकर पाखाड़ी
विलेज, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है
दिनांक 23-1-1984

अ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० जे० भांगले,
एम० एस० शिन्दे,
बी० के० काडकल,
एस० आर० बर्वे,
प्रमोटर्स, समयुक्त को-आप हाउसिंग सोसाईटी
(अन्तरक)

2. श्री एन० एस० पाटील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग बी०,
निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट एस० नं० 49, हिस्सा नं० 1,
बी०, सो० टो० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी,
अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या अई-2/37ईई/10330/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/10331/83-84:--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या फ्लैट नं० 103, जो, 1 ली मंजिल
बिल्डिंग ए०, (निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट एस० नं०
49, एस० नं० 1-बी०, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज
पालकर पाखाड़ी, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जे० के० भांगले,
एम० एस० शिन्दे,
वी० के० बर्वे,
प्रमोटर्स समयुक्त को-ऑप हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड।
(अन्तरक)

2. श्री यू० एन० पालेकर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो, 1 ली मंजिल, बिल्डिंग ए०,
(निर्माणाधीन इमारत) प्लॉट एस० नं० 49, हिस्सा नं० 1-
बी०, सी० टी० एस० नं० 109, विलेज पालकर पाखाड़ी,
अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि संख्या आई-2/37ईई/10331/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रमुख बाह्य टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37/9886/83-84:—प्रति: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 14, तीसरी मंजिल, बि० नं० 2, भवानी नगर, प्लॉट नं० 13, मरोल-मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०) बम्बई-59 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-1-1984 में उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मूल्य के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास होने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित आदेशिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. मैसर्स दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड। (अन्तरक)
2. श्रीमती ईसाबेल जानं जार्ज। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20-क में दिया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अर्जन में सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाह्य या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

फ्लैट नं० 14, जो तीसरी मंजिल, बि० नं० 2, भवानी नगर, प्लॉट नं० 13, मरोल-मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई-2/37/ईई/9886/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) में, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 14-9-1984
मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्र टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9806/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 15, चौथी मंजिल, बि० नं०
1, भवानी नगर, मरोल-मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई
400059 में स्थित है, और जिससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-1-84
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में भूमिका
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूमिका
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स दीपक बिल्डिंग प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री द्वारकानाथ पुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवान
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में प
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 15, जो चौथी मंजिल, बि० नं० 1, भवानी
नगर, प्लेट नं० 15, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०),
बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र संख्या आई-2/37ईई/9606/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दा.

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस-----

1. मैसर्स दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कु० पुष्पा आन्दवानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

निर्देश सं० आई-2/37/ईई/9628/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 16, चौथी मंजिल, बि० नं० 3,
भावनी नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्वैरी (पू०), बम्बई
59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 169 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-1-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

39—286GI/84

अनुसूची

फ्लैट नं० 16, जो चौथी मंजिल, बि० नं० 3, भावनी
नगर प्लॉट नं० 14, मरोल मरोशी, रोड, बम्बई-400 059
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्रं० संख्या आई-2/37/ईई/9628/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. सैमर्स वीरक डिजिटल प्रा. लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री राज किशोर सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9627/83-84:—अतः मुझे लक्ष्मण

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 7, दूसरी मंजिल, बि० नं०
2, भवानी नगर, मरोल-मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०),
बम्बई-400059 में स्थित है। और इससे उपबद्ध अनुसूची
में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
2-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वस्तुनिष्ठ रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कथित करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारतीय आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतलाता हूँ :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो दूसरी मंजिल, विल्डिंग नं० 2, भवानी
नगर, प्लॉट नं० 6, मरोल-मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०)
बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि संख्या आई-2/37ईई/9627/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

अध्याय 21-अ-खण्ड 1-अ-खण्ड 1-अ-खण्ड 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचन.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० आई-2/37ईई/9883/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या प्लेट नं० 15, चौथी मंजिल, बि० नं०
1, भवाना नगर, मरोल मरोणा रोड, अन्धेरा (पू०),
बम्बई-59 में स्थित है। और इसमें उभावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से अर्णित है) और जिनका वर्तमान आवाक
अधिनियम 1961 का धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, दिनांक
-13-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस पत्रा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बात उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी अन्य या किसी धन या अन्य अन्तरण
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किद गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

1. मैसर्स दीपक विल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री अविनाश जी० स्वार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबदूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लोखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 15, जो चौथी मंजिल, बि० नं० 1, प्लेट
नं० 14, भवाना नगर, मरोल मरोणा रोड, अन्धेरा (पू०),
बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्र संख्या आई-2/37ईई/9883/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित में से, अर्थात् :—

तारीख : 14-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० अई-2/37ईई/9877/84-84:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 18, चौथी मंजिल, बि० नं० 1, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई 59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-1-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

1. मैसर्स वीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार मेहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 18, जो चौथी मंजिल, बि० नं० 1, प्लॉट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्रम संख्या अई-2/37ईई/9877/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

महूर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.

1. मैसर्स दापक बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री डी० वी० संकरन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9884/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है।

और जिसका संख्या प्लैट नं० 3, पहली मंजिल, बि० नं० 1,
भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-
59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

आयुक्त

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लैट नं० 3, जो पहली मंजिल, बि० नं० 1, प्लाट
नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०),
बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम संख्या आई-2/37ईई/9884/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

1. मैसर्स दोपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री आर० मेन्डोंका तथा
श्रीमती लिलो मेन्डोंका

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37/ईई/9879/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 11, तिसरी मंजिल, बि० नं०
4, भवाननगर, मरोल मरोशो रोड, अन्धेरे (पू०), बम्बई
59 में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूचा में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार है, दिनांक 13-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिती :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 11, जो तिसरी मंजिल, बि० नं० 4, भवानी
नगर, प्लेट नं० 14, मरोल मरोशो रोड, अन्धेरे (पू०),
बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्र० संख्या आई-3/37/ईई/9879/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स दीपक विल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा जी० पिल्लई।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9869/83-84:—अनः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 5, पहली मंजिल, बि० नं० 4, भवानीनगर, मरोल-मरोणी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-1-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, पहली मंजिल, बि० नं० 4, भवानी नगर, प्लॉट नं० 14, मरोल-मरोणी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई-3/37ईई/9869/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9693/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1, तीसरी मंजिल, विद्या बिल्डा, नं० 3 ए०, 24 सी/ए०, जुना नागरदास रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400069 में स्थित है। और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जे० टी० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री अमरशी श्रोडभाई पटेल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो तीसरी मंजिल, विद्या बिल्डा नं० 3 ए०, 24/सी/ए०, श्रोड नागरदास रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि संख्या आई-2/37ईई/9693/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भाइकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9731/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

भाइकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 403, ए० विंग, चौथी मंजिल,
"पंचशील", माथुरदास वासनजी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई
400069 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक

7-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाइकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

40—286GI/84

1. मैसर्स विनय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (इण्डिया) ।
(अन्तरक)

2. श्री कुलदीप सिंह कोहली
(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो "ए" विंग, चौथी मंजिल,
प्लॉट नं० 75 ए०, 75 बी, तथा एच० नं० 6,
माथुरदास, वासनजी रोड, बकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बई-
400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई-2/37ईई/9731/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/10554/83-84:—अतः मुझे लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीनपट्ट ईमारत, प्लॉट नं० 18, सी०, ०
अन्धेरी (पू०), बम्बई-96 में स्थित है। (और इसमें उपा
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 21-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भाग या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मुलको इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सेमकॉन इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को समीक्षा में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से नानाश्रित हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धारा 29-क में परिभाषित हैं
की अर्थ प्रतीति, जो तब अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन संलग्न ईमारत, जो प्लॉट नं० 18, सान्ताक्रुज
इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग झोन (सी०) अन्धेरी (पू०)
बम्बई-400096 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई2/ 37ईई/10554/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक: 14-9-1984

मोहर &

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० आई-2/3 ईई/4033/83-84:—अत मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका संख्या प्लैट नं० 901, जो, जमुना बिहार
(पश्चिम), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका आयकर अधिनियम
1961 का धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जमनादास एच० चौकस और आसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्री दिपक चिणलाल ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 901, जो जमुना बिहार, प्लैट नं० सी० टी०
एस० नं० 549, जुहू लेन, अन्धेरा (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि संख्या आई-2/37ईई/4033/83-
84 और जो सक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्ब

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्रत्येक आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० आई-2/37ईई/9636/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

फ्लैट नं० 14, पहली मंजिल, स्नेह सागर मोल्डन टोवको
वर्क्स को आप सो० सोसाइटी, 9वां एस० एस० रोड,
जे० बी० पी० डी० स्किम, अन्धेरी (प०), बम्बई-68 में
स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
यों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरविन्द पी० पारेख

(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र एन० ठक्कर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मगोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 14, जो पहली मंजिल, स्नेह सागर, मोल्डन
टोवको वर्क्स को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, 9वां एस०
एस० रोड, जे० बी० पी० डी० स्किम, अन्धेरी (पश्चिम),
बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई-2/37ईई/9636/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में दिनांक 21-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर

प्रकृष भाई. टी. एम. एस.-----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

सं० अई-2/37ईई/9639/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण
दास,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल,
पाम स्ट्रिंग, प्लॉट नं० 26, विलेज ओशिवरा, सर्वोवा, अन्धेरी
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयुक्त
अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधिन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, दिनांक 2-1-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भाषा-करण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषा-करण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. मैसर्स श्रीबराय कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमित सचदेव।

(अन्तरिती)

4. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 304, जो, पाम स्ट्रिंग, प्लॉट नं० 26 विलेज
ओशिवरा सर्वोवा, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या अई-2/37ईई/9639/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
2-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स श्रीबराय कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

2. श्री भवरो स्टन्ले काडोसो और
श्रीमती एल० काडोसो।

(अन्तरिती)

4. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

सं० अई-2/37ईई/9640/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण
वास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिनका संख्या पत्र नं० 504, जो, 5वीं मंजिल पा,
स्प्रिंग, वर्सावा, अन्धेरी बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी,
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है, दिनांक 2-1-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 504, श्री, 5वीं मंजिल, पाम स्प्रिंग प्लॉट,
नं० 26, विलेज ओशिवरा, वर्सावा, अन्धेरी बम्बई में स्थित
है।अनुसूची जैसा कि क्र संख्या अई-2/37ईई/9640/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।लक्ष्मण वास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

सं० आई-2/37ईई/9665/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रचलित 'इण्डस्ट्रियल' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट फासे ए० नं० 27, जो, लक्ष्मी
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिमिंग रोड, ओशिवरा, बम्बई-58 में
स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका सारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6 जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरण के द्वारा प्रयोजनार्थ अन्तरण से
भय या विषय कात आशंकित था, विधान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट,

(अन्तरक)

(2) श्री अमर प्रभाषा एम० अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी एक या अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट फासे ए० नं० 27, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, न्यू लिमिंग रोड, ओशिवरा, बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि संख्या आई-2/37ईई/9665/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
6-1-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकृति आई.टी.एन.एस. -----

(1) मेसर्स निलम बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री इनायतअली अहमद खलफे ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/9668/83-84—अतः सूत्रे,
लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, निलम अपार्टमेंट्स, मछली
मार, जिस नगर के बाजू में बसोबा रोड, अंधेरी (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) और जिसका वारानामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, जो, निलम अपार्टमेंट्स, मछलीमार, जिस
नगर के बाजू में, बसोबा रोड, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं०—आई-2/37ईई/9668/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्ट्रार किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/9740/83-84 ---अन: मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
परण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, जो, तीपरी मंजिल, विफिट को० आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-1-1984,

हे प्ररूपित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
सिद्धि के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नद्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
मूल्य से अधिक नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की वाधन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिक में कमी करने या उसमें बजान में सुविधा
की जाए, और/या

(ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, निम्न में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—286GI/84

(1) मेसर्स ऑमेक्स बिल्डर्स एण्ड डेवेलपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री नागेश बाबू बंगेरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो, तीपरी मंजिल, विफिट को० आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या-आई-2/37ईई/9740/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई ।

दिनांक 13-12-1984

साहूर :

प्रारूप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेर्स संजीव विट्ठल भाटवेट निर्मित ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शुभदा विनास कुलकर्णी ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पर्याप्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 गिम्ब्वर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/9827/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० टी-11-14/जो, पहली मंजिल,
संजीव टावर, बेहराम बाग, ओशिवरा विलेज, अंधेरी (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-1-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और चूंकि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोव्यवस्थापक के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० टी-11-14, जो, पहली मंजिल, संजीव टावर,
बेहराम बाग, ओशिवरा विलेज, अंधेरी, बर्माबा, बम्बई में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/9827/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-
1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1984

सोहरा :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स मनिष अन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) एन० गोपीनाथ कामथ और पुष्पागोपीनाथ कामथ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/9833/83-84—अतः मुझे
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लैट नं० 3 जो तीसरी मंजिल वृन्दावन
विरा देसाई रोड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित है
(और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका परारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है, दिनांक 13-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 3 जो तीसरी मंजिल, वृन्दावन, प्लॉट नं० एस०-2,
विरा देसाई रोड, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/9833/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

अर्थ: डी. एन. ए.

(1) मेसर्स अर्जन् बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद हुन्नालाल खण्डेलवाल ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-2/37ईई/9839/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 4, जो, अनुगधा-ब, दूसरी मंजिल,
इर्ला ब्रिज, एस० ह्वि० रोड, अंधेरा (पश्चिम), बम्बई-58 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्णरूप में दर्शाया
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रार है, दिनांक 13-1-1984.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कट के सम्बन्ध
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
शायद में कमी करने या उसमें बचने से सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिसका भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिसका अन्तरण बाह्य का विधान का
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वास्तवों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृढ़बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

नमूना

फ्लैट नं० 4, जो, अनुगधा-ब, दूसरी मंजिल, एस० नं०
213-मा (पार्ट) सा० टा० एस० नं० 477-ए, इर्ला ब्रिज,
एस० ह्वि० रोड, अंधेरा (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूच जैसा कि सं० आई-2/37ईई/83-84 और
जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक : 13-9-1984 .

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) एजिप्टन अन्तरिक्षा सम्पत्ति ।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वि० के० सूजान ।

(अन्तरि०)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/9861/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 504-ब, 5वीं मंजिल, लिला
अपार्टमेंट्स, थारो रोड, गुलमोहर गार्डन के सामने, अंधेरा (प०),
बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब के अधीन असक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है, दिनांक 16-1-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरि० की गई है और मुझे यह विज्ञापन
करने का कारण है कि यथापेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरि० (अन्तरि०) के बीच एस अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से अधिन नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरि० द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से बचन को जल
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या सम्भवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर निवास में हितमंद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नकारी के पास
विहित या किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 504-ब, 5वीं मंजिल जो, बो-विंग, लिला
अपार्टमेंट्स, थारो रोड, गुलमोहर गार्डन के सामने, बर्मोवा, अंधेरा
(पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/9861/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रस्प. आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) ओबराव कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चंपशा भिमशा शहा, और
श्री अमरतलाल चंपशा शहा ।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

(4) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई/दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/10758/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, ग्राउंड फ्लोअर, पाम स्प्रिंग,
स्वामी समर्थ प्रसन्ता नगर, फोर बंगलो, वसोवा, ग्रंधेरो (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्णरूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-घ, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्टर्ड है, दिनांक 25-1-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
आयकर अधिनियम के अधीन को कर का भुगतान करने के
बाध्यत्व में किसी कारणों से उक्त सक्षम प्राधिकारी के निदेश, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित की दुकान प्रगट नहीं किया
गया या या प्रगट करने का कारण नहीं दिया जाने में
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदर्भ में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में लिखे गए या लिखे जाने के लिए।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो, ग्राउंड फ्लोअर, पाम स्प्रिंग, प्लॉट नं०
26, स्वामी समर्थ प्रसन्ता नगर, 4 बंगलो, वसोवा, ग्रंधेरो
(पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि सं० आई-2/37ईई/10758/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

रूप आदि. टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/9629/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेक करने
का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 2, जो, पहला मंजिल, ज्यूपिटर-1,
वर्सावा क्रास रोड, आफ फोर बंगलो, ग्रंथेरी (पश्चिम), बम्बई-
58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में उक्त किसी आय की दायरा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व के दायरे काटने में इसमें अन्तरण के सूचना
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भारतीय
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था किन्तु ऐसे अन्तरण के बिना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात् :—

(1) श्री हिरानन्द मः० रुपाना ।

(अन्तरक)

(2) कुमार टोसम ए० कोलासा ।

(अन्तरिता)

(3) मेसर्स नेशनल इण्टरप्रायजेस । (डेव्हलोपर्स और
विल्डर्स) ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थवर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, पहला मंजिल, ज्यूपिटर-1, सं० टी० एस०—
1323/6 और 1323/7 (गर्ट), वर्सावा क्रास रोड, आफ फोर
बंगलो, ग्रंथेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/9629/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक : 13-9-1984

सोहर :

(1) अध्याय 20, अध्याय 27

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
अध्याय 20 के अधीन सूचना

(2) अध्याय 20, अध्याय 27

(अन्तरिक)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/9650/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई-2, गिता प्रकाश को० ऑप० हाउसिंग
मोसायटी लिमिटेड, जय प्रकाश रोड, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका संचालन आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्टर्ड है, दिनांक 1-1-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अर्जन के लिए है। उक्त सम्पत्ति के दृश्यमान
प्रतिफल के कारण को कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से कम दृश्यमान प्रतिफल का
सम्बद्ध प्रमाणित हो सकता है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिक (अन्तरिक) के बीच गये अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप में अंतरण नहीं किया गया है।(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर उक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में निहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त सम्पत्ति के उक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो कि अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधिनियम 1961 के अन्तर्गत के
कार्यवाहियों को करने का उक्त सम्पत्ति में सुविधा
के लिए, और/या(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
न से रजिस्टर्ड किया गया था या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाफ्लैट नं० ई-2, जो, प्राउड फ्लोअर, गिता प्रकाश
को०-ऑपरेटिव हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 143/
2ए, फोर बंगलो यथ स्ट्रीट के बाहर से जय प्रकाश रोड, अंधेरी
(पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/9650/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई।

यह सूचना उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
दिए गए, और उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.

(1) श्री रमेश सालवानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री रमेशानअनी फिदाहुसैन जेथा, और
अलीरक्षा फिदाहुसैन जेथा ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/9670/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो, कविता अपार्टमेंट्स, सी०
टी० एस० नं० 1030, यारी रोड, बर्सावा, अंधेरी (पश्चिम),
बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
हायिस्व में कमी करने या उससे बचने में बाधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते हैं ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जो, कविता अपार्टमेंट्स, सी० टी० एस०—
1030, यारी रोड, बर्सावा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में
स्थित है ।अनुसूची जैसा कि सं०—आई-2/37ईई/9670/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984,
को रजिस्टर्ड किया गया है ।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्रमाण आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अशोक एड० दागदानी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री निजाम अकबरअली मर्चेण्ट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/9671/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसमें से जपलैट नं० 206, जो, कविता अपार्टमेंट्स, सी०
टी० एम० नं० 1030, यारी रोड, वर्सावा, अंधेरी (पश्चिम),
बम्बई-61 में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से गणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीमत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
इतिहास में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
का, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता :

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जपलैट नं० 206, जो, कविता अपार्टमेंट्स, सी० टी० एम०
नं० 1030, यारी रोड, वर्सावा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61
में स्थित है ।अनुसूची जैसा कि क्र० सं०—अई-2/37ईई/9671/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-1984
को रजिस्ट्री किया गया है ।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2 बम्बई ।

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स हरी शिवम् बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजीव एम० खांडेकर और
श्री मनोहर एन० खांडेकर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(4) श्रीमती विद्यावती कपूर (ट्रस्ट)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

निदेश सं० आई-2/37ईई/9718/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, हरी शिवम् अपार्टमेंट्स,
कपूर बिल्डिंग, जे० पी० रोड, अंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है, दिनांक 7-1-1984,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, हरी शिवम् अपार्टमेंट्स
कपूर बिल्डिंग, जे० पी० रोड, अंधेरी बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं०-आई-2/37ईई/9718/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

प्रकाशक टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-1/37 ईई/9822/83-84—यतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो, तीसरी मंजिल, पराग, वसोंवा पराग मैन्शन को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जयप्रकाश रोड, वसोंवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीउ/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार भू, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुरण चन्द बाली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मर्दान्न दराबशों सिपाय ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 16, जो तीसरी मंजिल, पराग, वसोंवा पराग मैन्शन को०-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जयप्रकाश रोड, वसोंवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या-अई-2/37ईई/9822/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,
बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

सहूर :

इसका आई. टी. एन. एन. ———

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/9847/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 802, जो, 8वीं मंजिल, हिमाचल
बिल्डिंग, जुहू हिमाचल को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
आफ० जुहू लेन अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,
दिनांक 13-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नर नारायण सराफ ।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द चूनीनाल शेठ, और

कर्ता आनन्द चूनीनाल शेठ (एच० यू० एफ०)

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा दीं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप०---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 802, जो, 8वीं मंजिल, "हिमाचल बिल्डिंग,
जुहू हिमाचल को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आफ
जुहू लेन, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या-आई-2/37ईई/9847/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-84
को० रजिस्टर्ड किया गया ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2
बम्बई ।

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(2) श्रीमती सुलिता एस० केतकर ।
(सुनित कम्प्यूटेशन कम्पनी)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स ग्लाय ब्रदर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/9866/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण बास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, रतनदिप,
27, सिसर रोड, अंधेरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
20-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मंद्ग प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो, ग्राउंड फ्लोअर, रतनदिप, 27, सिसर
रोड, अंधेरी बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० संख्या-आई-2/37ईई/9866/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण बास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2,
बम्बई ।

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नसिरुद्दीन अब्दुल्लाह ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी मिरा ए० विपाडी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/9913/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3/48, जो, जुहू दर्शन को० अपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड डी० एन० नगर, अंधेरी (पश्चिम)
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-1-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरक की गई है और मुझे यह विश्वास
कारण का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दृष्टि में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भद्र या वस्तु वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित कारिकाओं, जथाहू :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3/48, जो, जुहू दर्शन को०-आपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी, डी० एन० नगर, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/9913/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

बम्बई।

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

(1) उपरंग टेक्सटाइल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शाहानाज़ अली अमिरखली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० आई-2/37/ईई10305/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्तक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 703, है तथा जो, 7वीं
मंजिल, कविता अपार्टमेंट्स, यारा रोड़, वर्सावा, बम्बई-61
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है तारीख 23-1-1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

अनुसूची

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

फ्लैट नं० 703 जो, 7वीं मंजिल, कविता अपार्टमेंट्स,
सं० टी० एस० नं० 1030, यारा रोड़, वर्सावा, बम्बई-61
में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतर्गति दयाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37/ईई/10305/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 13-9-1984

मोहुर :

प्रकट जाई. टी. एन. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/10309/83-84--अन: मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 711, और गैरेज नं० 21,
बेसमेंट, एक्सेस्ट बिल्डिंग, सं० टी० एस० 1116 (पार्ट) गंगा
भवन, बर्मावा रोड, अंग्रेज (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूच, में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी न्यून की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें कटौत में प्रतिष्ठा के लिए
कर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जोस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपबंद कुमारी जर्ना।

(अन्तरक)

(2) श्री युनुस अली ए० भिमानो, और
श्रमना मासूमा युसूफअली भिमाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किन्हीं अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 711, और गैरेज नं० 21, (बेसमेंट), जो,
एक्सेस्ट बिल्डिंग सी० टी० एस० 1116 (पार्ट) गंगा भवन,
बर्मावा रोड, अंग्रेज (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूच: जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/10309/
83-84 और नं० सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

कोडर *

प्रकृति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37 ईई/10317/83-84—अत। मुझे,
लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ट्रेस (इमर्जन्सी एक्स्ट्रीमिटी के सिवाय)
विना इन्डस्ट्रीयल इस्टेट लिरा देसाई रोड, अंसेबी (प०)
बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
कार्यक्रम में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स पी० रायल कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) अस्लम हबीब कुरेशी, अक्रम हबीब कुरेशी
और सियाउल रहमान कुरेशी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पक्ष
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ट्रेस (पहली मंजिल की ओर से "इमर्जन्सी एक्स्ट्रीमिटी"
के सिवाय) जो विना इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, विरा देसाई रोड
अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/10312/4-
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्रश्न बाई-टी एन एच-2-1984

(1) श्रीमती सुमिता सिंह।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री मोहम्मद फारूक अब्दुल गनी, और
श्री मोहम्मद रफिक अब्दुल गनी।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/10321/83-84—यतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, कोहिनूर अपार्टमेंट,
बांदिबली विलेज, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400012
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ग, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिन्हें
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाजार की वास्तविक
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कारण से कमी करने या उससे बचने में प्रविष्टा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्जित :—

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो, कोहिनूर अपार्टमेंट, बांदिबली
विलेज, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई-400012 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/10321/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) अनिवार्य आरंभ सांख्यिकीय।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

में (2) श्री चन्द्रकांत एम. पाटव।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10521/83-84—यतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 606, जो, 6वीं मंजिल, कविता अपार्टमेंट्स, यांग रोड, वर्सेवा, अंधेरा (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कथारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ब के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 28-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 606, जो 6वीं मंजिल, कविता अपार्टमेंट्स, यांग रोड, वर्सेवा, अंधेरा (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/10521/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10534/83-84---यतः

मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 1101, जो, 11वीं मंजिल, एबरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाश राड, वर्मावा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269क, ख के अधीन मध्य प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण को गड़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधान के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधान के लिए;

(1) श्री अशोक कुमार मेहता।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रजनी काल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहायक

प्लेट नं० 1101, जो, 11वीं मंजिल, एबरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाश राड, वर्मावा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची: जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/10534/83-84 और जो मध्य प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

मध्य प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्रकरण 101 टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10548/83-84—यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो पहली मंजिल, सुनील निवास को०-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जयप्रकाश रोड, 4 बंगला, अंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा छूट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्दी एन० करमचन्दानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुणवती टी० भताई।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12, जो पहली मंजिल, सुनील निवास को०-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 89/90, जयप्रकाश रोड, चार बंगला, वर्सावा अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/10548/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप नम्बर टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

[बम्बई दिनांक 13 सितम्बर 1984]

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10549/83-84—यतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० ई-1, जो, लक्ष्मी इन्डस्ट्रियल
इस्टेट, विरा देसाई रोड़, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स इन्डिया इलेक्ट्रिक पोल्स
मेन्यूफैक्चरिंग कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुकसाना इब्राहिम वोहरा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

माला नं० ई-1, जो, लक्ष्मी इन्डस्ट्रियल इस्टेट, विरा
देसाई रोड़, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/10549
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्रकरण बाई. टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/3ईई/10550/83-84—यतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० सी-3, जो लक्ष्मी इन्डस्ट्रियल
इस्टेट, विरा देसाई रोड, अंधेरे (पश्चिम), बम्बई-58 में
स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका कराणामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्टर्ड है ता.सं. 21-1-1984

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
दृश्यमान प्रतिक के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उनके दृश्यमान प्रतिक से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक का पट्टा प्रमाण
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों),
सहीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक का के अन्तरित न
किया गया है :-

(1) इन्डिया पोक्स मैनुफैक्चरिंग कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर सिंह पातवा।

(अन्तरित)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाला नं० सी-3, जो लक्ष्मी इन्डस्ट्रियल इस्टेट, विरा
देसाई रोड, अंधेरे (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/3ईई/10550/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
21-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तविक में कम करने या उससे बचने में बाधा
के लिए; और/या

(ख) यथा निर्दिष्ट या अनिर्दिष्ट रूप से अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/या

अन्य उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति हैं, अर्थात् :-

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10989/83-84—यतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० एफ-3, "सिल्वर अंकलेट", यारी
रोड, वर्सावा अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और
इससे उपापदे अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
रजिस्ट्री है; तारीख 7-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

44—286 GI/84

(1) मोनोकास्ट डेवेलपर्स एण्ड विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा मधुकर ढापर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 3, जो ब्लॉक एफ०, "सिल्वर अंकलेट,
एस० नं० 9/2/1, सी० टी० एस० नं० 1262, यारी रोड,
वर्सावा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई/2/37ईई/10989/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
7-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

गोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4002/83-84—यतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आफिस नं० 2, जो 5वीं मंजिल, माधवा
प्लाट नं० सी/4 ई-ब्लाक, बान्द्रा-कुर्ला काम्पलेक्स, बान्द्रा
(पूर्व) बम्बई-51 में स्थित है (और इससे उपाखंड अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
7-1-1984

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स डूबोन प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग
प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीकान्त बी० नाडकर्णी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 2, जो, 5वीं मंजिल, माधवा, प्लाट नं०
सी/4, ई-ब्लाक, बान्द्रा-कुर्ला काम्पलेक्स, बान्द्रा (पूर्व)
बम्बई-51 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4002/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
7-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण धन-
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

माहुर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4094/83-84—यतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० एम-208, जो माधवा प्लॉट सी-4, "ई" ब्लाक, बांद्रा-कुर्ला कर्मागियल कॉम्प्लेक्स बांद्रा (पूर्व) बम्बई-51 में स्थित है (और इसमें उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व न कभी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ग) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगपार्श्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) माधव यूनाइटेड होटल्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रकांता जी० टंडन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो में अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त शर्तिका में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति पर होने वाले कुछ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० एम-208, जो माधवा, प्लॉट सी-4, "ई" ब्लाक, बांद्रा-कुर्ला कर्मागियल कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4094/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-9-1984

माहुर

(अन्तरका)

(2) मेसर्स एन० एस० भार्गवा एन्ड कंपनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्वजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हस्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 508 बलरामा, जो, प्लॉट नं० सी०-3, ब्लॉक "ई" बांद्रा-कुर्ला कर्मश्रियल काम्पलेक्स बांद्रा (पूर्व) बम्बई-51 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-1-1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

508 बलरामा, जो प्लॉट नं० सी०-3, ब्लॉक "ई"
बांद्रा-कुर्ला कर्मागियल कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51
में स्थित है।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/3963/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकटन नं० टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स गोवानी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महेन्द्र अमरशी गणादा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/3322/83-84—अतः मुझे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, पहली मंजिल, अमन कुंज ब्रेजंट रोड, सान्ताक्रुज (प) बम्बई-400054 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, बम्बई तारीख 3-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो अमन कुंज, पहली मंजिल, ब्रेजंट स्ट्रीट, सान्ताक्रुज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/3322/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

दिनांक : 14-9-1984

मोहर

प्रकट बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० आई-2/37ईई/3976/83-84:—अतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 36, तीसरी मंजिल, महाराजा अशोक को-आपहो सोसाईटी लिमिटेड, गांधीग्राम रोड, जुहू बम्बई-49 में स्थित है। और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारानामा आयकर अधिनियम, (1961 की धारा 269 क ख) के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए खय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के प्रयोजन कर देने के अन्तरक के संबंध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कु० शिवांगी पंढरी नथ कोल्हापुरे
(श्रीमती शिवांगी कपुर)।

(अन्तरक)

2. कैप्टन शशिकान्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 36, जो महाराजा अशोक को-आपहोसिंग सोसाईटी लिमिटेड तीसरी मंजिल, गांधी ग्राम रोड, जुहू बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र संख्या आई-2/37ईई/2976/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14-9-1984

मोहर :

शब्द आइ.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

सं० आई-2/36ईई/3987/83-84:--अन: मुझे, लक्ष्मण
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 12, तीसरी मंजिल, मयूर
126, प्रभात कालनी, सान्ताक्रुज (पू०), बम्बई-400055
में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 259 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-1-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जे० एन० कृष्णा

(अन्तरक)

2. श्री कृष्णन कन्नन

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बम्बई

फ्लैट नं० 12, तो तीसरी मंजिल, मयूर, 126, प्रभात
कालनी, सान्ताक्रुज (पू०), बम्बई-400055 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई-2/37ईई/4987/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्रकाश वाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

सं० आई-2/37ईई/3990/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, 5 वीं मंजिल, कालूमल इस्टेट, बिल्डिंग बी०, ए० बी० नायर रोड, जुहू बम्बई-49 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना होना था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डाक्टर दारा रतनजी मिर्झा और
श्रीमती आधू दारा मिर्झा।

(अन्तरक)

2. वकील ग्लास वर्क्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, 5वीं मंजिल, "कालूमल इस्टेट, बिल्डिंग बी०, जो ए० बी० नायर रोड, जुहू बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० संख्या आई-2/37ईई/3990/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-1-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्रथम आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

सं० आई 2/37ईई/4053/83-84: अतः मुझे, लक्ष्मण
दात्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,00/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी/11, गंगा बिहार, 20,
पोदार, रोड, साताक्रु (पश्चिम), बम्बई 400054 में
स्थित है। और जो उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और निम्न नगरपालिका आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-क के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है। दिनांक 13-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल से, एमई दृष्टिकोण प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एमई अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव-
धिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर वसूल के अन्तरक के दायित्व से
कभी कहे जा सकते हैं या अन्तरण से सूचना के लिए
आवेदन।

(ख) एमई किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अधीन (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :--
43-286 JI/84

1. श्री जयन्त वि० शेट तथा

श्रीमती मीना वि० शेट

(अन्तरक)

2. श्री ललित पी० शेखरना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कर्मवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
आस्तियां या संपत्ति किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-11, जो गंगा बिहार, 20 पोदार रोड
साताक्रु (पश्चिम), बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि संख्या आई 2/37ईई/4053/83-
84 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दात्र,
सूक्ष्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/4064/83-84-अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 12, दूसरी मंजिल, अयोध्या विल्डिंग, 6वां रास्ता, सान्ताक्रुज (पू०), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूच में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है, दिनांक 16-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बर्तन में बाधना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय में किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की, धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अमृत हंसा कनकराय कुराण तथा
श्री कनकराय मोहनलाल कुराण।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नरेन्द्र कुमार नरसिंगमालजी कटारिया, तथा
2. श्री अर्जुनकुमार नरसिंगमालजी कटारिया एवं
3. श्री असोककुमार नरसिंगमालजी कटारिया।
(अन्तरित)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12, जो दूसरी मंजिल, अयोध्या विल्डिंग, प्लॉट नं० 1/बी, डी० पो० एस०-3, 6वां रास्ता, सान्ताक्रुज, बम्बई 400065 में स्थित है।

अनुसूचों जैसा कि क्र० संख्या-आई-2/37ईई/4064/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नारायण गिरफ्तार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/4065/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

आर जिला सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, द्वारका,
सरस्वती रोड, आफ लिफ्टिंग रोड, सांताक्रुज (पश्चिम), बम्बई-
54 में स्थित है (प्रौर इस से उभावद्ध अनुसूच में आर पूरूप से
वर्गित है), आर जिला कंटेनरमा आयकर अधिनियम, 1961
का धारा 269 क, ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में राजस्टू है, दिनांक 13-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तारती (अन्तारोतया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कोथत नहा किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स डिलाईट इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम नारायण सुखियनदास कुरील, और
श्रमता कला आर० कराल ।

(अन्तरिती)

(3) नन्दलाल द्वारका दास आचार्य और अन्य
(वह व्यक्ति, जिन्हें बारे में अग्रोहस्ताक्षरों जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कम बाह्य करता हूँ।

इस सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरों के
बिना लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनसूची

फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, द्वारका, प्लॉट नं० 82/
2वां, सरस्वती रोड, आफ लिफ्टिंग रोड, सांताक्रुज (पश्चिम),
बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूचि जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4065/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जुन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 13-9-1984]

मोहर :

प्रत्येक आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/4102/83-84--अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० लैंड विय स्ट्रक्चर देवर थिय कॉटेज नं० 7,
प्लॉट नं० 5, एस० नं० 39, एस० नं० 2 (पार्ट) जुहू,
(अदियाबाद इस्टेट), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूच में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकार के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार है, दिनांक 19-1-
1984

का पृष्ठांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापृष्ठांक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसका दृश्यमान प्राप्तफल से, एस दृश्यमान प्राप्तफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्त-
रिता (अन्तरांतया) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया
गया प्राप्तफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वादात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री राम वसंत निलकंठ ।
2. श्री मत्तुः लिलावतः निलकंठ और
3. श्री मत्तुः सुमुधा निलकंठ भिसे ।

(अन्तरक)

- (2) श्री मथुरादास मुरजा आफ मेसर्स मथुरादास
मुरजा कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिता)

- (3) श्री एस० द्वि० निलकंठ और
श्री मत्तुः लिलावत निलकंठ ।

(वह व्यक्ति, जिसके आधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कामवाह्य करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससे कम की अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किया गया अंतरण बदला;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन के साथ बंगलो और अन्य स्ट्रक्चर स्टैंडिंग, जो,
प्लॉट नं० 5, अदियाबाद इस्टेट, और थिय कॉटेज देवरजान,
सर्वे नं० 39, डिस्त्रिक्ट नं० 2 (पार्ट) सं० 50 एस० नं० 510/3
म्युनिसिपल के वार्ड नं० 9883(5), जुहू, बम्बई में स्थित
है ।

अनुसूच जैसा कि क्र० संख्या आई-2/37ईई/4102/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ई/4104/83-84—अतः मुझे

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूचना अधिकारी को यह विश्वास करने का
आश्वासन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिकतम बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 103, श्री. जगतसेन, फिरोजशाह
रोड, सान्ताक्रुज (पश्चिम) बम्बई-54 में स्थित है (और उससे
उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धारित है), और जिसका
कारणनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269-घ, ख
के अधिन सक्षम प्राधिकार के अधीन बम्बई में रजिस्ट्रार है, दिनांक
20-1-1984

के पूर्ववर्त सम्पत्ति के अधिकतम बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का अधिकतम बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) आर. अत-
रिणी (अन्तरितियों) की वीच ऐसे अन्तरण के लिए दिये जाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित, उक्त
अधिनियम के अधीन आर. दम से अन्तरक को बाधित
में कमी करने या उक्त अन्तरण में सूचना के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेतर्स जयश्राम जितेंद्र (इंडिया),

(अन्तरक)

(2) श्री. रामराज अर्जन शाह

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके सूचना सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के अधिकतम पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववर्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में प्रकट किया गया।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० (103), जो "श्री. जगतसेन" फायनल प्लॉट
नं० 9-ए (पार्ट) टॉप नं० 400-1, फिरोजशाह रोड,
सान्ताक्रुज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची सं० आई-2/37ई/4104/83-84
और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 20-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2 बम्बई।

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एल.-----

(1) सौमिल प्रिमायसेस को० ऑपरेटिव
सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) रत्न केवलगमानी।

(अन्तरिती)

सार्वजनिक सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :-

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई/4117/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पञ्चाशत् अंशों में संशोधन किया गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।और जि की सं० फ्लैट सं० 7, जो, सौमिल प्रिमायसेस को०
ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, सेंट जोसेफ एवेन्यू, सांताक्रुज (पू०)
बम्बई में स्थित है (अर्थात् इसमें उदाहरण अनुसूची और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 261 के अन्तर्गत बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21-1-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच एम अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कायम नहीं किया गया है :-(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर अन्तरक, अन्तरिती या अन्तर-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दर्ज या भुगतान।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 2(6) में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधिनियम के अन्तर्गत के आयकर
या करों का या उससे बचन में सूचना के लिए
आवेदन।(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए।फ्लैट नं० 7, जो, सौमिल प्रिमायसेस को० ऑपरेटिव
सोसायटी लिमिटेड, फ्लैट नं० 7, सेंट जोसेफ एवेन्यू,
सांताक्रुज (पश्चिम) बम्बई-54 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/4117/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रकरण साई-टा.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/4122/83-84 अतः मुझे

लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसका प्रयोग करने के अधिकार कहा गया है), का धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० दुकान नं० 7 "अलोक" टी० पी० एम नं० 4,
पी० एम० रोड, खोतावडी, बम्बई-54 में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रीत-
कस, निष्पत्तिगत उद्देश्य के उचित अन्तरण निश्चित से वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाणिज्य से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जाँस्तिरों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगकर्ता अस्सीगनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या जो किया जाया जा रहा या छिपाने में
सहिष्णु के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हूँ—

(1) संजय कन्सल्टेशन और
फार्मिस प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) सी एम० जे० कॉनल।

(अन्तरिती)

यदि यह बचत करने करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीमां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सम्पत्ति के अधिकारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बार में समाप्त होगी जो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहृत्यवर्ती के
पात्र निम्नलिखित के द्वारा;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, अलोक, टी० पी० एम० 4, पी० एम०
रोड, प्लॉट नं० 104/105, खोतावडी, बम्बई-54 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/4122/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-1-1984

ओहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) डॉ० निरजन पी० साधुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० खलिद मोहम्मद ।

(अन्तर्ती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत

25-10-1941 25-10-1941

कार्यालय, महाबल, आगला न कार्यालय (मिरीहण)

अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/4123/83-84—प्रतः मुझे,

लक्ष्मण दारु,

बागडर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसका
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
26(4) में प्रदान की गई शक्ति का प्रयोग करते हुए
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

और जिसकी सं० दुकान/मगान नं० 2, विमान अगार्टमेंट, प्रभात
कालोनी रोड, नं० 2, म्युनिसिपल आफिस के पास, सांताक्रुज
(य०) बम्बई-400035 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनु ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा सायकर अधिनियम 1961 की धारा 289 क का
के अधिन बम्बई शिरा सत्रम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 23-1-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गति की गई है और भूतकाल में निरंतर करने का कारण है कि उपरोक्त का भूतकाल का उचित बाजार मूल्य, उसके उपरान्त दृश्यमान से पहले दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गति (अन्तर्गति) को अन्तर्गति (अन्तर्गति) के बीच एवं अन्तर्गति के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुपात में उक्त अन्तर्गति लिखित से वास्तविक रूप से प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रतिफल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कांद् भी लाक्षण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त सूचना को सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करना।

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों के अन्वेषण के अन्तर्गत उक्त अध्यायक मणिकर में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कानूनसंघर्ष

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के अतिरिक्त के अधीन सूच दानों के अनुसार के बाध्यत्व में करी कर, या उसमें बदलने में सुविधा के लिए और/या

(ख) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसका संशोधन, या सं-
वत्त संशोधन, 1937 (1937 का 22) का
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गया नहीं था, रजपत्र में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्ति, का नाम ---

डुकान/मकान नं० 2, जो डिम्पल अपार्टमेंट, 131/132, टी० पी० एम-5, प्रभात कालोनी रोड, नं० 2, म्युनि० ग्रामिक के नजदीक, सानां कुंज (पू०), बम्बई-400055 में स्थित है। अनुष्ठी जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/4123/83-84 और जो सन अग्रितरी बम्बई द्वारा दिनांक 23-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सभन प्राविनारो
सहायक आयकर आपुन (मिरीग)
अर्जन रेंज-2, बागडू

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री आस्पी एन० निकोरावाला :

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर
गुरपाल सिंह धरोरा :

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4125/83-84—अतः सुखे,
लक्ष्मण दास,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान नं० 2, मरीन एण्ड प्रिमायनेस
को० सोसायटी लिमिटेड, जुहूतारा रोड, जुहू,
बम्बई-400049 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
24-1-1984का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह निर्धारण
करने का कारण है कि अप्राप्तपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
ह्रास्यत्व से कमी करने या उमस बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) है कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
46-286 GI/84का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति या हितवस्तु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राज्ञ
लिखित में किए जा सकेंगे।संक्षेपः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"दुकान नं० 2, जो मरीन एण्ड प्रिमायनेस को० सोसायटी
लिमिटेड, प्लॉट नं० 45, जुहूतारा रोड, बम्बई
400049 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4125/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) श्री माधवदास पी० खानचन्दानी
(अन्तरक)
- (2) रतनसी काथर गाला।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती।
(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/4129/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोर, मार्बल अर्थ
153, सेंट्रल एवेन्यू, सांताक्रुज (पश्चिम), बम्बई-54 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरवा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पे्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
को, और उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में सम्पत्ति हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 2, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, मार्बल अर्थ, 153,
सेंट्रल एवेन्यू सांताक्रुज (पश्चिम), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/4129/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
24-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

रूप में. टी. एन. एस. -----

(1) श्री अमरनाथ भार्गव ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (i) के अधीन सूचना

(2) श्री मनमोहन टी० भार्गव ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/9739/83-84—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जि की सं फ्लैट नं० 110, जो लक्ष्मीनारायण अपार्टमेंट्स
टैगोर रोड, सांताक्रुज, बम्बई-54 में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 9-1-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्याक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 110, जो लक्ष्मीनारायण अपार्टमेंट्स, टैगोर
रोड, सांताक्रुज, बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/9739/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
9-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई-2/37जी/3595/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी नं० जिएका सी० एस० नं० 1541 (पार्टे), एफ नं० 173, टी० पी० एस०-4, माहिम, तथा जो एन० सी० केलकर रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्र कर अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्र कण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अब्दुल हाई नूरमहमद
श्री अब्दुल अजीज नूरमहमद और
श्रीमती फरोश बानू ।

(अन्तरक)

(2) श्री जादव जी खिमजी ठेडा ।

(अन्तरिती)

(3) भाडूत ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाह्या करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामाल से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुपूची

अनुपूची जैसा कि विनेत्र सं० 1154/79 और (1154/79) जो उन रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सहाय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मजने रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश नं० आई-2/37जी/3603/83-84—अतः सूत्र,

नक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
75,000/- रु. से अधिक है

और जिनका म० जी० का हिस्सा निम्नलिखित नं० 49,
हिस्सा नं० 110 है तथा जो मंगोल बिल्डिंग, नम्बई में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गीकृत
है) रजिस्ट्रीतरी अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
12-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, म० दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में साक्ष्य
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहेगा था, छिपाव में साक्ष्य
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) माउंट कोलोनेट मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स वेटीनर रोलिंग शटर्स
एन्ड इंजीनियरिंग कंपनी प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याख्या पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विज्ञापन नं० एस० 747/80 और जो
उप-रजिस्ट्रार अम्बई द्वारा दिनांक 12-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मजने रेंज-2, बम्बई

दिनांक 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-2/37जी/3610/83-84—अतः गुजे,
लक्ष्मण वास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्राप्ति नं० स्ट्रक्चर के साथ जो ओल्ड
प्लॉट नं० 12-ए०, न्यू प्लॉट नं० 42-ए०, पेरी रोड,
क्रास रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन नार्गेस 21-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापित पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उसमें सूचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री जाली फ्रांसीस डिसोमा ।
श्री ली इकाविया परेरा और
बालीन्दा फ्रांसीस डिसोमा ।

(अन्तरक)

(2) हाजी युनुस हाजी नरीक अघाडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनियम सं० एम०-2809/79 और
जो उन-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-9-1984
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई-2/37जी/3638/83-84—प्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका संचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी जिसका सिटी एस० नं० 10 और
10/1, हिलेज साकी, एस० नं० 19, एच० नं० 1 और
2 चांदीवाली हिलेज रोड, धम्बई में स्थित है (जो एसर
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्ज है) रजिस्ट्रार की
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तरीका 21-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के संचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है। यदि सभी यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच एंटे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निर्मालिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्न
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के
व्यय में कमी करने या तमसे करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना उचित था, अंतरण में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री शिवा पदा राय
2. श्री हरी पदा राय,
3. श्री शंकेद एस० राय,
4. श्री सिद्धार्थ एस० राय और
5. श्री राना एच० राय,
(पार्टनर, मेसर्स मुन्दर ट्रेडिंग कंपनी)।

(अन्तरक)

- (2) श्री विनोद सहगल,
श्रीमती मधु सहगल और
श्री.ती. श्री.य सहगल
(पार्टनर, मेसर्स सेहको सिलक मिल्स)।

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कथित किया जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूना

प्रतुम्ची जैसा कि विलेख सं० एस० 2797/82 और
जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. - - - -

(1) मेसर्स दी।क. बिस्वस प्रोपर्टी लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सकीर सैकूद्दीन मंवरवार।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

बम्बई, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/10670/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, पहली मंजिल, प्लॉट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पु) बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में आगे पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सूझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी (अन्तरिनी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य दायित्वों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, दूसरी मंजिल, जो प्लॉट नं० 6, भवानी नगर, मरोल-मरोशी रोड, अंधेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम 70 आई-2/37ईई/10670/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 17-9-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर नं० 2943/2—अतः मुझे,
जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 239 तथा जो रिंग रोड, सुरत में स्थित है
(और इसमें उपानव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
आयकर आयुक्त के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 37 ईई के अधीन, तारीख 21 जनवरी,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) पुरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
अपवादजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

47—286 GI/84

(1) मैं शांति विल्डर्स,
रिंग रोड,
सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उर्मिला देवी एस० कात्रा,
केयर आफ जी एम कात्रा,
तिलक रोड,
माला गांव,
महाराष्ट्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फार्म नं० 37 ईई० को अर्जी घर कार्यालय 21 जनवरी
1984 को पेश की गई है ।

जी० के पंडया
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 3-9-1984

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

मम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1985

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर, 1984

सं० एफ० 8/4/84-प० I (ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित कोर्सों में प्रवेश हेतु 5 मई, 1985 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी—

कोर्स का नाम	रिक्तियों की संभावित सं०
(1) भारतीय सैन्य प्रकाशमी, रेह्रावत, जनवरी, 1986 में प्रारम्भ होने वाला 80वाँ कोर्स	150 (एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध) "सी" प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवारों के लिए धारित 32 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)
(2) नौसेना प्रकाशमी काशीर (जनवरी, 1986 में प्रारम्भ हो रहा कोर्स)	
(3) सामान्य सेवा	48 (एन० सी० सी० (बी सेना स्कन्ध) "सी" प्रमाण-पत्र धारियों के लिए 8 धारित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)
(4) नौसेना विमानन	31
(3) वायुसेना प्रकाशमी ए० एफ० प० सी० कोयम्बतूर (जनवरी, 1986 में प्रारम्भ होने वाले 139वाँ एफ० (पी०) कोर्स के लिए उद्घाटन पूर्व प्रशिक्षण कोर्स)।	9 (एन० सी० सी० वायु सेना स्कन्ध के "सी" प्रमाण-पत्र धारियों के लिए 3 धारित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)
(4) प्राविधिकारी प्रशिक्षण ताबा, मद्रास (मई, 1986 में प्रारम्भ होने वाला 43वाँ एम० एस० सी०) (एड० टी०) कोर्स	275

विवरण ध्यान : (I) उम्मीदवार को आवेदन पत्र के डाकम 7 में वह स्पष्ट रूप से बताया होगा कि वह किस सेवाओं के लिए बरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे पत्र भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितना बड़े संतुष्टी बरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी बरीयताओं पर पक्की गारंटी विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ध्यान में रखना चाहिए कि नीचे विशेष ध्यान (II) की ध्येयता को छोड़कर उन पर केवल उन्हीं कोर्सों में नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा जिनके लिये वे बरीयता निर्दिष्ट करते हैं अन्य कोर्स (कोर्सों) में नियुक्ति हेतु नहीं।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र में बहुत निम्न परीक्षाओं में वृद्धि/परिवर्तन हेतु किसी धर्मोप का पायोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विवरण ध्यान :— (II) स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए या० सैन्य प्रकाशमी/नौ सेना प्रकाशमी/वायु सेना प्रकाशमी कोर्स के इस परीक्षा से पहले हुए उम्मीदवार यदि बाद में प्रत्येकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रत्येकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचारण योग्य हो सकते हैं। चाहे उन्होंने अपने आवेदन पत्रों में इस कोर्स के लिए अपनी पसन्द नहीं बताई है :—

(i) यदि प्रत्येकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी उम्मीदवारों को लेने के बाद भी कमी है, और

(ii) जो उम्मीदवार प्रत्येकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) हेतु बरीयता व्यवस्था करने पर भी प्रशिक्षण के लिए भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के क्रम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जाएगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि वे उम्मीदवार इस कोर्स में प्रवेश पा जायेंगे जिसके लिए वे व्यक्ति बरीयता के अनुसार हुकदार नहीं हैं।

टिप्पणी I— एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध (वरिष्ठ प्रभाग)/(नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवार प्रत्येकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्सों की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। यदि अभी तक उनके लिए इस कोर्स में कोई धारण नहीं है। धनः इस कोर्स में रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी एन० सी० सी० "सी" प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/(वायु सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग) (नौसेना स्कन्ध) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अपनी वे धारित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० "सी" प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/(वायु सेना स्कन्ध)/(नौसेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय शर्तों 8 (एस० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय धार० एण्ड धार०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय पी० पी०-3 वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को 31 दिसम्बर, 1985 तक पहुंच जाए।

धारित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता को पत्रता हेतु उम्मीदवार ने राष्ट्रीय डीकट कोर में जो सेवा की हो वह सीनियर डिवीजन सेना स्कन्ध में 2 वार्षिक वर्षों से कम न हो और सीनियर डिवीजन वायु सेना/नौ सेना स्कन्ध में 3 वार्षिक वर्षों से कम न हो और आयु के धारणियों में आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख को उसे राष्ट्रीय डीकट कोर में प्रवेश हुए भारतीय सैन्य प्रकाशमी/नौसेना प्रकाशमी/वायुसेना प्रकाशमी कोर्सों के लिए 24 मास से अधिक न हो।

टिप्पणी II—भारतीय सेना प्रकाशनी काष्ठ/बायु सेना प्रकाशनी काष्ठ/बी सेना प्रकाशनी कोर्स में एन० सी० सी० (सेना स्कन्द/सीनियर बिबीजन बायु सेना स्कन्द/बिना नौसेना स्कन्द) के "सी" प्रमाण-पत्रधारी उम्मीदवारों के लिए प्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रहृता प्राप्त इन उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई प्रारक्षित रिक्तियों को प्रनारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्स में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और गठनबद्धी, (ख) प्रकाशनी/बायु में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना प्रकाशनी, बी सेना प्रकाशनी अधिकारी प्रशिक्षणशाला और बायु सेना प्रकाशनी में प्रवेश देने वाले उम्मीदवारों की सेवा प्राप्ति की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में कम्पना परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

टिप्पणी III—परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल अनुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट II पर "उम्मीदवारों की सूचनाएँ, विवरणिका" में देखिए।

१. परीक्षा के क्षेत्र—अगरतला, अहमदाबाद, ऐबन, बहावाबद, बंगलौर, बोपाय, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कन्नूर, दिल्ली, विसापुर (गोवाडी), हैदराबाद, इम्फाल, ईलाहाबाद, जयपुर, जम्मू, मोरारुट कोहमा, उज्जैन, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, रावेलपुर, रायपुर, शिलांग, शिवगंज, श्रीनगर, तिरुवनंति, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापट्टनम।

आयोग यह चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त क्षेत्रों तथा शारीरिक में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी वयस्क के क्षेत्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिक किसी उम्मीदवार को अपनी विषय पर प्रत्यक्ष क्षेत्र दे सकता है। जिस उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय शरणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (बीच पैरा 1.1 देखिए)।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि क्षेत्र में परिवर्तन के अन्तर्गत अनुपूरक को सामान्यता स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस क्षेत्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निदिष्ट किया था तो उसे सचिव, संचयन बोर्ड सेवा आयोग को इस बात का पुरा प्रीतिर्य बताने हुए एक पत्र लिखकर बताना है प्रत्यक्ष सेवा चाहिए कि वह क्षेत्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुपूरक पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 8 अप्रैल, 1985 के बाद प्राप्त अनुपूरकों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

३. पात्रता की शर्तः—

(क) राष्ट्रिकता:

उम्मीदवार या बी

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भूतान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिब्बती शरणार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (संयुक्त टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया मासावी, जरे और कंबोपिया और बियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त बर्ग (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत ध्यान वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो।

एर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होता।

जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस शर्त पर प्रस्थित रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण-पत्र संबंध लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम की घोषणा के पहले दे दिया जाए।

(ब) आयु-सीमाएं लिंग या वैवाहिक स्थिति :—

- (i) भारतीय सैन्य प्रकाशनी के लिए :—केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1962 से पहले का तथा 1 जनवरी, 1967 के बाद का न हो।
- (ii) बी सेना और बायु सेना प्रकाशनी के लिए :—केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1964 से पहले और 1 जनवरी, 1967 के बाद का न हुआ हो।
- (iii) अधिकारी प्रशिक्षणशाला के लिए :—केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1961 से पहले और 1 जनवरी 1967 के बाद का न हुआ हो।

टिप्पणी :—जन्म की तारीख केवल वही माध्य होगी जो बैटिफुल्लेन/हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

जिन उम्मीदवारों ने भा० से० प्रकाशनी/बी सेना और बायु सेना के लिए पहली पसन्द बताई है, उन्हें चयन स्टाफ द्वारा सत्यापन के प्रयोजन हेतु सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए उपस्थित होते समय आयु का प्रमाण (मूल रूप में) प्रस्तुत करना है।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :—

- (i) भारतीय सेना प्रकाशनी, बी सेना प्रकाशनी और अधिकारी प्रशिक्षणशाला के लिए किसी माध्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता,
- (ii) बायु सेना प्रकाशनी के लिए :—किसी माध्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से बीतीकी और/या गणित विषय के साथ डिग्री या समकक्ष। जिन उम्मीदवारों ने अपनी डिग्री परीक्षा बीतीकी और/या गणित के अलावा अन्य विषय लेकर उत्तीर्ण की है वह भी पात्र हैं किन्तु यह है कि उन्होंने हायर सेकेंडरी परीक्षा (पुराना पटर्न) या स्कूलो शिक्षा 10+2 पैटर्न के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा गणित और बीतिक विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो।

बी सेना/बायु सेना की पहली पसन्द बाध स्नातकों को प्रजुएशन के प्रमाण के रूप में प्रोजेक्शनल सर्टिफिकेट सेवा चयन बोर्ड द्वारा होने के भी स्नातकों के अन्तर्गत कमजोर सेना मुख्यालय (रिज्यूटिंग) (8 एस० पी०) (बी०) /बी सेना मुख्यालय (गार० एण्ड गार० सेकशन) /बायु सेना मुख्यालय बाकबर 3 (ए) की प्रस्तुत करना है।

जो उम्मीदवार अपनी डिग्री, परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाला है, वह भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु उनको डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण चाहिए० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाला। उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय वर्गी 6 (एस० पी०) (ई) वही दिल्ली-110022 तथा बी सेना के प्रथम विकल्प वाल उम्मीदवारों के मामले में बीसेना मुख्यालय/गार० एण्ड गार०, सेवा चयन, नई दिल्ली-110011

की और वायु सेना के प्रथम विमान दान उम्मीदवारी 6 मामले में वायु सेना मुख्यालय पी० एम०-3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को निम्नलिखित तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

- (i) भा० से० प्रकाशमी, नौ सेना तथा वायु सेना प्रकाशमी में प्रवेश के लिए 31 दिसम्बर, 1985 तक या उससे पहले।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में प्रवेश के लिए 30 अप्रैल, 1986 तक या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हों जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यता प्राप्त हों व भी परीक्षा के लिए पात्र हों।

अपवाद की परिस्थितियों में प्रायोगिकी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से मुक्त न होने पर भी, वैश्विक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर प्रायोगिक के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

टिप्पणी I—जैसे उम्मीदवार जिन्हें किसी परीक्षा में अभी अर्द्धा प्राप्त करनी है और जिसको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनकी वी गई यह विशेष छूट है। उन्हें किसी परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी प्रारंभ विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बंध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी II—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से प्रयोजित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

टिप्पणी III—विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनको अपने नियत कार्य पूरा करने में छुट्टी महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छुट्टी महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्र सभी लिए जाएंगे जब व उनके कमांडिंग अधिकारियों के द्वारा निर्धारित रूप में अनुमति हों।

4. आवेदन पत्र के साथ देय शुल्क : ₹ 28.00 (प्रढ़ास रुपए) (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों) के लिए ₹ 7.00 (सात रुपए)। जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा उनकी एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट : प्रायोगिक यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनकी इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-64 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रजनन कर आया है या तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जो पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया या या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए :—केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1985 के लिए निर्धारित पत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लग हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011

को भेजे जान चाहिए। आवेदन पत्र भरने की तारीख के तुरंत विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं।

- (i) वी शर्मा का मनोभाईर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान हाऊस पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 के यहाँ से डाक द्वारा।
- (ii) वी शर्मा नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउन्टर पर।
- (iii) निकटतम मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, नोलेना तथा वायु सेना प्रतिष्ठानों के यहाँ से निशुल्क।

आवेदन-पत्र तथा पावती काई उम्मीदवार के हाथों द्वारा स्याही वाली कलम या बालपेन से ही भरे जाने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ सफेद में होनी चाहिए रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं। पत्रों पर गलत चपरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों का भरने समय भारतीय धर्मों के अंतर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाता है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में कोई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियाँ अप्राप्य या भ्रामक होंगी तो उनके निर्वर्तन में होने वाले चप तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र सही रूप से भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग की छीछ आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियुक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ सेवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियुक्ता की आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कमचारी, से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्यभारित कमचारी की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे कमचारी जो लोक उद्यमों में कार्यरत हैं, उन्हें यह परिवर्तन (अपडेटिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियुक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बंध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा और उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

महासेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग अधिकार के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पुच्छोकन (देखिए आवेदन पत्र के भाग 'ख') को भर करके आयोग को भेजेगा।

7. चपरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 की 17 दिसम्बर, 1984 (17 दिसम्बर, 1984 से पहले की किसी तारीख से प्रथम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपमंडल प्रण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और त्रिदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिन उम्मीदवारों के आवेदन उपर्युक्त में से दिया एक इलाक से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 31 दिसम्बर, 1984) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउन्टर पर आकर जमा कल दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, तथा जम्मू जिले के पामी उपमंडल अर्थात् जम्मू और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोजित यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि यह 17 दिसम्बर, 1984 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा जम्मू जिले के पामी उपमंडल अर्थात् जम्मू और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i) :- जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्तों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निविष्ट करना चाहिए अथवा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii) :- उम्मीदवारों को संज्ञा दी जाती है कि प्राप्ति आवेदन पत्र को स्वयं सं० लो० से० आ० के कन्स्टेबल पर जमा कराए अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजे। आयोजक के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोजक उत्तरदायी नहीं होगा।

8. प्रवेश जो आवेदन के साथ भेजे जाएं:

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:

(1) रु० 28.00 (अष्टादस रुपये) [अनुसूचित जातियों/जन जातियों उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 (सात रुपये) का शुल्क ज सचिव, संघ लोक सेवा आयोग जो नई दिल्ली, प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

टिप्पणी :- उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर तिर्रे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार वांछित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रतिनिधि के कार्यालयों में निर्धारित शुल्क इस प्रकार जमा करें जिससे यह "051 लोक सेवा आयोग" परीक्षा शुल्क के बाटे में जमा हो जाएगी और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :- आयोजक जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित मेट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। उम्मीदवारों को पूर्वोक्त मेट्रिकुलेशन या समकक्ष प्रमाण पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। किन्तु जिस उम्मीदवार ने आयु संकेतों परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह

आयु संकेतों परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष प्रमाण पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुण्डली, मरणपत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र" वाक्यांश अन्तर्गत उपयुक्त बकल्पिक प्रमाण पत्र सम्मिलित हों।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्थान के हेड मास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था के वाक्यांश रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी (i) :- जिन उम्मीदवार के पास पर्याप्त रूप से आयु का प्रमाण माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र ही, उसे केवल आयु से सम्बन्धित प्रमाणित वाक्य पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी (ii) :- उम्मीदवार यह ध्यान रख कि आयोजक उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख की स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख की मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुसंधान पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी (iii) :- उम्मीदवार यह ध्यान रख कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोजक द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) शक्ति योग्यता के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति उम्मीदवार को इस आयोजक के प्रमाण पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास परीक्षा 3(क) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा इसके इस प्रकार अज्ञात कर लेने की सम्भावना है कि परीक्षा 3(ग) में विहित तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए, वह यही हो जो योग्यता विवरण को देने वाले प्राधिकरण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय द्वारा जारी किया गया हो) यदि ऐसे प्रमाण-पत्र को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं की जाती है उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत करने की वजह

बतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अपेक्षित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मानने के लिए आशय नहीं होगा।

वायु सेना प्रकादमी के वास्ते प्रतियोगिता में बैठ रहे उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यता के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में यदि परीक्षा विषयों का उल्लेख न हो तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के साथ-साथ प्रधानाचार्य/विभाग के प्रधान के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें दर्शाया गया हो कि उसने भीतिकी और/या गणित परीक्षा विषय के रूप में लेकर अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है। किन्तु यदि उम्मीदवार ने अपनी डिग्री या समकक्ष परीक्षा भीतिकी और/या गणित के अलावा अन्य विषयों के साथ उत्तीर्ण की है तो उस डिग्री या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के साथ-साथ विश्व-विद्यालय/बोर्ड की हायर सैकेंड्री परीक्षा (पुराना पटर्न) या स्कूली शिक्षा 10+2 पटर्न के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। किन्तु ऐसे मामले में यदि हायर सैकेंड्री परीक्षा (पुराना पटर्न)/स्कूली शिक्षा के 10+2 पटर्न के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय/बोर्ड के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीक्षाविषयों का उल्लेख न हो तो सम्बद्ध हैबमास्टर/प्रिंसिपल के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत की जाए जिसमें यह दर्शाया गया हो कि उम्मीदवार ने उक्त परीक्षा गणित और भीतिकी परीक्षा विषय के रूप में लेकर उत्तीर्ण की है।

(iv) उपस्थिति पत्रक (आवदन-पत्र के साथ संलग्न) विद्यमान भरा हुआ।

(v) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विद्यमान अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन प्रपत्र के पहल पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में लिए गए निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

(vi) लगभग 11.5 सें. मी. × 27.5 सें. मी. आकार के बिना टिकट लग तीन लिफाफे, जिस पर आपका पता लिखा हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के होने के दावे के समर्थन में यहाँ उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) द्वारा और पर रहते हों, उस जिले के सभ्य प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) से परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :

(i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या सच या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिए गए प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :

(i) वण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों के शिविर कमांडेंट।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह फिलहाल रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(iv) सब-डिविजनल अफसर अपने प्रयोजनस्थ सब-डिविजन की सीमा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन), कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :—

श्रीलंका में भारत का उच्चायुक्त।

(ग) बर्मा में प्रत्यावर्तित :—

भारतीय राजदूतावास, रंगून, या जहां का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

(घ) तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :

(i) विभिन्न राज्यों के ट्रांजिट केंद्रों तथा राहत शिविरों के कैंप कमांडेंट।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह, फिलहाल रहता हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(iv) अपने प्रभार में सब-डिविजन के अन्तर सब-डिविजनल अधिकारी।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त।

(क) भा. सेना प्रकादमी और वायु सेना प्रकादमी और नौ सेना प्रकादमी कोर्स में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/ (वायु सेना स्कन्ध) का बरिष्ठ प्रमाण/(नौ सेना स्कन्ध) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा :

यह दिखाने के लिये कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध का बरिष्ठ प्रमाण/नौ सेना स्कन्ध है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध का बरिष्ठ प्रमाण नौसेना स्कन्ध परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ भेजे गए सभी प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके तारीख लिखनी है।

9. शुल्क की वापसी :—प्रावेदन के साथ प्रायोग को भ्रष्ट किया गया शुल्क वापस करने के किमो अनुरोध पर नोबे को परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुगठित गया जा सकता है :—

- (i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको प्रायोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया उसको रु० 15.00 (पन्द्रह रुपए) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00 (चार रुपए)] वापस कर दिया जाएगा परन्तु यदि कोई प्रावेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीदवार को शुल्क वापस नहीं किया जाएगा ।
- (ii) जो उम्मीदवार मई, 1984 या अक्टूबर, 1984 में आयोजित सम्मिलित रखा सेवा परीक्षा में बैठे हो और उनमें से किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी कोर्से के लिए उसका नाम अनुसूचित हुआ हो तो उसके मामले में रु० 28.00 (अट्ठारह रुपए), [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है, कि मई 1985 की सम्मिलित रखा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध प्रायोग के कार्यालय में 15 अक्टूबर, 1985 को या उससे पहले पहुँच जाए ।

10. प्रावेदन-पत्र की पावती :—प्रायोग के कार्यालय में बेर से प्राप्त प्रावेदन-पत्रों सहित प्रत्येक प्रावेदन-पत्र की पावती दी जाती है तथा प्रावेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को प्रावेदन-पत्र की रजिस्ट्रेशन सं० जारी कर दी जाती है । यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के प्रावेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अन्तिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल प्रायोग से पावती हटाने सम्पर्क करना चाहिए ।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को प्रावेदन-पत्र की रजिस्ट्रेशन संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह धर्म नहीं है कि प्रावेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और प्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है ।

11. प्रावेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने प्रावेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक प्रायोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए प्रायोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए । अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा ।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पावता या अपावता के सम्बन्धमें संघ लोक सेवा प्रायोग का निर्णय अन्तिम होगा । प्रायोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

13. कक्षाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे प्रावेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें । उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में किसी भी हलचल में वे किसी तरह की तथ्योक्त या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न ही फेर-बदल किए गए चक्रे हुए प्रलेख का प्रस्तुत करें । अगर इस प्रकार के दोष या

इससे अधिक प्रलेखों में या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई प्रशुद्धि या भ्रमगति हो तो इस भ्रमगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए ।

जो उम्मीदवार प्रायोग द्वारा निर्धारित कक्षाचार को पाया था वह होता है या हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपना उम्मीदवारी का समयन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) प्रशुद्धि या असत्य बक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर भ्रमगत बातें लिखें हों या प्रश्नीय भाषा या अक्षर भाष्य की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिये प्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक प्रतिवृत्तियाँ हों; या
- (xi) उम्मीदवारों की परीक्षा देने की अनुमति देने हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो; या
- (xii) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कक्षाचार की और प्रवृत्त होना या ऐसा करने के लिये किसी को उत्तेजित करना ।

यह अपने को दण्डप्रसिद्धि का शिकार बनाने के अतिरिक्त :—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिये प्रायोग द्वारा प्रायोग्य ठहराया जा सकता है अथवा

(ख) (i) प्रायोग द्वारा उनकी किमो भी परीक्षा का चयन के लिए ।

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अश्लील किमो नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ निश्चित अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो या उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा । किन्तु धर्म यह है कि इन नियम के अश्लील कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित प्रत्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत प्रत्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो ।

14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रस्तुतीकरण :—सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से, आई० एम० ए०/एस० एम० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०), नई दिल्ली-110022 को तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110011 को या वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय/पी० ओ०-3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को अपनी शक्षणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्रों को, सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्दर और 31 दिसम्बर, 1985 [एस० एम० सी० (एन० टी०) के मामलों में 30 अप्रैल, 1986 तक] प्रस्तुत करने होंगे। उक्त प्रमाण-पत्रों की सत्य धनुप्रमाणित प्रतिलिपियाँ या फोटोस्टैट प्रतियाँ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जायेगी।

15. "आवेदन के सम्बन्ध में पत्र व्यवहार" :—आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए :—

- (i) परीक्षा का नाम।
- (ii) परीक्षा का वर्ष और महीना।
- (iii) आवेदन-पत्र की रजिस्ट्रेशन संख्या/रोल नम्बर, या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण नं०/रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (iv) उम्मीदवारों का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)।
- (v) पत्र-व्यवहार का पता जैसा आवेदन पत्र में दिया है।

विशेष ध्यान—(i) जिन पत्रों के साथ ऊपर का ब्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो।

- (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिए जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल दिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने की अपना नाम, पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० बॉक्स, रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (II) वेस्ट ब्लॉक 3, बिंग 1 रामाकुण्ठापुरम, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना मुख्यालय (पी० ओ०-3), नई दिल्ली-110011 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन आवेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में सूचना :—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं उनमें, अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी सूचनाएँ

और धनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० बॉक्स रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (II) वेस्ट ब्लॉक 3, बिंग 1, रामाकुण्ठापुरम, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना उम्मीदवारों के लिए वायु सेना मुख्यालय (पी० ओ०) वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 के पते पर लिखित चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बन्ध धनुरोध पर केवल यथाथ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निम्नलिखित प्राधिकरण सेना मुख्यालय/वायु सेना मुख्यालय हीगाः।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएँ :—

- (क) सफेद कमीज में वासपोर्ट आकार फोटो की 6 प्रतियाँ।
- (ख) डिस्टर और कम्बल (मौसम के अनुसार)।
- (ग) सफेद कमीजों और हाफ पैंटों के दो जोड़े।
- (घ) एक जोड़ी पी० टी० के सफेद जूते और दो जोड़े सफेद मोज़े।
- (ङ) पैटें और कमीजों के दो जोड़े।
- (च) फाउन्टेन पेन, स्याही और पेंसिल।
- (छ) बूट पालिश और सफेद ब्लैकों।
- (ज) एक मच्छरवासी।

विशेष ध्यान :—यदि किसी उम्मीदवार को भारतीय सैन्य प्रकाशदीप्ति हेतु, अक्टूबर, 1985 तक और प्राधिकारी प्रशिक्षणशाला हेतु जनवरी, 1986 तक सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार पत्र प्राप्त नहीं होता है तो उसे सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०), वेस्ट ब्लॉक 3, रामाकुण्ठापुरम, नई दिल्ली-110086 को साक्षात्कार पत्र न मिलने के बारे में लिखना चाहिए।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों को साक्षात्कार, अन्तिम परिणाम की घोषणा और अन्तिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश :—

संघ लोक सेवा आयोग अपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उनसे भी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने अर्हता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तिगत परीक्षाओं के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एम० ए० (डी० ई०) कोर्स और/या नौ सेना (एस० ई०) कोर्स और/या वायु सेना प्रकाशदीप्ति कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एम० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करें या नहीं, उनको नवम्बर/अक्टूबर, 1985 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षण के लिए भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एम० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, उनको दिसम्बर, 1985/जनवरी, 1986 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही प्रविष्टि पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे, और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है, उनके दौरान या उनके फलस्वरूप अगर उनका कोई फोटो पहुँचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या न्यायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति को लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अंकीय अंक प्राप्त करने होंगे जोकि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जाएंगे।

लिखित परीक्षा तथा से० ब० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता क्रम में रखा जाएगा। प्रत्येक-प्रत्येक उम्मीदवारों की परीक्षा के परिणाम किस रूप में किस प्रकार सूचित किए जायें इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना प्रकाशमी, नौ सेना प्रकाशमी, वायु सेना प्रकाशमी या अधिकारी प्रशिक्षणशाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अन्तिम चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के प्रतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या कि दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

नोट :—वायु सेना, नौ सेना विमानन के प्रत्येक उम्मीदवार की वायुलट सम्बन्धी अभिरूचि का परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः पहले परीक्षण में उसने जो स्तर प्राप्त किया है उसको वायु सेना चयन बोर्ड में लिए जाने वाले बाव के प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार वायुलट सम्बन्धी अभिरूचि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है वह भारतीय वायु सेना की (एफ० पी०) शाखा नौसेना विमानन हेतु प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

19. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अर्हताएं :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशमी, भारतीय सेना प्रकाशमी, वायु सेना उच्चयन महा विद्यालय, नौ सेना प्रकाशमी कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिए गए हैं उनको भारतीय सेना प्रकाशमी, नौ सेना, प्रकाशमी, वायु सेना प्रकाशमी या नौ सेना प्रकाशमी में अल्पकालीन सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी से अपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण पहले भारतीय सेना प्रकाशमी में वापस लिया गया हो उनको भारतीय सेना प्रकाशमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेक्ल कैंडिडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाव में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण भारतीय सेना प्रकाशमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्स से वापस लिया गया हो उनके बारे में थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्स से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना प्रकाशमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

20. भारतीय सेना प्रकाशमी या नौ सेना प्रकाशमी या वायु सेना प्रकाशमी में प्रशिक्षण के समय विचार पर प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना प्रकाशमी और नौ सेना प्रकाशमी या वायु सेना प्रकाशमी के कोर्स के उम्मीदवारों को इस बात का बचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाव शादी कर लेता है उसकी प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा बाव वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही निर्णय हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो फैसा खड़ा किया वह सब उससे बसूल किया जाएगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीदवार :

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो, जिसकी पहल से कोई जीवित पति/पत्नी है या था।

(ख) जिनने पहले से जीवित पति/पत्नी होते हुए भी किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्राप्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिए और शादी की दूसरी तरह के व्यक्तियों के लिए लागू अतिव्यवधान कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को यह इस नियम के अनुपालन में छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना प्रकाशमी या नौ सेना प्रकाशमी या वायु सेना प्रकाशमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना प्रकाशमी, नौ सेना प्रकाशमी या वायु सेना प्रकाशमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना प्रकाशमी या नौ सेना प्रकाशमी या वायु सेना प्रकाशमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जो उम्मीदवार भारतीय सैन्य प्रकाशमी/नौ सेना प्रकाशमी/वायु सेना प्रकाशमी से त्याग पत्र देते हैं उन्हें उनकी योग्यता के आधार पर अधिकारी प्रशिक्षणशाला में लेने हेतु विचार किया जा सकता है बशर्ते कि उस कोर्स विशेष में स्थान खाली हो।

22. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तु-परक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक मसुदा पुस्तिका छपी है। इसका डिजाइन ऐसा है जिससे स० लो० से० घा० की परीक्षाओं या चयनों के भागी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके। यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, बेहली-110054 के पास बिक्री के लिए मुलम है और इसे उनसे सीधे मेल ब्रांडर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (i) किताब मजल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लॉक, बाबा खड्ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (ii) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनग्रल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ्तिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

एम० बालाकृष्णन, उप सचिव

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य विवरण)

क. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :—

(क) सीबे के पैरा 2 में निविष्ट रीति से लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (स परिशिष्ट के भाग 2 के अनुसार) के लिए साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज मनेज्मन सेंटर में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाय।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिए दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए नियत अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे—

(क) भारतीय सेना प्रकाशमी में प्रवेश के लिए

विषय	प्रश्न	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(क) जो सेना प्रकाशनी में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
अभिव्यक्ति :		
1. संश्लेषी	2 घण्टे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
वैकल्पिक :		
* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौतिकी	2 घण्टे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घण्टे	150

* जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लगे उन्हें बीच प्रश्न पत्र में भौतिकी विषय बना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लगे उन्हें बीच प्रश्न पत्र में गणित विषय देना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षणमाला में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. संश्लेषी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100

(घ) वायु सेना प्रकाशनी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. संश्लेषी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किए गए हैं, वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना प्रकाशनी, बीसेना प्रकाशनी, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, और वायु सेना प्रकाशनी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 300, 450 और 200 और 300 होंगे।

3. सनस्त प्रश्नों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट 8 पर उम्मीदवारों को सूचनाएँ विवरणिका में देखिए।

4. प्रश्न पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप की बीजगणितीय पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी बखाने उन्हीं प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की कक्षागतता सुनिश्चित नहीं की जाएगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के चर्चक पत्रों का विचारण प्रयोग की विधिका पर है।

7. उम्मीदवारों की वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (परीक्षक पुस्तिकाओं) के उत्तर देने के लिए कलकलकर का प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः वे उक्त परीक्षा चयन में न लायें।

क. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण :-

स्तर :

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर वैदिक/मुसलमान परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न पत्रों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

किसी विषयों में प्रश्न पत्रों का स्तर समान नहीं होना जिसकी किसी वास्तविक विचारविचार के स्तर के अन्तर्गत की जा सकती है।

यह भी कि किसी भी विषय में प्रारम्भिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी (कोड सं० 01)

प्रश्न पत्र इस प्रकार होगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किए जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना देना चाहिए।

प्रारम्भिक गणित (कोड सं० 03)

अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ :—घनपूर्ण संख्याएँ, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएँ, मूल संक्रियाएँ—जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ग मूल-वस्तुसंबंध विज्ञान।

एकिक विधि :—समय, तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता, साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज, में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत :—विभाजन की कलन विधि, प्रभाज्य और भाज्य संख्याएँ, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्तक और गुणन खण्ड/गुणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विधि।

प्राधार, 10 तक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

प्राधारभूत संक्रियाएँ : साधारण गुणन खण्ड 1 शेष ऋण प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्तक सिद्धांत। द्विघात समीकरणों का हल इसके मूलों और गुणकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए)। दो घात राशियों में युगपत रैखिक समीकरण—विश्लेषण और प्राक सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपत रैखिक असमिकाएँ और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत, रैखिक समीकरण या असमिकाएँ बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय ध्रुवन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा प्रतिगन्ध तत्समक वातांक नियम।

त्रिकोणमिति

यथा \angle कोडिज्या, \angle स्पष्ट रेखा \angle जव $90^\circ \Delta \angle \Delta 90^\circ$

यथा \angle कोडिज्या, \angle स्पष्ट रेखा \angle का मान क्योंकि \angle

$-0^\circ, 30^\circ$

$45^\circ, 60^\circ$ और 90° सरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

अंशद्वयी और दूरियों के सरल बोध।

कोमिति ।

रेखा और कोण, समतल और समतल प्राकृति : निम्नलिखित पर प्रश्न :- (i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएँ, (iii) किसी बिन्दु की चुंबाएँ और कोण, (iv) बिन्दुओं की संश्लेष्यता (v) समरूप बिन्दु, (vi) सांख्यिकीय और कोण सम्बन्धों का अध्ययन, (vii) समांतर चुंबाएँ, धायात और वर्ग के कोणों, चुंबाओं के बिन्दुओं के गुण धर्म, (viii) रेखा और उनके गुण धर्म बिन्दुओं, स्पष्ट रेखा तथा लघुगुणक की जानकारी है, (ix) एकाधिक लघुगुणक।

विस्तार कर्तव्य :

बगों, घायलों, समानांतर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन घाटुतियों के क्षेत्रफल जो इन घाटुतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र बही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा घायतन लम्ब वृत्तीय बहुभुजों और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठाय तथा घायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा घायतन।

संक्षिपकी :

संक्षिपकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निरूपण-आख्याता बहुभुज आयत बिन्दु ज्ञानका चाटें पाई चाटें आदि केंद्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाओं के बीच कोण।

प्रारम्भिक भौतिकी (कोड सं० 05)

(क) विस्तार कर्तव्य :—मापन के मात्रक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मात्रक। आदेश और संघिष। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन ज्ञानुरेकीय गति। ग्यून का गति नियम। बल की संकल्पन बल के मात्रक। मात्रा और भार।

(ख) पिण्ड का बल विज्ञान :—गुरुत्व के अधीन/समानांतरत्वरण बल। गुरुत्व केंद्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात घनत्व समतल/वेग और नियम सहित विभिन्न साधारण मशीनों/बर्षण, बर्षणकोण, बर्षण, गुणांक कार्य शक्ति और ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुणधर्म :—दाब और प्रणोद/पास्कल का नियम। आर्कमिडोज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिण्डों और द्रव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिए आर्कमिडोज के नियम का अनुप्रयोग। प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाब का मापन। बोली नियम/वायु पम्प।

(घ) ताप :—पिण्डों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। दृक्तास्य नियम परम शून्य आयतन और चालू नियम, पिण्डों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कलोरेमिट/ताप का संचरण, धातुओं की ताप संचालकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाष्पन की गुप्त ऊष्मा। एस० पी० बी० पी० नमी (आर्द्रता और आर्द्रता और आर्द्रता)।

(ङ) प्रकाश :—ज्योरेकीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, लैम्ब, प्रकाशित यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारस्परिक बिन्दुवर्षी दूरबीन, सूक्ष्मदर्शी, बाइनीक्यूलर तथा परिवर्षी। प्रिज्म, प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(च) ध्वनि :—ध्वनि संचरण, ध्वनि परावर्तन, अनुनाद/ध्वनि हामी-फोन का अभिलेखन।

(छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत :—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र, चुम्बकीय बल रेखाएँ, पारिक्त चुम्बकत्व। जालक और रोधी। ओमनियम, पी० बी०, प्रतिरोधक विद्युत् चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत् धारा का चुम्बकीय प्रभाव, चुम्बकीय क्षेत्र में संचालकता। फ्लेमिंग का हस्तनियम। मापकयंत्र—धारामापी एमीटर, वोल्टमीटर, वाटमीटर, विद्युत् धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत् लपन, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र।

भौतिकी (कोड सं० 08)**1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी :**

गुणित और बिभाज्य, स्केलर और वेक्टर, मात्राएँ, जड़त्व, घूर्णन, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, गूनों गति, गुरुत्वाकर्षण। सरल घात गति, सरल और घूर्णन क्षेत्रक, प्रत्यास्थता प्रबल तथा, द्रव की श्यानता, रोडरी पम्प।

2. ध्वनि :

अवस्थित, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग-गति, डाप्लर प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाब तापमान और/आर्द्रता का प्रभाव, डोरियों, झिल्लियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, धननाय बिस्पंद, स्थिर तरंगे। ध्वनि का प्रावृत्ति वेग तथा तीव्रता। परा-ध्व्य के मूल तत्व। श्रवणोद्योग, वाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धांत।

3. ऊष्मा और गतिविज्ञान :

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा क्योष्म परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धांत के तत्व; बोल्डसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरबाल का अवस्था समीकरण, जल वाष्पसन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊष्मा ईंधन; कानॉटप्रेमेय, ऊष्मागति-विज्ञान के नियम और उनका सरल अनुप्रयोग। ऊष्मिका विकिरण।

4. प्रकाश

ध्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और वणिक बोध और उनका निवारण। नेत्र और धर्म्य प्रकाशित यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण।

5. विद्युत और चुम्बकत्व।

विद्युत् क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के विद्युत् और चुम्बकीय गुण जर्मी, डिटेरेसिस, चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत् धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मृधिंग मैग्नेट एण्ड मृधिंग क्वाइल गलवेनोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिफ्लिक्ट सर्किट एलिमेंट्स के गुण और धर्म और उनका निवारण; ताप विद्युत् प्रभाव, विद्युत्, चुम्बकीय प्ररण, प्रत्या-वर्ती धाराओं का उत्पादन/ड्रांसफार्मर और मोटर; इलेक्ट्रानिक वाल्व और उनका सरल अनुप्रयोग।

6. आधुनिक भौतिकी :

बोर के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलेक्ट्रॉन गैसों द्वारा विद्युत् का विसर्जन, कथोडर। रेडियो एक्टिवता, कृत्रिम रेडियो एक्टिवता आइसो-टोप विच्छेदन और संसयन की प्रारम्भिक धारणा।

गणित (कोड सं० 04)**1. बीज गणित :**

समुच्चयों का बीज गणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिलोच, मुक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमेयसुचकांक के लिए द-मीयर का प्रमेय और उसका सरल अनुप्रयोग।

2. मैट्रिसेस :

मैट्रिसेस की बीजकिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणफल, सहसंयोजक/आधुनिक; मैट्रिसेसों का प्रतिलोचन, मैट्रिसेस की जाति। रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिए मैट्रिसेसों का अनु-प्रयोग (तीन घनात संख्याओं में)।

3. विश्लेषिक ज्यामिती

द्विदिम की विश्लेषिक ज्यामिति, सरल रेखाएँ, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृत्त निकाय, परबलय वक्रवृत्त प्रतिपरिकल्प (मुख्य अक्षों के सम्बन्ध में) द्वितीय ब्रंज समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पलैरेल्स और अधिसम्ब।

त्रिविदिम की विश्लेषिक ज्यामिति :

समतल, सीधी रेखाएँ और गोलक (केवल कांतीय निवेष्टांक)।

4. कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित : सीमांत की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सीतत्व और अवकलननियता, मानक फलन का अवकलन, उतरोत्तर अवकलन रोल का प्रमेय। मध्यम प्रमेय। मैकलारिन और डैशर सिरीज (प्रभाव

अवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिचय । सूचकांकों के लिए द्विपक्षप्रसरण चरवालाकी प्रसरण, अनुगणकोप शिखीय-नितीय और प्रति परिकल्पित फलन । प्रतिप्रतिरूप रूप । एकल चर फलन का उच्चिष्ट और प्रतिप्रति, स्पष्टरेखा, प्रतिप्रति, प्रतिप्रति, प्रतिप्रति, प्रतिप्रति, प्रतिप्रति (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग । एकलेप आशिक प्रकलन । समांगी फलनों के संबंधित आयलर-प्रमेय ।

समाकलन-गणित । समाकलन की मानक प्रणाली । सतत फलन के निमित्त समाकलन की रोमान-परिभाषा । समाकलन गणित के मूल सिद्धांत परिशोधन, क्षेत्र कलन, प्रायतन और परिक्रमण बनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल । संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्पसन का नियम ।

प्रवक्त समीकरण : प्रथम कोटि के मानक प्रवक्त समीकरण का हल निकालना । नियम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रेखक समीकरण का हल निकालना । वृद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपांतरण । साधारण पेन्डुलम और समीक्षण ।

5. **यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है) :**

स्थिति विज्ञान : समतलीय तथा सगामी बलों की साम्यवस्था की स्थिति । साधारण तर्कों के मुख्य केन्द्र । स्थैतिक वर्णन, साम्यवर्णन और सीमांत वर्णनावर्णन कोण । रूक्षप्रानत समतल पर के कण की साम्यावस्था कल्पित कार्य (दो प्रायामों में) ।

गति विज्ञान : शुद्ध और विज्ञान-कण का त्वरण, वेग, जाल और विस्थापन, प्रापेशिक वेग । निरन्तर त्वरण की प्रवस्था में, सीधी रेखा की गति । स्पृष्टन गति संबंधी सिद्धांत । केन्द्र कक्षा । सरल प्रसवदा गति (निर्वात में) गुस्त्रावस्था में गति । आवेग कार्य और ऊर्जा रेखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण समान बसल गति ।

6. **सांख्यिकी प्राधिकता :** प्राधिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, वयात्मक प्रणाली की प्राधिकता का परिकसन, योग एवं गणन प्रमेय, प्रतिबंध प्राधिकता । यावृष्टिक चर (विविक्त और प्रतिरित) बनत्व, कलन, गणितीय प्रत्याशा ।

मानक वितरण : द्विपक्ष वितरण, परिभाषा, माध्यम और प्रसरण वेधम्य सीमांत रूप सरल अनुप्रयोग । ज्वांसी वितरण परिभाषामध्य और प्रसरण योध्यता, उपलब्ध आंकड़ों में ज्वांसी बटन का समंजन । सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य बहन का समंजन ।

विचर वितरण : यह संबंध दो चरों का रेखिक समाश्रयण, सीधी रेखा का समंजन, परिकल्पित और जल घातांकी, बक, सह संबंधित गुणांक के गुण ।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण, यावृष्टिक प्रतिदर्श (सांख्यिकी, प्रतिदर्शी बटन और मानक वृद्धि) मध्य पदों के अन्तर की धर्यवत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, सी० एच० आर्डी०, (CHI₂) और एफ० का सरल वितरण ।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० 5 यांत्रिकी और सं० 6 सांख्यिकी—में से किसी विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होना ।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के प्रतिरित्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा की जाएगी । उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे ग्रुप परिचर्या, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निदिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा । ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की सेवा शक्ति की जांच के लिए हैं । छोटे और बड़े ग्रुप परीक्षण वास्तव में केवल उसके बौद्धिक पक्षों की जांच के लिए हैं और वे इस प्रकार के समीक्षात्मक विवेचनाओं तथा सामाजिक बटनारों के प्रति विलम्ब का भी पता चलेगा ।

परिच्छेद II

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक

टिप्पणी : उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है । स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिए जाते हैं ।

बहुत से प्रवृत्ता प्राप्त उम्मीदवार बाव में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं । अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदनपत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा ल ।

1. सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुसूचित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कराया होगी । प्रकाशनी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जोकि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं । चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा । किन्तु प्रयोग्य/अस्थायी रूप से प्रयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से प्रभिल का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी । उम्मीदवारों के लिए नीचे संक्षिप्त रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है :—

- (क) उम्मीदवार का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अशक्तता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
- (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/बौद्धिक दोष या स्पृलता नहीं होनी चाहिए ।
- (ग) कद कम से कम 157.5 सें० मी० का हो (नीसेना के लिए 157 सें० मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 सें० मी०) । गोरखा और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमायूँ के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा । लडाख के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार की जा सकती है । कव और बजन के मानक नीचे दिए जाते हैं :—

कव और बजन के मानक

(बिना जूता)	किलोग्राम में बजन		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
152	44	46	47
155	46	48	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

उपयुक्त सारणी में दिख गये अंशों वजन से 10 कि० ग्रा० कम-ज्यादा (नौ सेना के लिए 6 कि० ग्रा० कम-ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जाएगा; किन्तु भारी हड्डियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

(ब) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने चुचक से लगा रहे और फीते का ऊपरी भाग पीछे स्कंध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (लोअर एंगिल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है। इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।

(क) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।

(ख) उम्मीदवार के संबंध में मानसिक विकृति या दौरा पड़ने का पूर्ववृत्त नहीं होना चाहिए।

(ग) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें० मी० की दूरी से जोर की कानाफूसी सुन सके। कण नासिका कंठ की पिछली या अग्र की बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

(घ) हृदय या रक्त वाहिकाओं के संबंध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।

(ङ) उदरपेशियों सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई न हो। उदर के आंतरिक अंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(च) यदि किसी उम्मीदवार को हनिया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हनिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा में कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जखम पूरी तरह ठीक हो चुका हो।

(छ) हाइड्रोसिल वेरिकोसिल या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।

(ज) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामान्यता मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।

(झ) उम्मीदवार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना (नौ सेना तथा वायु सेना के लिए केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 3.5 डी तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिमेटिज्म) सहित से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा घोषणा बोर्डों से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों चेहों की दृष्टि जांचनी होगी चाहिए। सभी दृष्टि का जवाब की० पी०—3 होना। उम्मीदवार के आंख व दूर के वस्तुओं को पहचानने की क्षमता होगी चाहिए।

यदि कोई आंख में लक्षण/रोग/विकृति का प्रमाण मिले तो निम्नलिखित प्रमाण चाहिए।

दूर दृष्टि	उ०, ए० एक कुंठन नोट
निचला दृष्टि	म०-३ दृष्टि अंग
दूर दृष्टि	म०-३ दृष्टि अंग

मायोपिया 0.5 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और हाइपरमेट्रोपिया अच्छी आंख में 1.50 डायोप्ट्रेस से तथा बुरी आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

नेत्र-परीक्षा

मेडोक्स रोड टेस्ट के साथ हेट्रोफोरिया निम्नलिखित से बिल्कुल अधिक न हो :—

(i) 6 मीटर पर	—एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
	ऐसीफोरिया	8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
	हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
(ii) 30 सें० मीटर पर	—एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
	ऐसीफोरिया	06 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
	हाइपरफोरिया	प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(ड) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 22 दांत बिन्दु होते हैं। उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(ण) छाती की एक्स-रे परीक्षा में ग्रैव पशुंका की उपस्थिति हेतु ग्रैव मेरुदण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेरुदण्ड के अन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।

2. केवल वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए उपर्युक्त के साथ-साथ निम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे :—

(क) वायुसेना के लिए स्वीकार्य मानव देह सम्बंधी माप निम्न प्रकार है :—

कद :	162.5 सें० मी०।
बाग की लम्बाई :	कम से कम 99 सें० मी० और अधिक से अधिक 120 सें० मी०।
भरू की लम्बाई :	अधिक से अधिक 64 सें० मी०।
बैठ कर ऊंचाई :	कम से कम 81.5 सें० मी० और अधिक से अधिक 96 सें० मी०।

(ख) मेरुदंड का एक्स-रे कटिज्म किया जाएगा। एक्स-रे में प्रकट निम्नलिखित शर्तें अनर्हक होंगी :—

- मेरुदण्ड का कणिकागुल्मीय रोग
- माथाइटिस/स्पीडिलोसिस
- मंद से अपेक्षाकृत अधिक कायफोसिस/लडोसिस स्को-लियोसिस काल-पद्धति द्वारा 15 से अधिक अस्वी-कृति का कारण बनेगा।
- स्पोण्डिलोलिसिस बैसिस/स्पोण्डिलोलिसिस
- हर्निएटिड न्यूकलियस पलपोसस
- कशेरुका का सम्पीडित अवस्थिति
- स्वेयर केव का रोग
- अवस्थायी वंशिकीय या परिवर्तनीय लक्षण के साथ ग्रैव पशुंका।

(ग) कोई अन्य अवसादावस्था, जिसे कोई विशेषज्ञ सेवा करवाए।

(घ) छाती का एक्स-रे जरूरी है।

(ङ) दृष्टि

दूर की दृष्टि :	6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9
पास की दृष्टि :	प्रत्येक आंख की एन० 5
वर्ण दृष्टि :	सी० पी०—1 (एम० आई० एल०)
	मेनीफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया—2.00 डी० से अधिक न हो।

बंद पैदा संयोजन

प्रयोगशाला रोज टैर के साथ हैदराबाद विमानस्थल से अधिक व
हो :—

(1) 6 मीटर पर	एक्सोकोरिया 8	प्रिजम	हायोप्टेस
	एक्सोकोरिया 8	प्रिजम	हायोप्टेस
(ii) 33 सें. मीटर पर	एक्सोकोरिया 16	प्रिजम	हायोप्टेस
	एक्सोकोरिया 8	प्रिजम	हायोप्टेस
	हाइपरकोरिया 1	प्रिजम	हायोप्टेस
	मायोपिया, कुछ नहीं एस्टिगमेटिज्म		
	0.75 डी. सिर्फ		

द्वितीय दृष्टि :—अच्छी द्वितीय दृष्टि का होना अनिवार्य है। (यूजन
व्हा स्ट्रबोसिस तथा साथ में अच्छा आयाग व गहनता)।

(क) मानक

(1) बाह्यपरीक्षण :	प्रत्येक कान से 810 सें. मी. से काना कूसी सुनाई दे।
(ii) श्रव्यतामिक्त परीक्षण :	250 एच. एस. तथा 4000 एच. जेड. के बीच की आवृत्तियों में श्रव्यतामिक्त कम से 10 डी. डी. से अधिक न हो।

(क) 8 डी. डी. सी. जी. तथा 10 डी. डी. जी. सामान्य सीमा में
हो।

3. नौसैनिक विमानन शाखा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक वहीं
होंगे जो वायुसेना के उड़ान शूटी हेतु उम्मीदवारों के हैं।

4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के
दौरान यदि किसी प्रशमता का पता चलता है तो मेडिकल बोर्ड द्वारा
अनर्हक ठहराए जाने की स्थिति में वह प्रशमता उम्मीदवार को अन्य
सेवा (सेवाओं) के लिए भी प्रयोग्य ठहरा सकती है।

परिशिष्ट-III

सेवा प्राप्ति के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं :—

भारतीय सेना प्रकाशनी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों
के लिए :—

1. भारतीय सेना प्रकाशनी में भर्ती करने से पूर्व :—

(क) उसे इस भाषा का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह
समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणाम-
स्वरूप यदि उसे कोई बोट लग जाए ऊपर निहित किसी
कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सैनिकल अपराधन
या संवेचना हर्षण बधाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई
भारीरक प्रशमता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह
या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी
मुद्दाबजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक
न होगा।

(ख) उसके माता पिता या संरक्षक को इस भाषा के बन्ध-पत्र
पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो
उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा
होने से पहले बापस भागा चाहता है या कमीशन प्रस्वीकार
कर देता है तो उस पर शिक्षा मुक्त, भोजन, वस्त्र और
किए गए व्यय तथा दिए गए भेदन और भत्ते की कुल राशि
या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे बापस करनी
होगी।

2. प्रशिक्षण रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का
प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्हीं उम्मीदवारों के नाम सेवा अधिनियम के

अधीन "जेंटलमैन कैडेट" के रूप में दर्ज किये जायेंगे। "जेंटलमैन कैडेट"
पर साधारण अनुशासनारम्भक प्रयोगों के लिए भारतीय सेवा प्रकाशनी के
नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, प्रवास, पुस्तक, वर्दी, बोडिंग, और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी, लेकिन यह भाषा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बर्दाश्त करेंगे। भारतीय सेना प्रकाशनी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक व्यय 90.00 रु. से अधिक होने को संभावना नहीं है)। यदि किसी कैडेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या प्रांशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जाती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय 500.00 रु. या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रबल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना प्रकाशनी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिला के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुसंज्ञा सहित भारतीय सेना प्रकाशनी देहरादून के कमांडेंट को अर्पित कर देगा।

4. भारतीय सेना प्रकाशनी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों की आने पर, कमांडेंट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी :—

(क) प्रतिमास रु. 90.00 के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	450.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	800.00
योग	1250.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि—
में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी :—

90.00 रु. प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब
खर्च 450.00 रु.

5. भारतीय सेना प्रकाशनी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियों उपलब्ध :—

(1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु. प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को भारतीय सेना प्रकाशनी में रहने की प्रशमति के दौरान दी जाती है। बर्तव्य कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

(2) कर्नल कबल फ्रेंक मेमोरियल छात्रवृत्ति :—इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना प्रकाशनी के प्रत्येक कैडेट के लिए सामान्य व्यती के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली वरों के अनुसार परिधान भत्ता प्रकाशनी के कमांडेंट को सौंप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह :

(क) कैडेट को कमीशन दे दिये जाने पर दे दी जाएगी।

(ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को बापस कर दी जाएगी।

कमीशन बहाल किये जाने पर इस बात से अनिश्चित रहने तथा अन्य आवश्यक चीजें कैबेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणार्थी कैबेट त्यागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को धृष्टिगत रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने वाले जेंटलमैन कैबेट को बल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक बर जाने की आज्ञा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बन्ध सेवाओं पर दूधे वाली कर्ष अवधि बतुल किया जाएगा। भारतीय सेना प्रकाशनी में उम्मीदवारों को बली किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता/प्रतिभाषकों को इस प्रकाश के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैबेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में जैनिक उम्मीदवारों को अपनी रेजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने पर ही दिया जाएगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से पहले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित प्रकसरों के सामान्य धौर घले बेलघ धौर छुटी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य बात की नहीं होगी जो सेवा के नियमित प्रकसरों पर व्यवस्थापक कर कार्य होगी।

I प्रशिक्षण

10. भारतीय सेना प्रकाशनी में प्रार्थी कैबेट को "जेंटलमैन कैबेट" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कक्षा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इंफैंट्री के उप-युनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैबेटों को सेकिण्ड लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एस० एच० ए० पी० ई० नारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

II सेवा की शर्तें :

(i) वेतन

रैंक	वेतनमास
सेकिण्ड लेफ्टिनेंट	750-790
लेफ्टिनेंट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (वेतन का अग्रिम देण)	1800-50-1800
लेफ्टिनेंट-कर्मल (अग्रिम देण)	1750-1950
लेफ्टिनेंट कर्मल (अग्रिम देण वेतन)	2000-50-2100
लेफ्टिनेंट कर्मल (समय वेतनमास)	1900 नियत
कर्मल	1950-2175
बिरोडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेंट जनरल	3000 प्रतिमास
लेफ्टिनेंट जनरल (प्रार्थी कमांडर)	3250 प्रतिमास

(ii) योग्यता, वेतन और अनुदान :

लेफ्टिनेंट कर्मल और उसे नीचे के रैंक के कुछ विचारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० अथवा 6000 रु० के एक मुक्त अनुदान के हकदार हैं। उक्तान प्रशिक्षक (य 'ब') रु० 70 की दर पर योग्यता वंश के अधिकारी होंगे।

III भत्ते

(क) वेतन के प्रतिवर्षिक प्रकसरों को इस समय निम्नलिखित बत्ते मिलते हैं —

(क) सिविलियन राजपत्रित प्रकसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महुंगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) 75 रु० प्रति मास की दर से फिट अनुदान भत्ता।

(ग) निर्वासन भत्ता भारत से बाहर सेवा करने पर ही देय है। इसके अग्रतान की दरें उपर्युक्त विदेश भत्ते की संगत एकत्र दर की 25 प्रतिशत में लेकर 40 प्रतिशत राजि तक अलग-अलग है।

(घ) नियुक्ति भत्ता अब विवाहित प्रकसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रखा जा सकता है, तब वे प्रकसर 140/- रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता :—प्रारंभिक सज्जा भत्ता रु० 2100 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक मास वर्ष के बाद 1800 रु० बढ़े सज्जा भत्ते का वाका किया जा सकता है।

(च) बल सेना में कर्मल के स्तर तक भूत राशन दिया जाता है।

IV तैनाती

बल सेना प्रकसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।—

V परोक्षति

(क) स्थायी परोक्षति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी परोक्षति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं।—

समय वेतनमास से	
लेफ्टिनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफ्टिनेंट कर्मल	
यदि अग्रिम द्वारा परो-	
क्षति व लुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
अग्रिम द्वारा :	
लेफ्टिनेंट कर्मल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्मल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
बिरोडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिशत नहीं।

(ख) कार्यकारी परोक्षति

निम्नलिखित भूततम सेवा सीमाएं पूरी करने पर प्रकसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी परोक्षति के लिये पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों।—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफ्टिनेंट कर्मल	6½ वर्ष
कर्मल	6½ वर्ष
बिरोडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

(ब) नौसेना प्रकाशनी, कोचीन में चर्ची होन वाले उम्मीदवारों के लिये

1 (क) जो उम्मीदवार प्रकाशनी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौसेना की कारी शाखा से कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना प्रकाशनी, कोचीन के प्रभारी प्रकमर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन पत्र नहीं दिया हो :—

(i) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर से पांच मास के लिए जेब खर्च	225.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	160.00 रु०
जोड़	685.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र दिया हो :—

(i) 45.00 रु० प्रति मास की दर से दो मास के लिए जेब खर्च	90.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	480.00 रु०
जोड़	550.00 रु०

(ब) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रशिक्षणों में नीचे किया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :—

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का नौकाय प्रशिक्षण	1 वर्ष
(ख) मिडशिपमैन नौकाय प्रशिक्षण	6 मास
(ग) कार्यकारी सब-लेफ्टिनेंट तकनीकी कोर्स	12 मास
(घ) सब-लेफ्टिनेंट	

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को नौकहत निगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण-पत्र देने के लिये भारतीय नौसैनिक जहाजों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिए कम से कम 6 मास की अवधि आवश्यक है।

(ii) नौसेना प्रकाशनी में कैडेटों के लिए शिक्षण, भ्रमण और संबद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाकटरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता/प्रतिभाषकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता/प्रतिभाषकों की मासिक आय 500 रु० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया भ्रमण प्रशिक्षण रूप से पूरा न कर सकते हो तो सरकार कैडेट के लिए 55 रु० प्रति मास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने का बहुत कुछ उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद सीधे की अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्र दे सकता है। जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन-पत्र को अपनी प्रमुखता के साथ निवेदन, कार्मिक सेवा, नौसेना मूल्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा। यदि किसी माता-पिता/प्रतिभाषक के बी भ्रमण उससे अधिक पुत्र या प्राप्ति नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साध-साध प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साध-साध प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशत कि माता-पिता/प्रतिभाषक की मासिक आय 600/- रु० से अधिक न हो।

(iii) बाव का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्था-पनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। प्रका-शनी छोड़ने के बाद उनसे पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार उम्मीदवारी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली की मिलने वाली वित्तीय सहायता

क समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

(iv) कैडेटों की सरकार से निष्पत्ति जर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और पैसे देने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने उनकी एकसूचना की सुनिश्चन करने के लिए, वे कपड़े नौसेना प्रकाशनी में तैयार किये जायेंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/प्रतिभाषकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़ निष्पत्ति या उपहार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।

(v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और वही भत्ता मिलेंगे जो कैडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या प्रमोशन के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जाती हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ता सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों की मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र हो तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के मध्य की राशि भी मिलेगी।

(vi) सामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैडेट का भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोई पुत्र भरण या भ्रमण नहीं सम्पन्न जाएगा, उसे सरकार के तत्त्वोन्नत में प्रशिक्षण से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी व्यक्ति कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर वापस भेजा जाएगा, वह सरकारों की में दुबारा शिथिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ कठणाज्य कारणों के कारण पर त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणीकरण के आधार पर विचार किया जाता है।

2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/प्रतिभाषक को :

(क) इस भ्रमण के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह मज्जी-मालि सम्पत्ति है कि यदि उनके पुत्र को या प्राप्ति को प्रशिक्षण के दौरान या उनके भ्रमण कोई खोत लग जाए या तारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से खोत लगने पर किये गये आपरेशन से या प्राप-रेशन के दौरान मृच्छित करने की औषधि के प्रयोग के कल-स्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या प्राप्ति को सरकार से मुद्राज्जा भोगने के दावा या सरकार से अन्य सहायता भोगने का कोई हक नहीं होगा।

(ख) इस भ्रमण के बाद पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार पूरा होने से पहले वापस जाना चाहें या यदि कमीशन दिये जाने पर स्वीकार न करें तो जिज्ञा, झूठ, भ्रमण, वकल, केवल कपड़ लेने जो कैडेटों के भ्रमण किये हैं उनका उल्लेख भा उनका उल्लेख जो माता-पिता/प्रतिभाषक की जिम्मेदारी वह लेता है।

8. वेतन धीरे धीरे।

(क) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	
	रुपए	
मिडिलिएरीय	560.00	
एडिशनल सब-मैजिस्ट्रेट	750.00	
सब-मैजिस्ट्रेट	830-870	
मैजिस्ट्रेट	1100-1450	
मैजिस्ट्रेट कमोडोर	1450-1800	
कमोडोर (चयन मान द्वारा)	1750-1950	
कमोडोर (समय वेतनमान द्वारा)	1900.00]	
	(नियत) —	
केप्टन	1950-2400 रुपये	
	(कमोडोर बहुत वेतन प्राप्त करता है जिसके लिए बहुत कैप्टन के रूप में वरिष्ठता के आधार पर हकदार होता है)।	
रियल एडमिरल	2500-125/2-	
	2750/- रुपये	
वाइस एडमिरल	3000 रुपये	
वाइस एडमिरल (बी० बी०एस० एड०/एड०बी० सी०-इन-सी०)	3250 रुपये।	

(ख) बतें

वेतन के अतिरिक्त अधिकारों की निम्नलिखित बतें मिलते हैं :—

- (i) सिविलियन राजपत्रित अधिकारों पर समय-समय पर लागू वरी धीरे धीरे के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकार तथा मईगार्ड बतें मिलती हैं।
- (ii) 75/- रु० प्रतिमास की दर से किंतु अनुसूचना बतें (कमोडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के अधिकारों को)।
- (iii) जब अधिकार भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब वारिंट रैंक के अनुसार 50/- रुपये से 250/- रुपये तक प्रतिमास प्रवास बतें।
- (iv) 140/- रु० प्रतिमास के हिसाब से इन अधिकारों की नियमित बतें मिलेंगी :—
 - (क) जिन विवाहित अधिकारों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ख) जिस विवाहित अधिकारों को एड० एस० जहाजों पर तैनात किया जाएगा या जहाँ जितनी व्यवस्था के लिए के बेश पक्षों के दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (v) (क) परिसरणा बतें : प्रारम्भिक परिसरणा बतें 2400/- रु० हैं।
 - (ख) वास्तविक सेवा के प्रति सात वर्ष बाद, नवीकरण परिसरणा बतें 2100/- रु० हैं।
- (vi) बीसेता में कैप्टन (आरटीय बीसेता) के स्तर तक युक्त राजस्व दिया जाता है।

नियम 1 :—अपवृत्त के प्रत्याग संकट के समय काम करने की प्रति पत्रव्यवस्था बतें, पत्रव्यवस्था वेतन, सर्वेक्षण, प्रान्तीय/प्रदेशीय वेतन/प्रान्तीय तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अधिकारों को दी जा सकती है।

नियम 2 :—अधिकार पत्रव्यवस्था तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाओं धर्मित कर सकते हैं। इन सेवाओं से सेवा के लिये चुने गये अधिकार बड़े हुए वेतन तथा बतों को पावे के हकदार होते हैं।

9. कर्तव्य।

(क) समय वेतनमान द्वारा

मिडिलिएरीय के एडिशनल सब-मैजिस्ट्रेट तक 1/2 वर्ष
 ऐडिशनल सब-मैजिस्ट्रेट से सब-मैजिस्ट्रेट तक 1 वर्ष
 सब-मैजिस्ट्रेट से मैजिस्ट्रेट तक ऐडिशनल धीरे स्थायी सब-मैजिस्ट्रेट (वरिष्ठता के साथ/समयहरेण के प्रतीन) रूप में 3 वर्ष
 मैजिस्ट्रेट से मैजिस्ट्रेट कमोडोर तक मैजिस्ट्रेट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता
 मैजिस्ट्रेट कमोडोर के कमोडोर तक 24 वर्ष की संयोज्य कर्तव्य प्राप्त सेवा
 (यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो)

(ख) चयन द्वारा

मैजिस्ट्रेट कमोडोर से कमोडोर तक मैजिस्ट्रेट कमोडोर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता
 कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता

कैप्टन से रियल एडमिरल धीरे उनसे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

10. तलाशी

अधिकार भारत धीरे विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

नियम 1 :—यदि किसी धीरे सूचना की आवश्यकता हो तो वह निदेशक कार्मिक सेवा नीतिना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अधिकार ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :—

1. इससे पूर्व कि उम्मीदवार अधिकार ट्रेनिंग स्कूल मद्रास, मद्रास में भर्ती हों :—

(क) उसे इस प्राप्ति से प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह बली भाति समझता है कि उसे या उसके वैध वारिंटों को सरकार से मुदायज या अन्य किसी सहायता के साथ का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई खोब या सारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या अपर्यक्त कारकों के खोब लगने पर किए गए आपरेखन या आपरेखन के दौरान मूर्च्छित करने की प्रोषा के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

(ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक खोब पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियोजन के प्रतीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा करने से पूर्व वापस जाना चाहे या यदि विद्ये जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अधिकार ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए बाधी कर न तो उसे प्रशिक्षण, खाना, वस्त्र धीरे वेतन तथा बतें जो उसने प्राप्त किये हैं, उनको लागत या उनका वह खंड जो सरकार निर्णय करे चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार प्रशिक्षण रूप से चुने जाएंगे उन्हें अधिकार ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को "सेना प्रशिक्षण" के प्रत्यंत अन्तर्गत कैप्टन के रूप में नामांकित किया जायेगा। सामान्य अनुज्ञासन की दृष्टि से य वैधक्यम कैप्टन अधिकार ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के प्रत्यंत रहेंगे।

8. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, भुक्तान, वस्त्र व चोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है सरकार वहन करेगा और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान म्यूनतम 90.00 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरमपाटा इत्यादि का शौक रखता हो तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह म्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप से वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैडेट और उसके माता-पिता/प्रतिभावाक की आय 500 रु० प्रति मास से कम हो। वर्तमान धावेदों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 90.00 रुपये प्रतिमास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का हक्क है उसे प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट की भेजा होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन-पत्र को कमांडेंट प्रफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. प्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिये चुने गए उम्मीदवारों को वहाँ पहुँचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि बमा करनी होगी :—

(क) 90.00 रु० प्रति मास की दर से दस महीने के लिये जेब खर्च	900.00 रुपए
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिये	500.00 रुपए
योग	1400.00 रुपए

यदि कैडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किये गये धावेदों के प्रवर्गन परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग-पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को ध्यान रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद त्यागपत्र देने वाला ऑफिसमें कैडेटों को बल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्ताव से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च बसूल किया जायेगा। प्रफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों की भर्ती किये जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/प्रतिभावकों को इस आणय का एक बांध भरना होगा।

7. जिस/जिसेलमन कडट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उनकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिये जाने के बाद वेतन तथा भत्ता, पेंशन छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी :—

9. प्रशिक्षण ;

1. चुने गये उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत ऑफिसमें कैडेटों के रूप में नामांकित किया जायेगा तथा वे प्रफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक

करने के उपरान्त ऑफिसमें कैडेट का रोलक्रम के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख में मैकेड मैजिस्ट्रेट के पत्र पर प्रत्येकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. सेवा की शर्तें

(क) परिबीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से प्रफसर 6 मास की अवधि तक परिबीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिबीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उनकी परिबीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) तैनाती

प्रत्येकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित बल सेना में प्रत्येकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया जायेगा जो प्रफसर सेना में पांच वर्ष के प्रत्येकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के हक्क होंगे यदि हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त पाए गए तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके प्रत्येकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किये जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किये जाने की प्रवृत्ति प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

(घ) वेतन और भत्ते

प्रत्येकालिक सेवा कमीशन प्राप्त प्रफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित प्रफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेण्ड लैफ्टिनेन्ट और लैफ्टिनेन्ट के वेतन की दर इस प्रकार है :—

सैकेण्ड लैफ्टिनेन्ट—750-790 रु० प्रति मास

लैफ्टिनेन्ट—830-950 रु० प्रति मास

तथा अन्य भत्ते जो नियमित प्रफसरों को मिलते हैं।

(ङ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में वे प्रफसर प्रत्येकालिक सेवा कमीशन प्रफसरों के लिए लागू नियमों में शासित होंगे जो सेना अधिकांश नियमावली बंड-1 बल सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे प्रफसर ट्रेनिंग स्कूल के वासिग आउट करने पर तथा छुट्टी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हकदार होंगे।

(च) कमीशन की समाप्ति

प्रत्येकालिक सेवा कमीशन प्राप्त प्रफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों में किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है ;—

- अवधार करने या संतोषजनक रूप से सेवा न करने पर;
- स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;
- उसकी सेवाओं की ओर अधिक आवश्यकता न होने पर; या
- उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कार्य में प्रवृत्ति प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तोन महीने का नोटिस देने पर किसी प्रफसर की कठणाज्ज्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। कठणाज्ज्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई प्रफसर मेडन उद्दान पाने का पात्र नहीं होगा।

(क) पेंशन लाभ

(i) ये सभी विचाराधीन हैं।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रकसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 का सेवांत उपदान पाने के हकदार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का अधिकार

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की अवधि के लिये या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(म) विविध —

सेवा संबंधी अन्य समा गतों जब तक उनका उपयोग उपबन्धा के साथ भेद नहीं होता है बड़ी होंगी जो निम्नलिखित प्रकरणों के लिये लागू हैं।

(क) वायु सेना प्रकादमी में प्रवेश लेन वाले उम्मीदवारों के लिये।

1. चयन

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में दो प्रकार से चर्ची की जाती है। अर्थात् संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एन्ट्री और एन०सी०सी० वायु सेवा स्क्वडरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से।

(क) डायरेक्ट-एन्ट्री—आयोग लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में सामान्यतः दो बार मई और नवम्बर में की जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिये भेजा जाता है।

(ख) एन० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश—राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर महाविदेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० युनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से आवेदन-पत्रों की आमन्त्रित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अप्रसारित कर दिया जाता है। पात्र उम्मीदवारों की परीक्षण और साक्षात्कार के लिये वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निर्देश दिया जाता है।

2. प्रशिक्षण पर भेजना : वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुशामित और उपयुक्त क्तिरता प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पाये जाने वाले उम्मीदवारों की वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिये भेजा जाता है। डायरेक्ट-एन्ट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता-सूची प्रलय से तैयार की जाती है। डायरेक्ट-एन्ट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता सूची सं० एन० सी० आ० द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तियों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त प्रकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त प्रकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण : वायु सेना प्रकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिये प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

बितीय सहायता पर लागू होने वाली शर्तें —

(i) यद्यपि जगह, पुस्तक, धर्म, टहने और चिकित्सा उपचार सहित, प्रशिक्षण का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा तो भी उम्मीदवारों से प्रशा की जाएगी कि वे अपना जेब खर्च स्वयं वहन करें। वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रतिमास कम से कम 90 रुपये से अधिक खर्च होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडिडेट के अभिभावक या संरक्षक उस खर्च को भी पूर्ण रूप या आंशिक रूप में वहन करने में प्रसमय है तो उसे सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। जिस कैंडिडेट के अभिभावक या संरक्षक की मासिक आय 500

रुपये या इससे अधिक है वह वित्तीय सहायता प्रदाय किए जाने का पक्ष नहीं होगा। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए प्रचलित संपत्ति तथा अन्य परिलक्षियों और सभी स्रोतों से होने वाली आय की भी ध्यान में रखा जाता है। वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवार के अभिभावक/संरक्षक को अपने पुत्र/बच्चे के वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अंतिम रूप से चुन लिए जाने के तुरन्त बाद अपना आवेदन अपने जिले के जिलाधीश के माध्यम से प्रस्तुत कर देना चाहिए। जिलाधीश उस आवेदन को अपनी अनुमति सहित कमांडेंट, वायुसेना प्रशासनिक कालिज, रेड कोलड्स, कोयम्बटूर को अप्रेषित कर देंगे।

(ii) वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को अपने पर निम्नलिखित रकम कमांडेंट के पास जमा करनी है —

(क) 90 रुपये प्रतिमास की दर से 5 मास

के लिए जेब भत्ता

450 रुपये

(ख) वस्त्र और उपस्कर मर्चों के लिए

525 रुपये

कुल योग

975 रुपये

उपर्युक्त रकम में से निम्नलिखित रकम कैंडिडेट को वित्तीय सहायता प्रदाय किए जाने की स्थिति में वापस देय है।

90 रुपये प्रतिमास की दर से 5 मास के लिए

जेब भत्ता

450 रुपये

4. भविष्य में पदोन्नति की संभावनाएँ — प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक

पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पाइलट प्रकसर का रैंक दिया जाता है और वे उसी रैंक के वेतन तथा भत्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभग रु० 2450/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान वेतन रु० 750/- प्रति माह भी सम्मिलित है। वायु सेना में भविष्य यद्वा उज्ज्वल होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाएँ प्रचलित नहीं होती हैं।

भारतीय वायु सेना में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अर्थात् कार्यकारी रैंक प्रदान करके और स्वाधी रैंक प्रदान करके। प्रत्येक उच्च रैंक के लिये अतिरिक्त परिलक्षियाँ निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अवसर मिलते हैं। स्क्वेड्रन लीडर और विंग कमांडर के रैंक में समय केतनमान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाखा में क्रमशः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर और उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विभिन्न गठित पदोन्नति बोर्डों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उद्योगमान अधिकारियों के लिये पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं।

5. वेतन तथा भत्ते —

मूल रैंक	उड़ान शाखा
	रु०
पाइलट प्रकसर	823--865
प्राथम्य प्रकसर	910--1030
पताईव सीप्टेनेंट	1150--1550
स्क्वेड्रन लीडर	1450--1800
विंग कमांडर	1550--1950
ग्रुप कैंडिडेट	1950--2175
ग्रुप कमांडर	2200--2400
ग्रुप वाइस मार्शल	2500--2750
ग्रुप मार्शल	3000

महंगाई तथा प्रतिस्तर भत्ते :—अधिकारियों को ये भत्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों की लागू होने वाली शर्तों के प्रत्यक्ष की गई शर्तों पर मिलते हैं।

कित अनुसूच्य भत्ता :—रु० 75/- प्रति माह; उद्गान वेतन; उद्गान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उद्गान वेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं :—

बिग कमांडर और उससे नीचे	रु० 750.00 प्रति माह
ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडर	रु० 866.00 प्रति माह
एयर वाइस मार्शल और उससे ऊपर	रु० 800.00 प्रति माह

योग्यता वेतन :—कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने वाले बिग कमांडर और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर रु० 70/- और रु० 100/- है और अनुदान रु० 8000/-, रु० 4500/-, रु० 2400/ और 1600/- है।

प्रवास भत्ता :—जहाँ वायुसेना अधिकारियों की दृष्टियों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, द्वितीय सचिव, प्रथम सचिव कम्प्लेक्स को दिए जाने वाले विदेश भत्ते का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (पारित रैंक के अनुसार) प्रवास भत्ता देय होता है।

नियुक्ति भत्ता :—ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिट में होती है। गैर परिवार स्थान/सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे स्थान जहाँ अधिकारियों की परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें रु० 140/- प्रतिमाह की दर से नियुक्ति भत्ता दिया जाएगा।

परिचालन भत्ता :—वर्षों/उपस्तर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बबले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिचालन भत्ता रु० 2100/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर सात साल के बाद रु० 1800/- दिए जाएंगे। कैम्पकिट कमीशन प्रदान करते समय मुफ्त दी जाती है।

वायु सेना में ग्रुप कैप्टन के स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

6. छुट्टी और अवकाश यात्रा रियायत भत्ता

वार्षिक अवकाश	वर्ष में 80 दिन
आकस्मिक अवकाश	वर्ष में 20 दिन : एक बार में 10 दिन से अधिक नहीं।

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष के बाद जब भी अधिकारी वार्षिक आकस्मिक अवकाश लेने में तथा उनके परिवार के सबस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे बाह्य अवकाश की अवधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के ब्लाक में एक बार अधिकारी अपने झुंडी स्थान (यूनिट) से घर तक घाने के लिए निःशुल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सहित 965 कि० मी० के रास्ते के लिए घाने और जाने दोनों तरफ की सुविधा देने के हकदार होंगे।

इसके प्रतिरिक्त उद्गान शाखा के अधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उद्गान झुंडी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार बारंट पर 1800 कि० मी० की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा होगी इसमें घाने और जाने की यात्रा सम्मिलित होगी।

जो अधिकारी छुट्टी लेकर अपने वर्ष से यात्रा करने के हकदार हैं वे कलेक्टर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 80 प्रतिशत भुगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविधा दी जाएगी।

परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्रित माता-पिता, बहन और नाबालिग भाई शामिल होंगे।

7. पेंशन लाभ :

सेवा-निवृत्ति के समय रक (स्पायी)	प्रार्थक सेवा की श्यूनतम अवधि	निवृत्ति पेंशन की मानक दर
		रु० प्रति माह
पाइलट फ्रफ़र/प्लाइंग फ्रफ़र	20 वर्ष	575 " "
पाइलट लेफ्टिनेन्ट	20 वर्ष	800 " "
स्क्वैड्रन लीडर	22 वर्ष	925 " "
बिग कमांडर (समय वेतनमान)	26 वर्ष	975 " "
बिग कमांडर (सलेक्टिव)	24 वर्ष	1000 " "
ग्रुप कैप्टन	26 वर्ष	1150 " "
एयर कमांडर	28 वर्ष	1250 " "
एयर वाइस मार्शल	30 वर्ष	1425 " "
एयर मार्शल	30 वर्ष	1375 " "
एयर मार्शल बी०सी०ए०एस० और ए०ओ०एस०सी० इन सी०	30 वर्ष	1475 " "
एयर चीफ मार्शल	30 वर्ष	1700 " "

8. सेवा-निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विविधा पर सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नलिखित है :—

(क) 10 वर्ष की सेवा के लिए रु० 12,000/- जिसमें से पिछले रैंक के बढ़ महीने के वेतन घटाकर।

(ख) प्रत्येक प्रतिरिक्त वर्ष के लिए रु० 1200/- जिसमें से पिछले रैंक के 1/4 महीने का वेतन घटाकर।

पश्चात्त उपदान के प्रतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की अवधि को प्रार्थक सेवा के लिए कुल परिलब्धियों के बीधाई के बराबर मूल्य और सेवा-निवृत्ति उपदान देय है जोकि परिलब्धियों का 16 2/3 गणा होगा और रु० 36,000/- से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नलिखित रूप से होंगे :—

(क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो दो महीने का वेतन;

(ख) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पाँच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाये तो छः महीने का वेतन; और

(ग) पाँच वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का वेतन।

विकल्पिता पेंशन और बच्चों और आश्रितों (माता पिता, बहिन तथा भाई) की विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार या निर्धारित नियमों के अनुसार देय है।

ग्रन्थ सुविधाएं

अधिकारी तथा उनके परिवार निःशुल्क चिकित्सा सहायता, रियायती दर पर आवास, ग्रुप बीमा योजना, ग्रुप आवास योजना, परिवार सहायता योजना, कौटुंबिक सुविधाओं आदि के हकदार हैं।

परिशिष्ट-IV

(क) भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री.....
सुपुत्र श्री..... जो पाँच/छः.....

विज्ञापन*

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* के निवासी
 * हैं जाति/जनजाति* के हैं जिसे निम्न-
 लिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता
 दी गई है :-

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) प्रादेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) प्रादेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) प्रादेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) प्रादेश, 1951*

[अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियाँ सूचियाँ (संशोधन)
 प्रादेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन
 अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर
 पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा
 अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश (संशोधन) अधिनियम, 1978 द्वारा यथा
 संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1956

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजातियाँ
 प्रादेश, 1959* अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश
 (संशोधन) अधिनियम, 1978 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (बादरा और नागरहबेली) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1962*

संविधान (बादरा और नागरहबेली) अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) उत्तर प्रदेश, प्रादेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन और दीव), अनुसूचित जातियाँ प्रादेश 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दीव), अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश
 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश, 1970*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति प्रादेश, 1978*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति प्रादेश, 1978*।

2. श्री

और/या उनका परिवार आमतौर पर गांव/कस्बा*

..... जिला/मण्डल*

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* में रहता है।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मुहर के साथ)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

स्थान

तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :-वही "आमतौर पर रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिजि-
 स्ट्रेशन आफ द पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

(क) अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के ऐसे उम्मीदवार
 द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का प्रपत्र जो एक
 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से किसी अन्य राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में
 प्रेषण कर चुका है :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*

..... सुपुत्री/सुपुत्री* श्री

जो गांव/कस्बा* जिला/मण्डल*

..... राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*

के/की* निवासी हैं अनुसूचित जाति/जनजाति*

के/की* हैं जो निम्नलिखित के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति* के रूप में
 ही मान्यता प्राप्त है :-

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) प्रादेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) प्रादेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र), प्रादेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) प्रादेश, 1951*

[अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियाँ सूची (आशोधन)
 प्रादेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन, अधि-
 नियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर
 पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा
 अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश (संशोधन) अधिनियम, 1967 द्वारा यथा
 संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1968*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजातियाँ
 प्रादेश, 1959*

संविधान (बादरा और नागरहबेली) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1962*

संविधान (बादरा और नागरहबेली) अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश,
 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) (उत्तर प्रदेश), प्रादेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश, 1970*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1978*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश, 1978*।

2. यह प्रमाण-पत्र श्री/श्रीमती/कुमारी* के

पिता/माता* श्री/श्रीमती* गांव/कस्बा*

..... जिला/मण्डल* राज्य/

संघ राज्य क्षेत्र* को जारी अनु-

सूचित जाति/अनुसूचित जनजाति * प्रमाण-पत्र के आधार पर जारी किया गया है

जो अनुसूचित जाति/जनजाति* के हैं जिसे

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति *के रूप में मान्यता

प्राप्त है। (लिखित प्राधिकारी का नाम) द्वारा उनकी

संख्या के अन्तर्गत जारी किया गया।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मुहर सहित)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

स्थान

तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

**जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी :-

(1) जिला मजिस्ट्रेट, प्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलक्टर, डिप्टी कमि-
 शनर/ऐबीकलस डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/अधम क्षेत्री का

स्टाडपैडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट/तालुक मजिस्ट्रेट/एजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा मजिस्ट्रेट कमिशनर।

④ (प्रथम श्रेणी के स्ट्राइपडरी मजिस्ट्रेट के प्रोहूव से कम नहीं)।

- (2) चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/एजीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट।
- (3) रेवेन्यू अधिकार जिसका प्रोहूव तहसीलवार से कम न होगा।
- (4) उस इलाके का सब-डिवीजनल अधिकार जहाँ उम्मीदवार धीर/या उसका परिवार धामतीर से रहता है।
- (5) एग्जिनिस्ट्रैटर/एग्जिनिस्ट्रैटर का सचिव/कमलपमंड अधिकार, लब्धहीन।

परिशिष्ट-७

सब लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी प्राप्ति प्रश्नांक कहा जाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसकी प्राप्ति प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांक के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

(ख) परीक्षण का स्वरूप

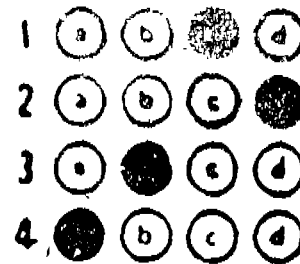
प्रश्न-पत्र परीक्षण 'पुस्तिका' के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 आदि के क्रम से प्रश्नांक होंगे। प्रश्न प्रश्नांक के नीचे ए, बी, सी, डी चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपको काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर (दो लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (धन्य म दिए गए नमूने के प्रश्नांक देख लें।) किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांक के लिए आपको सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक प्रत्युत्तर चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की दिधि

परीक्षा सत्र में आपको प्रत्येक एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक से लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक की छोट्टकर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक (जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी) से प्रश्नांक की संख्याएं 1 से 160 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांक के सामने ए, बी, सी, डी चिह्न वाले बुलाकार स्थान छे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांक को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको इस प्रत्युत्तर के प्रकार वाले बुल को वेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे संकेत कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए)

बीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के बुल का काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि :-

1. प्रश्नांक के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० (वेंसिल) (वेंसिल) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी नहीं करनी चाहिए जिससे वह फट जाए या उन्हीं मोड़ व मिलजुट आदि पड़ जाए या खराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचने ही अपना स्थान चहूँ करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी भी परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर-पत्र निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा सत्र के बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस विनियम का उल्लंघन करने पर कड़ा सजा दिया जाएगा।

5. आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा, आपको कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कूटबद्ध में भरना होगा। इसके बारे में आपके पास अनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजे जाएंगे।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांक के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का सख्ता पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच० बी० वेंसिल, एक रबर, एक वेंसिल शार्पेनर और जीखी या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक कित्त बॉर्ड या हाई बॉर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लावे हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। पाठने पर कच्चे काम के लिए आपको अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

(क) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने से बाध निरीक्षण आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षण आपको प्रश्न पुस्तिका देंगे। प्रश्न पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अथवा, उसे भराववाली है। प्रश्न पुस्तिका को खोलने से पहले उसके पृष्ठों पर अपना अनुक्रमिक लिखें। आपको प्रश्न पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक परीक्षक ऐसा करने से लिए न कहें।

(ख) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षा का उद्देश्य आपको गति की अपेक्षा कुशलता को खींचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। सम्मुख में सात भाग जितनी जल्दी काम कर सकते हैं करें, पर जापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मान्य पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के एक सामान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपको द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। नकल उत्तरों से लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

(ग) परीक्षा का समापन

जैसे ही परीक्षक आपको लिखाई बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप जाने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक निरीक्षक आपके पास जाकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुओं के तालों और आपको द्वारा छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्रक तथा कच्चे कार्ड का कागज परीक्षा भवन में वापस ले जाने की अनुमति नहीं है।

सूने के प्रश्नों (प्रश्न)

(नोट—*सही/सबोतम उत्तर विकल्प को निर्दिष्ट करता है)।

1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊँचाई पर पर्यवर्तियों के दाब तथा ताप से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त छड़ाव होता है :-

- (a) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से कम होता है।
- * (b) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अग्रस्थानी तथा वाहरी तिराजों पर दाब समान होता है।
- (d) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब के अनुक्रम घटता बढ़ता है।

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal election.

- (a) exactly known.
- (b) only those registered
- (c) very large.
- * (d) largest so far.

3. (हिन्दी)

चरखर में वृत्तों का हड़ना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है ?

- * (a) वृद्धि नियंत्रण द्वारा डिफ़ाय
- (b) दूर-दूर पीछे लगाना
- (c) सभी पक्ष में पीछे लगाना
- (d) पीछे-पीछे आगों पर पीछे लगाना

4. (रसायन विज्ञान)

H_3VO_4 का एतहाइड्रट निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- * (d) V_2O_5

5. जर्मनशास्त्र

अम का एकाधिकारी कोषन निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- * (a) सीमान्त राजस्व उत्पाद के मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हो।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त सीमांत उत्पाद के बराबर हो।

6. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समाक रेखा को अपेक्षित वैरायटुतांक 8 के वैरायटुतांक के समुचित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संघटन वेग बढ़ता है तो सावध में संघटन का वेग क्या होता ?

- (a) $3C$
- (b) C
- * (c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (यू-विज्ञान)

बेसाल में प्लेजियोक्लेस क्या होता है ?

- (a) बालिगोक्लेस
- * (b) सैबेडोरोइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एभासोइट

8. (गणित)

$\frac{d^2y}{dx^2}$ से गुजरने वाला और $\frac{dy}{dx}$ से O छीकरने को

संगत रखने वाला एक-परिवार निम्नलिखित में से किसके समीकरण है ?

- (a) $y=ax+b$
- (b) $y=ax$
- (c) $y=ac^x+bc^{-x}$
- * (d) $y=ac^x-a$

9. (बीजिकी)

एक वास्तविक अंश $400^\circ K$ $300^\circ K$ तापक्रम के अन्तर्गत कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) $3/4$
- * (b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (सांख्यिकी)

यदि द्विपक्ष विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- (a) 4^2
- * (b) 3
- (c) ∞
- (d) >5

11. (सूचीक)

बनों के अधिकारी पाग की व्यापक समूह का कारण निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहाँ पर जंगल सावनों का विपुल संसार है ।
- (b) बनों की अधिकतर बंशों का जेराई पाग है ।
- (c) यहाँ जेराई बर सम्पदा है ।
- (d) जेराई के अधिकतर जेराई जेराई बरों का है ।

12. भारतीय इतिहास

शासकशास के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) शासकशास के उत्पत्ति काक से की शासकशास के सम्पादिकों की संस्था बहुत अधिक की ।
- (b) शासकशास बहुत अधिक कर्तव्य और शासकशास पूर्व कर्म का ।
- (c) शासकशास के सम्पादिक के शासक शास संबंधी यह कर्म का महत्व कम हो गया ।
- (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विविध बंधनों को नकार करके के संसार विचारित से ।

13. (सूचीक)

निम्नलिखित में से विरोधवादी बंधन समूह की संस्था है ?

- (a) मोर, व्याय, पाकीक, बीमोस
- (b) व्याय, बीमोस, बीम और बीम, पाकीक
- (c) बीम, बीमोस, बीम, पाकीक, बीम
- (d) बीम, बीम, बीमोस, पाकीक

14. (राजनीति विज्ञान)

वृत्तिगत प्रतिनिधित्व का बंधन निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानसभा में प्रतिनिधियों का निर्वाचन ।
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन ।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव ।
- (d) अधिक संख्या द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व ।

15. (समीक्षा)

समय की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को विवर्धित करती है ?

- (a) समय संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- (b) सामाजिक व्यवस्था में स्थिति
- (c) व्यावहारिक अक्षमता
- (d) पश्चात पूर्व अक्षमता

16. (समाजशास्त्र)

भारत में संवैधानीय राज संस्थाओं की विस्थापित की नीति की उपलब्धियाँ हैं ?

- (a) बान सरकार में अधिकारों तथा कर्मजोर बनों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है ।
- (b) सुशासन कम हुई है ।
- (c) अधिक बनों के लोगों को भ्रष्टाचार का लाभ मिला है ।
- (d) बान शासन में विस्थापित का प्रसार हुआ है ।

विस्थापित: — संवैधानीय राज की यह व्यापक रचना चाहिए कि उपर्युक्त बंधनों के प्रभाव (प्रभाव) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह बंधनी नहीं कि व इस परीक्षा की पाठ्यपत्रों के अनुसार है ।

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Shanti Builders
Ring Road
Ajanta Shopping and Textiles Arcade
Surat,

(Transferor)

(2) Smt. Urmitadevi Someshwarali Kabra
C/o. G. M. Kabra
178 P. Box No. 35 Tilak Road
Malagaon (Maharashtra)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1984

Ref. No. P.R.No. 2943Acq.23/II/84-85. —Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 239 Adm. 265 sq. situated at Ring Road-Surat. Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Undersigned on Jan. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

50—286GT/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabad

Date : 3-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th September 1984

Ref. No. G.I.R.No. V-74/Acq.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land with all constructions situated at Manza-Lahartara and Mauza-Phoolwaria, Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 8-3-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Silver Glass Works (P) Ltd. (In Liquidation)
Through its Liquidator, Shri Govind Das Pradhan
Varanasi

(Transferor)

(2) The Varanasi Uprniveshan 'Avas Evam Nirman
Sahkari Samiti Ltd., Varanasi
Through its Secretary, Shri Ramesh Lal Srivastava

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property -- may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Mauza-Lahartara and Mauza Phoolwaria Pargana—Dehat Amanat, Varanasi, admeasuring 3.26 acres together with all the constructions and 26 Coolies quarters and pucca boundary walls on all the four sides and all that descriptions as mentioned in the sale deed No. 13240, registered on 8-3-84 (as per 37G Form) by the Registering Authority, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 5-9-1984.

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1984

G.I.R.No. V-73(Acq.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Land situated at Mauza -Shivpurwa Dehat Amanat Varanasi
nat, Varanasi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer at
Varanasi on 15-1-1984for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property or aforesaid exceeds the apparent consideration
hereof by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shiv Murat
2. Shri Manno
3. Shri Asgar Ali
4. Shri Rajesh Pratap Singh
5. Shri Avadesh Singh
6. Shri Aryind Narain Singh

(Transferor)

- (2) The Varanasi Uppiveshan Avas Evam Nirman
Sahkari Samiti Ltd., Varanasi
- Through Secretary, Shri Roshan Lal Srivastava

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one acre fortyfour decimals, situated at
Mauza-Shivpurwa, Dehat Amanat, Varanasi, registered on
15-1-1984 by the Registering Authority, Varanasi.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, LucknowDate : 6-9-1984.
Local :

FORM ITNS—

(1) Shri Ashok Kumar Tiwari

(Transferor)

(2) Shri Satbir Singh Sehgal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1984

Ref. No. G.I.R.No. S-324(Acq.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. An open piece of land situated at Mahalla-Hathipur Koriyana, Lakhimpur-Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lakhimpur on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open piece of land measuring 1773 sq. ft. situated at Mahalla-Hathipur Koriyana, Lakhimpur-Kheri, registered on 25-1-1984, by the Registering Authority, Lakhimpur, Dist. Kheri.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-9-1984.

Sent:

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Shamshad Ahmad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Khanna Steel Works, Bareilly
Through Partset. Shri Vijai Narain Khanna
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.Ref. No. G.I.R.No. K-135/Acq.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 andbearing No. A double storeyed property situated at Ahata
Deputy Khairuddin, Bareilly(and more fully described in the
schedule annexed hereto),has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bareilly on January, 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed property situated at Ahata Deputy
Khairuddin, Bareilly, area-377.5 sq. yds. registered in January
1984 by the registering authority, Bareilly.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, LucknowNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 6-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Smta. Ishwar Das

2. Shri Ishwar Narain Das

(Transferor)

(2) Smt. Haji Mond. Shanton

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. H-52/Acq. —Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
(Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. A double storied house No. 108/174 situated at Talab
Gangni Sukul, New Model House, Lucknow(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officerat Lucknow on 20-1-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

(EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 108/174 with total land
area measuring 1710 sq. ft. situated at Talab Gangni Sukul,
New Model House, Lucknow, registered on 20-1-1984 by
the registering authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashok Kumar Tiwari

(Transferor)

(2) Smt/ Harinder Mohini Sehgal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1984.

Ref.*No. G.I.R.No. H-51|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot of land situated at Mohalla-Mathipur Koriyana, Lakhimpur-Kheri and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar at Lakhimpur on 25-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 5911 sq. ft. situated at Mohalla-Hathipur Koriyana, Lakhimpur-Kheri, registered on 25-1-1984 by the Registering Authority, Lakhimpur, Distt. Kheri.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-9-1984.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd.,
Halwasiya Conit, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sumittra Devi Agarwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. 23/37EE.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Office Nos. 16 and 17 on the VI floor situated at 11 M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow on 11-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 16 and 17 on the VI floor, measuring 550 sq. ft. on the 'Commerce House' situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under GIR No. 23/37EE/84/Acq. dated 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 5-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, hte 5th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. 22/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Nos. 8 and 15 on the V floor situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered U/S 269AB of the I. T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Lucknow on 11-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

51—286GI/84

(1) M/s. Malwasiya Properties (P) Ltd.,
Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini Prasad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 8 and 15 on the V floor, measuring 550 sq. ft. on the 'Commerce House', situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under GIR No. 22/37EE/Acq. dated 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 5-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq)/2469.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 25-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Man Singh,
Dariya Kumari
W/o Mahaveer Singh
Near Locoshed,
Ratanada,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chenmal, S/o Shri Bheru Bux Surana
63-Alephentgat Street,
Madras-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property, situated at Hemji ka Katla, Jodhpur, and more fully described in the sale registered by the S.R. Jodhpur vide his registration No. 250 dated 25-1-1984.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1984

Ref. No. : Raj./IAC(Acq.)/2470.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.House property situated at Jodhpur
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Jodhpur on 25-1-84for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Man Singh, Kumari Sunita, Smt. Dariya
Kanwar s/o d/o w/o Shri Mahaveersinghji Near
Locoshed Ratnada, Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shri Gautamchand, s/o Shri Chenmal, 63, Alephent-
gate Street, Madras-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Hemji ka Katla, Jodhpur, and
more fully described in the sale deed registered by the S. R.
Jodhpur vide his registration No. 251 dated 25-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-9-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1984

Ref. No : Raj./IAC(Acq.)/2471.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 25-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Man Singh, Sunita, Smt. Dariya Kumari s/o w/o Shri Mahaveer Singh, Near Locoshed, Ratnada, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Badan Kanwar, w/o Shri Chenmal, 63, Alephantgate Street, Madras-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Hemji ka Katla, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 252 dated 25-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-9-84

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1984

Ref. No. : Raj./IAC(Acq.)/2472.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No.

House property situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering at
Jodhpur on 25-1-84

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

- (1) Shri Mansingh, Sunita, Smt. Dariya Kumari s/o
w/o Shri Mahaveersinghji Near, Locoshed, Ratnada,
Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shri Hesti Mal, s/o Shri Chenmal, 63, Alephentgate
Street, Madras-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Hemji ka Katla, Jodhpur, and
more fully described in the sale deed registered by the S. R.
Jodhpur vide registration No. 253 dated 25-1-84.

MOHAN SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-9-84

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. : Raj./IAC (Acq.).2473.—Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 25-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mansingh, Sunita, Smt. Dariya Kumari s/o w/o Shri Mahaveersinghji Near, Locoshed, Ratnada, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Loonkaran, s/o Shri Chenmal, 63, Alephentgate Street, Madras-63. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Hemji ka Katla, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 254 dated 25-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-9-84
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. : Raj|IAC(Acq.)|2474.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 25-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Mansingh, Sunita, Smt. Dariya Kumari s/o w/o Shri Mahaveersinghji Near, Locoshed, Ratnada, Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Prem Lata, w/o Shri Loonkaran, 63, Alephent-gate Street, Madras-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Hemji ka Katla, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 255 dated 25-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj.IAC(Acq.)/2475.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 72 situated at Jaipur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jaipur on 19-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tirth Das
S/o Shri Bachhumal,
R/o Govind Marg,
Adarsh Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Agarwal
S/o Shri Madhav Behari Garg
707, Jat Ke Kuwa Ka Rasta,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th an divided share of plot No. 72, situated at Taneja Block, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 191 dated 19-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2477.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 325 situated at Jodhpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 7-1-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

52—286GJ/84

- (1) Shrimati Sati Panjabi
W/o Shri Dr. S. K. Pathak,
C-139, Tilak Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

- (2) M/s Kanungo Steels Pvt. Ltd. Hind phase,
Industrial area, Basni,
Jodhpur.
Through Shri Rikhab Chand
S/o Shri Fool Chand Kanungo,
Plot No. 325, Sector A-4,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 325, situated at sector A section 4, masuria, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 769/81 dated 7-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date : 14-9-84

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2478.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. Property Plot No. 115 situated at Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-1-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shrimati Lad Kanwar
W/o Shri Chountmaji Oswal,
Daga Bazar,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Hansa Bhatt
W/o Shri Naresh Kumar Bhatt,
Bagtawaramji Ka Babh,
Laxmi Niwas,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property, Plot No. 115, situated near chir ghar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 19/770 dated 16-1-84,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj.IAC(Acq.)/2479.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property situated at Jodhpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 25-1-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surajraj
S/o Shri Sampatraj Singhvi GPA
Shri Narendra Kumar
S/o Shri Budhamalji,
Jatawas,
Jodhpur at Present Orrisa.

(Transferor)

- (2) Shri Bhopalchand Bhandari
S/o Shri Inderchand Bhandari,
117, Vyas Colony,
Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 164, situated at A-section 4 masuria, Jodhpur. and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 263 dated 25-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2480.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-1-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surajraj
S/o Shri Sampatraj Singhvi, GPA
Shri Narendra Kumar
S/o Shri Budhamalji,
Jatawas,
Jodhpur at persent Orrisa.

(Transferor)

(2) Shri Bhopalchand Bandhari
S/o Shri Inderchand Bhandari,
117, Vyas Colony,
Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on 164, situated at, A-section-4 masuria, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 277 dated 27-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Laxman Goyal, S/o Shri Hikmai Chand, 121-B Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj[1AC(Acq.)]2481.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Bheru Ram S/o Rawat Ram Choudhary, 122-B Shastri Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property plot No. 122-B, situated at Shastri Nagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 223 dated 20-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Laxman Goyal, S/o Shri Hukami Chand
121-B, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Bheru Ram, S/o Shri Rawat Ram
122-B, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXCOMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2482.—Whereas, I MOHAN
SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. House property P. 122 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 25-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Plot No. 122, situated at Shastri Nagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 248 dated 25-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM I.T.N.S.

- (1) Shri Poonam Chand, S/o Shri Sampatraj, Oswal,
Tambacoo Bazar, salecha Tent House, Moti
Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shrimati Pani bai, W/o Shri Bhanwerlal and
Shri Dharamchand abeh raj Moti Chowk,
Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj|IAC(Acq.)|2484.—Whereas, I MOHAN
SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. House Property situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Jodhpur on 18-1-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

House property, situated at Zalim Niwas, Jodhpur and
more fully described in the sale deed registered by the
S.R. Jodhpur, vide registration No. 212 dated 18-1-84.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
said property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following,
namely :—

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2485.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Poonam Chand, S/o Shri Sampatraj, Oswal
Tambacoo Bazar, Salecha Tent House Moti Chowk,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Sayar Chand, S/o Shri Bhanwarlal, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Zalim Niwas, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 211 dated 18-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-9-84
Seal :

FORM BINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1984

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2486.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 18-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwati Lal, S/o Shri Virdhi Chand, R/o Vill. Bhuwana Teh. Gerwa Distt. Udaipur.
(Transferor)

- (2) 1. Shri Tulsi Ram, S/o Shri Uderam, R/o Nandora
2. Shri Girdhari Lal S/o Shri Pratap ji Regar, Udaipur.
3. Smt. Huls Bai, W/o Shri Ganesh Lalji Mahajan Udaipur.
4. Shri Harish Chandra, S/o Shri Mohan Lal Mandowara, Udaipur.
5. Shri Raj Ram, S/o Shri Kanhaiya Lal Upadhaya, Udaipur.
6. Shri Ganpat Lal Otwal R/o Poola Teh. Girwa.

53—286GI/84

7. Shri Pyarechand s/o Sh. Chhaganlal Mahajan R/o Sindhu Teh. Mawali.
8. Smt. Buzana Kanwar w/o Onkaru Singh R/o Gurdla Teh. Nathdwara.
9. Smt. Padam Kanwar W/o Sh. Nathu Singh R/o Phila Phalasiya.
10. Sh. Shankar Lal S/o Pratapji R/o Fatehpura, Udaipur.
11. Sh. Mangilal s/o Sh. Jagannathji R/o Fatehpura, Udaipur.
12. Sh. Jagannath s/o Udailalji R/o Fatehpura, Udaipur.
13. Smt. Roshan Devi w/o Sh. Ambalalji R/o Fatehpura, Udaipur.
14. Sh. Ram Singh s/o Sh. Hira Singh Rajput R/o Hathipole, Udaipur.
15. Smt. Prabha Devi w/o Sh. Mohit Kumarji R/o Kalashmarg, Udaipur.
16. Sh. Ramesh Kumar s/o Sh. Shankerlal R/o Sindu Teh. Mawali.
17. Smt. Manju Devi w/o Sh. Madanlal R/o Sindu Teh. Mawali.
18. Smt. Prem Devi w/o Sh. Malum Singhji Chondhari, R/o Udaipur Choudhari ki Gall, Udaipur.
19. Sh. Om Prakash s/o Sh. Chhaganlal Mahajan R/o Sindu Teh. Mawali.
20. Sh. Madantal s/o Sh. Chhaganlal R/o Sindu Teh. Mawali.
21. Smt. Sushiladevi w/o Sh. Jagansinghji Doshi
22. Smt. Amba Devi w/o Sh. Geharilal Lakhawat R/o Girwa.
23. Smt. Tara Devi w/o Chunnilalji Sudhar R/o Bhuwana Teh. Girwa.
24. Smt. Khema w/o Sh. Nanaji Dangi R/o Bhuwana Teh. Girwa.
25. Smt. Bai Chandiya w/o Sh. Lalchandji Sharma R/o Udaipur.
26. Sh. Udailal Sh. Retanal s/o Sh. Bhurilalji Sudhar R/o Fatehpura.
27. Sh. Amritlal S/o Sh. Hemrajji Brahmin R/o Bhuwana Teh. Girwa.
28. Sh. Rohanlal s/o Kalulalji Mahajan R/o Bhuwana.
29. Sh. Basantlal s/o Sh. Mithalalji Sankhla R/o Bhuwana Teh. Girwa.
30. Sh. Mithalal S/o Mohanlalji Harkawat R/o Udaipur.
31. Sh. Madanlal s/o Nathulalji R/o Ghasa Teh. Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, situated at Vill. Bhuwan, Teh. Gerwa Distt. Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 136 dated 18-1-84.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-9-84

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Bhanu Karsondas Thakar & 5 others.
(Transferor)(2) Shri S. R. Dodal.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/AR.III/2437/37.G./84-85.—Whereas,
I, A. PRASADbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.No. Plot No. 33, of Private Scheme Jagdusha Nagare Rifle
Range, G. Libar Rd. Ghatkopar (W), Bombay-86.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 24-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in res-
pect of any income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein ~~are~~
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering
Officer Bombay vide serial 37EE/S-1928 83-84 dt. 24-1-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Judavji Narshi

(Transferor)

(2) Shri V. R. Sharma & others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. ARIV/37EEA.R.III/37.G/2431/84-85.—Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Piece of land S. No. 91 H. No. 1(part), CTS No. 286 Village Devnar (and more fully described in the schedule annexed hereto), and the agreement if registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 11-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Office Bombay vide serial S. 2870/80/83-84 dt. 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dat : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) E. H. Kathawala & Co.

(Transferor)

(2) M/s. V. R. Sharma & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2435/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land bearing H. No. 3 (part), CTS No. 366 (part), CTS No. 288 at village Deonar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 11-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Authority Bombay vide serial No. 2884/80 dated 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vej bai Hirji Gala & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. V. R. Sharma and Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2432/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Free hold land at Village Deonar Survey No. 91, Hissa No.1
Part and CTS No. 290 Village Deonar, Govandi, Bombay,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
Bombay on 11-1-1984

and the agreement is registered under sec. 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or others assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering
Officer Bombay vide serial S.488/81/83-84 dated 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 14-9-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Asian Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vaibhay Ind. P. C. S. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III[37G]2439/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3 bearing survey No. 35, (P) Hissa No. 1 and survey No. 100 at Village Govandi Devnar, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide serial No. 3465/72 dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Maniben T. Shidpada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Shri Kishanlal Lalaramji Kardid.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2476.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land bearing CTS No. Chembur, Bombay-71 Roo, No. 111/16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office has been transferred and the agreement if registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 10-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Authority Bombay vide serial 1805/81 dated 10-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Solebbay Mulla Jiwaji,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narayan D. Bhosle.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/2433/37G/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Land at Chembur sub distt. Bandra survey No. 56 Hissa No.
6, part, Chembur, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
Bombay on 18-1-1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering
Officer Bombay vide serial S. 1440/76 dated 18-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dhanji Padamshi,

(Transferor)

(2) V. P. Sharma & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2441/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Village Borla, S. No. 40 H. No. 3 (part), CTS No. 366, (Part).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 11-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from, the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial No. S. 2912/80 dated 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 14-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kunverji Khimji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. R. Sharma & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2436/84-85.—Whereas, I, **A. PRASAD**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B/37/410 R. C. C. Colony, Chembur, vacant land at Village Borla, S. No. 40, Hissa No. 3 (p), CTS No. 366 (Part), Chembur, Bombay-74, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The, terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial S. 2869/80 dated 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Thakarsai Hirji.

(Transferor)

(2) V. R. Sharma & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2440/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Plot bearing S. No. 91, H. No. 1 and CTS No. 285 Village
Deonar.(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
Bombay on 11-1-1984.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Register
Officer Bombay vide serial Uo. S. 2883/80 dated 11-1-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Raghavji Namhi.

(Transferor)

(2) V. R. Sharma & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2420/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 40 H. No. 3 (part) & CTS No. 366 (p) at Village Berla, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 11-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial S. 2885/80/83-84 dated 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Khimji Hirji.

(Transferor)

(2) V. R. Shamra & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2438/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land bearing S. No. CTS No. 291, H. No. 1 (part), Village Deonar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial S. 259/81 dated 11-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Sharad T. Bhawe.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Hosiarchand Dhariwal & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.III/37G/2444/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 109 and 111, Survey No. 7(p) and CTS No. 8 & 9 Tirandaz in Gandhi Nagar, Kanjur Marg, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial No. S762/79 dt. 21-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Nalini S. Rane.

(Transferor)

(2) Shri D. M. Khakhar & Ora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37G/2453/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 55-F, T. P. S. No. I, CTS No. 308, Jaijawan Lane Off. Daftary Road, Malad (E), Bombay-400 064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial No. AR.III/37G/2215/83-84 dated 2-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rayment Donthi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Daniel D'Souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR,III/37G/2512/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in land in village valnia near Malad Taluka Borivli, survey No. 8 Hissa No. 1/8 and CTS No. 85, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial No. 2412/83-84 dated 13-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. A.R.I/37EE/510/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 10, Gr. floor, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Bombay- 21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Tulsiani Builders & Textile Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Deepak Setia
S/o Madanmohan Setia
Mr. Subhash Arora
S/o Sitaram Arora
Mrs. Madhu Kukar
W/o Vikas Kukar
Miss Nisha Arora
D/o Subhash Arora
Miss Nina Kukar
D/o Narindermohan Kukar

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 10, Gr. fl. Tulsiani Chambers, Plot No. 212, Block III, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.I/37EE/1128/83-84, dated 2-1-1984.

A. LAHIRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

55—286GJ/84

Date : 11-9-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/891/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Block No. 24 & 25, Shree Madhu Indl. Estate Ltd., Pandu-
rang Budhkar Marg, Worli, Bombay-400 018.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 10-1-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Nalin Mehta and Zaverilal G. Mehta
of Jupiter Acro Novelties.

(Transferor)

- (2) Master Shashi A. Kalro,
through Natural Guardian
Shri A. S. Kalre.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 24 & 25, Shree Madhu Industrial Estate Ltd.,
Pandurang Budhkar Marg, Worli, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1277/83-84 dated
10-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM I/NS

(1) Smt. Abeda A. Rajan

(Transferor)

(2) Shri Kamruddin R. Vishram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/940/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 201, 2nd fl. Shirin Manzil, Mazagaon, Bombay-10.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-1-1984

J.S.R.I./Salem (Document No. 74/84) on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Shirin Manzil, 2nd floor, 18/24, St. Mary's Road, Mazagaon, Bombay-400 010.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1279/83-84, dated 10-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.1/37EE/942/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 203, Shirin Manzil, 18/24 St. Mary's Road, Mazgaon Rd. Bombay-400 010, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Mr. Kamrudin Rahimtulla Vishram (Transferor)
(2) Mr. Moizbhai Shaikh M. Hajoori. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Shirin Manzil, 18/24, St. Mary's Road, Mazgaon Road, Bombay-400 010.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1/37EE/1280/83-84, dated 10-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SECTION
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1058/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. 1443, Bldg. 53, MIG, Adarsh Nagar, Worli,
Bombay-25.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredunder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officerat Bombay on 11-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Mr. Bharat Jethalal Dave
(Transferor)
- (2) Mr. Sunil Satyapal Thakur
Mr. Girish Satyapal Thakur
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)
- (4) MIG Adarsh Nagar CHSL
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1443, Bldg. 57, MIG, Adarsh Nagar, Worli,
Bombay-25.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1257/83-84, dated
11-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM FINS

(1) Shri Hastimukhlal M Joballa

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shreyas Kantilal Jhaveri
Smt. Purna Shreyas Jhaveri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I[37EE]1155[83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 109-B, Building, Chandralok B Bldg Co-op. Hsg.
Society, 12, Manav Mandir Rd. Bombay-6.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 11-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of the notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 109, B Building, Chandralok Building, Co-op.
Housing Society, 12, Manav Mandir Road, Bombay-400 006.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.I[37EE]1283[83-84, dated
11-1-1984.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayDate : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1253/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 227, A to Z Indl. Estate, G. K. Marg, Bombay-13 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Padma H Dasvani (Transferor)
(2) M/s. Hydrolin Plastik Pvt. Ltd. (Transferee)
(3) M/s. Hydrolin Plastik Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 227, A to Z Industrial Estate, 2nd floor, Lower Parcel, Bombay-13.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1519/83-84, dated 30-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Nassim Area Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gulam Kadar M. Killedar
Smt. Khadijabai M. I. Killedar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref: No. AR.I/37EE/1301/84-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 2, A Wing, 6th floor, Meena Bldg., Mather Pakhadi Road, Mazagaon, Bombay-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, A Wing, 6th floor, Meena Bldg., Mather Pakhadi Road, Mazgaon, Bombay-10.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1128/83-84, dated 9-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EF/1308/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, 1st floor, Dariya Mahal Bldg. No. 3, 80, Nepeansea Road, Bombay-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

56—286GI/84

- (1) Kishore Jayantilal Shah (Transferor)
(2) Mukesh Kanaiyalal Shah
Mrs. Ilupa Mukesh Shah (Transferee)
(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, Dariya Mahal Building No. 3, 80, Nepeansea Road, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EF/1285/83-84, dated 11-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Zenith Electronics

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maneklal R. Dalia
Shri Rajnikant M. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1430/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Office Premises No. 541, 5th fl. Panchratna Co-op. Premises Ltd., Opera House, Bombay-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 541, 5th floor, 'Panchratna' Co-op. Premises Ltd., Opera House, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1388/83-84, dated 11-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1599/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 101, Banganga Anurag Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 9,
Banganga Road, Bombay-6.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 2-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Dilip Natvarlal Shah
Smt. Padmaben N. Shah
Pramod N. Shah and
Nitin N. Shah
(Transferors)
- (2) Shri Jagdish Amratlal Shah
Mrs. Sharmistha Jagdish Shah
(Transferee)
- (3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Banganga Anurag Co-op. Housing Soc.
Ltd., 9, Banganga Road, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1572/83-84, dated
2-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1608/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Godown (Shop No. 3, Gr. floor) Fountain Chambers, 1-C Nanabhai Lane, Bombay-23, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Champsi Noga
(Transferor)
(2) Shri Bhachu Raghu Patel
(Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Godown (Shop No. 3, Gr. floor) Fountain Chambers, 1-C, Nanabhai Lane, Bombay-23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1352/83-84, dated 2-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) Dr. Narendra S. Sharma
Dr. (Mrs.) Piyush Narendra Sharma (Transferor)
- (2) Mr. Chandrakant Shantilal (Transferee)
- (3) Mr. Chandrakant Shantilal
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1615/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 36, 3rd floor, A-1 Co-op. Housing Soc. Ltd., 270, Walkeshwar Road, Malabar Hill, Bombay-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 36, 3rd floor, A-1 Co-op. Housing Soc. Ltd., 270, Walkeshwar Road, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1629/83-84, dated 2-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984.

Ref. No. AR-I/37EE/1616/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 5 on the ground fl. New Navyug CHSL, 10/18 Old Hanuman Lane, Bombay-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declared by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mahasukhlal K. Kamdar (HUF)
Mahatrat J. Shah (HUF) (Transferor)
- (2) M/s. Aryan Pharma (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 on the ground floor of New Navyug Co-op. Hsg. Society Ltd, 10-18, Old Hanuman Lane, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1630/83-84 dated 21-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rammiva Phaled

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Dayal Hawari
Shri Mohamed Subhi Ahmed Survi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I.

BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37FE/1629/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 9, Gr. fl. 'C' Block, Dhanraj Mill Compound, Lower Parcel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 9 on the ground floor, C Block, Dhanraj Mill Compound, Sun Mill Lane, Lower Parcel, Bombay-400 013.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37FE/1635/83-85, dated 2-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1984

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1636/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office Premises No. 2D, Court Chambers, New Marine Lines, Bombay-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Miss Deval K. Shah.

(Transferor)

(2) Mr. Shirish R. Shah, HUF.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 2D, 2nd floor, Court Chambers, New Marine Lines, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1639/83-84, dated 2-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayDate : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1639/83-84—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3, Ground floor, D wing, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (West) Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the I. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|---------------------------------|--|
| (1) M/s Veena Beena Enterprises | (Transferor) |
| (2) Mr. Parbhakar Hari Berde | (Transferee) |
| (3) M/s Veena Beena Enterprises | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, D-Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (West) Bombay-15.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1642/83-84, dated 2-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 15-9-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) Sushma Shiromani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jagdish U Joshi
Mrs. Nayana Joshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1641/83-84—Whereas, I,
A. LAHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Happy House, Sonapur Lane, Bombay-400025 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, and shall have the same meaning given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Happy House, Sonapur Lane, Bombay-400025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1644/83-84, dated 2-1-1984.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Offset Award

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kailas S. Savant & Associates.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE 1642/83-84—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office Premises No. 3, 10th floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-21.

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 3, 10th floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1645/83-84, dated 2-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.1/37EE/1660/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. F/303, 3rd floor in Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the I.T.I. Act 1961 in the office of the Registering officer at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Veena Beena Enterprises
(Transferor)
- (2) Shri Gordhandas S Garodia
(Transferee)
- (3) Shri Narendra G Negandhi
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Narendra G Negandhi
(Person whom the undersigned to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F/303, 3rd floor in Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1/37EE/1652/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s Veena Beena Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gordandas S Garodia

(Transferee)

(3) Shri Hashmukh H Gandhi

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Hashmukh H Gandhi

(Person whom the undersigned to
be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.J[37EE]1661[85-84—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 302, 3rd floor in Wing 'F' Veena Beena Apart-
ments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of
the Registering Officer
at Bombay on 5-1-1984
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor in Wing 'F', Veena Beena Apart-
ments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.J[37EE]1653[83-84, dated
5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1662/83-84—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 301 on 3rd floor in Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (West) Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Veena Beena Enterprises
(Transferor)
- (2) Shri Gordhandas S Gardin
(Transferee)
- (3) Shri Manuprasad Mistry
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Maruprasad Mistry.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor in Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1654/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Veena Beena Enterprises (Transferor)
 (2) Shri Gordhandas S Garodia (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1663/83-84—Whereas, I, **A. LAHIRI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Flat No. 106, 1st floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (3) Shri Nanuram Sharma (Person in occupation of the property)
 (4) Shri Nanuram Sharma (Person whom the undersigned to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1655/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Bombay.

Date : 12-9-1984
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1668/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 605, 6th floor in Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15 (und more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Veena Beena Enterprises (Transferor)
(2) Shri Gordhandas S Garodia (Transferee)
(3) Shri Nitin N Ved (Person in occupation of the property)
(4) Shri Nitin N Ved. (Person whom the undersigned to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1658/83-84, date 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Veena Beena Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gordhandas S Garodia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

(3) Shri Mavji S Wadher

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Mavji S Wadher

(Person whom the undersigned to
be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.I[37EE]1669[83-84]—Whereas, I,
A. LAHIRI,
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 102, 1st floor in Wing 'F', Veena Beena Apart-
ments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 5-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
58—286GI/84

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Wing 'F', Veena Beena Apart-
ments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay, 15.
The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.I[37EE]1659[83-84; dated
5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1670/83-84—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/d Veena Beena Enterprises (Transferor)
(2) Shri Gordhandas Garodia (Transferee)
(3) Shri Haribhai V Patel (Person in occupation of the property)
(4) Shri Haribhai V Patel (Person whom the undersigned to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 1st floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1660/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE.1671/83-84—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 602, 6th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------------|--|
| (1) M/s Veena Beena Enterprises | (Transferor) |
| (2) Shri Gordhandas S Garodia | (Transferee) |
| (3) Shri Pratap Mavji | (Person in occupation of the property) |
| (4) Shri Pratap Mavji | (Person whom the undersigned to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1671/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1672/83-84—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 601, 6th floor in Wing F, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------------|--|
| (1) M/s Veena Beena Enterprises | (Transferor) |
| (2) Shri Gordhandas S Garodia | (Transferee) |
| (3) Shri Vallabhdas M Hhakar | (Person in occupation of the property) |
| (4) Shri Vallabhdas M Thakkar | (Person whom the undersigned to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor in Wing F, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.I/37EE/1662/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1637/83-84—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 506, 5th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15 (and morefully described in the schedule annexure hereto) the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) M/s Veena Beena Enterprises (Transferor)
- (2) Shri Gordhandas S Garodia (Transferee)
- (3) Shri Vijay Gordhandas Bhatia (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Vijay G Bhaua

(Person whom the undersigned to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th floor, Wing 'F', in Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1663/83-84 dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.1/37EE/1674/83-84—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat No. 505, 5th floor in Wing F, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------------|--|
| (1) M/s Veena Beena Enterprises | (Transferor) |
| (2) Shri Gordhandas S Garodia | (Transferee) |
| (3) Shri Laxmidas G Negadhi | (Person in occupation of the property) |
| (4) Shri Laxmidas G Negadhi | (Person whom the undersigned to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505 on 5th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Bhonde Marg, Sest, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1/37EE/1664/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Veena Beena Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Gordhandas S Garodia

(Transferee)

(3) Shri Shaikh Zahiruddin V

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Shaikh Zahiruddin V

(Person whom the undersigned to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1676/83-84—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 504, 5th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37FE/1666/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1677/83-84—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 503, 5th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Veena Beena Enterprises (Transferor)
(2) Shri Gordhandas S Garodia (Transferee)
(3) Shri Gayasuddin B Shaikh (Person in occupation of the property)
(4) Shri Gayasuddin B Shaikh (Person whom the undersigned to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1667/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Veena Beena Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gordhandas S. Garodia

(Transferee)

(3) Shri Kishor B Chhichiya

(Person in occupation of the property)

(3) Shri Kishor B Chhichiya

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR.I[37EE]1678[83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 502, 5th floor in Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502 on 5th floor in Wing 'F' in Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I[37EE]1599[83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
59—286G1/84Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref No. AR.1/37EE/1679/83-84.—Whereas, T. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

Flat No. 501, 5th floor in Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W), Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- (1) M/s Veena Beena Enterprises. (Transferor)
- (2) Shri Gordhandas S. Garodia. (Transferee)
- (3) Shri Sadhashiv Gopal Shetty. (Person in occupation of the property.)
- (4) Shri Sadhashiv Gopal Shetty. (Persons whom the undersigned knows be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Flat No. 501, 5th floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments Acharya Dhonde Marg, Sewri (W), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1/37EE/1600/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1680/83-84.—Whereas, I, L. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 306, 3rd floor, Wing F, Veena Beena Apartments, Acharya Dhondec Marg, Bewri (W), Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|----------------------------------|---|
| (1) M/s Veena Beena Enterprises. | (Transferor) |
| (2) Shri Gordhandas S. Garodia. | (Transferee) |
| (3) Smt. Sabiya Abdul Wahid. | (Person in occupation of the property.) |
| (4) Smt. Sabiya Abdul Wahid. | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor, Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhondec Marg, Sewri West, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1601/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1683/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 5-B, Gr. floor, Firdosh Co-op. Housing Society, 10, Motlibai Street, Near Agripada, Bombay-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gewndoline Enid Hornby.

(Transferor)

(2) Shri I. N. Kayser.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-B, ground floor, Firdosh Co-op. Housing Society, 10, Motlibai Street, near Agripada, Bombay-7.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1604/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1684/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. F/305, 3rd floor in Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W), Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Veena Beena Enterprises. (Transferor)
(2) Shri Gordhandas S. Garodia. (Transferee)
(3) Shri Mahesh Popatlal Thakkar. (Person in occupation of the property.)
(4) Shri Mahesh Popatlal Thakkar. (Person whom the undersigned has to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F/305, 3rd floor in Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W), Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1605/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-9-1984,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I.37EE/1685/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 304, 3rd floor in Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W), Bombay-15 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (1) M/s Veena Beena Enterprises. (Transferor)
- (2) Shri Gordhandas S. Garodia. (Transferee)
- (3) Shri Sunil Kishor Mehta. (Person in occupation of the property.)
- (4) Shri Sunil Kishor Mehta. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor in Wing 'F', Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15.
The Agreement has been registered by the Competent, Bombay under No. AR.I/37EE/1606/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-9-1984.
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I[37EE]1686[83-84.—Whereas, I
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-
vable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing,
Flat No. 606 on 6th floor in Wing 'F' Veena Beena
Apartments, Acharya Dhonde Marg Sewri Bombay-15
(and more fully described in the schedule
annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
and the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 5-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- | | |
|--|--------------|
| (1) M/s Veena Beena Enterprises. | (Transferor) |
| (2) Shri Gordhandas S. Garodia. | (Transferee) |
| (3) Smt. Nirmala Lalji Makwana
(Person in occupation of the property) | |
| (4) Smt. Nirmala Lalji Makwana
(Person whom the under signed knows to be
interested in the property) | |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606 on 6th floor in Wing 'F' in Veena Beena
Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay under No. AR.I[37EE]1607[83-84 dated
5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 11-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EF/1687/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 604, 6th floor, in Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s Veena Beena Enterprises (Transferor)
(2) Shri Gordhandas S Garodia (Transferee)
(3) Shri Balvant Harijal (Person in occupation of the property)
(4) Shri Balvant Harijal (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, West 6th floor in Wing 'F' in Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EF/1608/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM LT.N.S. _____

(1) M/s Veena Beena Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Gordhandas S. Garodia

(Transferee)

(3) Shri Kantilal H Patel

(Person in occupation of the property)

(3) Shri Kantilal H Patel

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th September. 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1688/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 603 on 6th floor in Wing 'F' Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg Sewri Bombay-15

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

60—286GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 on 6th floor in Wing 'F' in Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.I/37EE/1609/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bom

Date : 12-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1694/83-84.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, 4th floor, Padmavati Apartment, Patel Village Bombay-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Padma Development Corporation
(Transferor)
- (2) Mr. Nemchand Khimji Gala
Mrs. Neeta Nemchand Gala
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, Padmavati Apartment, Patel Village Bombay-12.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1614/83-84, dated 5-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Re, No. AR.I/37EE/1697/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat No. 2, 7th floor, "SHIVAM" Teenbati Premises
CSL Doongursi Road, Walkeshwar Bombay-6
has been transferred, under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 10-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mr. Suresh Shantilal Shah
Mrs. Taramti Shantilal Shah
(Transferor)
- (2) Mr. Keshavlal Thakarshi Gandhi
Smt. Jasumati Keshavlal Gandhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 7th floor, 'SHIVAM' Teenbati Premises Co-op
Soc.Ltd., Doongursi Road, Walkeshwar, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1616/83-84, dated
10-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984
Sd/ :

FORM ITNS—

(1) M/s Jasmin Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Ignatious Almelda

(Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1700/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 3, Gr. floor, Creative Ind. Centre, N. M. Joshi Marg, Lower Parel Bombay-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 11-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3, Gr. floor, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72 of J.M. Joshi Marg, Off Lower Parel Division Bombay-11.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1618/83-84, dated 11-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dhanraj Mills Private Limited

(Transferor)

(2) M/s Ghewarchand Gulabchand

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1701/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Gala No. 121 1st floor A-2, Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bombay on 11-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 121 on 1st floor, A-2 Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel Bombay-400013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1619/83-84, dated 11-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Ravi Associates

(Transferor)

(2) M/s ASK Investment Consultants

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1702/83-84.—Whereas, 1. A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office Premises No. 48, 6th floor, Rajgir Chambers, Opp Old Custom House, Fort, Bombay-23, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. 48, 6th Floor, Rajbir Chambers, Opp Old Custom House, Fort, Bombay-23.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1620/83-84, dated 11-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Ashok Commercial Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sadiq Ali Ebrahimji, Nisar Sadiq Ali Liyaqat Sadiq Ali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1703/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat No. 402, 4th floor in G Bldg. of Veena Beena Apts., Acharya Donda Marg, Sewri West, Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor in G Building in Veena Beena Apts., Acharya Donda Marg, Sewri West, Bombay-15.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1453/83-84, dated 12-1-1984.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :—

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
BombayDate : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1709/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. flat No. 11,, 1st floor, Rajat Apartments, Mount Pleasant Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--------------------------|---|
| (1) Suman Saraf. | (Transferor) |
| (2) Mrs. Sharda Newatia. | (Transferee) |
| (3) Suman Saraf. | (Person in occupation of the property) |
| (4) Suman Saraf. | (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Rajat Apartments, Mount Pleasant Road, Malabar Hill, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/December 24/83-84, dated 16-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay
Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. ARI/37EE/1713/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing No. Flat No. 82, Skyscraper 'A' Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Tarabai R. Bhatena.

(Transferor)

(2) M. L. Agarwal, R.B. Agarwal, G. S. Agarwal T. N Agarwal.

(Transferee)

(3) Taraben B. Bhatena.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 82, Skyscraper 'BA' Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARI/37EE/1825/83-84, dated 12-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 14-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1714/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing No. Flat No. 2, 14th floor, SULSA Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Winter Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal :

- (1) Sh. Rajnikant Mafatlal Shah.
(Transferor)
- (2) Smt. Chandonben Maneklal Shah
Sh. Nareshkumar Maneklal Shah
Sh. Mukesh Maneklal Shah.
(Transferor)
- (3) Vendor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 14th floor, 'SULSA' Co-op. Housing Soc. Ltd., Winter Road, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1460/83-84, dated 12-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

- (1) Rasiklal Hiralal Mehta & Sons (HUF).
(Transferor)
- (2) Ardee Seaoil Pvt. Ltd.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.I[37EE]1725[83-84.—Whertas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing No. Office Premises No. 83, Mittal Court C, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. 83, Mittal Court C, Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I[37EE]1767[83-84, dated 12-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1984
Seal ;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref: No. ARI/37EE/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter
being the Competent Authority under Section 269B of
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
bearing No. Flat No. 23, 4th floor, Jai Mahal
Vasant Poornima CHSL, A Road, Churchgate,
Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 12-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transferor,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) Lilavati Mathuradas Chhatrebhuj, (Transferor)
(2) Waman Madhav Apte, (Transferor)
(3) 1. Taramati Manmohan Shah.
2. Kanta Vallabhdas Shah.
3. Nirmala Mathuradas Shah.
4. Vasanti Mathuradas Shah.
5. Saroj Manmohan Shah.
6. Chandrika Manmohan Shah.
7. Usha Manmohan Shah.
8. Jayant Manmohan Shah.
9. Nitin Vallabhdas Mohanlal,
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 4th floor, 'JAI MAHAL' Vasant Poornima
CHSL, A Road, Churchgate, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARI/37EE/1771/83-84, dated
12-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 11-9-1984
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1734/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 14th floor of Sea Lord Apartment 'B' 117, Cuffe Parade, Block V of Churchgate Reclamation, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Suresh Manilal Panchigar
Shri Rohit Manilal Panchigar. (Transferor)
- (2) Smt. Premleeta Roshanlal Agarwal. (Transferor)
- (3) Sh. S. M. Panchigar
Sh. R. M. Panchigar. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 14th floor of Sea-lord Apartment 'B' 117, Cuffe Parade, Block V, Churchgate Reclamation, Bombay. .
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1772/83-84, dated 12-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR-I/371E/1751/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, Jay Mahal Co-op. Housing Soc. Ltd., Churchgate Bombay-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandulal Rayjibhai Pateli (Transferor)
- (2) Shri Chandrakant Popatlal Patel (Transferee)
- (3) Smt Chhaganlal Narsibhai Patel (Person in occupation of the property)
- (4) — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Jay Mahal Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 'A' Road, Churchgate, Bombay-20.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1615/3-84, dated 16-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Build Quick

(Transferor)

(2) Dr. Chandrashekar G. Bharao

(Transferee)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) Shri Mahadeo Shivram Patil
Shri Vithoba Shivram Patil(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR-I[37EE]1765[83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Part 3 of a flat on 2nd floor, Ram Bhuvan, Parsi
Colony, Dadar, Bombay-14(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 23-1-1984for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Part 3 of a flat on the 2nd floor, Ram Bhuvan, Plot No.
772, Tilak Road, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-I[37EE]1703[83-84, dated
23-1-1984.

A. LAHIRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. T. G. Merchant & Co.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Krishna Agencies

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1776/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Room No. 503, 5th floor, Anant Deep Chambers, 273/277 Narsi Natha St. Bombay-9.
(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 23-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 530, 5th floor, Anant Deep Chambers, 273/277, Narsi Natha Street, Bombay-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1704/83-84, dated 23-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Build Quick

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nitin C Dharne.

(Transferee)

(3) Shri Mahadeo Shivram Patil
Shri Vithoba Shivram Patil

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR-I[37EE]1783[83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part No. 3 (a) of a flat on 2nd floor, Ram Bhuvan, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ing persons, namely :—

62-286 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part No. 3(a) of a flat on 2nd floor, Ram Bhuvan, Plot No. 772, Tilak Road, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I[37EE]1669[83-84, dated 25-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Bulld Quick

(Transferor)

(2) Shri Sanjay C Dharno

(Transferee)

(3) Shri Mahadeo Shivram Patil

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1784|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Part No. 3(b) of a flat on 2nd floor, Ram Bhuvan, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part No. 3(b) of a flat on 2nd floor, Ram Bhuvan, Plot No. 772, Tilak Road, Parsi Colony, Dadar, Bombay-400 014.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I|37EE|1670|83-84, dated 25-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref No. AR-I|37EE|1785|83-84.—Whereas, I.

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Part 3(c) of a flat on 2nd floor, Ram Bhuvan, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Build Quick

(Transferor)

(2) Mrs. Vasundhara C Dharao

(Transferee)

(3) Shri Mahadeo Shivram Patil
Shri Vithoba Shivram Patil

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part 3(c) of a flat on 2nd floor, Ram Bhuvan, Plot No. 772, Tilak Roam, Parsi Colony, Dadar Bombay-400 014.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I|37EE|1671|83-84, dated 25-1-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-9-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Kashmirilal Bansal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1786/83-84.—Whereas, I,
A. LAHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 22, 2nd floor, V. K. Natha Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bhulabhai Desai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ashok C. Chokshi, Shri Niranjana C. Chokshi, Shri Ajit C. Chokshi and Shri Mukesh C. Chokshi
(Transferee)

(3) Transferees
(Person in occupation of the property)

(4) Transferees
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, V. K. Natha Co-op. Housing Soc. Ltd., 87, Bhulabhai Desai Road, Bombay-36.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1710/83-84, dated 25-1-1984.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Poonam & Sons Tour Agents Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Santosh Travels and Tours.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1788/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Office No 205, 2nd floor, Tulsiani Chambers, Backbay
Reclamation, Nariman Point, Bombay-21has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 25-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 205, 2nd floor, Tulsiani Chambers, Backbay
Reclamation, Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1672/83-84, dated
25-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1795/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Flat No. 201, 2nd floor, 'Samudra Setu' CHSL, 51-D, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Gobind Kaliandas Darynani
Prop. of M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

- (2) 1. Balkisam B. Maniyar
2. Leeladevi B. Maniyar
3. Nandkishore B. Maniyar
4. Kamal Kishore B. Maniyar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Samudra Setu' Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 51-D, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/1674/83-84, dated 25-1-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Venus Leather Goods Mfgs.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Hi-Fashions

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1801/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 249, 2nd floor in B Bldg., Kewal Indl. Estate, Senapati Bapat Marg, Bombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 249, 2nd floor in B Building, Kewal Indl. Estate, Senapati Bapat Marg, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-I/37EE/1441/83-84, dated 25-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Premrata R. Agarwal

(Transferor)

(2) Mr. Pankaj S. Sanghvi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1805|83-84—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Flat No. 105, 1st floor, D Block of Simla House, CHSL, 51-B, L Jagmohandas Road, Bombay-400 036 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor of 'D' Block, Simla House, CHSL, 51-B, L Jagmohandas Road, Bombay-36.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I|37EE|1445|83-84, dated 25-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Raj Vohra

(Transferor)

(2) M/s. R. M. Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR-I[37EE]1808[83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5, Nav-Neelam CHSL, Worli, Bombay-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-1-1984 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

63-286 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Nav-Neelam Co-op. Housing Society Ltd., Worli Bombay-18.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I[37EE]1678[83-84, dated 25-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR-I/37EE/2491/83-84.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 2, 5th floor 'URVASHI' Building Kapadwala Chawl Prabhadevi Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Everest Builders.
(Transferor)
- (2) Mrs. Kishori Shashikumar Salkar
Sashikumar Pandurang Salkar
(Transferee)
- (3) 'EVEREST' Builders
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 5th floor 'URVASHI' Building Kapadwala Chawl Prabhadevi Bombay-25.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under AR-II/37EE/4040/83-84 dated 9-1-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Kirit Jamnadas Mehta

(Transferor)

(2) Mr. Ganpat Tukaram Bandodkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR-I|37EE|4243|83-84.—Whereas I
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 11/A Sheetal Chhaya Plot No. 351 TPS IV S. K. Bole Road, Dadar, Bombay-28 (and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11/A, Sheetal Chhaya; Plot No. 351 TPS IV, Off Dr. S. K. Bole Road, Dadar, Bombay-28.

The Agreement has been registered by the Competent Authority; Bombay under No. AR-II|37EE|4063|83-84 dated 9-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/5004/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot bearing No. 53A of Gamdevi Estate, C.S. No. 7-A/492 of Malabar and Cumballa Hill Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hansagauri Laxmidas Punjwani
(Transferor)
- (2) Kamlesh Chhotalal Shah, Manojkumar Chhotalal Shah, Shishir Chhotalal Shah & Rahul Chhotalal Shah
(Transferee)
- (3) 1. Mahavir Corporation
2. A. T. Pawar,
3. F. J. Vakil
4. D. G. Parekh
5. H. B. Gandhi & M. B. Gandhi
6. S. M. Bagani,
7. C. K. Shah and A. C. Shah
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 730/82 and registered on 17/1/1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shrimati Shantabai Vallabhdas,
Vijaysingh Vallabhdas
Ravindra Vallabhdas

(Transferor)

(2) Nirmalkumar Mohanlal Mehta
Kokilaben Nirmalkumar Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/5015/83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land bearing C.S. No. 1213 of Fort Division, alongwith building standing thereon, situate at Mody Bay Tropical Estate, adm. 356 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1233/80 and registered on 24-1-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Conwood Const. Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Saroj Jatwala (Gupta) & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref.No. AR.III/37EE/5888/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Shop at Village Dindhoshi/Chincholi, Gokul Dham, Survey
No. 34, Hissa No. 2, Borivli Taluka Goregaon (F), Bom-
bay-63, situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the
Competent Authority, at Bombay on 27-1-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fairmarket value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor,
and/or

THE SCHEDULE

Shop at Gokul Dham Survey No. 34, Hissa No. 2 (part)
Survey No. 35, of Dindhoshi, Chincholi, Borivli Taluka
Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/5888 83-84
dated 27-1-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to following
persons, namely :—

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. N. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Issac John.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.II[37EE]5662[84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Saurabh, Apartments, Flat No. B-203, 2nd fl. Nahur Village Rd. Mulund West, Bombay-80, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 27-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Saurabh Apartments, Flat No. B-203, 2nd fl. Nahur Village, Road, Mulund, West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.II[37EE]5662[83-84 dated 27-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-9-1984.
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Seshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Chand Agarwal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6244/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 207, 2nd fl. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad(W), Bombay-64, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 27-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, Second, fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6244/83-84 dated 27-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS -----

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. V. Verghese.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6247/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- andbearing N 1 third of Ajit Park, Somwar Babar Rd,
Malad (W), Bombay-400 064(the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
Competent Authority, at Bombay on 27-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

64-286 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, third floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road,
Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR-III/37EE/6247/83-84
dated 27-1-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh N. Adwani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR/III/37EE/6245/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 209, Second Fl. Ajit Park, Somwar Bazar, Road, Malad (W), Bombay-400 064, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority, at Bombay on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 209, Second fl. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR/III/37EE/6245/83-84 dated 27-1-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Salvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6246/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 9, Gr. Fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-64, situated at (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at Bombay, on 2/-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Gr. Fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III/37EE/6246/83-84 dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rekha Hemant Satare

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6248/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 202, Second fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 27-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Second fl. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III/37EE/6248/83-84 dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-9-1984.
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s Morris D'Zousa & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Chandrashekhar Kotian

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 15th September 1984

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.Ref. No. AR.III/37EE/5655/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the competent authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingS. No. 332, H. No. 5A (part) CTS Nos. 5049/A & 5049/B,
Kalina, Koli Kalyan, Taluka, Andheri, Bombay.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the
Competent Authority at Bombay, on 27-1-1984.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 332, H. No. 5A (Part) CTS Nos. 5049/A &
5049/B, Kalina Koli Kalyan Taluka, Andheri, Bombay.The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/5655/83-84
dated 27-1-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Yashodabai
K. Bagtani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandrikaben
S. Dave.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/5650/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rajawadi Co-op Hsg. Sct. Vidyavihar (ES), Bombay-77 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 27-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Rajawadi Co-op. Hsg. Sct Vidyavihar (E), Bombay-77.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/5650/83-84 dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri D. D. Haldavnekar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. G. Kamath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/5657/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 17, 2nd fl. Jayadeep Co-op. Hsg. Sct. Ltd. 16, Golibar Marg, Ghatkopar, (W), Bombay-86, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 27-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, Second fl. Jaldeep Co-op. Hsg. Sct. Ltd 16, Golibar Marg, Ghatkopar, (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/5657/83-84 dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1984;
Seal:

FORM ITNS—

- (1) M/s. Shab Investment Co.
(Transferee)
- (2) Shri Bhaichandbhai U. Patel.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6249/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 42, Ground Fl. at Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (E), Bombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 27-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 42, Ground Fl. Laxminarayan Shopping Centre, Podar Rd. Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6249/83-84 dated 27-1-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri O. B. Pereira

(Transferor)

(2) Shri M. J. Fernandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/5651/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 99, Kanjur Plot Owners Co-op. Sct. Bhandup (E) Bombay, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay, on 27-1-1984, Competent Authority at Bombay, on 27-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

65-286 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 99, Kanjur Plotowners Co-op. Sct. Bhandup (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. AR.III/37EE/5651/83-84 dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting. Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. R. Panths Vaidyn

(Transferor)

(2) Shri Shankarlal Singhee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/5893/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing L. 2/6, Laxmi Ramana C.H.S. Bangur Nagar, Goregaon West, Bombay-90, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L/2/6 Laxmi Ramana C.H.S., Bangur Nagar, Goregaon (W) Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/5893/83-84 dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-9-1984
Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri M. K. Rambhiya

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Gangji Savla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6264/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 60, Gr. Fl. Malax Natraj Market Hsg. Sct. Ltd. S. V. Rd. Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-
— exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 60, Gr. Fl. Malax Natraj Market Hsg. Sct. S. V. Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6264 83-84 dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bor

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Koshi Varghese

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Inulal Shah and Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/5660/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat in Swagat Bldg. Gr. Fl. Flat No. 15, plot No. 181 Garodia Nagar, Ghatkopar, (E), Bombay-77, situated at (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Flat No. 15, plot No. 181, Swagat Bldg. Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/5660/83-84 dated 27-1-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-9-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mrs. Pratibha D. Varma and
Mr. V. D. Udaysing

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kiritkumar Chimanlal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.Ref. No. AR.IV/37EE/3599.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.at No. 22 (6), ground floor, Shiv Sagar Apartment Bldg.
18, Poisar Magathan, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent
authority, Bombay on 16-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 22 (6) ground floor, Shiv Sagar Apartment Bldg.
A/18, Poisar, Magathan S. V. Road, Borivli (W), Bombay.The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3599/83-84
dated 16-1-84.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—Date : 12-9-1984
Sent :

FORM ITNS

(1) M/s. Giriraj Construction Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. Mukesh Lalji Pandya and
Pushpaben Lalji Pandya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/7/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. 2, Ground floor, 'E' Wing, "Raj-Kishore" Bldg., Vil-
lage Kandivali, Meurin Street, M. G. Road, Kandivali (W),
Bombay-67,(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent
Authority at Bombay on 23-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, 'E' Wing "Raj-Kishore" Bldg.
Village Kandivali, Meurin Street, M.G. Road, Kandivli
(West), Bombay-67.The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/7/83-84 dated
23-1-84.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayDate : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

- (1) M/s. Mankoo Builders & Contractors
(Transferor)
- (2) Shri Navnitlal Thakordas Shah
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.IV/37EE/3515/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor, "Gyan Darshan" Bldg., Plot bearing No. CTS No. 328, Village Malad at S.V.P. Road, Kandivali (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 24-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, "Gyan Darshan" Bldg., on plot bearing No. CTS No. 328, Village Malad at S.V.P. Road, Kandivali (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3515/83-84 d.t 24-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-situated at Sanichari Padav, Bilaspur persons, namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3314/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 44, 3rd floor, Shivam Building, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivali (West), Bombay-67, situated at Kandivali (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) M/s. Rallaxmi Construction Co. (Transferor)
- (2) Shri P. A. Gandhi, & Smt. N. P. Gandhi (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44, 3rd floor, Shivam Building, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivali (W), Bombay-400 067.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3314/83-84 dt. 13-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Unique Development Corpn.

(Transferor)

(2) Kamal Kishore C. Rathil

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.IV/37EE/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, second floor, Neelam Apartment under construction on land at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, Neelam Apartment under construction on land at Kandivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.II/37EE/3374/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
66-286 GI/84

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Unique Development Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. Jaiprakash T. Lahoti

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.I/37EE/3375/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, 2nd floor Neelam Apartment, under construction on land at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Neelam Apartment under construction on land at Kandivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3375/83-84 dt. 9-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Unique Development Corpn.

(Transferor)

(2) C. E. Warriar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3376/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 5, 1st floor, Neelam Apartment, under construction on land at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 9-1-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Neelam Apartment under construction on land at Kandivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3376/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. R. K. Shrivastav
C/o R. N. Shrivastav. (Transferor)
- (2) Shri Mohamed Hussain. (Transferee)
- (3) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9626/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1, Bldg. No. 1, Plot No. 12 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Flat No. 1, Ground floor, of Building No. 1 on Plot No. 12 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9626/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM LT.N.S.———

(1) Shri Dr. A. V. Bhatt

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. A. N. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBOY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3317/84-85. Whereas, I,
A. PRASADbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. D/4, Hum-Sub Co-op. Hsg. Scty Ltd. 72-D, Shankar
Lane, Kandivli (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 13-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

D/4, Hum-Sub-Co-op. Hsg. Scty Ltd. 72-D, Shankar Lane,
Kandivli (W), Bombay.The agreement has been registered with the Competent Au-
thority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3307 83-84
dt. 13-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

Date : 13-9-1984
Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

FORM ITNS—

(1) Smt. Ramadevi R. Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. J. H. Doshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBOY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3307/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. D-104, Rajkishore, M.G. Road, Kandivli (W),
Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 6-1-84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. D-104, Raj Kishore, M. G. Road, Kandivli (W),
Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3307/83
dt. 6-1-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay.

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV[37EE[3303]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-203, 2nd floor, Arvind Bldg., Kamal Apartments, Sankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) office of the registering officer at Bombay on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following, namely :—

(1) Mr. Arun Chimanlal Saughvi (Transferor)

(2) Mr. Jaykumar Managaldas Mehta, (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-203 flat, 2nd floor, Arvind Bldg. Kamal Apartments, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV[37EE[3303]83-84 dt. 7-1-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay.

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBOY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/4116/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 412 D-Wing, Smarudhdhi Shopping Centre, M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 10-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lakpatrai Aggarwal

(Transferor)

(2) Shri Hemant Vrajlal Dhanki

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, D-Wing 'Smarudhdhi Shopping Centre, M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4116/83-84 dt. 10-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay.

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Hema K. Mandawewala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sura Sangeetaben
Pankajkumar & P. H. Sura

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE IV, BOMBOY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3319/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 17, 1st floor, Dattani Gram Bldg. No. 1, Plot bearing C.T.S. No. 1319 & 1321 at Mathuradas Rd. Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 1st floor Dattani Gram Bldg No. 1, C.T.S. No. 1319 & 1321 at Mathuradas Rd, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3319/83-84 dt. 13-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
67-286 G184

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM 11NS

(1) M/s. Alankar Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. Associated Pneumatic Corpn.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3370/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. 54 of 'C' Wing on Ground floor at Balaji Heavy Industrial Estate bearing survey No. 19 (Part) & 16 (Part) at Hanuman Nagar, Akurli Village at Kandivli (Est), Bombay-400067, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 54 of 'C' Wing on Ground floor at Balaji Heavy Industrial Estate bearing No. Survey No. 19 (Part) & 16 (Part) at Hanuman Nagar, Akurli Village, Kandivli East, Bombay-400067.

*The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3370/83-84 dt. 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay.

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBOY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV[37EE]3330/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Shop No. 9, Ground floor, Shiv Darshan on Plot No. bear-
ing CTS No. 366 at S.V. Road, Kandivli (West), Bombay-67
situated at Kandivli (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 9-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- | | |
|-------------------------------|---|
| (1) M/s. Excel Builders | (Transferor) |
| (2) Kakubhai Narandas Unadkat | (Transferee) |
| (3) Transferor | (Person in occupation of the
Property) |

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground floor, Shiv Darshan on Plot bearing
No. CTS No. 366 at S.V.P. Road, Kandivli (West), Bombay-
400067.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. ARIV[37EF]3330 83-84
dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range IV, Bombay.

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY,

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3513/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, "Gyan Darshan" Bldg. on plot bearing CTS No. 328, Village Malad, S.V.P. Road, Kandivali (W), Bombay-67. Situated at Kandivali (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mankoo Builders & Contractors (Transferor)
- (2) Smt. Kumudben N. Shah (Transferee)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, "Gyan Darshan" Bldg. on plot bearing CTS No. 328 village Malad, S.V.P. Road, Kandivali (Wesa, Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3513 83-84 dt. 24-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Pravinchandra Devka-randas shah
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Javaben Hiralal Sheth &
Shri Hiralal Bhogilal Sheth.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY,

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3316/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. C-202, 2nd floor, "Raj-Kishore" Bldg., Kandivali Village, Meurin Street, M.G. Road, Kandivli (Wst), Bombay-67.

situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on 18-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-202, 2nd floor, "Raj-Kishore" Bldg., Kandivali Village, Meurin Street, M.G. Road, Kandivali (West) Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3316/83-84 dt. 18-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sharda B. Podar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kirti D. Badani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3315/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat No. D-101, 1st floor, "Raj-Kishore" Building, C.T.S. No.
1065, Kandivli Village, Meurin Street, M. G. Road, Kandivli
(W), Bombay-67,
situated at Taluka-Borivali
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 13-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. D-101, 1st floor, "Raj-Kishore" Building, C.T.S. No.
1065, Kandivli Village, Meurin Street, M. G. Road, Kandivli
(W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3324/83-84
dated 13-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12- 9-1984
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3331/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 403, 2-D Paras Nagar, Shankar Lane, Kandivli Bombay-67,

situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pragnya Ram.

(Transferor)

(2) Shri Gunvantrai B. Pareesh &

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 2-D Paras Nagar, Shankar Lane, Kandivli Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3331/83-84 dated 17-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 12- 9-1984

Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Manko Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pratima Vinod Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3514/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 502, 5th floor, "Gyan Darshan" Building, Plot bearing CTS No. 328, Village Malad at S.V.P. Road, Kandivli (West), Bombay-67,

situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, "Gyan Darshan" Building, Plot bearing CTS No. 328, Village Malad at S.V.P. Road, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3514/83-84 dated 24-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 12- 9-1984
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

(1) Mr. Shantilal Amratlal Modi

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dwarkadas Kantilal Shah. &
Shri Pradeep Kantilal Shah.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/3334/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A2, Ground floor, Bhurabhai Arogya Bhavan Trust, Mody Nagar, Adarsh Co-op. Hsg. Society, Mathuradas Road, Kandivlec (W), Bombay-67 situated at Kandivali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

68-286 GI/84

THE SCHEDULE

Flat No. A2, Ground floor, Bhurabhai Arogya Bhavan Trust, Mody Nagar Adarsh Co-op. Hsg. Society, Mathuradas Road, Kandivali (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE.3334/83-84 dt. 2-1-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3326/84-85. Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 24, 2nd floor, Shivam Building, S.V. Road, Fatehbaug Kandivli (West) situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rajlaxmi Construction Co. (Transferor)
- (2) Shri Shah Bababhai Madhavjee. (Transferee)
- (3) Transferor and Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, Shivam Bldg., S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3326/83-84 dt. 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3339/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Flat No. 103, 1st floor, "Gyan Amrit" Bldg., Modi Road, Kandivali (West), Bombay-67 situated at Kandivali (W). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. M. N. Construction Co. (Transferor)
(2) Smt. Kalpanaben Rajnikant Shah. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, "Gyan Amrit" Bldg., Modi Road, Kandivali (West), Bombay-400 067.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3339/83-84 dt. 20-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3426/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 106, on First floor, at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi, Dahisar (West), Bombay-68 situated at Dahisar (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, of the registering officer Bombay on 14-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Messrs. Shekhar Development Corpn. (Transferor)
(2) Shri Arun Ramchandra Purohit (Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

(4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, on First floor, at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi, Dahisar (West), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3426/83-84 dt. 14-1-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-9-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3425/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No.

Flat No. 307 on 3rd floor, at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi, Dahisar (West), Bombay-68, situated at Dahisar (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Messrs. Shekhar Development Corpn. (Transferor)
(2) Mrs. Meena Chetan Laad. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)
(4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307 on 3rd floor, at 'Shekhar Nagar', Pereira Wadi, Dahisar (West), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3425/83-84 dt. 2-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-9-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/4048/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 13, on 2nd floor, Shantikishan Apartment No. 1 Wamanrao Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramchandra Narayan Modak. (Transferor)
(2) 1. Shri Ajay J. Doshi &
2. Smt. Naina C. Doshi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, on 2nd floor Shantikishan Apartment No. 1, Wamanrao Sawant Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4048/83-84 dt. 28-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3434/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 10 Ground floor, of Shankar Nagar, W.S. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068 situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prabhavati Gorakhnath Mishra: (Transferor)
(2) Shri Krishnakumar Jamunadas Unadkat. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, of Shankar Nagar, W.S. Road, Dahisar (East), Bombay-400 068.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3434/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. S. Vindi Builders P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. R. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/4041/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 7, on ground floor, 'G' Bldg., Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Rd., Dahisar (E) Bombay-68 situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, G. Bldg., Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E) Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4041/83-84 dt. 23-1-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

(1) Space Builders Pvt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. D. A. Barnis & Master N. D. Barnis.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 14th September 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;Ref. No. AR.IV/37EE/3794/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 61/62/10 of Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the agreement registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 61/62/10 of Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3794/83-dated 20-1-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
69-286 GI/84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

84 dated 20-1-1984.
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.IV/37FE/3421/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 5, Ground Floor, Building B, Anand Nagar, Dahisar (E), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Happy Home Housing Agency.

(Transferor)

(2) Mr. D. D. Barnis &
Mrs. S. D. Barnis.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground Floor, Building B, Anand Nagar,
Dahisar (E).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 14-9-1984
Seal ;

FORM ITNS

(1) Space Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Devi
Shri H. S. J. Dubey
& Master V. J. Dubey

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3798/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop No. A-1/A-2/5, Anand Nagar, Shivaji Marg
Dahisar (E)
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred
and the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,
at Bombay on 19-1-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and for

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A-1-A 2/5, Chhatrapati Shivaji Marg, Anand
Nagar, Dahisar

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3798/83-84
date 19-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. Viridi Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

(2) Smt. N. Damji Hingh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3810/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Shop No. 2, G-Building, Ground Floor, Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E).

Bombay on 13-1-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range Pune on Jan., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2, G-Building, Ground Floor, Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3810/83-84 dated 13-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 5th September 1984

Ref. No. AR.IV/37G/44/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot No. 16/324TPS-III, Survey No. 25 (Part), Borivli,
Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Bombay on 21-1-1984
as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) M/s. Laxmi Builders.
(Transferor)
(2) Somnath Darshan Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferee)
(3) 1. Mr. Krishnan Mnisseri Venkateswara Iyer.
2. Mr. Dalvi Vasant Gangaram.
3. Mr. Javkar Shrikant Sahadeo.
4. Mr. Pandya Marutkumar Lalitkumar,
5. Mr. Maiya Shrinivas Mahabala.
6. Mr. Godbole Dattatraya Yadneshwar.
7. Mr. Risbood Suresh Gandadhar.
8. Mr. Shah Chandrakant Prashiwandas.
9. Mr. Parekh Mahashchandra Dwarkadas.
10. Smt. Desai Shailaja Shashikant.
11. Shri Jani Anantkumar Kantilal
12. Mr. Desai Dinesh Sumantra.
13. Mr. Mangeshkar Jayant Vasantrao.
14. Mr. Baokar Shrikrishna Bhaurao.
15. Mr. Purohit Shankarlal Bhagirath.
16. Mr. Picardo Alex, and
17. Mr. Kanubhai B. Pandya.
(Person in Occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Scheduled mentioned in the Registered No. S. 3040/81 and
Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 21-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kamla Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jamnabai C. Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3574/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 607, Girnar Apartment, Plot No. 62, Govind Nagar Off Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 1-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 607, Girnar Apartment, Plot No. 62, Govind Nagar Road Off Mandpeshwar Road Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3574/83-84 dated 1-1-84. (Deemed Registration)

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Trimurti Constructions,

(Transferor)

(2) Mrs. Sulaxmi Sunil Balgi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3560/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 22, 2nd floor 'Rohan Apartment' Survey No. 5 (Pt.) Survey No. 3, Hissa No. 1, Part 4, Nava Gav, Mandpeshwar Road, Borivli (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor 'Rohan Apartment' Survey No. 5 (Pt.) Survey No. 3, Hissa No. 1, Part 4, Nava Gav, Mandpeshwar Road, Borivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.I/V37EE/3560/83-84 dated 1-1-1984. (deemed registration).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITN—

(1) M/s. Kamla Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Shantibai B. Sanghvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3572/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 506, Girnar Apartment, Plot No. 62, Govind Nagar, Off Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-1-84 (deemed registration)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 506, Girnar Apartment, Plot No. 62, Govind Nagar, Off Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3572/83-84 dated 1-1-84. (deemed registration).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1984

Seal:

FORM I.T.N.S.-----

(1) M/s. R. K. Construction Co.

(Transferor)

(2) Jatin H. Parikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EF/3487/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 9, Pratima Building, Siddhi Colony, Borivli (W) Bombay-103.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

70-286'84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Pratima Building, Siddhi Colony, Borivli (W) Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3487/83-84 dated 17-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pradip Kothari.

(Transferor)

(2) M/s. Amar Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/4092/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Industrial Shed No. 13, Jaya Industrial Estate, 3rd Carter Road, Borivli (E), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 23-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 13, Jaya Industrial Estate, 3rd Carter Road, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4092/83-84 dated 23-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV
Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Bhagwant Singh Choudhary.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. R. Surti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE IV,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/4198/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 12-A, Shree Saidarshan Premises Co-op. Hsg. Society (proposed) Rambaug, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 18-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 12-A Shree Saidarshan Premises Co-op. Society (proposed) Rambaug, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4198/83-84, dated 18-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mr. Suresh S. Bachwani. (Transferor)
- (2) Shri Jayant M. Desai. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3575/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 202, Road No. 10, Daulat Nagar, Borivli (E) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Road No. 10, Daulat Nagar, Avanti, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Serial No. ARIV/37EE/3575/83-84, dated 21-1-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Shri B. M. Patel.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/287/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 6, ground Floor Bldg. No. B-2, Rattan Nagar, Scheme, Borivli (E), Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 28-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Block-B-2, Rattan Nagar Scheme Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/287/83-84, dated 28-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV,
Bombay

Date : 12-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3536/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2, Bldg. No. B-6, ground floor, S. No. 222, H. No. 1 to 5, S. No. 228, H. No. 3 and S. No. 229, H. No. 385, C.T.S. No. 1860 Ratan Nagar, S. V. Rd. situated at Borivli (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Param Anand Builders P. Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. Frederick Pinto and Mrs. Helen Pinto. (Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Buldg. B-6, Ground floor S. No. 222, H. Nos. 1 to 5, S. No. 228 Hissa No. 3, and S. No. 229, H. No. 385 C.T.S. Nos. 1860, 1962, 1865, 1866, 1969 and 1870. Ratan Nagar, S. V. Road, Borivli (E), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3536/83-84, dated 27-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Deepak Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Parmeshwar Krishna Bhat Hasmane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2-B, Mayank, Holly Cross Road, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2-B, Mayank, Holy Cross Road, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay-102.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3554/83-84, dated 13-1-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s La'bulde Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pramodini R. Mandrakur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3551/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor, Sweta Apartment, T.P.S. III, F.P. No. 376, Vazira Naka, Off L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Sweta Apartment, T.P.S. III, F. P. No. 376, Vazira Naka, Off L. T. Road, Borivli (W), Bombay 92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3551/83-84, dated 24-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Gosalia & Shah Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Purnima S. Jain & Shri Sushil Jain.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3481/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 204 2nd floor, Ankur Building, Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Ankur Building, Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3481/83-84, dated 16-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

71-286 GI/84

Date: 12-9-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Yasmin Associates,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. C. J. D'souza & Mrs. Helen D'souza,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/4088/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. 101, 1st floor in Bldg. No. 16, Saibaba Nagar,
Borivli (W), Bombay-92(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 28-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the public
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Bldg. No. 16, Saibaba Nagar,
Borivli (W), Bombay-92.The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4088/83-84,
dated 28-1-1984.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3463/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd floor Anand Apartments, City survey No. 302, at Dattapada Road, Borivli (E), Bombay-66, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Eushila Inderchand Sanghvis. (Transferor)
 (2) Smt. U. C. Shah and Smt. Binduben Deepak Kumar Shah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Anand Apartments, land bearing City Survey No. 302, Dattapada Road, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/83-84, dated 17-1-1984.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3598/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, Bldg. A, 3rd floor, Seeta Mahal Co.op. Hsg. Society Ltd. Carter Road No. 5, Boriveli (E3, Bombay-66 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Ashok P. Shah & Mr. Yogen P. Shah.
(Transferor)
- (2) Mrs. B. H. Rayasam & Mr. Hiren Kumar Rayasam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Bldg. A, 3rd floor, Seeta Mahal Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Carter Road, No. 5, Boriveli (E), Bombay-66.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3598/83-84, dated 10-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Zeenath S. Yusuf.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal Cokuldas Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV[37EE]3459/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 110-C, Jai Dena Apartment Plot No. 3, of part of survey No. 81, Hissa No. 26 (part) and S. No. 78 Hissa No. 2, Village Borivli, Chandavarkar Road, Sudawal Lane, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 110-C, Jai Dena Apartment Plot No. 3 of part of Survey No. 81 Hissa No. 26 (part) S. No. 78 Hissa No. 2 S. No. 82 H. No. 2 City survey No. 482 (pt) 484, 488 & 638, Village Borivli, Chandavarkar Road, Sudawala Lane, (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV[37EE]3459/83-84, dated 17-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gokul Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Lalit M. Vyas & Sunil M. Vyas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3537/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingFlat No. 8, 2nd floor, A-Wing Panchvati Bldg., Scheme at
Borivli (W), Bombay-92,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 11-9-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, A-Wing, Panchvati Bldg., Scheme
at Borivli (W), Bombay-92.The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3537/83-84,
dated 7-1-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayDate : 12-9-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Sarman Constructions

(Transferor)

(2) Shri Prabhakar Narva Amin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/3496/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 201, Shefali Villa, I. C. Colony, Road No. 3, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 201, Shefali Villa, I. C. Colony Road No. 3, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3496/83-84, dated 16-1-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. G. Mehta & Shri I. J. Mehta.

(Transferor)

(2) Shri Vasudev S. Asrani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3600/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ridhi Apartment, Flat No. 104, Sai Baba Nagar, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104, Ridhi Apartment, Sai Baba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3600/83-84, dated 10-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kamla Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Moolibai S. Sanghvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3571/84-85. —Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 406, Girnar Apartments, off Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

—286 GI/84.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, Girnar Apartment, Off Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37/3571/83-84, dated 2-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayDate : 11-9-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Bhushan Construction Co. (Transferor)
 (2) Mr. Ashok V. Pathak. (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37FE/3484/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 201 of Gokarn Co-op. Hsg. Society, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-400 082 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, of Gokarn Co-operative Housing Society, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-400 082.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37FE/3484/83-84, dated 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) **Mis. Kamla Enterprises.** (Transferor)
 (2) **Shri Lalitkumar Sukhraj Sanghvi.** (Transferee)
 (3) **Transferee.** (person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3573/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and bearing No.

Flat No. 405, Girnar Apartment, Off. Mandpeshwar Road, Boriveli (West), Bombay-92 situated at Boriveli (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, Girnar Apartment, Off. Mandpeshwar Road, Boriveli (West) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/2573/83-84, dated 1-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-9-1984
Seal:

FORM ITNS

- (1) 1. Patel Parathibhai Chelabhai, and
2. Patel Laljibhai Bhagwanji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Desai Bipinchandra Bhagwanji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984.

Ref. No. ARIV/37EE/3563/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 24(Part), T.P.S. No. 2; Bldg. No. 2, Prem Nagar, Village Eksar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24 (Part), T.P.S. No. 2, Building No. 2, Prem Nagar, Village Eksar, S. V. Road, Borivli (West), Bombay, 400 092.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3563/83-84, dated 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3479/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3, 3rd floor, Chikhal Apartments, 'B', 99, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Majithia Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Preetam Thakur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd floor, Chikhal Apartments 'B', 99, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3479/83-84, dated 17-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Inspecting Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, BombayDate : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) J. V. Doshi & Smt. N. J. Doshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Madusudan B. Bhatt &
Smt. Manchaben R. Bhatt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3593/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No.

Devibinka Co-op. Hsg. Society Ltd. flat No. 8, 11th
floor, Karter Road No. 3, Bhimbhai Desai Compound,
Borivli (E), Bombay-66.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Devibinka Co-op. Hsg. Society Ltd. Flat No. 8, 2nd
floor, Karter Road No. 3, Bhimbhai Desai Compound,
Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3593/83-84
dated 7-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 12-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3602/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. C.S.S. No. 124/1 to 3, S. No. 15 H. No. 1 (Part), 123, 123/I O.P. No. 178, TPS III, F.P.No. 286, Village Eksar, Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sainath Builders (Transferor)
- (2) Ratnakar Patane (Transferee)
- (3) 1. Smt. S. S. Karhedkar 2. Mr. A. R. Kolgaonkar
3. M. S. Mokashi 4. Smt. K. A. Mhatre.
(persons in occupation of the property)
- (4) 1. Shri R. S. Thakur
2. Shri S. S. Thakur
3. A. S. Thakur & family
(persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 15, Hissa No. 1 (part) of Village Eksar, City survey Nos 124, 124/1 to 3 123 and 123/1 of City survey Nos. 124, 124/1 to 3, 123 and 123/1 of city survey Eksar T.P.S. III, F.P. No. 286, Borivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3602/83-84 date 10-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 11-9-1984
Seal;

FORM ITNS

(1) Sanman Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. L. Suvarna

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3494/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 101, Shefali Village I. C. Colony, Road No. 3, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 Shefali Villa I.C. Colony, Road No. 3, Borivli (W), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3494/83-84 - date 16-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay,

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Arun International

(Transferor)

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lakshman Ramesh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3559/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. F/16 Saibaba Dham, 3rd floor, Off S. V. Road Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

73—286 GJ/84.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Saibaba Dham Flat No. F/16, 3rd floor, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3559/83-84 dated 6-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-9-1984

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Arun International

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Test Jevsus &
Mr. Louis Jaysus.

(Transferee)

3. Sellers.

(person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1984

Ref. No. ARIV[37EE]3558[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. F/3, Saibaba Dham, Ground floor, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 7-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. F/3 Saibaba Dham, Ground floor, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV[37EE]3558[83-84] date 7-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1984
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Kundanben F. Tanna

(Transferor)

(2) Shri Suresh J. Gandhi

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3569/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Block No. 603, Raj Bhavan Bldg, 6th floor, L.T. Road Boriveli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 603 Raj Bhavan Bldg, 6th floor L.T. Road, Boriveli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3569/83-84 Dated 7-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Deepak Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. I. Fernandez

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/3455/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 8-A Mayanak, Holly Cross Road, I.C. Colony Borivli (W), Bombay-400103.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 'A' Mayank, Holly Cross Road, I.C. Colony Borivli (W), Bombay-400103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3455/83-84 date 13-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Mahesh J. Patel &
2. Smt. C. M. Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV[37EE]4090[84-85].—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 33, 2nd floor, C.T.S. No. 205 Survey No. 83, Hissa 1-B at Village Poisar Taluka, Boriveli Bombay situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Bombay on 23-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 2nd floor, bldg under construction, C.T.S. No. 205, Survey No. 83, Hissa No. 1-B, Village Poisar Taluka Boriveli, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV[37EE]4090[83-84] dated 23-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Deepak Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rosita Ray Crasto

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANTCOMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3453/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 43, Prembhanu Apt. Plot No. 19-B, I.C. Colony Road, No. 4 I.C. Colony, Borivli(W) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 13-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, Prembhanu Apt. Plot No. 19-B, I.C. Colony Cross Road No. 4, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-400103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3453/83-84 date 13-1-84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gayatri C. Sheney,
(Transferor)(2) Smt. Vimalaben B. Seni,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 203, B-Wing Devendra Apartments, Rakadia Lane S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37FE/3456/83-84 date 21-1-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sayyed & Brother

(Transferor)

(2) Smt Manchahan P. Madia
& Shri Purshottam Madia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3478/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 5, Laxmi Apartment, 2nd floor, Raide Nagar, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, Laxmi Apartment, 2nd floor, Raide Nagar Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3478/83-84 date 7-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Star Enterprises

(Transferor)

(2) Vinayak J. Tarade &
Smt. Priti J. JoshiNOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bhopal, the 28th August 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. ARIV/37EE/4098/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 303 A, Bldg, Star Galaxy Apartments, L.T.
Road Borivli (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer and the agreement is registered
under sec. 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority,
Bombay on 5-1-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to by the parties
has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303-A, A-Bldg, Star Galaxy Apartments, L.T.
Road, Borivli (W), Bombay-92.The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4098/83-84
date 5-1-84A. PRASAD
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

74—255 GI/84

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Harsukh Khetshi Shah

(Transferor)

(2) Shri Bhagvant J. Mathuria
& Shri M. B. Mathuria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1984

Ref. No. AP-IV/37EE/3449/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 315 D, 3rd floor, Shailesh Apartment Shailesh Vihar Co-op. Hsg. Socy. Ltd, 170 Mandpeshwar Road, Borivli (W) Bombay-82 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 13-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 315-D, 3rd floor, Shailesh Apartment, Shailesh Vihar Co-op. Hsg. Socy. Ltd., 170 Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3449/83-84 date 13-1-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Narendra R. Samant

(Transferor)

(2) S. S. etkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3567/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 9, 4th floor, Shree Ganesh Apartment, Kastur Park Shimpoli Road Borivli (W), Bombay-92.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 4th floor, Shree Ganesh Apartment, Kastur Park Shimpoli Road Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3567/83-84 date 7-1-84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Bhushan Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahesh G. patilkh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3506/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 102, Gokarn Co-op. Society (proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3506/83-84 date 7-1-84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. P. S. Choudhari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3503/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 403, Gokarn Co-operative Hsg. Society (proposed), Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and, or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Gokarn Co-operative Hsg. Society, (proposed), Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3503/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Ramsagar, R. Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3501/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 003 of Gokarn Co-Op. Hsg. Society (Proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 003, Gokarn Co-op. Hsg. Society (Proposed), Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37FE/3501/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date: 13-9-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mrs. Varsha V. Patil

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3504/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/- and bearing Flat No. 303, Gokarn Co-Op. Hsg. Society (Proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Gokarn Co-Op. Housing Society (proposed), Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-82.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3504/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Bhushan Construction Co. (Transferor)
- (2) Mr. Suresh P. Ambre (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3505/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 302 of Gokarn Co-Op. Hsg. Society (proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-400092 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Gokarn Co. O. Housing Society (Proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3505/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv R. Bharné

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3502/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 301, Gokarn Co-operative Hsg. Society (Proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

75—286 GJ/84.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Gokarn Co-operative Housing Society (proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3502/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3500/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 101, Gokarn Co-op. Hsg. Society (proposed) (Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|-----------------------------------|--|
| (1) M/s. Bhushan Construction Co. | (Transferor) |
| (2) Mrs. Aparna C. Sawant | (Transferee) |
| (3) Transferee | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Gokarn Co-op. Hsg. Society (proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3500/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Bhushan Construction Co. (Transferor)
 (2) Smt. Bhavna M. Bijalani (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3507/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 103, Gokarn Co-op. Hsg. Society (Proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec. 169AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Gokarn Co-operative Hsg. Society (proposed), Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3507/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Motilal H. Patel

(Transferor)

(2) Smt. Vassha, D. Parekh
& Smt. Hema D. Parekh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3568/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Flat No. C-201, 2nd floor, Bldg. C. Star Galaxy Apartments,
L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under sec. 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 6-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-201, 2nd floor, Bldg. No. C Star Galaxy Apart-
ments, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3568/83-84 dt.
6-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s. Arun Interpritional

(Transferor)

(2) Mr. Jasvantra B. Padalia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/4085/84-85.—Whereas,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. D-9, 3rd floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. D-9, Saibaba Dham, 3rd floor, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/4085/83-84 dt. 23-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Jude Construction

(Transferor)

(2) Eusebio Rodrigues

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3508/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd floor, under construction, Plot No. 93, Casa Mariana Bldg. Plot No. 93, Kandarpada Road, Village Mandpeshwar, Borivli (W), Bombay-103, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, bldg. under construction Casa Mariana Bldg., Plot No. 93, Kandarpada Road, Village Mandpeshwar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3508/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Star Builders

(Transferor)

(2) Narendra M. Raval

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3557/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-7, Star Galaxy Apartments, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-7, Star Galaxy Apartments, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3557/83-84 dt. 6-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deepak Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jogeshwarchand Dhadwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. ARIV/37EE/3671/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 11 'B' Wng 'Mayank' Plot No. B-14, Holly Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 30-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 'B' Wing Mayank, Flat No. 13 & 14, Holly Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV/37EE/3671/83-84 dt. 30-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM IT.N.S.—

- (1) M/s. Gubbi Builders
(Transferor)
- (2) Mr. Krishna Vaman Vedak &
Mrs. Suhasini Krishna Vedak
(Transferee)
- (3) Self Occupied.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/3167/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 7, F.P. No. 710, C.S. No. 1568 of Mahim Division,
Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred
and the agreement is registered under sec. 269AB of the
Income-tax Act, 1961, 1961, in the office of the
Competent Authority,
Bombay on 5-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1922 (27 of 1957);

Flat No. 7 of Bldg. on Final Plot No. 710, Cadastral Sur-
vey No. 1568 of Mahim Division at 'G' Ward bearing Street
No. 765, Bombay.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/3167/83-84 dated
5-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

76—286 GI/84.

Date : 14-9-1984

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9663/83-84.—Whereas, I
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 308 in New India Industrial Estate Premises Co. operative Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 093

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishan Lal Khurana (Transferor)
- (2) Shri Mahendra Naranji Thakkar, HUF
by Karta Shri Mahendra Naranji Thakkar. (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 308 in New India Industrial Estate Premises Co-operative Society Ltd., Society Regn. No. BOM/GEN/KE/1556 of '82) Plot No. 33, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 093.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9663/83-84 dated 25-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Alcon

(Transferor)

(2) Empire Industries

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9644/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingIndustrial Unit No. 209-B Tejpal Industrial Estate, Andheri
Kurla Road, Saki Naka, Bombay-400 072(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under sec. 269AB of the
Income-tax Act, 1961, 1961, in the office of the
Competent Authority,
Bombay on 7-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 209-B, Tejpal Industrial Estate Andheri Kurla
Road, Saki Naka, Bombay-400 072.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9644/83-84 dated
7-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th September 1984

Ref. No. AR.IV/37EE/3377/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 11, 3rd floor, Neelam Apartment, land at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Unique Development Corpn. (Transferor)
(2) Mrs. Tressa Punnose George (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Neelam Apartment, under construction on land at Kandivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/3377/83-84 dt. 9-1-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Seal :
Date : 11-9-1984

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4048|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6, 1st floor, Dev Mohan Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 71, TPS VI, Santacruz (West), Bombay-400 054

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|---|---------------|
| (1) Shri Narain Das Bhatia. | Transferor(s) |
| (2) Shri Vinod Kumar Jaichand Bhatt. | Transferee(s) |
| (3) Mrs. Hemlata & Vinodkumar. Bhatt.
(Person in occupation of the property) | |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Dev Mohan Co-operative Housing Society, Plot No. 71, TPS VI, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4048|83-84, dated 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/2963/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2% Share in Right, Title and Interest in the Building under construction at 98-A, Hill Rd., Bandra (W), Bombay-400 050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Master Aseem S. Merchant.

(Transferor)

(2) Mohammad Shafiullah.

(Transferor)

(3) M/s. Hotel Bandra International Private Limited.
(Person in occupation of the property)(4) Shri Shabanali Ismail Merchant and 22 others.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"1/2% Share in Right, Title and Interest in the Building Under Construction at 98-A, Hill Road, Bandra (W), Bombay-400 050".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/2963/83-84, dated 1-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/2964/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 34% share in right, title & interest in Building under construction at 98-A, Hill Road, Bandra (W), Bombay-50 and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Miss Seema S. Merchant.
(Transferor)
- (2) Mr. Mohammad Shafullah.
(Transferee)
- (3) M/s. Hotel Bandra International Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Shabanali Ismail Merchant and 22 Others.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

"34% share in right, title & Interest in the building under construction at 98-A, Hill Road, Bandra (West), Bombay-50".
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/2964/83-84, dated 1-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Dolly Rahim Jassani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/2965/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2% Share in Right, Title & Interest in Building under construction at 98-A, Hill Road, Bandra (W), Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Mohammed Shafiullah.

(Transferee)

(3) M/s. Hotel Bandra International Pvt. Limited.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Shabanali Ismail Merchant and 22 others.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"2% Share in Right, Title and Interest in the Building under construction at 98-A, Hill Road, Bandra (W), Bombay-400 050".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/2965/83-84, dated 1-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-9-1984
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Madras, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/2966/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2% share in Right, Title & interest in Building at 98-A, Hill Road, Bandra (W), Bombay-400050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Zarina S. Merchant.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammad Shafiullah.

(Transferee)

(3) M/s. Hotel Bandra International Private Ltd.
(Person in occupation of the property)

(4) Shri Shabanali Ismail Merchant and 22 others.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"2% share in right, title & interest in Building under construction at 98-A, Hill Road, Bandra (West), Bombay-400 050".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/2966/83-84, dated 1-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II|37EE|2967|83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2% share in Right, Title & interest in Building at 98-A, Hill Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Mr. Gulshan Shamsuddin Jassani. (Transferor)
(2) Mr. Mohammad Shafullah. (Transferee)
(3) M/s. Hotel Bandra International Private Limited. (Person in occupation of the property)
(4) Shri Shabanali Ismail Merchant and 22 others. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

"2% share in right, title & interest in Building under construction at 98-A, Hill Road, Bandra (W), Bombay-50".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|2967|83-84, dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Premchand K. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brijesh Vishindas Guria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3966/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 16, 3rd floor, C-Building, Nandan Co-operative Housing Society Limited, 224, S. V. S. Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Authority at Bombay on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair fifteen per cent of such apparent consideration and that the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 16, 3rd floor, Building-C, Nandan Co-operative Housing Society Limited, 224, S.V.S. Road, Mahim, Bombay-16."

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3966/83-84, dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3970/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. C-16, Nandanvan Co-operative Housing Society Limited, 224, S. V. Savarkar Marg, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent at Bombay on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. K. Shah (Prem Chand K. Shah).
(Transferor)
- (2) Shri Brijesh Vishindas Gurla
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. C-16, Nandanvan Co-operative Housing Society Limited, 224, S. V. Savarkar Marg, Mahim, Bombay-400016.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/3970/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3983/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 203, 2nd floor, Rose Correa Co-operative Housing Society Ltd., Ice Factory Lane, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. Kenneth D'Souza; and
Mrs. Veda D'Souza

(Transferor)

- (2) Dr. Loyola Correa
Miss Thelma D'Sa Tamarisk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Second floor, Rose Mary Correa Co-operative Housing Society Ltd., Ice Factory Lane, Bandra, Bombay-400 050.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/3983/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Jawahar Naraindas Sapru

(Transferor)

(2) Mr. Ravi Kumar Mansaram Khanna

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3988/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. C-8, Neelam Co-operative Housing Society
Ltd., Sitladevi Temple Road, Mahim, Bombay-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fat No. C-8, New Neelam Co-operative Housing Society
Limited, Sitladevi Temple Road, Mahim Bombay-400 016.
The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/3988/83-84 dated
2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Neville Francis Fernandes

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3998/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. D-1, Virendra Byramjee Jeejeebhoy Road, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) 1. Eva Domnica Desylva
2. Edgar Anthony Desylva
3. Nobert Edwin Desylva
4. Edith Magadalene Desylva
5. Ella William Fernandes
6. Elaine Christiane Desylva
7. Esme Andrew Braganza

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-1, Virendra, Byramjee, Jeejeebhoy Road, Bandra, Bombay-400 050

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/3998/83-84 dated 6-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Rama Natvarlal Mistry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs Jayshree Girishkumar Bhatia
Mr. Sharadkumar Vasanji Bhatia

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4000/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B/7, 3rd floor, 'Gangli Vihar' Gangli Vihar Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 281 TPS III, Mugal Lane, Mahim, Bombay-400 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-7, 3rd floor, 'Gangli Vihar', Gangli Vihar Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 281, TPS, III, Mugal Lane, Mahim, Bombay-400 016.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4000/83-84 dated 6-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II|37EE|4006|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 14, Gr. Floor, Ellora Co-operative Housing Society, 4th Road, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

78—286G1|84

- (1) Dr. Prem B. Nichani
(Transferor)
- (2) Smt. Kavita A. Talreja and
Shri Anil A. Talreja
(Transferee)
- (3) -do- (Transferee)
(Person in occupation of the property)
- (4) -do- (Transferee)
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Shop No. 14, Gr. floor, Ellora Co-operative Housing Society, 4th Road Khar, Bombay-52".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|4006|83-84 dated 7th January 1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) SUBJECT CONSTRUCTIONS

(Transferor)

(2) Mr. Acelia Barretto and
Mr. William Jack Barretto

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4009/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Flat No. 102, 1st floor, 'SAMEER' 180, Perry Road,
Opp. Dr. D'Monte Park, Bandra, Bombay-50,
in Bombay on 7-1-84
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 7-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, 'SAMFER' 180 Perry Road, Off
Dr. D'Monte Park, Bandra, Bombay-400-050.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4009/83-84 dated
7-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sheila S. Hingorany

(Transferor)

(2) Shri Ashilkumar Mondal and
Smt. Archana Mondal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4030/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat 201, 2nd floor, Sheetal Chhaya, Sitaladevi Temple
Road, Mahim, Bombay-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 9-1-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Sheetal Chhaya, Sitaladevi Tem-
ple Road, Mahim, Bombay-400 016

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4030/83-84 dated
9-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4038/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Flat No. 104, 1st floor, Asit Apartments, Mt. Mary
Road, Bandra, Bombay-400 050(and more fully described in the scheme annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority

at Bombay on 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—(1) Smt. Karima K. Peshiman and
Shri Khaleel K. Peshiman

(Transferor)

(2) Shri Arnold Farias and
Smt. Kranti Farias

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Asit Apartments, Mt. Mary Road,
Bandra, Bombay-400 050.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4038/83-84 dated
12-1-1984.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, BombayDate : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sunanda S. Patkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Doulatram Gurmukhdas Hinduja
Shri Lachhman Doulatram Hinduja
Shri Vashudev Doulatram Hinduja

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4042/83-84 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 52, 'C' Building, 220/222, Cadell Road, Vaibhav Bombay-400 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 'C' Building, 220/222, Cadell Road, Vaibhav, Bombay-400 016.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4042/83-84 dated 12-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kanhyalal Mohanlal Ghanani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hariram Assanand Patnani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 13th September 1984

Rel. No. AR-II/37EE/4047/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 61, Hari Market, New Seagull Commercial Premises Co-operative Society Ltd., 3rd Road, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 61, Hari Market, New Seagull Commercial Premises Co-operative Society Limited, Plot No. 20, 3rd Road, Khar, Bombay-400 052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4047/83-84 dated 12-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR-II[37EE]4072/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, 2nd floor, 'Sea Queen' bearing CS Nos. C/269 and CS No. C/270 at 48-B, Chimbai Road, Village Danda and Sub-District of Bombay City and Suburban. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abrar Husein Mumtaz Husein (Transferor)
(2) Smt. Jamna Ahmed Motlekar (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)
(4) Shri Vishnu Motiram Chimbai and Others. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, 'Sea Queen' under construction on property bearing CS Nos. C/269 and C/270 at 48-B, Chimbai Road, Village Danda and Sub-District of Bombay City and Suburban.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37EE]4072/83-84 dated 16-1-84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM IT.N.S. ———

(1) Mrs. Mira Roonchand Mansukhani
Dr. (Mrs.) Gul Dinnen Dasgupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meenu Prabhu Butani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4084/83-84 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8/4, 1st floor, The Navjivan Co-operative Housing Society Ltd., 31, Mori Road, Mahim, Bombay-400016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8/4 1st floor, Navjivan Co-operative Housing Society Limited, 31, Mori Road, Mahim, Bombay-400 016

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4084/83-84 dated 16-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-9-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Sanket Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratnakar Vashwant Sohoni

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4093/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, 3rd floor, in proposed bldg. on F.P. No. 1262 (A) T.P.S. IV, Mahim, Bombay-400025 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

79-286C/I/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, in proposed building on F.P. No. 1262(A) T.P.S. IV, Mahim, at Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4093/83-84 dated 17-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Raman Sharma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Damodar Jarappa Shetty
Mrs. Hemavati Damodar Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/4112/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st floor, 'Garen House' Plot No. 689A alongwith the enclosed garage, Vincent De Paul's Co-operative Housing Society Ltd., Khar, Bombay-400 052 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, 'Garden House' standing in plot No. 689A along with the enclosed garage Vincent D'Paule Co-operative Housing Society Ltd., 1st Khar Road, Bombay-400 052

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/4112/83-84 dated 21-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal ;

FORM ITNS

(1) Mrs. Gurubachan Kaur

(Transferor)

(2) M/s International Traders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.31|37EE|4118|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, Nav Sonarballa Co. operative Housing Society at Plot No. 35-36A, Turner Road, Bandra, Bombay 400 050. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in a Building called by Sonarballa Co. operative Housing Society, situated at Plot No. 35-36A, Turner Road, Bandra, Bombay 400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|4118|83-84 dated 23-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4126/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Unit No. 112, 1st floor, Allied Industrial Premises, Mahim, Bombay-400016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Esperance D'Souza

(Transferor)

(2) M/s. Sobhraj Jewellers.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Unit No. 112, 1st floor Allied Industrial Premises, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4126/83-84 dated 24-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4127/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 41, Hari Market, 4th floor 4th Road, Khar, Bombay-52.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay, on 24-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sunder Meghraj Ahuja

(Transferor)

(2) M/s. R. K. Industries.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 41, Hari Market, 4th floor, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4127/83-84 dated 24-1-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. G. S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Wilfred John Pereira and
Mrs. Yvatte Pereira

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4135/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8, Building Rose Petal, Opp. K. C. Hostel, Veronica Road, Bandra, Bombay-400 050. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 25-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Building Rose Petal, Plot No. 12, Opp. K. C. Hostel, Veronica Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4135/83-84. dated 25-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Aloysius Patrick Devas

(Transferor)

(2) Mrs. Tulsa Lachmandas Satyani

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY**

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4147/83-84.—Whereas, I, **LAXMAN DAS**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. G-1, Ground floor, Calvary Apartments, Bandra Calvary Co. op. Housing Society Ltd, Plot No. 662, TPS.III, Dr. Ambedkar Rd., Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. G-1, Ground floor, Calvary Apartments, Bandra Calvary Co. op. Housing Society Ltd., Plot No. 662, TPS III, Dr. Ambedkar Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4147/83-84 dated 27-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4149/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 11, 2nd floor, Mira Nivas, St., Mira Co-op. Hsg. Soc.
Ltd., 15th Road, Khar, Bombay-52,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay, on 27-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Naresh Ramchand Mansharamani
(Transferor)
(2) Dr. Ratan Ghagwandas Datwani and
Mrs. Kamalq Ratan Datwani
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd, floor, Mira Nivas, St. Mira Co-operative
Housing Society Ltd., Plot No. 609, 15th Road, Khar,
Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4149/83-84 dated
27-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984,
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Mr. S. K. Agarwal

(Transferor)

(2) Mrs. Sunita
B. Bhavnani,
Mrs. Bhagwan
K. Bhavnani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4151/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 9, Gokulkunj, Co. op. Housing Society Ltd., Near
Danda, 1st Road, Khar, Bombay-400052.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
Danda, 1st Road, Khar, Bombay-400 052.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 43 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, 1st floor, Gokulkunj Co. operative Housing
Society Ltd., 1st Road, Near Danda, Khar, Bombay-400 052.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4151/83-84 dated
28-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—
80—286GI/84

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Lata Shamlal Sukhija

(Transferor)

(2) Mr. Firoz Rajabali Bhatia
Mrs. Aarti
A. Asrani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4152/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 3, Ground floor, Pribhukunj, Plot Nos. 6/7 Khar, Bombay-400 052, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office of the Competent Authority at Bombay, on 28-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Pribhukunj, Plot Nos. 6/7 Khar Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4152/83-84 dated 28-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Martinha D'Cruz

(Transferor)

(2) M/s. Meera Construction Co.

(3) Mrs. Martinha D'Cruz

Donald D'Cruz

R. Gopalkrishnan

(Person in occupation of the property)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4158/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 127-A, along with structure thereon, TPS-No. III, 29th Road, Bandra (W), Bombay-51.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 28-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 127-A, with structure thereon TPS No. III, 29th Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4158/83-84 dated 28-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4161/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, Ploughshare, Round share Co. operative Housing Society, Mahim Bombay-400 016. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sharmila S. Chaubal (Transferor)
(2) Shri Pradyuman D. Kaul (Transferee)
(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Building 'B' Ploughshare Round Share Co. operative Housing Society Ltd., Sitladevi Temple Road, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4161/83-84 dated 21-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chatrumal Aritmal

(Transferor)

(2) Purshotam C. Manwani and
Manohar C. Manwani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4156/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 4, 1st floor, Sudha Bldg., Plot No. 605, 15th Road,
Khar, Bombay-52.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the
Competent Authority at Bombay, on 28-1-1984.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Sudha Building, Plot No. 605, 15th
Road, Khar, Bombay-52.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4156/83-84 dated
28-1-1984.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Kanwarram Rewachand Mulchandani
(Transferor)
- (2) Shri Sunder Menghraj Ahuja
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4203|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 39, Hari Market, 4th Road, Khar, Bombay-400 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 6-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 39, Hari Market, 4th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No| AR.II|37EE|4203|83-84. dated 6-1-1984.

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jayshree Hasmukh Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suman Bhikabhai Gandhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. 39.II[37EE]11102[83-84].—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 401, Sanjog Apartments Patilwadi, Veer Savarkar Marg, Cadell Road, Mahim, Bombay-400 028, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 28-1-1984, or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 401, Sanjog Apartments, Patilwadi, Veer Savarkar Marg, Cadella Road, Mahim, Bombay-400 028.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-II.37EE[11102[83-84 dated 28-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Beal :

FORM ITNS—

(1) M/s Minoo Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Nanji Sangoi &
Shri Kishore Nanji Sangoi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3315/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 849, Flat No. 3, Ground floor, 'Minoo Apartment' Nanda Patkar Road, Bombay-400 056, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay, on 13-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Groundfloor, ('Minoo Apartment', Nanda Patkar, Road, Vile Parle (East) Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3315/83-84 dated 13-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3965/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 9, Murli, 132, Malaviya Road, Vile Parle (E) Bombay-400 057.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 1-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

81—286 GJ/84.

- (1) Shri Mukhapuza Bhaskar Menon (Transferor)
(2) Shri Prabhakar Atmaram Parulakar (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. Transferee (Person whom the undersigned knows to him transferred in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Murli, Gopal, Co. operative Housing Society Ltd., 132, Balviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/3965/83-84, dated 1-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3971/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Open terrace on the 4th floor, Chandra Mahal, Vile Parle East Div. Final Plot 11 to 14 Mahant Road, Vile Parle (E) Bombay-400 057, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jadvaji Ratanshi Satra.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Rashmibhai C. Shah
2. Shri Vineshkumar R. Shah,
3. Shri Vijaykumar R. Shah,
4. Shri Rupinkumar R. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Open Terrace on the 4th floor of Chandra Mahal Bearing CTS No. 923 of Vile-Parle East, Viv. S. No. H. of the Final Plot 11 to 14, Mahant Road, Vile Parle (East), Bombay-400 051.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3971/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3973/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, Sub-Plot No. 12 of Plot No. 3 S. No. 70 of Juhu & S. No. 287 of Ville Parle & CTS No. 196(P) at Juhu Ville Parle Scheme. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority Bombay on 1-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mohsinbhoy Moonim, Associates. (Transferor)
- (2) Yusuf Haider Khorakhiwala & Mohammedi. Haider Khorakhiwala. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 3rd floor, on Sub-Plot No. 12 of Plot No. 3 S. No. 70 of Juhu & Survey No. 287 of Ville Parle & C.T.S. 196 (Part) at Juhu Ville Parle Scheme.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3973/83-84 dated 1-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shital Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Madhuben I. Sheth &
Dr. Indulal Nandlal Sheth.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3991/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 3, CTS Nos. 98 & 108 Bamanwada Road, Vile Parle (East), Bombay-400 099. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Bombay on 5-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, CTS Nos. 98 & 108, Bamanwada Road, Vile Parle (East), Bombay-400099.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3991/83-84 dated 5-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shital Construction Co.

(Transferor)

(2) Dr. Indulal Nandlal Sheth &
Dr. (Mrs.) Madhuben I. Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/399/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 1 B-2, CTS Nos. 98 and 108, Bamanwada Road, Vile Parle (East), Bombay-40099, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Bombay on 5-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-2, CTS Nos. 98 & 108, Bamanwada Road, Vile Parle (East) Bombay-40099.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/399/83-84 dated 5-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Prajati Corporation. (Transferor)
 (2) M/s. Shroffera. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4005/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 1, on Ground floor, of the bldg. Ratnaji Industrial Estate, situated at C.T.S. 744 (Part), Irla, Gaothan, Vile Parle (W) Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Bombay on 7-1-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, on Ground floor, of the bldg. Ratnaji Industrial Estate, situated at C.T.S. No. 744 (Part) of Irla, Gaothan, Vile Parle (W) Bombay-56.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4005/83-84 dated 7-1-84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Aspee Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri R. Ramchandran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4014/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 102, Nand-Deep, 1st floor, Village Chakala, Tarun Co-op. Housing Society Road, Vileparle (East), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Bombay on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Nand-Deep, 1st floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op. Hsg Society Road, Vileparle (East), Bombay

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4014/83-84 dated 7-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Aspee Construction Co.

(Transferor)

(2) Miss Purni ma B. Mulgaonkar
alias Purnima Sudhir Sambranikar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4015/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat No. 103, Nanda-Deep, first floor, Village Chakala, Tarun
Bharat Co-op. Hsg. Society Road, Vileparle (East), Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 7-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Nand-Deep, First floor, Village Chakala,
Tarun Bharat Co-operative Housing Society Road, Vileparle
(E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Aut-
hority, Bombay under No. AR.II/37EE/4015/83-84 dated
7-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 13-9-1984
Scri

FORM ITNS—

(1) M/s. Aspee Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Hansa Vinod Gandhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4017/83-84. Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 204, Nand-Deep 2nd floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op. Housing Society Road, Vileparle (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

82—286 GJ/84.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Nand-Deep 2nd floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-operative Housing Society Road, Vileparle (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4017/83-84 dated 7-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4018/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 302, Nand-Deep 3rd floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op. Housing Society Road, Vileparle (E), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Aspee Construction Co. (Transferor)
- (2) Mrs. Lily Pereira and Shri Christopher Pereira, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Nand-Deep Third floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-operative Housing Society Road, Vileparle (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4018/83-84 dated 7-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bomb :

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Aspee Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Vithal Laxman Kambli.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4019/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 402, Nand-Deep, 2nd floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op. Housing Society Road, Vileparle (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Nand-Deep 4th floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-operative Housing Society Road, Vileparle (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/ 83-84.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Pistadevi Mohanlal Parekh, and
Mrs. Savadevi Rajmull Parekh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Yashoda Mangesh Yashkar,
Mr. Vitthal Mank Mahale.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4021/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 2, ground floor, Badri Dham Building, Hanuman
Road, Vile Parle (East), Bombay-400057,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 7-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor of Badri Dham Building, F. P.
No. 105, T.P.S., V. Dixit Road, Ext. Vile Parle (East),
Hanuman Road, Vile-Parle (East), Bombay-400 057.

The Agreement has been registered by the Competent Aut-
hority, Bombay under No. AR.II/37EE/4021/83-84 dated
7-1-1984.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4044/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, 1st floor, Shrinath Kutir, Lala Lajpatrai Road, Vile Parle (West), Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arvindkumar Hiralal Patni.
(Transferor)
- (2) Shri Nareshkumar Kantilal Sheth
Smt. Nitaben Nareshkumar Sheth.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Shrinath Kutir, Lala Lajpatrai Road, Vile Parle (West), Bombay-400 056.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4044/83-84 dated 12-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Kanti Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Radhika M. Biwalker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4060/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'A' Wing, Flat No. 303, 3rd floor, Amrit Apartment, Dada-bhai Cross Road No. 3, Vile Parle (West), Bombay-400056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 'A' Wing, 3rd floor, Amrit Apartment, Dada Bhai Cross Road No. 3, Vile Parle (West), Bombay-400 056.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4060/83-84 dated 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ashok Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Navana Piyush Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37FE/4106/83-84.—Whereas I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as, the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingFlat No. 3, 2nd floor, Anupam Apartments, Sarojini exten-
sion Road, Vile Parle (W), Bombay-56(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 20-1-1984,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Anupam Apartments, Sarojini Ex-
tension Road, Vile Parle (West), Bombay-56.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-II/37FE/4106/83-84 dated
20-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Buildarch,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gangabai Kashiram Dabholkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4133/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd floor, Shri Sai Kripa, TPS V, Prarthana Samaj Road, Vile Parle (E), Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Shree Sai-Kripa F. P. No. 59, TPS V, Prarthana Samaj Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FF/4133/83-84 dated 24-1-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Aspee-Construction Co.

(Transferor)

(2) Mahavir Jeweller.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4142/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 2, Nand-deep, Ground floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-operative Housing Society Road, Vile Parle (East), Bombay.

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-1-1984.

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

3—286 GI/84.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Nand-Deep, Ground floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co.op. Hsg. Soc. Road, Vile Parle (East), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4142/83-84 dated 27-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, BombayDate : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Aspee Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ruth Aillen Karkada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4144/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 3, Nand-Deep, Gr. Fl., Village Chakala, Tarun Bharat Co-op. Housing Society, Road, Vile Parle (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Nand-Deep Ground floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op. Housing Society Road, Vile Parle (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4144/83-84 dated 27-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4150|83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing

bearing No. All that piece or parcel of land with structures situate at Irla, Off. Dadabhai Road, Vile Parle (W) bearing CTS No. 843 (1 to 30) 844 (1 to 4)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri J. D. Baptista
2. Shri L. D. Baptista
3. Mrs. E. P. Pereira
4. Mrs. M. M. A. Gomes
5. Shri W. L. Baptista
6. Miss M. L. Baptista
7. Mrs. M. F. Misquitta
8. Mrs. Molly F. Misquitta
9. Mrs. M. D. Kinny
10. Mrs. M. D. Fernandes
11. Shri C. P. Baptista
12. Shri W. P. Baptista
13. Shri B. P. Baptista
14. Shri L. F. Baptista
15. Shri F. H. Baptista
16. Shri N. F. Baptista
17. Mrs. M. J. Pereira
18. Mrs. L. A. Pereira
19. Mrs. G. J. D'Souza
20. Mrs. J. R. Fernandes
21. J. L. Pereira

(Transferor)

- (2) Mr. Manoj M. Garodia

(Transferee)

- (3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land with structures situated at Irla, Off. Dadabhai Road, Vile Parle (West) Bearing C.T.S. No. 843(1 to 30) 844 (1 to 4) in the registration sub-Dist. & Dist. of Bombay City & Bombay Suburban.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|4150|83-84 dated 27-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.

Sent :

FORM ITNS—

(1) Shri Atmaram Keshav Parulekar

(Transferor)

(2) Shri Motiram Nathu Pawar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II37/EE/9662/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 15, Yoga Yog. Co. op. Hsg. Soc. Ltd., P.M. Road, Vile Parle (East) Bombay-400 057.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984.

Competent Authority at Bombay, on 12-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Yoga Yog Co. operative Housing Soc. Ltd., P. M. Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9662/83-84 dated 12-1-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9656/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269b of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 201, 'A' Wing, 2nd floor 'Panchsheel' Mathurdas Vasanji Road; Andheri (East) Bombay-400069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balkisan Mehra Karta of Balkisan Mehra HUF. (Transferor)
- (2) M/s. Universal Corporation. (Transferee)
- (3) M/s. Vinay Construction Co. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 'A' Wing, 2nd floor, 'Panchsheel', Mathurdas Vasanji Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9656/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Noble Construction Company.

(Transferor)

(2) Mr. Ismail Noormohamed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9680.83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 405, HABIB PARK, Opp. Jogeshwari Railway Stn., at Bombay (W) 102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay, on 6-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, HABIB PARK, Opp. Jogeshwari Railway Station (West), Bombay-102.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9680/83-84, dated 5-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Goyal Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) Smt. Jaimati Shashikant Shah and
Shri Shashikant N. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9681/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 203, 2nd floor, C-Wing, MINAL APARTMENTS,
Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering officer at
Competent Authority, at Bombay, on 6-1-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, C-Wing, Minal Apartments, Old
Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9681/83-84 dated
6-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Prafull Hiralal Magia and
Smt. Jayashree Prafull Magia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR-II/37EE/9686/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, 2nd floor, A Wing, Aditya Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Competent Authority at Bombay, on 6-1-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, A-Wing Aditya Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E). Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/9686/83-84 dated 6-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Sd :

FORM ITNS—

(1) Goyal Builders Pvt. Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Navnitkumar Kantilal Shah and
Smt. Ranjaben Navitkumar shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

Ref. No. AR/II 37/9698/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No.203, 2nd floor, A-Wing, Minal Apartments, old
Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred
under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Bombay, on 6-1-1984
for a apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect to any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

84—286 GI/84

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, A-Wing, Minal Apartments, Old
Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR/II/37EE/9698/83-84 dated
6-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parikh Vaz Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Arvindprasad Hublal Shukla and Shri Ravin-
dranath H. Shukla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Bombay, the 13th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR.II[37EE]9732/83-84.—Whereas, I
LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Flat No. 6 1st floor in a building under construction on
Plot S. No. 45, H. No. 13, Bamanpuri Road, Andheri (E),
Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 9-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6, 1st floor, in a building under construction on
Plot No. S. No. 45, H. No. 13, Bamanpuri Road, Andheri
(E), Bombay-59.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II[37FE]973283-84 dated
9-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-9-1984

[Seal] :

FORM ITNS

(1) M/s. Omex Builders & Contractors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajendra Krishnanath Naik

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.II37EE/9738/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said 'Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 5, Gr. floor, Bldg.-B1, Post & Telegraph Co-
operative Housing Society Ltd., Sahar Village, Andheri (E).
Bombay-99
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 9-1-1984
for an apparent consideration and which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Gr. Floor, Bldg. B1, Post & Telegraph Co-
operative Housing Society Limited, Sahar Village, Andheri
(E), Bombay-99.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9738/83-84 dated
9-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Clara Pinto

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9741/83-84.—Whereas, I
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Flat No. 305, 3rd floor, Vidyadani Co.op. Housing Society,
Sahar Village, Andheri (East), Bombay 400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of the—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor, Vidyadani Co-operative Housing
Society, Sahar Village, Andheri (East) Bombay 400 069.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9741/83-84 dated
9-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 13-9-1984 .

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amina Abbas Kapasi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:--OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9805/83-84.—Whereas, I
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. 16, 4th floor, Bldg. No. 4, Bhawani Nagar, Marol
Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay-59.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 9-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhawani
Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9805/83-84 dated
9-1-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, of the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Manahar Ratilal Bagadia & Suresh Ratilal Bagadia
(Transferor)
- (2) Shri Choksi Sunilkumar Sunderlal
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9845/83-84.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 1, Plot No. 3, Pushtikar Co-operative Housing Society Ltd., Patel Estate Road, Jogeshwari (West), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Plot No. 3, Pushtikar Co-operative Housing Society Ltd., Patel Estate Road, Santacruz (West), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9845/83-84 dated 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) President Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shamrao Baburao Malpekar
Shri Ganeshprasad Shamrao Malpekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION- RANGE-II, BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9835/83-84.—Whereas, I
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-
ferred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing
Flat No. 2 at Ground Floor, Pushpeswar Sher-E-Punjab Co-
operative Housing Society Ltd., Mahakali Road, Andheri
(East), Bombay 400 069.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 13-1-1984.

For an apparent Consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, at Ground floor, Pushpeswar Sher-E-Punjab
Co-operative Housing Society Ltd, Mahakali Road, Andheri
(East), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9835/83-84 dated
13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Rokadia Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Hirabai Meghji Sawla and
Shri Manilal Meghji Sawla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9874/83-84.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 62, 6th floor, ROKADIA NIKATAN, Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 62, 6th floor, ROKADIA NIKATAN, CTS No. 141B, S. No. 50, Hissa No. 3F, Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-69".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9874/83-84 dated 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37FF/9871/83-84.—Whereas I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Flat No. 304, 3rd floor, Building-B, (under construction)
S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar
Pakhadi, Andheri (East), Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferredand the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 13-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue for this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

85—286 GI/84.

- (1) Shri J. K. Bhangley,
Shri M. S. Shinde,
Shri V. K. Kadkol,
Shri S. R. Barve,
Promoters Samayukth C. H. S. Ltd.

(Transferor)

- (2) Smt. Naina D. Pathare..

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Bldg.-B, (Under construction)
on Plot S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village
Palkar Pakhadi, Andheri (E), Bombay".

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR. II/37/9871/83-84 dated
13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Shirdhar Rao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9885/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, 2nd floor, Bldg. No. 3, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 2nd floor, Bldg. No. 3, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9885/83-84 dated 26-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-9-1984
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9903/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing Flat No. 103, 1st floor, B-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69, and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 (1908) in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Goyal Builders Pvt. Ltd. (Transferee)
(2) Smt. Maniben Ishwarbhai Patel, and Shri Shankarbhai D. Patel. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, B-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9903/83-84 dated 16-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9904/83-84.—Whereas J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor, C-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Goyal Builders Pvt. Ltd. (Transferee),
(2) Smt. Jamnadevi Abirchand Chhangani and Shri Murl M. Chhangani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, C-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9904/83-84 dated 16-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Sd/ :

FORM ITNS—

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Himatlal Mody.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 13th September 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. II/37EE/9905/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 103, 1st floor, C-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1984

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 103, 1st floor, C-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay No. AR. II/37EE/9905/83-84 dated 16-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9906/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 201, 2nd floor, C-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Gangaram Lad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, C-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9906/83-84 dated 16-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9907/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, A-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Keshavlal Parekh,
Karta of B. K. Parekh, HUF (through
Shri Lipin K. Parekh, CA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, A-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9907/83-84 dated 16-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM No. IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9916/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. 52-A in Satyam Industrial Estate, Second floor Jogeshwari (East), Bombay-60, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Satyam Builders,

(Transferor)

(2) Shri Keshavlal M. Chouhan, and
Smt. Labhuben K. Chouhan,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 52-A in Satyam Industrial Estate, Second floor, at Jogeshwari (East), Bombay-60.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9916/83-84 dated 28-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9926/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 101, first floor, Bldg-B, (under construction) on Plot S. No. 49, H. No. 1B, CTS No. 109, Village Pakhar Pakhadi, Andheri (East), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

86—286 GI/84

- (1) J. K. Bhangley,
M. S. Shinde,
V. K. Kadkal,
S. R. Barve,
Promoters Somayukta C. H. S. Ltd.
(Transferor)
- (2) A. P. Varerkar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Bldg-B, under construction on Plot S. No. 49, Hissa No. 1B, STC No. 109, Village Pakhar Pakhadi, Andheri (East), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9926/83-84 dated 19-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9927/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor, Bldg. B, (under construction) on Plot S. No. 49, H. No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (East), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) J. K. Bhangley,
M. S. Shinde,
V. K. Kadkal,
S. R. Barve,
Promoters Somayukta C. H. S. Ltd. (Transferor) .
(2) Shri V. B. Kadam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Bldg-B (under construction) on Plot No. S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9927/83-84 dated 19-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9928/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 404, 4th floor, Bldg-A, under construction on Plot No. S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (E) Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) J. K. Bhangley,
M. S. Shinde,
V. K. Kadkal,
S. R. Barve,
Promoters Somayukta C. H. S. Ltd.
(Transferor)
- (2) Shri J. J. Danait
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. A (under construction) on Plot No. S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9928/83-84 dated 19-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) J. K. Bhangley,
M. S. Shinde,
V. K. Kadkal,
S. R. Barve,
Promoters Samyukta C. H. S. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. Sunita S. Naik

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9929/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 304-C, Bldg-C, 3rd fl. under construction on Plot
S. No. 49, H. No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi,
Andheri (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay on 19-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 304, Bldg. C, 3rd floor of Building under cons-
truction on Plot S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109,
Village Palkar Pakhadi, Andheri (East), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9929/83-84 dated
19-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II[37EE]9930[83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 208, 2nd floor, Bldg-B (under construction) Plot S. No. 49, H. No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi Andheri (East), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) J. K. Bhangley,
M. S. Shinde,
S. R. Barve,
V. K. Kadkal,
Promoters Samyukta C. H. S. Ltd.

(Transferor)

- (2) Shri M. D. Gawaskar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, 2nd floor, Bldg-B, (under construction), on Plot S. No. 49, Hissa No. 1B CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (East), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]9930[83-84 dated 19-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9931/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th floor, Bldg-B, (building under construction) on Plot No. S. No. 49, H. No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (East), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) J. K. Bhangley,
M. S. Shinde,
V. K. Kadkal,
S. R. Barve,
Promoters Samyukta C. H. S. Ltd. (Transferor)
(2) Shri U. R. Ghate. (Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg-B, under construction on Plot No. S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (East) Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9931/83-84 dated 19-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bhanu R. Nayani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohamad Arif Ahmed Beg and Mr. Roshan Arif Beg.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10320/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 304, 3rd floor Kohinoor Apartment, Bandivali Village, Jogeshwari (W), Bombay-400102 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :— persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 304, 3rd floor, Kohinoor Apartments, C.T.S. No. 184, Bandivali Village Jogeshwari (W), Bombay-400102."

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10320/83-84, dated 23-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Sd :

FORM ITNS—

(1) Shri J. K. Bhangley, M. S. Shinde, V. K. Kadkal,
S. R. Sarve, Promoters Samukta C.H.S. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anjani U. Palekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10329/83-84 —Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 104, 1st floor, Bldg.-A, under construction on Plot
S. No. 49, H. No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi,
Andheri (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 23-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

"Flat No. 104, 1st floor, Bldg.-A, under construction on
Plot No. S. No. 49, H. No. 1B CTS No. 109, Village Palkar
Pakhadi, Andheri (E), Bombay."

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10329/83-84,
dated 23-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. K. Bhangley, M. S. Shinde, V. K. Kadkal,
S. R. Barve, Promoters Samayukta C.H.S. Ltd.
(Transferor)

(2) Shri N. S. Patil.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10330/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 403, 4th floor, Bldg.-B, (under construction) on Plot
S. No. 49, H. No. 1B, CTS No. 109, Palkar Pakhadi Village,
Andheri (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 23-1-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 403, 4th floor, Bldg.-B, under construction, on
Plot S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar
Pakhadi, Andheri (E), Bombay."

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10330/83-84, dated
23-1-1984.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—
87—286 GI/84

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. K. Bhangley, M. S. Shinde, V. K. Kadkal,
S. R. Sarve, Promoters Samayukta C.H.S. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri U. N. Palekar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10331/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 103, 1st floor, Bldg. A, under construction, on plot No. S. No. 49, H. No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of ~~45~~ days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 103, 1st floor, Bldg. A, Under construction, on Plot S. No. 49, Hissa No. 1B, CTS No. 109, Village Palkar Pakhadi, Andheri (East), Bombay."

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10331/83-84, dated 23-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Isabel John George.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/9886/83-84/Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 14 on 3rd floor of building No. 2 on Plot No. 13 in Bhawani Nagar situate at Marol Maroshi Road, Andheri (West), Bombay-400059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. 14, on 3rd floor of Bldg. No. 2 on plot No. 13 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9886/83-84, dated 25-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9806/83-84.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 15 on 4th floor of building No. 1 on plot No. 15 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay 400059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Nath Puri C/o Shree Dwarka Nath Puri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15 on 4th floor of Building No. 1 on Plot No. 15 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9806/83-84 dated 9-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Kum. Pushpa Chandwani (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9628/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 16 on 4th floor of Bldg. No. 3 on Plot No. 14 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; .

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 on 4th floor of Bldg. No. 3 on Plot No. 14 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Bombay 400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9628/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM IITS

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kishor Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9627/83-84.—Whereas, I
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 7 on 2nd floor of building No. 6 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7 on 2nd floor of Building No. 2 on plot No. 6 in Bhawani Nagar, situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9627/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Awinas G. Swar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9883/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 15, Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri(E) Bombay 400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th floor of Building No. 1 on plot No. 14 in Bhawani Nagar situate at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9883/83-84 dated 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Mehra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9877/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 18 on 4th floor of Building No. 1 on Plot No. 13 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18 on 4th floor of Building No. 1 plot No. 13 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9877/83-84 dated 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri D. V. Sankaran

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9884/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 3 on 1st floor of building No. 1 on plot No. 6 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
88—286 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 1st floor of building No. 1 on plot No. 6 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400 059

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9884/83-84 dated 25-1-1984

LAXMAN DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) R. Mendonca &
Lilly Mendonca

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9879/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000] and bearing
Flat No. 11 on 3rd floor of building No. 4 on plot No.
14 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road,
Andheri (East), Bombay 400 059.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 13-1-1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under that said Act
in respect of any income arising from the transfer:
and/or

Flat No. 11 on 3rd floor of building No. 4 on plot No.
14 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road,
Andheri (East), Bombay 400 059.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9879/83-84 dated
13-1-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

Date : 14-9-1984
Seal ;

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

FORM ITNS—

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha G. Pillai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9869/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5 on 1st floor Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 1st floor of building No. 4 on Plot No. 14 in Bhawani Nagar situated at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay 400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9869/83-84 dated 25-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. J. D. Builders (Transferor)
 (2) Amarshi Oghadbhal Patel (Transferee)
 (3) Transferor (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II[37EE]9693/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1 and on 3rd floor of Vidhya Villa No. 3A at 24C/A Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay 400 069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 and on 3rd floor of Vidhya Villa No. 3A at 24C/A Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay 400 069.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II[37EE]9693/83-84 dated 6-1-1984.

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-9-1984
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9731/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN, DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 403 'A' Wing, 4th floor Panchsheel, Mathurdas VasANJI Road, Andheri (East), Bombay 400 069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vinay Construction Co. (India). (Transferor)
- (2) Shri Kuldeep Singh Kohli (Transferee)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403 'A' Wing, 4th floor Panchsheel, Mathurdas VasANJI Road, Andheri (East), Bombay 400 069.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9731/83-84 dated 7-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10554/83-84.—Whereas, I, LAXMAN, DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land with building at Plot No. 18 Santacruz Electronics Export Processing Zone Andheri (Ea.I), Bombay 400 096, (and morefully description in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|----------------------------------|--|
| (1) Mulco Electronics Ltd., | (Transferor) |
| (2) Semcon Electronics Pvt. Ltd. | (Transferee) |
| (3) Transferor | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building at Plot No. 18 Santacruz Electronics Export Proceeding Zone (Seepz) Andheri (East), Bombay 400 096.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10584/83-84 dated 21-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Jamnadas M. Choksi & Associates (Transferor)
 (2) Deepak Chimanlal Thakkar (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4033/83-84.—Whereas, I,
 LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
 able property having a fair market value exceeding
 Rs 25,000/- and bearing No.

Flat No. 901, Jamuna Vihar, Plot CTS No. 549, Juhu Lane,
 Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
 the Competent Authority
 at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen percent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
 as are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 901, Jamuna Vihar, Plot CTS No.549, Juhu
 Lane, Andheri (W), Bombay"

The Agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4033/83-84 dated
 9-1-1984.

LAXMAN DAS
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner
 of Income-tax, Acquisition Range-II,
 Bombay.

Seal :
 Date : 13-9-1984

FORM ITNS—

(1) Shri Arvind P. Parekh

(Transferor)

(2) Shri Devendra M. Thakkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9636/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 14, 1st floor, Sneh Sagar, Golden Tobacco Workers Co. op. Housing Society, 9th N. S. Road, J.V.P.D. Scheme, Andheri (West) Bombay-400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 14, 1st floor, Sneh Sagar, Golden Tobacco Workers Co. operative Housing Society, 9th N. S. Road, J.V.P.D. Scheme, Andheri (West), Bombay 400058.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9636/83-84 dt. 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref No. AR.II/37EE/9639/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 304, 3rd floor, Palm Spring, Plot No. 26, Village Oshiwara, Versova, Andheri Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|--|--------------|
| (1) Oberai Constructions. | (Transferor) |
| (2) Mrs. Sumert Sachdev. | (Transferee) |
| (3) Transferor. | |
| (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) | |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 304, 3rd floor, Palm Spring, Plot No. 26, Village Oshiwara, Versova, Andheri, Bombay."

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9639/83-84 dated 2-1-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 13-9-1984
Sd/-

FORM I.T.N.S.

- (1) Oberoi Constructions. (Transferor)
 (2) Mr. Mauro Stanley Cardoso and Mrs. Leonora Cardoso (Transferee)
 (4) Transferor (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9640/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 504, 5th floor, Palm Spring, Versova, Andheri, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 504, 5th floor, Palm Spring, Plot No. 26, Village Oshiwara, Versova, Andheri, Bombay"

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9640/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner
 of Income-tax, Acquisition Range-II,
 Bombay.

Date: 13-9-1984
 Sent:

FORM ITNS

(1) Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) Amar. Prakash M. Agarwal.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II[37EE]9665[83-84.—Whereas, I.

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Unit Phase A No. 27, Laxmi Industrial Estate, New Linking Road, Oshiwara, Bombay 58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Industrial Unit Phase A No. 27, Laxmi Industrial Estate, New Linking Road, Oshiwara, Bombay 400058."

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]9665[83-84 dated 6-1-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Neelam Builders

(Transferor)

(2) Mr. Inayat Ali Ahmed Khalife

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR II/37EE/9668/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Flat No. 401, Neelam Apartments Machlimar, Near Jeet Nagar, Versova Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 401, Neelam Apartments, Machlimar, Near Jeet Nagar, Versova Road, Andheri (W), Bombay-61.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9668/83-84 dated 5-1-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Omex Builders & Contractors

(Transferor)

(2) Mr. Nagesh Babu Bangera

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9740/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 13, 3rd floor, Triphitak Co-op. Housing Soc. Ltd. Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Flat No. 13, 3rd floor, Triphitak Co-operative Housing Society Ltd., Andheri (W), Bombay-58"

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9740/83-84 dated 9-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sanjeev. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Shubhada Vilas Kulkarni

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September-1984

Ref. No. AR. II/37EE/9827/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. TII-14, 1st floor, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. TII-14, 1st floor, Sanjeev Towers, Behram Baug Oshiwara Village, Andheri, Versova, Bombay."

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9827/83-84 dated 12-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Manish Construction Corporation.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Gopinath Kamath & Pushpa Gopinath Kamath.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9833/83-84.—Whereas, I, **LAXMAN DAS**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 3rd floor, Vrindavan, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 3, 3rd floor, Vrindavan, Plot No. S-2, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9833/83-84, dated 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-9-1984
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. ACME BUILDERS.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajendra Prasad Hannalal Khandelwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9839/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4, ANURADHA-B, 2nd floor, Irla Bridge, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of India, or from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

"Flat No. 4, ANURADHA-B, 2nd floor, S. No. 213-C (Part) CTS No. 477-A, Irla Bridge, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58."

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9839/83-84, dated 13-1-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13-9-1984.

FORM ITNS—

(1) ASIAN CONSTRUCTION COMPANY,
(Transferor)(2) Shri V. K. Sujan,
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9861/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 504-B, 5th floor, LILA APARTMENTS, Yari
Road, Opp. Gulmohar Garden, Versova Andheri (W),
Bombay-61(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of transfer with the object of :—
Bombay on 16-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the said property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of the Competent Authority at(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

"Flat No. 504-B, 5th floor, B-Wing, LILA APARTMENTS,
Yari Road, Opp. Gulmohar Gardens, Versova, Andheri (W),
Bombay-61".(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets, which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9861/83-84, dated
16-1-1984.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
90—286 GI/84Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) OBEROI CONSTRUCTIONS.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Champshi Bhimshi Shah and
Mr. Amritlal Champshi Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR/JI/37FE/10758/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 4, Gr. floor, PALM SPRING, Swami Samarth Prasanna Nagar, Four Bunglow, Versova Andheri (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"SHOP NO. 4, Gr. floor, PALM SPRING, Plot No. 26, Swami Samarth Prasanna Nagar, 4 Bunglow, Versova, Andheri (West), Bombay".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR/JI/37FE/10758/83-84, dated 26-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hiranand C. Rupani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Blossom A. Colaso.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(3) M/s. National Enterprises (Developers & Builders)

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9629/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 2, 1st floor, JUPITAR-I, Versova Cross Road, Off. Four Bunglow, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Flat No. 2, 1st floor, JUPITER-I, CTS No. 1323/6 & 1323/7 (Part), Versova Cross Road, Off. Four Bunglow Andheri (W), Bombay-400 058".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9629/83-84, dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. P. A. Panchal.

(Transferor)

(2) Shri S. M. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9650/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. E-2, Gita Prakash Co-op. Housing Society Ltd., Jai Prakash Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. E-2, Ground Floor, Gita Prakash Co-operative Housing Society Limited, Plot No. 143/2A, Near Four Bungalows Bus Stop Jai Prakash Road, Andheri (W), Bombay-58".

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9650/83-84, dated 1-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 13-9-1984.
Seal:

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September, 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9670/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 303, KAVITA APARTMENTS, CTS 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400061, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Ramesh Lalwani,

(Transferor)

(2) Mr. Ramzanali Fidahussain Jetha and Aliraza Fidahussain Jetha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 303, KAVITA APARTMENTS, CTS 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400 061".

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9670/83-84, dated 5-1-1984.

LAXXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-9-1984.
Seal:

FORM ITNS—

(1) Mr. Ashok H. Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nizam Akbarali Merchant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9671/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 206, KAVITA APARTMENTS, CTS 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 206, KAVITA APARTMENTS, C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-400 061."

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9671/83-84 dated 5-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-9-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9718/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 401, Harishivam Apartments Kapur Buildings,

J.P. Road, Andheri, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Harishivam Builders.

(Transferor)

- (2) Shri Rajeev M. Khandekar and
Shri Manohar N. Khandekar.

(Transferee)

- (3) Smt. Vidyavati Kapur (Trust).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Harishivam Apartments, Kapur Buildings, J.P. Road, Andheri, Bombay-400 058.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9718/83-84 dated 7-1-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II.37EE/9822/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 16, 3rd floor, PARAG, Versova Parag Mansion Co-op. Hsg. Society Ltd., Jai Prakash Road Versova Andheri (W), Bombay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Poran Chand Bali.

(Transferor)

(2) Mr. Murzban Darabshaw Sepoy.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, PARAG, Versova Parag Mansion Co-operative Housing Society Limited, Jaiprakash Road, Versova Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9822/83-84 dated 12-1-1984.

LAXMAN D

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nar Narayan Saraf,

(Transferor)

(2) Shri Anand Chunilal Sheth
Karta Anand Chunilal Sheth HUF.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9847/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 802, 8th floor, Himachal, Juhu Himachal Co-op. Housing Society Limited, Off Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 802, 8th floor, 'HIMACHAL BUILDING' Juhu Himachal Co-operative Housing Society Limited, Off Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9847/83-84, dated 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
91—286GI/84

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sulina S. Ketkar
(Sunit Construction Co.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gladh Brothers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9866/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingShop No. 5, Ground floor, RATNADEEP 27, Ceaser
D. No. Nagar, Andheri (W), Bombay.(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 20-1-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, RATNADEEP, 27, Ceaser Road,
Andheri, Bombay.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9866/83-84, dated
20-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Naisruddin Abdullah.

(Transferor)

(2) Miss Mira A. Tripathi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984.

Ref. No. AR.II/37EE/9913/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 3/48, Juhu Darshan Co-operative Housing Society, D.N. Nagar, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3/48 Juhu Darshan Co-operative Housing Society, D. N. Nagar, Andheri W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/9913/83-84, dated 16-1-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Rooprang Textile.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shahnaz Ali Amirali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10305/83-84—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeds

Rs. 25,000 and bearing
Flat No. 703, 7th floor, KAVITA APARTMENTS, Yari Rd.,
Versova, Bombay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, KAVITA APARTMENTS. CTS
1030, Yari Road, Versova, Bombay-400061.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/1030/83-84, dated
23-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Narendra Kumar Sharma.

(Transferor)

(2) Mr. Yusufali A. Bhimani and
Mrs. Masooma Yusufali Bhimani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10309/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Flat No. 711 and Garage No. 21 (Basement) EVEREST BUILDING, CTS 1116 (Part), Ganga Bhavan, Versova Rd., Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 711 and Garage No. 21 (Basement), Everest Building CTS 1116 (Part), Ganga Bhavan Versova Road, Andheri (W), Bombay-400061.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10309/83-84, dated 23-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10312/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and Entire Terrace excluding Emergency exist above the 1st floor in Veena Industrial Estate, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. P. Royal Corporation. (Transferor)
(2) Mr. Aslam Habib Qureshi,
Mr. Akram Habib Qureshi &
Mr. Ziaul Rehman Qureshi. (Transferee)
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire Terrace Excluding Emergency exit above the 1st floor in Veena Industrial Estate, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10312/83-84, dated 21-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bomba

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10321/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 402, Kohinoor Apartments, Bandivali Village, Jogeshwari (W), Bombay-400102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sumita Singh.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammed Farook Abdul Gani and
Mr. Mohammed Rafiq Abdul Gani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Kohinoor Apartment, CTS No. 184, Bandivali Village, Jogeshwari (W), Bombay 400 102.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/1032/83-84, dated 23-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Anil R. Sakhalkar.

(Transferor)

(2) Chandrakant M. Pathak.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II|37EE|10521|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 606, 6th floor, KAVITA Apartments, Yari Road, Versova Andheri (W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 606, 6th floor, Kavita Apartments, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II|37EE|10521|83-84, dated 28-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar Mehta

(Transferor)

(2) Miss Rajni Kaul.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10534/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1101, 11th floor, Everest Building, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1101, 11th floor, Everest Building Jay Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10534/83-84, dated 24-1-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

92—286GI/84

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Nand N. Karamchandani. (Transferor)
 (2) Smt. Gunwanti T. Mati. (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10548/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Flat No. 12, 1st floor, Sunil Niwas Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 89/90, Jaiprakash Road, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-1-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, Sunil Niwas Co-op Housing Society Ltd., Plot No. 89/90 Jaiprakash Road, Near Four Bungalow, Versova Road, Andheri (West), Bombay-58.
 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10548/83-84, dated 27-1-1984,

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10549/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DASS, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. E-1, Laxmi Industrial Estate Vcera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s. India Electric Poles Mfg. Co. (Transferor)
(2) Smt. Ruksana Ibrahim Vora. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. E-1, Laxmi Industrial Estate, Vcera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10549/83-84 dated 24-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-9-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10550/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DASS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. C-3, Laxmi Industrial Estate Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) India Electric Poles Mfg. Co. (Transferor)
- (2) Mr. Manoharsingh Puhwa. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. C-3, Laxmi Industrial Estate. Veera Desai Andheri, Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10550/83-84, dated 21-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984

Seal :

(Strike off where not applicable)

FORM I.T.N.S.—

(1) Monocast Developers & Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushma Madhukar Dhaparc.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 15th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/10989/83-84.—Whereas, I,
LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 3, 61 Building Silver Anklet Versova, S. No. 9/2/1, CTS No. 1222 Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 3, F. 'Silver Anklet', S. No. 9/2/1, CTS. No. 1262, Yari Road, Versova, Andheri, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10989/83-84, dated 7-1-1984.

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Dubon Project Engineering Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Mr. Shrikant V. Nadkarni.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4002/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DASS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Office No. 2, 5th floor, MADHAVA, Plot No. C/4, E-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Bombay-51 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 2, 5th floor, Madhava, Plot No. C/4, E-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Bombay-400 051.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4002/83-84, dated 7-1-1984.

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1- Madhav United Hotels.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chandrakanta G. Tandon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4094/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. M-208, Madhava, Plot C-4 'E' Block, Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (E), Bombay-400051, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UNIT No. M-280, MADHAVA, Plot C-4, 'E' Block Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (E) Bombay-51.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4294/83-84, dated 17-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. United Builders Constructions (India) Pvt. Ltd.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. N. S. Bhargava & Company.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3963/83-84.—Whereas I
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 508, Balarama, Plot No. C-3, Block 'E', Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (E), Bombay-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

508 Balarama, Plot No. C-3, Block 'E', Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (East), Bombay-400 051.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3963/83-84, dated 1-1-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM LT.N.S.-----

(1) M/s. Govani Builders.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Amarshi Ganatra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3322/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 8, 1st floor 'Amar Kunj' Beasant Street, Santacruz (West), Bombay-400 054 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8, 1st floor, Amar Kunj, Beasant Street, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3322/83-84, dated 3-2-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
93—286GI/84

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3976/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 36, Maharaja Ashok Co-op. Housing Soc. Ltd. Gandhigram Road, Juhu, Bombay-400 049.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Shivangi Pandharipath Kolhapur, a/s M/s. Shivangi Kapoor. (Transferor)
(2) Captain Shashikant. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 36, 3rd Floor, Maharaja Ashok Co-operative Housing Society Ltd., Gandhigram Road, Juhu, Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/3976/83-84, dt. 1-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date 14-9-1984
Seal :

FORM No. I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/3987/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12, 3rd floor, Mayur, 126, TPS-V, Road No. 2 Santacruz (East), Bombay-400055, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. N. Krishna. (Transferor)
- (2) Shri K. Kaunan. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Mayur, 126, TPS. V, Road No. 2, Santacruz (East), Bombay-400055.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/3987/83-84 dated 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Dara Rattonji Mirza and Mrs. Banu * Dara
Mirza

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vazir Glass Works Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3990|83-84.—Whereas, I, LAXMAN
DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 2, 5th floor of Kalunmal Estate, Building 'B' A. B.
Nair Road, Juhu, Bombay 49,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
at Bombay

on 5th January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the 5th floor of Kalunmal Estate, Building
'B', A.B. Nair Road, Juhu, Santacruz (West), Bombay-
400 049.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3990|83-84 dated
5-1-1984.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—LAXMAN DAS
Acquisition Range-II, Bombay.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, BombayDate : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jayant V. Sheth & Smt. Mena V. Sheth.
(Transferor)

(2) Shri Lalit P. Selarka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4053/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat B11, Gangavihar, 20, Podar Road, Santacruz (West) Bombay-400 054.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section, 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer on 13-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat B-11, Gangavihar, 20, Podar Road, Santacruz (West) Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4053/83-84 dated 13-1-1984

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/4064/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Flat No. 12, 2nd floor, Ayodhya, at Plot No. 1-B, T.P.S. III, 6th Road, Santacruz (East), Bombay-400055 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Hansa Kanakrai Kurani & Shri Kanakrai Mohanlal Kurani.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narendrakumar Narsingh Malji Katariya,
2. Shri Arjinkumar Narsingh Malji Katariya,
3. Shri Ashok Kumar Narsingh Malji Katariya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor in the building known as Ayodhya, situated at plot No. 1-B T.P.S. III, 6th Road, Santacruz (East), Bombay-400 055.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/4064/83-84 dt. 16-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay,

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II[37EE]4065[83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 402, 4th floor, Dwarka, Saraswati Road, Off Linking Road, Santacruz (W), Lucknow-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) M/s. Delite Enterprises. (Transferor)
(2) Shri Ram Narayan Sukhidas Kuril and Smt. Kala R. Kuril. Nandlal Dwarkadas Acharya & Othrs. (Transferor)
(4) Shri Nandlal Dwarkadas Acharya & Ors. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th Floor, Dwarka, Plot No. 82/2B, Saraswati Road, Off Linking Road, Santacruz (W), Bombay-54.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II[37EE]4065[83-84, dt. 13-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/4102/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land with structure there with Cottage No.7, on Plot No. 5, S. No. 39, H. No. 2 (Pt); Jahu, Bombay. (Adiabab Estate) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sriram Vasant Nilakanta,
Mrs. Leelavati Nilakanta and
Mrs. Sumedha Nilakanta Bhise. (Transferor)
- (2) Shri Mathuradas Murji of M/s. Mathuradas
Constrn. Pvt. Ltd.
2. Shri S. V. Nilakanta & Smt. Leelavati Nilakanta. (Transferee)
- (3) Shri S. V. Nilakanta & Smt. Leelavati Nilakanta
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferor
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with bungalow and other structure standing on Plot No. 5, Adiabab Estate and Cottage standing thereon, Survey No. 39, Hissa No. 2 (Part) C. S. No. 510/3 Municipal K. Ward No. 9883 (5), Juhu, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4102/83-84 dated 19-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-9-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

(2) Shri Ramji Arjan Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/4104/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 103, share Apartments, Final Plot No. 9-A (Part) T.P.S.I., Phirozshah Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay

on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

286 GI84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Shree Apartments, Final Plot No. 9-A (Part) T.P.S.I., Phirozshah Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4104/83-84 dated 20-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 14-9-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Saumil Premises Co-operative Society Limited.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Rattan Kewalramani
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4117/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7, Saumil Premises Co-operative Society Limited, St. Joseph Avenue, Santacruz (W) Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Saumil Premises Co-operative Society Ltd., Plot No. 64, St. Joseph Avenue, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/4117/83-84, dt. 21-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sanjay Construction & Finance Private Limited
(Transferor)(2) Mr. M. J. Kanal.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II[37EE]4122/83-84.—Whereas, I, LAXMAN
DAS,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Ship No. 7 Alok TPS VI P. M. Road, Khotwadi, Bom-
bay-54(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of
the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent
Authority at Bombay

on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Alok T.P.S. VI, P.M. Road, Plot No. 104/105;
Khotwadi Bombay-54.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]4122/83-84 dated
23-1-1984.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—Date : 13-9-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Niranjana P. Mathew.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Khalid Mohammad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/4123/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Room/Shop No. 2, Dimple Apartment, 131/132, TPS-V, Prabhat Colony Road No. 2, Santacruz (East), Bombay-400055.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room/Shop No. 2 Dimple Apartment, 131/132 TPS V, Prabhat Colony Road No. 2, Near Municipal Office, Santacruz (East), Bombay-400 055.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/4123/83-84, dt. 23-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM IINS

(1) Mr. Aspi N. Nikorawalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manji Kaur Gurbalsingh Arora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/4125/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, Marine End Premises Co-operative Society Ltd., Shop No. 2, No. 45, Jahu Tara Road, Juhu, Bombay-400 049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Plot No. 45, Marine End Premises Co-operative Society Ltd., Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/4125/83-84/ dt. 24-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Madhavdas P. Khanchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ratansi Kathar Gala.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of
the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/4129/83-84.—Whereas, I, LAXMAN
DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, Ground floor, Marble Arch, 153, Central Avenue, Santacruz (West), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- *(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Marble Arch, 153, Central Avenue, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/4129/83-84, dt. 24-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/9739/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 110, Laxminarayan Apartments, Tagore Road, Santacruz, Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :—

- (1) Shri Amarnath Bhargava. (Transferor)
(2) Shri Manmohan T. Bhargava. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 110, Laxminarayan Apartments, Tagore Road, Santacruz, Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/9739/83-84, dt. 9-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 13-9-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1984

Ref. No. AR.II[37G]3595[83-84].—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property bearing C.S. No. 1541 (Pt.) F.P. No. 173, T.P.S. IV, Mahim, at N. C. Kelkar Road, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Abdul Hai Noormohomed.
2. Abdul Aziz Noormahomed.
3. Smt. Farida Banoo.
(Transferor)
- (2) Jadavji Khimji Chheda.
(Transferee)
- (3) Tenants.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1154/79, dt. 21-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR. II/37G/3603/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Piece of land bearing No. S. No. 49, Hiss No. 110, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

9 - 286G/84

(1) M/s. Mount Coconut Manufacturing Co.
(Transferor)

(2) M/s. Sentinel Rolling Shutters and Engineering Co.
Pvt. Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 747/80 dated 12-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 14-9 1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) L. Jolly, S/o Francis Peter D'Souza
2. Smt. Ephalia Pereira, and
3. Belinda, d/o Francis Peter D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Haji Yunus Haji Lutai Aghadi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

Ref. No. AR. II.37G/3610/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land bearing old Plot No. 12-A, New Plot No. 42-A, at Perry Cross Road, Bandra, Bombay-50 together with a ground floor cottage type structure standing thereon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2809/79 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 21-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1984

- (1) 1. Mr. Shiv Pada Roy
2. Mr. Hari Pada Roy
3. Mr. Shuvendu S. Roy
4. Mr. Siddharth S. Roy &
5. Mr. Rana H. Roy.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Vinod Sehgal
2. Mrs. Madhu Sehgal &
3. Mrs. Shukla Sehgal.

(Transferee)

- (3) Transferors.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. AR. II/37G-3638/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.T.S. No. 10 & 10/1 of village Saki, S. No. 16, H. No. 1 & 2 at Chandivali Village Road off Saki Vihar Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. S-2797/82 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 2-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 17th September 1984

Ref. No. AR. II/37EE/10670/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, 2nd floor of Building No. 1 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Zakir Saifuddin Numberdas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor of Building No. 1 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10670/83-84, dt. 30-1-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 14-9-1984
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 11th September 1984

No. A. 32013/2/84-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. P. Bansal, Assistant Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission to the post of Deputy Controller (DP) (Group 'A' - Rs. 1100-50-1600) in the Commission's office on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. 11-9-1984 to 10-3-1985 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri S. P. Bansal as Deputy Controller (DP) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or for seniority in the post.

M. P. JAIN

Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 12th September 1984

No. A. 12012/1/84-Admn.II.—Shri R. K. Kotnis, Technical Supdt. (Cipher) of Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted as Extra Assistant Director (Cipher) in D.C.P.W. in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 29th August, 1984 until further orders.

B. K. DUBE

Director

Police Telecommunications

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 25th September 1984

No. D.I.-22/82-Estt-I.—The services of Shri Sukhcharan Singh, Commandant (selection Grade) of 52 Bn. CRPF are placed at the disposal of Ministry of commerce on deputation basis as chief Vigilance Officer (Joint Director) w.e.f. 27-8-84 (FN).

The 26th September 1984

No. O. II-1940/84-Estt.—The President is pleased to extend period of deputation on ad-hoc basis of Shri P. N. Mago, an officer of Ministry of Law, Justice and company Affairs, Dept. of Legal Affairs, New Delhi as PAD (Legal) in the CRPF for a further period of 3 months w.e.f. 28-9-84 or till regular appointment to the post is made, whichever is earlier.

The 27th September 1984

No. O.M-1039/72-Estt.—Shri P. J. S. Walia, Dy. SP of 28 Bn presently on deputation to Sikkim Govt. is granted proforma promotion to the rank of Asstt. Commandant in CRPF in the pay scale of Rs. 1200-1700 w.e.f. 21-7-84 (AN) i.e. the date when one of the senior officer from the panel took over charge on promotion as as Asstt. Comdt. in CRPF.

2. This issues with the approval of MHA vide their UO, note No. 9244/JSP/84 dated 12-9-84.

M. P. JAKHMOLA

Assistant Director (Estt)

DTE. GENERAL NATIONAL SECURITY GUARD

New Delhi-110 066, the 10th September 1984

No. E-305/7/84-NSG.—Director General, National Security Guard, is pleased to appoint Sh. Vishnu Bhagwan, Assistant Director of Accounts in the office of Director of Accounts, Cabinet Secretariat, New Delhi on deputation, to the post of Assistant Director of Accounts in the National Security Guard Wing of the Director of Accounts until further orders.

2. The officer assumed charge of the post on 25-8-84 (FN).

K. DADABHOY
Inspector General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (ACCOUNTS)

Gwalior, the 5th September 1984

No. Admn.-I/G.O.s Prom./919—Accountant General (Accounts) Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the undermentioned officiating Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, until further orders, with effect from the date of taking over as noted against his name :—

S. No.	Name	Permanent No.	Date of taking over
1.	Shri Udai Vir Singh	01/1431	28-7-84 F. N.

(Authority :—A.G.(A/cs) M.P. orders dt. 30-5-84)

Sd. ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)

RAJASTHAN

Jaipur, the 26th September 1984

No. Admn. I(Audit)/18-10—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Assistant Audit Officers to the posts of Audit Officers (group 'B' gazetted) in the scale of 840-40-1000-EB-40-1200 in officiating capacity, till further orders, from the date, noted against each :—

S/Shri

1.	Bhagwati Lal Agarwal	24-8-84
2.	Jeewan Roop Mathur	"
3.	Prem Raj Loriya	"
4.	Sohan Lal Buhara	"
5.	Babu Lal Sharma	"
6.	Gyan Chandra Patni	"
7.	Moti Singh Bordia	"
8.	Prakash Narain Mathur	"

No. Admn. I (Audit)/18-10—The Accountant General (Audit), Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote in the officiating capacity the undermentioned Section Officers to the post of Asstt. Audit Officer (Group 'B' gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 from the dates noted against each, till further orders :—

S/Shri

1.	Ram Charan Singh	27-6-84
2.	Keshav Singh Rawat	"
3.	Suresh Chandra Mittal	2-7-84
4.	Rajeshwar Sharma	2-7-84
5.	Ramesh Chandra Saxena	16-7-84
6.	Bishan Lal	25-8-84
7.	Sohan Lal	25-8-84
8.	Heera Lal Paliwal	25-8-84 AN
9.	Mahesh Chandra Sharma	27-8-84
10.	Ram Hari Sharma	"
11.	Chhotey Lal Mishra	"
12.	Joginder Sen Mehta	"

A. MUKHOPADHYAY

Dy. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 21st September 1984

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1016/74-Admn(G).—On attaining the age of superannuation Shri K. C. Jain, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Ex-

ports, (Central Licencing Area), New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1984.

The 24th September 1984

No. 6,1188/77-Admn(G).—Shri S. K. Venkateswaran, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, has been permitted to retire voluntarily from the forenoon of the 7th June, 1984.

M. L. JAYANT

Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

DEPARTMENT OF TEXTILES
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 26th September 1984

No. 2(48)/Est.I/84/5215.—Shri H. H. Mhatre, Assistant Director, Gr. II in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on Superannuation from the afternoon of 31-8-1984.

R. K. KULKARNI
Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 26th September 1984

No. A-19018(615)/82-Admn.(G).—Consequent on his reversion to his parent Deptt. as Works Manager at GM Ordnance Factory, Khamaria Shri V. K. Pandita relinquished charge of the post of Deputy Director (Met) at the Office of the DC (SSI), New Delhi on the afternoon of 10-9-1984.

Thee 27th September 1984

No. 12(360)/62-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to permit Shri C. Radhakrishnan, Director (Gr. II) (Electrical) to retire from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. afternoon of 31-8-84.

S. K. PURKAYASTHA
Dy. Director (A)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION - 6)

New Delhi 110001, the 24th September 1984

No. A-17011/60/73/AG.—Shri R. N. Kaul, permanent Assistant Inspecting Officer (Textiles) and officiating Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Textiles Branch) in Northern Inspection Circle at New Delhi retired from Government Service on the afternoon of 31st August, 1984 on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH
Dy. Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 26th September 1984

No. 6(119)/63-SI.—Shri S. C. Uppin, Programme Executive, All India Radio, Dharwad retired from Government service with effect from 31st July, 1984 (AN).

No. 4(13)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. S. S. Borcar as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 16th July, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(STORE I SECTION)

New Delhi, the 25th September 1984

No. A-19012/6/84-S.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Joginder Singh to the post of Assistant Depot Manager, Govt. Medical Store Depot Karnal, w.e.f. the forenoon of the 14th August, 1984 on an ad-hoc basis and until further orders.

R. C. GULATI
Deputy Assistant Director (Stores)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 24th September 1984

No. OPS/41/16-83-Adm./25494.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. B. G. Rao permanent Jr. Storekeeper and Officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 25-4-1984 (AN) to 15-6-1984 (FN) in the same Directorate vice Shri K. C. S. Pillai, ASO granted leave.

P. GOPALAN
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 20th August 1984

ORDER

Ref. NFC/PA.V 2606/463/1098.—WHEREAS it was alleged that :

"Article I—Shri T. C. Michael while employed as T/B, UOP, NFC (under suspension) has been remaining absent from duty unauthorisedly from Head-quarters from 20-8-83 and thus committed an act of misconduct in terms of Rule 3(1)(ii) and 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

Article II—Shri T. C. Micheal, T/B, UOP (under suspension) failed to complete the construction of house within 18 months from the date of drawal of 1st instalment of house building advance as stipulated in the conditions of sanction of HBA and mortgage deed executed by him and thus committed an act of misconduct in terms of Rule 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964";

AND WHEREAS the said Shri Michael was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/463/112, dated 130-1-84;

AND WHEREAS the said Shri Michael did not receive the charge sheet and the covers sent to all his known addresses were returned undelivered by the postal authorities with the remark 'party left returned to sender';

AND WHEREAS the memorandum sent to his residential address at C/o F.Q. Titus, Rase Bazar Street, Coonoor-2 was returned undelivered by the postal authorities with a remark 'Refused hence ret'd. to sender';

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charges and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA.V/2606/463/423, dated 10-3-84;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 25-7-84 (copy enclosed) stating that the inquiry was held ex-parte and holding both the articles of charge as proved;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report

olds the charges as proved and has come to the conclusion that the said Shri Michael is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) to sub-rule (2) of Rule 2 of CCS (CC & A) Rules, 1965 read with DAE Order No. 12/82-Vig. dated 9-5-1983 hereby removes the said Shri T. C. Michael from service with immediate effect.

J. V. R. PRASADA RAO
Deputy Chief Executive (A)

Incl : a.a.
Shri T. C. Michael
F. No. 40—45
Moula Ali
Hyderabad-500 040

Shri T. C. Michael
F. No. 44—45
Moula Ali
Hyderabad-500 040

Shri T. C. Michael
F. No. 12-7-272/3
Mettuguda
Hyderabad-500 017

Shri T. C. Michael
[lo. F. Q. Titus
Base Bazar Street
Coonoor-2.

Hyderabad-500 762, the 22nd September 1984

No. PAR/0704/2239.—Further to this office notification No. PAR/0704/2038, dated 22-8-1984, the appointment of Sri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 on ad hoc basis is extended upto 22-11-1984 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI,
Manager, Personnel & Admn.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 26th September 1984

No. AMD-51/21/82-Pen.—On attaining the age of superannuation Shri J. G. Solanki permanent Foreman (Mining) and officiating Scientific Officer SB in the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy relinquished charge of his post on the afternoon of August 31, 1984.

S. Y. GOKHALE,
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 25th September 1984

No. Ref. 05012/R1/OP/3817.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Nambiar, a permanent Assistant Accountant, Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from the forenoon of May 17, 1984 to July 27, 1984 (AN) vice Shri A. M. Vaidya, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer-II.

No. 05012/R1/OP/3818.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accounts Officer, Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Pay & Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from the forenoon of May 17, 1984 to July 27, 1984 (AN) vice Shri V. K. Potdar, P & A O, granted leave.

The 28th September 1984

No. 05012/R3/OP/3876.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri D. P. Sharma, Assistant Accounts Officer, Heavy Water Project (Kota) to officiate as Accounts Officer-II in the same project in a temporary capacity, on ad hoc basis from April 21, 1984 (FN) to July 28, 1984 (AN) vice Shri D. S. Israni, Accounts Officer granted leave.

No. 05012/R3/OP/3877.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri S. M. Mishra, Assistant Accountant, Heavy Water Project (Kota) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project in a temporary capacity, on ad hoc basis from April 21, 1984 (FN) to June 19, 1984 (AN) vice Shri B. P. Sharma, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

SMT. K. P. KALLAYANIKUTTY
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th September 1984

No. A.32013/7/84-EI.—The President is pleased to appoint Shri Ashok Kumar Sahdev, Senior Technical Assistant to the post of Scientific Officer on an ad hoc basis for a period of six months from 26th September, 1984 (FN) to 25th March, 1985 (AN) or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

O. P. AGGARWAL
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 26th September 1984

No. 1/40/84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. B. Nikalje, Superintendent, Headquarters Office, Bombay, as Assistant Administrative Officer at the Pune Branch, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 8th August, 1984 and until further orders.

R. K. THAKKER,
Dy. Director (Admn.),
for Director General

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX,

Cochin-682016, the 18th September 1984

ORDER

No. 2/84-85.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961, the Commissioner of Income-tax, Cochin, hereby directs that the following Ranges of the I.A.C. (Assessment) as shown in Column 2 with Head Quarters as shown in Column 3 of the Schedule hereunder shall be created with effect from the date noted against each in Column 4

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the IAC (Assessments)	Head Quarters	Date
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax (Assessment), Trichur	Trichur	1-10-84
2.	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Assessment), Ernakulam	Ernakulam	1-10-84

M. J. MATHAN,
Commissioner of Income-tax, Cochin

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION
MAY, 1985

New Delhi, the 20th October, 1984

No. F.8/4/84-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 5th May, 1985, for admission to the undermentioned courses :

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

- | | |
|---|-----|
| (1) Indian Military Academy, Dehra Dun
(80th Course commencing in January, 1986)
[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders]. | 150 |
| (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in January, 1986. | |
| (a) General Service
[Including 6 reserved for NCC 'C' Certificate (Naval Wing) holders]. | 48 |
| (b) Naval Aviation | 32 |
| (3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore
[Pre-Flying Training Course for 139th F(P) Course commencing in January, 1986]
[Includes 3 reserved for NCC 'C' Certificate (Air Wing) holders]. | 9 |
| (4) Officers' Training School, Madras [43rd SSC (NT) Course commencing in May, 1986] | 275 |

N.B. (i).—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference also for no other course(s).

No request for additional alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA/Naval Academy/Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions :—

- (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course; and
- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing)/(Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing)/Senior Division Air Wing/Naval Wing examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing)/Senior Division Air Wing/Naval Wing examination to reach the Army HQ/Rtg. 6 (SP) (c), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by 31st December, 1985.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date for receipt of applications in the Commission's office.

NOTE II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Tirunelveli, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 5th April, 1983, will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(i) Nationality :—

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

(b) Age limits, sex and marital status :—

- (i) For IMA—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1962 and not later than 1st January, 1967 only are eligible.
- (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1964 and not later than 1st January, 1967 are only eligible.
- (iii) For Officers' Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd January, 1961 and not later than 1st January, 1967 are only eligible.

NOTE :—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navv and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of verification by the Selection Staff.

(c) Educational qualifications :—

- (i) For I.M.A., Naval Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) For Air Force Academy :—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ [Rtg. 6/SP(e)], New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ [R&R, Sena Bhawan,

New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled :—

- (i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 31st December, 1985.
- (ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 30th April, 1986.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE I : Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination, delay in declaration of results or any other ground whatsoever.

NOTE II : Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

NOTE III : Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4 FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight), [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Application not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Deah) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and has migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a respective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

6. HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May, 1985 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union

Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of Charge from nearest Military Area/Sub-Area Headquarters, Naval and Air Force Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertaking or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (viz.) Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 17th December, 1984 (31st December, 1984, in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangl Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 17th December, 1984, and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 17th December, 1984.

NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Tribes candidates] through crossed Indian Postal Order payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE :—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the Candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head '051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of age—

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from

a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age is recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1 :—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2 :—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3 :—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

- (iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to sup-

port his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educational qualification does not indicate the subjects of the examination, he must submit in addition to the attested/certified copy of University certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with Physics and/or Mathematics, as subjects of examination. If however, the candidate has passed his degree or equivalent examination with subjects other than Physics and/or Mathematics, he must, in addition to attested/certified copy of degree or equivalent certificate, submit an attested/certified copy of the University/Board certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern or the 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination. In such a case, if the attested/certified copy of the University/Board certificate of passing the Higher Secondary Examination old pattern or 12th Standard Examination (under the 10+2 pattern of school education) does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal concerned showing that the candidate has passed the examination with Mathematics and Physics as subjects of the examination, must also be submitted.

(iv) Attendance sheet (attached with the application Form) duly filled.

(v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

(B) *By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—* Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) *By candidates claiming remission of fee :—*

(i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate :—

(a) *Displaced persons from erstwhile East Pakistan :*

(i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) *Repatriates from Sri Lanka :*

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriates from Burma :*

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(d) *Displaced persons from erstwhile West Pakistan :*

(i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

(D) *By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A., Air Force Academy Course and Naval Academy Course.*

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination

NOTE :—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rupees fifteen) [Rs. 4/- (Rupees four) in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date no refund of fee will be made to that candidate.
- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in May, 1984 or in October 1984, and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination May, 1985 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1985.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—Every application including late one, received in the Commission's Office, is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instruction issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for specified period—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to him, into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.

Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ Rtg. 6(SP)(e), New Delhi-110022: in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011; in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011; in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 31st December, 1985 [30th April, 1986 in case of SSC (NT) only]. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.

15. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'s BRANCH RTG6(SP)(e)(ii), WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022, AND AIR HQ (PO3) VAYU BHAWAN, NEW DELHI-110011, FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended

for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP)(e)(ii), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-11002 and Air Headquarters (PO3) Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles.

- (a) Passport size photographs in white shirt—6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

N.B. :—In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by October, 1985 and by January, 1986 for OTS, he should write to Army Headquarters/Rtg. 6(SP) (e) West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110066, regarding non-receipt of the call up letter.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in September/October, 1985 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1985/January, 1986.

Candidates will appear before the Services Selection Board, and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written

examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

NOTE : Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission to the F(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Services Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/Grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMA/NA/AFA may be considered for induction into OTS on their merits provided there is shortfall on that particular course.

22 The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN
Dy. Secy.

APPENDIX 1

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

- written examination as shown in para 2 below;
- Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For admission to Indian Military Academy :

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum Marks
COMPULSORY		
1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100
OPTIONAL		
*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics	2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics	2 Hrs.	150
*Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.		

(c) For Admission to Officers Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100

(d) For Admission to Air Force Academy :

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION.

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS

ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidates' understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—additions, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division, algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of Indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ < X < 90^\circ$

Values of $\sin x$, $\cos x$ and $\tan x$, for $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90°

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circles and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and MKS units scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion. concept of Force Units of force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel Machines. Velocity Ratio. Various simple machines incl. Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane Screw and Gears. Friction angle of friction coefficient of friction. Work, Power and energy. Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law, Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear Propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope. Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law, P.D., Resistances E.M.F. (Resistances in series and parallel). Potentiometer Comparison of E.M.F's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating, Electromagnetic induction. Faraday's Laws, Basic AC & DC-generator.

PHYSICS (Code No. 06)*General properties of matter and mechanics*

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple, harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effect of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats, stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

97—286 GI/84

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Vander Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons, Discharge of Electricity, through gas; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

MATHEMATICS (Code No. 04)**1. Algebra**

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebraic Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry*Analytical Geometry of two dimensions*

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis) Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential Calculus.—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation Rolle's theorem, Mean value theorem; Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applications. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such as tangent, normal, sub-tangent subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope; Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus.—Standard methods of integration Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations.—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Moments, Couples Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion, Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability.—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods addition and multiplication, theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous) density function. Mathematical expectation.

Standard distribution.—binomial Distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution.—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis. Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error, Simple application of the normal, t , χ^2 and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note:—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning, outdoor group tests, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, the aim is to assess not only his intellectual capabilities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—

- The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
- The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions India, Garhwal and Kumaon the minimum acceptable height will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

Height and Weight Standards

Height in Centimetres (without shoes)	Weight in Kgs.		
	18 years	20 years	22 years
152	44	46	47
155	46	48	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	55	55
168	55	55	57
170	55	57	57
173	57	59	60
175	59	61	62
176	61	62	63
180	64	64	65
185	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	74	77
195	77	78	78

A+10% (± 6 Kg. for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

(d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.

(e) There should be no disease of bones and joints of the body.

(f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.

(g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

(h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.

(i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.

(j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healing is completed.

(k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.

(l) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.

(m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.

(n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:—

Distant Vision	6/6 6/9 correctable to 6/6
Near vision	N-3 each eye
Colour vision	CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Ocular Muscle Balance

Heterophoria, with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) at 6 meters	Exophoria 8 prism dioptres Esophoria 8 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres.
-----------------	---

(ii) at 30 cms	Exophoria 16 prism dioptres Esophoria 96 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres
----------------	--

(o) The candidate should have sufficient number natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhea.

(p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only:—

(a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows:

Height	167.5 cms.
Leg Length	Min. 99 cms. & Max. 120 cms.
Thigh Length Sitting	Max. 64 cms.
Height	Min. 81.5 cms. & Max. 96 cms.

(b) X-ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying:

(i) Granulomatous disease of Spine

(ii) Arthritis/spondylosis

(iii) More than mild kyphosis/Lordosis. Scoliosis More than 15° by Cobb's method will be cause for rejection.

(iv) Spondylolisthesis/spondylolysis

(v) Herniated Nucleus Pulposus

(vi) Compression fracture of Vertebra

(vii) Scheuermann's Disease

(viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.

(ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.

(c) X-Ray Chest is compulsory.

(d) Vision

Distant Vision	6/6 6/9 Correctable to 6/6
Near vision	N-3 each eye
Colour vision	CP-1 (MLT)
Manifest Hypermetropia	must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

(i) at 6 metres	Exophoria	6 prism dioptries.
	Esophoria	6 prism dioptries.
	Hyperphoria	1 prism dioptries
(ii) at 33 cms	Exophoria	16 prism dioptries
	Esophoria	6 prism dioptries
	Hyperphoria	1 prism dioptries
	Myopia	Nil
	Astigmatism	+0.75D only

Binocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth)

(e) Hearing Standards

- (i) Speech test Whispered hearing 610 cms each ear
- (ii) Audiometric test Audiometric loss should not exceed + 10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz

(f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.

3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.

4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.

1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen-cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

(b) For items of clothing and equipment—Rs. 800.00

Total : Rs. 1250.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month Rs. 450.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—

(a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or

(b) if he is not granted a commission refunded to the state.

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN

1. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid:

(i) Pocket allowance for five months @Rs. 45.00 Per month	Rs. 225.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 685.00

(2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months @ Rs. 45.00 Per month	Rs. 90.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 550.00

(b)(i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under :

- (a) Cadets Training including a float training for 6 months 1 year
- (b) Midshipment a float Training 6 months
- (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course 12 months
- (d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will, however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Naval is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible

at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

On being granted a commission, article of clothing and necessities purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous, military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel	1900 fixed
Lieut	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Maj. General	2400—125/2—2750
Major (Selection Grade Pay)	1800—50—1900		
Lt. Colonel (By Selection)	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.
		Lt. General (Army Commanders)	3250 p. m.
Lt. Colonel (Selection Grade Pay)	2000-50-2100		

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

(a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.

(b) A kit maintenance allowance of Rs. 75/- p.m.

(c) *Expatriation Allowance* is admissible when serving Ex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance.

(d) *Separation allowance* : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m.

(e) *Outfit Allowance* :—Initial outfit allowance is Rs. 2100/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations are provided upto the level of Colonel in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

by time scale

Lt.	2 years of Commissioned Service
Capt.	6 years of Commissioned Service
Major	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major (if not promoted by Selection)	25 years of Commissioned Service

by Selection

Lt. Col.	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service
Major Gen.	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen.	28 years of Commissioned Service
General	No restriction.

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6½ years
Colonel	8½ years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale	
	General Service	
(1)	(2)	
Midshipman	Rs. 560	
Ag. Sub. Lieut.	Rs. 750	
Sub. Lieut.	Rs. 830—870	
Lieut.	Rs. 1100—1450	
Lieut. Cdr.	Rs. 1450—1800	
Commander (By Selection)	Rs. 1750—1950	
Commander (By time scale)	Rs. 1900 fixed	
Captain	Rs. 1950—2400 (Commodore, receives pay to which entitled according to seniority as Captain)	
Rear Admiral	Rs. 2500—125/2—2750	
Vice-Admiral	Rs. 3000	
Vice-Admiral (VCNS/FOC-IN-C)	Rs. 3250	

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

(i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.

(ii) A K¹ maintenance allowance of Rs. 75 p.m.

(iii) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held, is admissible.

(iv) A separation allowance of Rs. 140 p.m. is admissible to—

(a) married officers serving in non-family station; and

(b) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.

(v) (a) Outfit Allowance : Initial Outfit Allowance is Rs. 2,400/-.

(b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 2,100/-, after every 7 years of effective Service.

(vi) Free rations are provided upto the level of Captain (IN) in the Navy.

NOTE I. —In addition certain special concessions like hard-lying money sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II. —Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipman to Ag. Sub. Lieut. 1/2 year

Ag. Sub. Lieut. to Sub Lieut. 1 year

Sub. Lieut. to Lieut. 3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt (Subject to gain/forfeiture of seniority).

Lieut. to Lieut. Cdr. 8 years seniority as Lieut.

Lieut. Cdr. to Cdr (if not promoted by selection) 24 years (reckonable commissioned service).

(b) By Selection

Lieut. Cdr. to Cdr. 2—8 years seniority as Lieut. Cdr.

Cdr. to Capt. 4 years seniority as Cdr.

Capt. to Rear Admiral and above. No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS

1. Before the candidate joins the Officers' Training School, Madras—

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90.00 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officers' Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs. 90.00 per month	Rs. 900.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 500.00
Total	Rs. 1400.00

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No. candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending sanction of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

10. Terms and Conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay 2/Lt. and Lieut. are, —

(i) Second Lieut. Rs. 750—790 p.m.

(ii) Lieut. Rs. 830—950 p.m. plus other allowances as laid down for regular officers.

(e) Leave : For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 *ibid*.

(f) Termination of Commission : An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

(i) for misconduct or if services are found to be satisfactory; or

(ii) on account of medical unfitness; or

(iii) if his services are no longer required; or

(iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) *Pensionary benefits*

(i) These are under consideration.

(ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) *Reserve Liability*

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or upto the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous* : All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

1. *Selection*.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

(a) *Direct Entry*.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.

(b) *NCC Entry*.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.

2. *Detailing for Training*.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. *Training*.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Conditions governing Financial Assistance :

(i) While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly, even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No

cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all Sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Air Force Administrative College, Red Fields, Coimbatore.

(ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

(b) For items of clothing and equipment Rs. 525.00
Total : Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned :—

Pocket allowance for the five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

4. *Career Prospects*

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/- p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5 PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank	Flying Branch
	Rs.
Plt Offr.	825—865
Flg Offr.	910—1030
Flt Lt.	1150—1550
Sqn. Ldr.	1450—1800
Wg. Cdr.	1550—1950
Gp Capt.	1950—2175
Air Comde.	2200—2400
Air Vice Marshal	2500—2750
Air Marshal	3000

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kia Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates :—

W. Cdr. and below	Rs. 750.00 P. M.
Gp. Capt. and Air Comde	Rs. 660.00 P. M.
Air Vice Marshal and above	Rs. 600.00 P. M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/-, and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25 per cent to 40 per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single, Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counselor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowances.—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess : Rs. 1,800/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Gr. Captain in the Air Force.

6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave.—60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms. for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children, family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. Pensionary Benefits

Retiring Rank substantive	Minimum length of qualifying service	Standard rate of retiring Pension.
Plt. Offr/Fg. Offr.	20 years	575.00 P.M.
Fl. Lt.	20 years	800.00 P.M.
Sqn. Ldr.	22 years	925.00 P.M.
Wg. Cdr. (Time Scale)	26 years	975.00 P.M.
Wg. Cdr. (Selective)	24 years	1000.00 P.M.
Gp. Capt.	26 years	1150.00 P.M.
Air Comde.	28 years	1250.00 P.M.
Air Vice Marshal	30 years	1425.00 P.M.
Air Marshal	30 years	1375.00 P.M.
Air Marshal VCAS and AOSC-in-C	30 years	1475.00 P.M.
Air Chief Marshal	30 years	1700.00 P.M.

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President is as under :—

- For 10 years service—Rs. 12,000/- less 14 month's pay of rank last held.
- for every additional year—Rs. 1200/- less 4 month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 164 times of the emoluments not exceeding Rs. 36,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows :—

- Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- six months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical and, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

APPENDIX IV

(a) The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the

Caste|Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste|Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1950*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry), Schedule Castes Order, 1964*

the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri _____ and/or* his family ordinarily reside(s) in village|town* _____ of _____ District|Division* of the State|Union Territory of _____.

Signature.....

**Designation.....

State|Union Territory*.....

(with seal of office)

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 80 of the representation of the People Act, 1950.

(b) Form of certificate to be produced by a candidate belonging to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe who has migrated from one State|Union Territory to another State|Union Territory.

This is to certify that* Shri|Shrimati|Kumari*..... son|daughter of Shri..... of village|town*..... in District|Division..... of the State|Union Territory* belongs to the..... Caste|Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste|Scheduled Tribe*.

Under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. The certificate is issued on the basis of the Scheduled Castes|Scheduled Tribes* certificate issued to Shri|Shrimati*..... Father|Mother* of Shri|Shrimati|Kumari*..... of village|town*..... in District|Division*..... of the State|Union Territory*..... who belongs to the..... caste|tribe* which is recognised as a Scheduled Caste|Scheduled Tribe* in the State|Union Territory*..... issued by the..... (name of prescribed authority) vide their No.

Signature.....

**Designation.....

(with seal of Office)

Place..... State|Union Territory*

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

**Officers competent to issue Caste|Tribes Certificates.

(i) District Magistrate|Additional District Magistrate, Collector|Deputy Commissioner|Additional Deputy

Commissioner|Deputy Collector|1st Class Stipendiary Magistrate|City Magistrate|a Sub Divisional Magistrate|Taluka Magistrate|Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.

not below the rank of 1st Class Stipendiary @Magistrate.

(ii) Chief Presidency Magistrate|Additional Chief Presidency Magistrate|Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATE INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,.....etc Under each item will be given suggested answers marked a,b,c,d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end) In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provide to you in the examination hall. You have to mark your responses on the answer sheet. Responses marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate

your response) Ink should not be used in blackening the circle on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.

2. To change a wrong marking, erase it **completely** and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATION:

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.

2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALIZED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**

5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.

6. You are required to read carefully the instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instruction given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clock, a watch, a calculator or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall. These are not needed. Separate charts for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collect all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: *denotes the correct/best answer option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- * (b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- * (d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- * (a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting in the correct season

4. (Chemistry)

The anhydride of H_2VO_4 is

- (a) VO_2
- (b) VO_3
- (c) V_2O_5
- * (d) V_2O_3

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- (a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue products are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- * (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- * (c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Albite
- * (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation:

$$x \frac{dy}{dx} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) $y = ax + b$
- (b) $y = ax$
- (c) $Y = aex + be - x$
- * (d) $y = aex - d$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 100°K and 300°K . Its efficiency is

- (a) $3/4$
- * (b) $(4-1)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 4^2
- (c) 3
- (d) ∞
- (d) -3

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) Most of the oil resources are found in part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism ?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was highly formalised and pretensions religion.
- * (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following :

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa
- (b) Nyaya, Vaisheshika, Jainism and Buddhism Carvaka
- (c) Advaita, Vedanta, Samkhya, Carvaka, Yoga
- * (d) Buddhism, Samkhya, Mimamsa Carvaka

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- * (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- * (b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following :

- * (a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

NOTE :—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.